THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 359 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र कृ.8 2081 शनिवार, 22 मार्च-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

कर्नाटक विधानसभा में हनीट्रैप पर हंगामा

बेंगलूरू, 21 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक विधानसभा में शुक्रवार को हनी ट्रैप के मुद्दे को लेकर हंगामा हो गया। भाजपा विधायकों ने जमकर नारेबाजी की और कुछ विधायकों ने अपने हाथों में सीडी थामे हुई थी, जिन्हें लेकर दावा किया गया कि उनके पास हनी ट्रैप को लेकर सबूत हैं। इसके बाद कुछ विधायक नारेबाजी करते हुए वेल में पहुंच गए। इस दौरान विधायकों ने सभापति के आसन के पास पेपर फेंके। सदन में हंगामे के चलते विधानसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। दरअसल गुरुवार को कर्नाटक सरकार के सहकारिता मंत्री केएन राजन्ना ने विधानसभा में दावा किया कि केंद्रीय नेताओं समेत 48 राजनेता हनी ट्रैप में फंस गए हैं।

राज्यसभा में गरजे अमित शाह

गृह मंत्रालय में बदलाव करना जरूरी

आतंकवाद पर बोला करारा हमला, विपक्ष को भी घेरा

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में गृह मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा का जवाब दिया। इस दौरान उन्होंने आतंकवाद पर करारा हमला बोलते हुए सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति का जिक्र किया। उन्होंने अनुच्छेद 370 समेत तमाम मुद्दों पर कांग्रेस समेत विपक्ष को घेरा। उन्होंने कहा कि चार दशक से देश में तीन नासूर थे, पहला- आतंकवाद, दूसरा- नक्सलवाद और तीसरा- पूर्व उग्रवाद। हमने आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई।

अमित शाह ने कहा, 21 सदस्यों ने सदन में अपने विचार रखे। एक तरह से गृह मंत्रालय के अनेक कार्यों के आयामों को समेटने का प्रयास किया गया। सबसे पहले मैं उन हजारों राज्य पुलिस और केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के जवानों के प्रति आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने देश की आंतरिक सुरक्षा के साथ-साथ सीमाओं को मजबूत करने के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।

कई तरह के अपराध राज्य की सीमा तक सीमित नहीं :

राज्यसभा में गृह मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा का जवाब देते हुए अमित शाह ने कहा, एक तरह से गृह मंत्रालय बहुत कठिन परिस्थितियों में काम करता है। संविधान ने कानून और व्यवस्था की जिम्मेदारी राज्यों को दी है। सीमा सुरक्षा और आंतरिक सुरक्षा गृह मंत्रालय के अंतर्गत आती है। यह एक सही निर्णय है। इसमें कोई बदलाव करने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन जब कानून और व्यवस्था की जिम्मेदारी राज्यों की है तो 76 साल बाद अब ऐसी स्थिति है कि कई तरह के अपराध राज्य की सीमा तक सीमित नहीं रह गए हैं, वे अंतर्राज्यीय भी हैं और बहुराज्यीय भी हैं-जैसे नारकोटिक्स, साइबर अपराध, संगठित अपराध गिरोह, हवाला। ये सभी अपराध सिर्फ एक राज्य के भीतर नहीं होते हैं।

गृह मंत्रालय में बदलाव करना जरूरी :

उन्होंने कहा कि देश में कई अपराध देश के बाहर से भी होते हैं। इसलिए इन सबको ध्यान में रखते हुए गृह मंत्रालय में बदलाव करना जरूरी हो जाता है। मैं यह गर्व के साथ कहता हूं कि 10 साल में पीएम नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए गृह मंत्रालय में लंबे समय से लंबित बदलाव एक बार में किए हैं।

राज्यसभा में गूंजा हाईकोर्ट जज के घर नकदी मिलने का मामला

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट के एक जज के घर से कथित तौर पर नकदी बरामद होने का मामला शुक्रवार को राज्यसभा में भी गूंजा। सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि वह इस मुद्दे पर व्यवस्थित चर्चा के लिए कोई व्यवस्था ढूंढ़ेंगे। सुबह के सत्र में इस मुद्दे को उठाते हुए कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने न्यायिक जवाबदेही पर सभापति का जवाब मांगा। रमेश ने सभापति को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश के खिलाफ महाभियोग के संबंध में लंबित नोटिस की याद दिलाई। रमेश ने कहा, आज सुबह हमने दिल्ली उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश के आवास से भारी मात्रा में नकदी बरामद होने के चौंकाने वाले मामले के बारे में पढ़ा। उन्होंने यह भी बताया कि इससे पहले, 50 सांसदों ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश की ओर से की गई कुछ टिप्पणियों के संबंध में सभापति को नोटिस सौंपा था। रमेश ने कहा कि चेयरमैन ने स्वयं बार-बार न्यायिक जवाबदेही की आवश्यकता पर बात की है।

जज के घर कैश नहीं.. सिर्फ धुआं!

> दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश बेदाग
> दमकल विभाग के प्रमुख ने दी जानकारी

जस्टिस यशवंत वर्मा

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। जस्टिस यशवंत वर्मा के इलाहाबाद हाई कोर्ट में ट्रांसफर की खबरों से छिड़े विवाद के बाद सुप्रीम कोर्ट ने सफाई दी है। कोर्ट ने कहा है कि गलत जानकारी और अफवाहें फैलाई जा रही हैं। इस मामले में कॉलेजियम ने प्रेस में बयान जारी किया और कहा कि जस्टिस वर्मा का इलाहाबाद हाई कोर्ट में ट्रांसफर नहीं किया गया है।

जस्टिस वर्मा से मांगा गया जवाब

सुप्रीम कोर्ट के मुताबिक, अभी इस मुद्दे पर संबंधित जजों और खुद जस्टिस वर्मा से जवाब मांगा गया है, जिसका परीक्षण करने के बाद फैसला लिया जाएगा। जस्टिस यशवंत वर्मा दिल्ली हाई कोर्ट में दूसरे सबसे सीनियर जज हैं और कॉलेजियम के सदस्य भी हैं। उन्हें उनके मूल हाई कोर्ट, यानी इलाहाबाद हाई कोर्ट में ट्रांसफर करने का प्रस्ताव है। वहां वे वरिष्ठता में नौवें स्थान पर होंगे। यह प्रस्ताव इन-हाउस जांच प्रक्रिया से अलग है।

फायर विभाग ने कहा-कोई नकदी नहीं मिली

जस्टिस वर्मा शहर से बाहर थे जब उनके आवास पर आग लग गई, जिसके बाद उनके परिवार ने फायर ब्रिगेड को बुलाया। कहा जा रहा है कि आग पर काबू पाने के बाद, फायर कर्मियों को एक कमरे के अंदर बड़ी मात्रा में नकदी मिली। हालांकि, दिल्ली फायर सर्विसेज के चीफ अतुल गर्ग ने पीटीआई को बताया कि फायर फाइटरों को वर्मा के आवास पर आग बुझाने के दौरान कोई नकदी नहीं मिली। अतुल गर्ग ने कहा, आग बुझाने के तुरंत बाद, हमने पुलिस को आग की घटना के बारे में सूचित किया। इसके बाद फायर विभाग के कर्मियों की एक टीम मौके से रवाना हो गई। हमारे फायर फाइटरों को आग बुझाने के दौरान कोई नकदी नहीं मिली।

कॉलेजियम एक प्रस्ताव पारित करेगा

दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस ने 20 मार्च को कॉलेजियम की बैठक से पहले जांच शुरू कर दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह आज चीफ जस्टिस को अपनी रिपोर्ट पेश करेंगे। इसके बाद, रिपोर्ट की जांच की जाएगी और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। यह प्रस्ताव 20 मार्च को सीजेआई और सुप्रीम कोर्ट के चार सबसे वरिष्ठ जजों की कॉलेजियम ने जांचा था। इसके बाद, शीर्ष अदालत के परामर्शदाता जजों, संबंधित हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस और जस्टिस यशवंत वर्मा को पत्र लिखे गए थे। बयान में कहा गया है कि प्राप्त जवाबों की जांच की जाएगी और उसके बाद कॉलेजियम एक प्रस्ताव पारित करेगा।

'अपने निर्वाचन क्षेत्र में सभी नागरिकों की स्वास्थ्य जांच कराएं सांसद' : लोकसभा में बोले जेपी नड्डा

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने शुक्रवार को लोकसभा में सभी सांसदों से अपील की कि वे अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्र में रहने वाले सभी नागरिकों की हर साल स्वास्थ्य जांच होना सुनिश्चित करें। नड्डा ने कहा कि सरकार ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर के तहत 30 साल के सभी नागरिकों की स्वास्थ्य जांच कराने का अभियान शुरू किया है। इन मुफ्त चेकअप के दौरान लोगों के ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और कैंसर जैसी बीमारियों की जांच की जाएगी। जेपी नड्डा ने कहा कि जब से यह अभियान शुरू हुआ है, तब से 35 करोड़ लोगों की जांच की जा चुकी है। इनमें से 4.2 करोड़ लोग हाइपरटेंशन से पीड़ित मिले हैं। वहीं 2.6 करोड़ लोगों में डायबिटीज के लक्षण मिले हैं। जेपी नड्डा ने बताया कि 29 करोड़ लोगों की कैंसर की जांच की गई है, इनमें से 1.18 करोड़ लोगों में कैंसर का पता चला है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मैं आप सभी से अपील करता हूं कि अपने निर्वाचन क्षेत्र में हर साल नागरिकों के लिए मुफ्त स्वास्थ्य जांच का आयोजन कराएं।

'चोरी हुई 297 प्राचीन वस्तुओं को अमेरिका से वापस लाया गया'

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने संसद को बताया कि अब तक देश से तस्करी कर बाहर भेजी गई 588 भारतीय प्राचीन वस्तुएं अमेरिका से वापस लाई गई, इनमें से 297 को 2024 में वापस लाया गया। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राज्यसभा में एक लिखित जवाब में यह जानकारी दी। वह प्राचीन वस्तुओं के अवैध व्यापार को रोकने के लिए अमेरिका-भारत सांस्कृतिक संपत्ति समझौते के तहत वापस लौटाए गई 'लूटे या चुराए गए कलाकृतियों' की संख्या से संबंधित एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। भारतीय प्राचीन वस्तुओं की तस्करी को रोकने के लिए अमेरिका के साथ सांस्कृतिक संपदा समझौते (सीपीए) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। मंत्री ने बताया कि यह समझौता रोकथाम के लिए है, इसलिए इसमें कोई निश्चित समय सीमा या लक्ष्य संख्या नहीं है। मंत्री से यह भी पूछा गया कि क्या सरकार चोरी हुई प्राचीन वस्तुओं को वापस लाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठनों या अन्य देशों के साथ सहयोग करने की योजना बना रही है। शेखावत ने कहा, भारत जरूरत पड़ने पर यूनेस्को और इंटरपोल सहित विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ सहयोग करता है। मंत्री ये प्रश्न भी पूछा गया कि क्या सरकार ने कुंभ मेले जैसे आयोजनों के दौरान 'प्राचीन परंपराओं का पुनरुत्थान' देखा? शेखावत ने जवाब दिया कि कुंभ मेला एक प्रमुख हिंदू धार्मिक उत्सव है और दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक है, जहां लाखों श्रद्धालु पवित्र नदियों में स्नान करने के लिए इकट्ठा होते हैं। इस दौरान, कई पुराने संप्रदाय, आध्यात्मिक संगठन और धार्मिक नेता एक साथ आते हैं और सदियों पुरानी रस्मों, परंपराओं और प्रथाओं का पालन करते हैं। उन्होंने कहा, भारत में प्राचीन परंपराओं का पुनरुत्थान, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर में बढ़ती रुचि और आधुनिक धार्मिक चुनौतियों के बीच गहरे अर्थ की तलाश जैसे कारणों से हो रहा है।

पहली बार सुप्रीम कोर्ट की पूर्ण अदालत ने वरिष्ठ वकील को जारी किया कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने एक वरिष्ठ अधिवक्ता को कारण बताओ नोटिस जारी कर यह पूछने का निर्णय किया है कि शीर्ष अदालत की ओर से उन्हें दी गई पदवी क्यों न रद्द कर दी जाए। यह अभूतपूर्व निर्णय वरिष्ठ अधिवक्ता ऋषि मल्होत्रा के खिलाफ कदाचार के आरोपों के मद्देनजर लिया गया है।

मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की ओर से बुलाई गई पूर्ण अदालत (जिसमें प्रशासनिक पक्ष के सभी सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश शामिल थे) ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया। शीर्ष अदालत ने 20 फरवरी को मल्होत्रा के खिलाफ कड़ी टिप्पणी की थी। उन पर शीर्ष अदालत की चेतावनियों के बावजूद भ्रामक बयान देने के अलावा कैदियों की समयपूर्व रिहाई के कई मामलों में महत्वपूर्ण तथ्यों को दबाने का आरोप है। पूर्ण न्यायालय (जिसने अपने महासचिव भरत पराशर को कारण बताओ नोटिस जारी करने के लिए अधिकृत किया) ने कहा कि मल्होत्रा को वरिष्ठ पदनाम से हटाए जाने से पहले अपने आचरण को स्पष्ट करने के लिए एक और अवसर दिया जाना चाहिए। 20 फरवरी के अपने फैसले में न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने एक हालिया मामले में उनके आचरण की आलोचना की थी और उन पर यह खुलासा न करने का आरोप लगाया था कि शीर्ष अदालत ने दोषी की सजा में छूट पर 30 साल की रोक लगा दी है।

इसी प्रकार, न्यायालय ने पाया कि मल्होत्रा ने अन्य अवसरों पर भी सर्वोच्च न्यायालय को गुमराह किया है। पीठ ने कहा था, हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि हम वरिष्ठ अधिवक्ता ऋषि मल्होत्रा के खिलाफ इस सवाल पर कोई अंतिम निष्कर्ष दर्ज नहीं कर रहे हैं कि क्या उनका पदनाम वापस लिया जा सकता है। हम इस मुद्दे पर निर्णय लेने का काम भारत के मुख्य न्यायाधीश पर छोड़ते हैं।

भारत ने हासिल किया एक बिलियन टन कोयला उत्पादन का ऐतिहासिक मुकाम

पीएम मोदी ने की सराहना

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भारत के एक बिलियन टन कोयला उत्पादन के महत्वपूर्ण लक्ष्य को पार करने की उपलब्धि की सराहना की। उन्होंने इसे देश की ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए कोयला क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों की कड़ी मेहनत और समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि भारत की ऊर्जा स्थिरता और सतत विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने माइक्रोब्लॉगिंग साइट एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, भारत के लिए गर्व का क्षण! एक बिलियन टन कोयला उत्पादन का ऐतिहासिक मुकाम पार करना एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। जो हमारी ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक विकास और आत्मनिर्भरता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह उपलब्धि इस क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों की मेहनत और समर्पण का परिणाम है।

कोयला मंत्री गिरीश किशन रेड्डी ने भी सराहा

केंद्रीय कोयला एवं खनन मंत्री गिरीश किशन रेड्डी ने भी इस उपलब्धि की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व को श्रेय दिया, जिसने इस क्षेत्र में तकनीकी उन्नति को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीकों और कुशल खनन प्रक्रियाओं को अपनाकर, भारत ने न केवल कोयला उत्पादन को बढ़ाया है, बल्कि सतत और जिम्मेदार खनन को भी प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा, यह महत्वपूर्ण उपलब्धि भारत की आर्थिक वृद्धि को गति देगी, देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करेगी और सभी नागरिकों के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। कोयला मंत्रालय द्वारा पिछले महीने जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, भारत दुनिया में पांचवां सबसे बड़ा कोयला भंडार रखने वाला देश है और दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है। कोयला देश की राष्ट्रीय ऊर्जा खपत का 55 प्रतिशत योगदान देता है और ऊर्जा सुरक्षा के लिए एक अनिवार्य संसाधन बना हुआ है।

कोयला क्षेत्र : औद्योगिक और आर्थिक विकास की रीढ़ :

भारत में 74 प्रतिशत बिजली उत्पादन थर्मल पावर प्लांट्स से होता है, जिससे कोयला क्षेत्र की मजबूती आवश्यक हो जाती है। दिसंबर 2024 में कोयला उद्योग की विकास दर 5.3 प्रतिशत दर्ज की गई, जो भारत की आठ प्रमुख उद्योगों में सबसे अधिक थी। यह क्षेत्र भारतीय रेलवे के मालभाड़ा राजस्व का 50 प्रतिशत उत्पन्न करता है और लगभग 4.78 लाख लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार प्रदान करता है।

जिस ग्रेनेड से हुआ संसद और मुंबई पर हमला पंजाब में भी वही ग्रेनेड था : अजय माकन

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। राज्यसभा में गृह मंत्रालय के कामकाज पर शुक्रवार को चर्चा की जा रही है। इस दौरान कांग्रेस सांसद अजय माकन ने कहा कि पूरे देश में दिल्ली में महिलाओं, बच्चों और वृद्धों के साथ सबसे अधिक आपराधिक घटनाएं हो रही हैं। इसके अलावा उन्होंने पंजाब का जिक्र करते हुए बताया कि वहां ड्रग्स और विदेशी हथियारों का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसके तार सीमा पार से जुड़े हैं।

अजय माकन ने गृह मंत्रालय के कार्यकाल पर चर्चा के दौरान कहा कि दिल्ली पुलिस सीधे केंद्रीय गृह मंत्रालय के अंदर आती है। पूरे देश में प्रत्येक एक लाख पर 66 महिलाओं के खिलाफ अपराध होते हैं, लेकिन दिल्ली के अंदर प्रत्येक लाख महिलाओं में 144 महिलाओं के खिलाफ अपराध होते हैं। पूरे देश में सबसे अधिक महिलाओं के प्रति अपराध दिल्ली में होते हैं। ऐसे ही पूरे हिंदुस्तान में प्रत्येक 1 लाख बच्चों पर 36 बच्चों के साथ अपराध होते हैं। दिल्ली में प्रति लाख में 134 बच्चों के साथ अपराध होते हैं। इसी तरह वृद्धों के खिलाफ होने वाले अपराधों में भी दिल्ली पूरे देश में नंबर वन है।

उन्होंने कहा कि पहले ड्रग्स और नारकोटिक्स आते हैं, फिर गैंगवार और टेररिज्म आता है। केरल और पंजाब के अंदर नशे के मामले बहुत अधिक हो गए हैं। पाकिस्तान से पंजाब में ड्रोन के जरिए ड्रग्स के पैकेट आ रहे हैं। पंजाब के पुलिस स्टेशनों में ग्रेनेड से हमले हो रहे हैं। वर्ष 2022 से लेकर अब तक 15 प्रमुख घटनाएं हुई हैं, जिनमें आरपीजी रॉकेट ग्रेनेड जैसे हथियारों का भी इस्तेमाल हुआ है।

विधानसभा में मुस्लिम आरक्षण पर हंगामा

18 भाजपा विधायक 6 महीने के लिए सस्पेंड, सीएम समेत मंत्रियों-विधायकों की सैलरी दोगुनी हुई

बेंगलुरू, 21 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक विधानसभा में शुक्रवार को सरकारी ठेकों में मुस्लिमों को 4 प्रतिशत आरक्षण देने के मामले में भाजपा विधायकों ने जमकर हंगामा किया। आर अशोक के नेतृत्व में भाजपा विधायकों ने आरक्षण बिल की कॉपी फाड़कर स्पीकर की ओर फेंक दी।

इसके बाद स्पीकर यूटी खादर ने मार्शलों को बुलाकर हंगामा कर रहे विधायकों को सदन से बाहर करवा दिया। साथ ही भाजपा के 18 विधायकों को विधानसभा की कार्यवाही से 6 महीने के लिए सस्पेंड कर दिया। हंगामे के बीच सरकार ने मुख्यमंत्री, मंत्रियों और विधायकों की सैलरी 100 प्रतिशत बढ़ाने का बिल पास कर दिया। विधेयक को कर्नाटक के कानून और संसदीय मामलों के मंत्री एच.के. पाटिल ने पेश किया। इसके पारित होने से मुख्यमंत्री का वेतन 75 हजार रुपये से बढ़कर 1.5 लाख रुपये प्रतिमाह हो जाएगा। विधान परिषद के सभापति और विधानसभा अध्यक्ष का वेतन 75 हजार रुपये से बढ़ाकर 1.25 लाख रुपये हो जाएगा।

मंत्रियों का वेतन भी दोगुना होगा :

20 मार्च को सरकार ने कर्नाटक विधानमंडल वेतन, पेंशन और भत्ते (संशोधन) विधेयक, 2025 और कर्नाटक मंत्रियों के वेतन और भत्ते (संशोधन) विधेयक, 2025 को मंजूरी दी। इन विधेयकों के तहत मुख्यमंत्री, मंत्रियों और विधायकों (एमएलए) की सैलरी में 100 प्रतियत बढ़ाई गई है।

विधायकों के अलावा कर्नाटक मंत्री वेतन और भत्ता अधिनियम, 1956 में भी संशोधन किया गया है। इसके जरिए मंत्री का वेतन 60 हजार रुपये से बढ़ाकर 1.25 लाख रुपये किया जाएगा। वहीं, सप्लीमेंट्री अलाउंस 4.5 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये हो सकता है। अभी मंत्रियों को एचआरए के रूप में मिलने वाले 1.2 लाख रुपये बढ़कर 2 लाख रुपये हो सकते हैं।

साथ ही विधायकों की मंथली सैलरी 40 हजार से बढ़कर 80 हजार हो जाएगी। मुख्यमंत्री की सैलरी 75 हजार से बढ़कर 1.5 लाख प्रति माह होगी। अन्य भत्ते जैसे हाउस रेंट अलाउंस (एचआरए) और संपत्ति भत्ते में भी बढ़ोतरी होनी है। यह फैसला विधानसभा में 21 मार्च को पारित हो गया, जिससे राज्य के खजाने पर सालाना लगभग 10 करोड़ का बोझ पड़ेगा। राज्य सरकार ने कहा कि विधायकों के खर्च बढ़ गए हैं और यह संशोधन 2022 में तय हर पांच साल में वेतन संशोधन की नीति के तहत किया गया है। हालांकि, विपक्ष और कुछ लोगों ने इसे जनता के लिए खजाना खाली होने के दावों के बीच नेताओं के लिए अनुचित लाभ बताया है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की रिपोर्ट के मुताबिक, कर्नाटक में 31 विधायकों के पास 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति है। जिसके साथ राज्य भारत के सबसे अमीर विधायकों की सूची में सबसे ऊपर है।

न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक घोटाला

आरोपी हितेश मेहता का अब होगा ब्रेन-मैपिंग टेस्ट, पॉलीग्राफ हुआ फेल!

मुंबई, 21 मार्च (एजेंसियां)। न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक में हुए 122 करोड़ रुपये के गबन के मुख्य आरोपी हितेश मेहता का अगले कुछ दिनों में ब्रेन-मैपिंग टेस्ट किया जाएगा। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा इस फंड गबन मामले की गहराई से जांच कर रही है और इससे जुड़ी अहम जानकारियां जुटाने का प्रयास कर रही है। बैंक के पूर्व महाप्रबंधक और लेखा विभाग के प्रमुख हितेश मेहता का पिछले सप्ताह मुंबई के कलीना स्थित फॉरेंसिक साइंस लैब में पॉलीग्राफ टेस्ट (लाई-डिटेक्टर टेस्ट) हुआ था। जांच अधिकारी के अनुसार, इस टेस्ट का परिणाम स्पष्ट नहीं था और उसके द्वारा गबन किए गए धन के उपयोग और अन्य आरोपियों की भूमिका को लेकर कोई ठोस जानकारी नहीं मिल पाई।

अब ब्रेन-मैपिंग टेस्ट से खुलेंगे राज!

जांच को और आगे बढ़ाने और मेहता से अधिक जानकारी निकालने के लिए आर्थिक अपराध शाखा ने ब्रेन-मैपिंग टेस्ट कराने का फैसला किया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, हमने मेहता का ब्रेन-मैपिंग टेस्ट कराने का निर्णय लिया है, लेकिन अभी तारीख तय नहीं हुई है। यह टेस्ट फॉरेंसिक साइंस लैब में किया जाएगा। अदालत पहले ही मेहता पर फॉरेंसिक साइकोलॉजिकल टेस्ट की अनुमति दे चुकी है। इस मामले में अब तक सात आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि बैंक के पूर्व चेयरमैन हिरेन भानु और उनकी पत्नी गौरी अब भी फरार हैं। स्थानीय अदालत ने इस दंपति के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

आरएसएस के मंच पर मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि

संघ ने मणिपुर के हालात पर चिंता जताई, कहा-तमिलनाडु से भाषा विवाद मिलकर सुलझाएं

बेंगलुरू, 21 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की 3 दिन की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा शुक्रवार को बेंगलुरू में शुरू हुई। बैठक के शुरूआत में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, तबला वादक जाकिर हुसैन, प्रीतीश नंदी समेत संघ के दिवंगत कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि दी गई।

संघ के सह सरकार्यवाह मुकुंद सीआर ने मणिपुर की स्थिति को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि मणिपुर बीते 20 महीनों से बुरे दौर से गुजर रहा है, लेकिन केंद्र सरकार के कुछ राजनीतिक और प्रशासनिक फैसलों के बाद अब उम्मीद की किरण नजर आ रही है। हालांकि, राज्य में हालात सामान्य होने में अभी लंबा समय लगेगा।

उन्होंने तमिलनाडु और केंद्र सरकार के बीच चल रहे भाषा और परिसीमन विवाद पर कहा- कुछ ताकतें हैं, जो देश की एकता को चुनौती दे रही हैं। वह उत्तर और दक्षिण के बीच बहस को बढ़ावा दे रही हैं। चाहे वह परिसीमन की डिबेट हो या भाषा की डिबेट। उन्होंने कहा कि ये ज्यादातर राजनीति से प्रेरित हैं।

उन्होंने कहा कि सभी सोशल ग्रुप को साथ आना होगा। यह सही नहीं है कि हम आपस में लड़ें। अगर कोई दिक्कत है तो उसे मिलकर, सद्भावना से हल किया जा सकता है। हमारे स्वयंसेवक और अलग अलग विचार परिवार के लोग सद्भावना की पूरी कोशिश कर रहे हैं, खासकर दक्षिण भारत के राज्यों में। मुकुंद सीआर ने कहा कि संघ का हमेशा जोर यही रहा है कि मातृभाषा में ही पढ़ाई हो। सिर्फ पढ़ाई ही नहीं, बल्कि जहां भी संभव हो मातृभाषा का ही इस्तेमाल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि दो भाषा या तीन भाषा फॉर्मूला को लेकर संघ का कोई रिजॉल्यूशन नहीं है, लेकिन मातृभाषा को लेकर संघ का रिजॉल्यूशन है। हमारा मानना है कि समाज में भी हमें कई भाषाएं सीखनी चाहिए। एक मातृभाषा और दूसरी मार्केट लैंग्वेज सीखनी चाहिए। तमिलनाडु में हैं तो तमिल, दिल्ली में हैं तो हिंदी सीखने की जरूरत होगी। इसी तरह करियर लैंग्वेज जैसे इंग्लिश या दूसरी भाषा भी जरूरी हैं।

बांग्लादेश में हिंदू उत्पीड़न पर प्रस्ताव आएगा :

अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा 2025 की शुरूआत सरसंघचालक मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने भारत माता की तस्वीर पर फूल चढ़ाकर की। इस प्रतिनिधि सभा में आरएसएस के 1450 प्रतिनिधि मौजूद हैं। इस बैठक में संघ की कार्य विस्तार की योजना पर चर्चा होगी। इसके अलावा बांग्लादेश में हिंदू उत्पीड़न और संघ की 100 साल की यात्रा पर प्रस्ताव लाया जाएगा। इस साल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 साल पूरे होने जा रहे हैं। ऐसे में बैठक में संघ के विस्तार और सामाजिक कार्यों पर चर्चा हो रही है। इस बार संघ की प्रतिनिधि सभा में कुल 1482 स्वयंसेवक और पदाधिकारी शामिल हो रहे हैं।

शराब कारोबारी बिक्रम साहू पर दूसरे दिन भी आयकर विभाग का छापा

7 करोड़ रुपये नकद जब्त

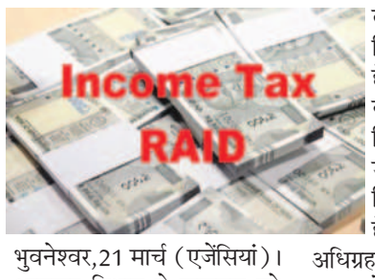

भुवनेश्वर,21 मार्च (एजेंसियां)। आयकर विभाग ने शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन ओडिशा के अनुगुल में शराब कारोबारी बिक्रम किशोर साहू की संपत्तियों पर अपना अभियान तेज कर दिया। साहू से जुड़े 15 अलग-अलग परिसरों में कर चोरी गतिविधियों की जांच के प्रयास में व्यापक जांच की जा रही है। इस बीच, बिक्रम साहू को करदगड़िया इलाके में उनके आवास से हिरासत में लिया गया है। शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों को साहू की एक संपत्ति से भारी मात्रा में नकदी, लगभग 7 करोड़ रुपये मिले हैं। रिपोर्ट्स बताती हैं कि अन्य स्थानों पर भी बड़ी रकम बरामद हुई है। बिक्रम साहू, अपने शराब उद्योग से परे व्यावसायिक हितों के लिए जाने जाते हैं। उनके हालिया अधिग्रहणों में से एक पुरी में एक प्रमुख होटल भी शामिल है, जिसे सिर्फ छह महीने पहले उन्होंने 35 करोड़ रुपये में खरीदा गया था। वह शराब डिपो और पेट्रोल स्टेशन के संचालन के साथ-साथ अनुगुल में एक अन्य होटल के भी मालिक हैं।

साहू के खिलाफ कर चोरी के आरोपों के बीच तालचेर, कामाख्यानगर, पारलाखेमुंडी, पुरी और भुवनेश्वर सहित कई स्थानों पर छापेमारी की गई।अभी तक, आयकर विभाग ने कार्यवाही पर आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

औरंगजेब की कब्र हटाने का मामला

बॉम्बे हाईकोर्ट में मकबरे को हटाने के लिए दायर की गई जनहित याचिका

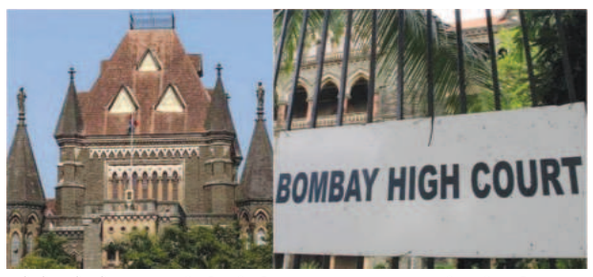

मुंबई,21 मार्च (एजेंसियां)। देशभर में मुगल बादशाह औरंगजेब के मकबरे को हटाने का मुद्दा चर्चा में बना हुआ है। बॉम्बे हाईकोर्ट में औरंगजेब के मकबरे को हटाने के लिए जनहित याचिका भी दायर की गई है। केतन तिरोडकर नाम के शख्स ने बॉम्बे हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की है, जिसमें औरंगजेब की कब्र को ध्वस्त करने और पुरातत्व सर्वेक्षण भारत को औरंगजेब की कब्र को राष्ट्रीय स्मारकों की सूची से हटाने का निर्देश देने की मांग की गई है, क्योंकि यह पुरातत्व सर्वेक्षण भारत अधिनियम, 1958 की धारा 3 के साथ संगत नहीं है।

कैसे औरंगजेब फिर चर्चा में आया?

दरअसल हालही में एक बॉलीवुड फिल्म आई, जिसमें छत्रपति संभाजी महाराज और औरंगजेब के बीच के हिंसक संघर्ष को दिखाया गया। इस फिल्म के माध्यम से लोगों को ये जानकारी मिली कि औरंगजेब ने छत्रपति संभाजी महाराज के साथ क्रूरता की सारी हदें पार कर दी थीं। औरंगजेब ने संभाजी के नाखून निकलवा दिए थे और आंखें फुड़वा दी थीं। औरंगजेब का दिल इससे भी नहीं भरा तो उसने संभाजी की जुबान कटवा दी थी।

वह संभाजी से इस्लाम कबूल करवाना चाहता था जोकि उन्होंने नहीं किया। फिल्म देखने के बाद जब लोगों ने संभाजी के बारे में जानकारी निकाली तो पता लगा कि औरंगजेब ने उनके साथ बहुत क्रूरता की थी, जिसका अधिकांश हिस्सा फिल्म में नहीं दिखाया जा सका। दरअसल औरंगजेब ने संभाजी का सिर काट दिया था और उनके शरीर के कई टुकड़े करवाकर तुलापुर में नदी के किनारे फिंकवा दिया था। बता दें कि छत्रपति संभाजी महाराज, मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र थे।

कैसे उठा औरंगजेब की कब्र हटाने का मामला?

समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी के बयान से इस मामले ने तूल पकड़ा। छावा फिल्म आने के बाद उन्होंने औरंगजेब को अच्छा राजा बताया था। हालांकि बाद में प्रेशर बढ़ने पर उन्होंने अपना बयान वापस ले लिया। वहीं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि छत्रपति संभाजीनगर में स्थित मुगल बादशाह औरंगजेब का मकबरा हटा दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा था कि इस काम को कानून के दायरे में करना चाहिए। हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि कांग्रेस की पिछली सरकार ने औरंगजेब के मकबरे को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को सौंप दिया था। छत्रपति शिवाजी महाराज के वंशज और सतारा से बीजेपी सांसद उदयनराजे भोसले ने भी औरंगजेब के मकबरे को हटाने की मांग की थी। इसके बाद बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद भी इस मामले में कूद पड़ा और उसने कह दिया कि अगर ये कब्र नहीं हटाई गई तो वह प्रदर्शन करेंगे।

आप ने संगठन में किया बड़ा बदलाव

मनीष सिसोदिया बनाए गए पंजाब के प्रभारी सौरभ भारद्वाज बने दिल्ली के अध्यक्ष

नई दिल्ली,21 मार्च (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी (पीएसी) की बैठक हुई। इसमें संगठन को मजबूत करने पर फैसला लिया गया। चार राज्यों में प्रभारी बनाने पर सहमति हुई। गुजरात में गोपाल राय प्रभारी, दुर्गेश पाठक सह प्रभारी, गोवा में पंकज गुप्ता प्रभारी, पंजाब में मनीष सिसोदिया प्रभारी और सतेन्द्र जैन सह प्रभारी, छत्तीसगढ़ के लिए संदीप पाठक प्रभारी बनाए गए हैं। दिल्ली का अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज और जम्मू कश्मीर के लिए मेहराज मलिक को जिम्मेदारी दी गई है।

आप सांसद संदीप पाठक ने कहा, आज पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक में कई फैसले लिए गए। गोपाल राय को गुजरात का प्रभारी बनाया गया है। पंकज गुप्ता को गोवा का प्रभारी बनाया गया है। मनीष सिसोदिया को पंजाब का प्रभारी बनाया गया है और मुझे छत्तीसगढ़ का प्रभारी बनाया गया है।

सौरभ भारद्वाज को पार्टी की दिल्ली इकाई का प्रमुख और मेहराज मलिक को पार्टी की जम्मू-कश्मीर इकाई का प्रमुख नियुक्त किया गया है। सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली के पार्टी अध्यक्ष चुने जाने के बाद कहा, चुनाव में दिल्ली की लगभग आधी आबादी ने हमें (आप) वोट दिया था। हमें इन वोटर्स के साथ उन लोगों का भी ध्यान रखना है, जिन्होंने यह सोचकर भाजपा को वोट दिया था कि हमें 2500 रुपये मिलेंगे और गैस सिलेंडर मिलेगा।

इलाहाबाद एचसी के फैसले पर केंद्रीय मंत्री ने उठाए सवाल

स्वाति मालीवाल बोलीं-'शर्मनाक और बिल्कुल गलत'

नई दिल्ली,21 मार्च (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस फैसले को शर्मनाक और बिल्कुल गलत बताया जिसमें कहा गया है कि किसी महिला को गलत तरीके से पकड़ना और 'पजामा' का नाड़ा तोड़ना बलात्कार के अपराध के बराबर नहीं है।

मालीवाल ने क्या प्रतिक्रिया दी?

मालीवाल ने इस तरह के फैसले से समाज में जाने वाले संदेश पर सवाल उठाया। उन्होंने संसद के बाहर संवाददाताओं से कहा, यह बेहद शर्मनाक और बिल्कुल गलत है। वे समाज को क्या संदेश देना चाहते हैं कि एक छोटी लड़की के साथ इस तरह की हरकत की जा सकती है और फिर भी इसे बलात्कार नहीं माना जाएगा? मालीवाल ने सुप्रीम कोर्ट से तुरंत हस्तक्षेप करने और ऐसी न्यायिक फैसलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, सुप्रीम कोर्ट को इस मामले में बिना देरी किए हस्तक्षेप करना चाहिए और सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

केंद्रीय मंत्री ने जताई कड़ी आपत्ति

स्वाति मालीवाल ही नहीं, केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने भी सुप्रीम कोर्ट से इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले में हस्तक्षेप करने की मांग की है। लोकसभा के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वह फैसले से पूरी तरह असहमत हैं और उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से मामले का संज्ञान लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, मैं इस फैसले के पूरी तरह खिलाफ हूं और सुप्रीम कोर्ट को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। सभ्य समाज में इस तरह के फैसले के लिए कोई जगह नहीं है। कहीं न कहीं इसका समाज पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और हम इस मामले पर आगे चर्चा करेंगे।

क्या है मामला?

बता दें, यह मामला उत्तर प्रदेश के कासगंज में 11 वर्षीय लड़की से जुड़ा है, जिस पर 2021 में दो लोग पवन और आकाश ने हमला किया था। आरोपियों ने उसको गलत तरीके से पकड़ा, उसके पायजामे का नाड़ा तोड़ दिया और उसे एक पुलिया के नीचे खींचने का प्रयास किया था। जब उसकी चीखें सुनकर लोग वहां पहुंचे तो आरोपी वहां से भाग गए थे।

अभिनेत्री जयाप्रदा के खिलाफ मुरादाबाद एमपी-एमएलए कोर्ट ने जारी किया गैर जमानती वारंट

मुरादाबाद फिल्म अभिनेत्री और पूर्व सांसद जयाप्रदा के खिलाफ एक बार फिर मुरादाबाद की स्पेशल एमपी एमएलए कोर्ट ने गैर जमानती वारंट जारी किया है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये पेश होने की अनुमति मिलने के बाद भी अभद्र टिप्पणी मामले में रामपुर की पूर्व सांसद एवं अभिनेत्री जयाप्रदा बृहस्पतिवार को कोर्ट में पेश नहीं हुईं। इस पर एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट एमपी सिंह की अदालत ने उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी करते हुए मुकदमे की अगली सुनवाई के लिए 03 अप्रैल की तारीख तय की है। 2019 में लोकसभा चुनाव का परिणाम आने के बाद मुरादाबाद के कटघर थाना क्षेत्र के मुस्लिम डिग्री कॉलेज में समाजवादी पार्टी की ओर से आयोजित समारोह में रामपुर के पूर्व सांसद आजम खां, मुरादाबाद के पूर्व सांसद डॉ। एसटी हसन समेत अन्य सपा नेता शामिल हुए थे। आरोप है कि कार्यक्रम के दौरान रामपुर की पूर्व सांसद एवं फिल्म अभिनेत्री जयाप्रदा पर अभद्र टिप्पणी की गई थी।

अभिनेत्री जयाप्रदा के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी

इस मामले में रामपुर निवासी मुस्तफा हुसैन ने आजम खां, डॉ। एसटी हसन, अब्दुल्ला आजम, फिरोज खान, आयोजक मोहम्मद आरिफ, रामपुर के पूर्व चेयरमैन अजहर खां के खिलाफ केस दर्ज कराया था। इस मामले की सुनवाई एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट में चल रही है। मामले में पूर्व सांसद जयाप्रदा के बयान दर्ज होने हैं। पिछली सुनवाई के दौरान जयाप्रदा ने अपने वकील के जरिये अदालत से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेशी की अनुमति मांगी थी, जिसे कोर्ट ने स्वीकार करते हुए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये बयान दर्ज कराने की अनुमति दे दी थी। बृहस्पतिवार को जयाप्रदा ने बयान दर्ज नहीं कराए। इस पर आरोपी पक्ष द्वारा ऐतराज किया गया। अदालत ने मामले में जयाप्रदा के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी करते हुए सुनवाई के लिए अगली तारीख 03 अप्रैल तय कर दी है।

कुत्तों ने बच्ची का सिर फाड़ा, पलकें नोंची

इंदौर में मंदिर परिसर में घसीटा, दो साल की मासूम को आए 35 टांके

इंदौर,21 मार्च (एजेंसियां)। इंदौर के पंचकुइया राम मंदिर परिसर में दो साल की बच्ची पर कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया। एक कुत्ता उसे घसीटने लगा, किसी ने आंख पर हमला किया तो किसी ने बच्ची का सिर फाड़ दिया। मासूम की चीख सुनकर मां दौड़ी और कुत्तों से भिड़ गई। मां ने एक कुत्ते के जबड़े से बच्ची का सिर निकाला, दूसरे हाथ से उसे संभाला और कुत्तों को भगाने लगी। इस दौरान वह भी घायल हो गई। पिता और वहां मौजूद दर्शनार्थियों ने कुत्तों को पत्थरों और डंडों से खदेड़ा। मासूम को गंभीर हालत में चार अस्पताल भटकने के बाद सरकारी एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने 35 टांके लगाए। बच्ची की हालत अब खतरे से बाहर है,

'इंडियन स्टेट के खिलाफ लड़ाई' का बयान

राहुल गांधी को कोर्ट का नोटिस, इस तारीख तक मांगा जवाब

संभल,21 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कुछ समय पहले 'इंडियन स्टेट के खिलाफ लड़ाई' का बयान दिया था। उनके इस बयान को लेकर काफी हंगामा भी मचा था। अब इस मामले में राहुल गांधी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। संभल जिले के न्यायालय के न्यायाधीश ने राहुल गांधी को उनके बयान को लेकर नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने राहुल गांधी को उनके खिलाफ दायर की गई शिकायत पर जवाब देने या फिर पेश होने के लिए कहा है।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, राहुल गांधी ने 15 जनवरी 2025 को एक बयान दिया था कि 'हम अब भाजपा, आरएसएस और इंडियन स्टेट (भारतीय राज्य) से लड़ रहे हैं'। राहुल के बयान के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए विशेष एमपी/एमएलए न्यायालय में मामला दायर किया गया था। हालांकि, सीजेएम ने क्षेत्राधिकार के आधार पर इस मामले को खारिज कर दिया था। राहुल गांधी के बयान से जुड़े इस मामले को लेकर अधिवक्ता सचिन गोयल ने कहा- न्यायालय ने शिकायत स्वीकार कर ली है और राहुल गांधी को नोटिस जारी करते हुए उन्हें 4 अप्रैल को न्यायालय में पेश होने या जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

कोर्ट ने भेजा 4 अप्रैल का समन

'इंडियन स्टेट के खिलाफ लड़ाई' के बयान के मामले में राहुल गांधी को नोटिस भेजे जाने पर अधिवक्ता सचिन गोयल ने कहा- हमने पुनरीक्षण याचिका दायर की और संभल के जिला न्यायाधीश न्यायालय ने राहुल गांधी को 4 अप्रैल को अदालत में पेश होने के लिए समन जारी किया है।

क्या था राहुल गांधी का पूरा बयान?

बीते 15 जनवरी को कांग्रेस पार्टी के नए मुख्यालय 'इंदिरा भवन' का उद्घाटन हुआ था। इस अवसर पर राहुल गांधी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा था- कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल सिर्फ भाजपा से नहीं बल्कि इंडियन स्टेट से लड़ रहे हैं। राहुल ने कहा था- ऐसा मत सोचिए कि हम निष्पक्ष लड़ाई लड़ रहे हैं। इसमें कोई निष्पक्षता नहीं है। अगर आप मानते हैं कि हम भाजपा या आरएसएस नामक राजनीतिक संगठन से लड़ रहे हैं, तो आप समझ नहीं पाए हैं कि क्या हो रहा है। भाजपा और आरएसएस ने हमारे देश की हर संस्था पर कब्जा कर लिया है। अब हम भाजपा, आरएसएस और भारतीय राज्य से ही लड़ रहे हैं।

युवती को गोली लगी अस्पताल में भर्ती कर दोस्त भाग गया

इंदौर,21 मार्च (एजेंसियां)। इंदौर के महालक्ष्मी नगर में एक युवती की आंख में गोली लगने की घटना सामने आई है। गोली युवती ने खुद मारी, या उसे लगी। इसका पता नहीं चल पाया है। सुबह युवती को अस्पताल में एक युवक भर्ती कराने आया और उसके बाद अस्पताल से गायब हो गया। फिलहाल युवती का अस्पताल में इलाज जारी है। घायल युवती का नाम भावना है और वह ग्वालियर की रहने वाली है। गोली लगने का पता चलने के बाद अस्पताल प्रबंधन ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। हालत गंभीर होने के कारण युवती के बयान नहीं हो पाए है, लेकिन जिस वाहन में युवती को उसके दोस्त अस्पताल लाए थे, उसका नंबर ट्रेस हो गया है। अस्पताल में भर्ती करने के दौरान युवती के दोस्त कीचैन अस्पताल में भूल गए थे।

मंत्री प्रवेश वर्मा का बड़ा एक्शन पीडब्ल्यूडी के इंजीनियर को किया सस्पेंड

नई दिल्ली,21 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा ने बड़ा एक्शन लिया है। प्रवेश वर्मा ने पीडब्ल्यूडी के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर को सस्पेंड कर दिया है। मंत्री ने पटपड़गंज दौरे के दौरान मिली खामियों के चलते अधिकारी को सस्पेंड करने का फैसला लिया। इससे पहले प्रवेश वर्मा ने कहा था कि अधिकारियों की 10 सालों में चर्बी मोटी हो गई है। इन्हें सड़कों पर दौड़ा रहा हूं, चर्बी कम होगी तो काम होगा। विजिट के दौरान उन्होंने कहा कि नालों की कैपेसिटी कम है, उसे बढ़ा रहें हैं। पिछले 10 सालों में काम नहीं हुआ। पूरे दिल्ली का सिस्टम ठप्प हो गया था और ऐसा लग रहा था कि पूरा सिस्टम कोलैप्स हो सकता है। प्रवेश वर्मा ने बताया कि यूपी और हरियाणा के सीएम से बातचीत हुई है कि इंडस्ट्री से आने वाला पानी एसटीपी (एसटीपी) प्लांट से होकर आए और यमुना में गिरने वाला पानी 100% ट्रीट हो।

एक-एक एसटीपी की खुद जांच करूंगा- प्रवेश वर्मा

उन्होंने कहा कि एक-एक एसटीपी की खुद जांच करूंगा और ढिलाई होने पर अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होगी। उनका कहना है कि रोज 20 घंटे काम कर रहे हैं। पिछली सरकार में काम न करने वाले अधिकारियों से ही काम करवाएंगें और ढिलाई नहीं बर्दाश्त करेंगे।

अमरवाड़ा में खेत में लगी आग, 60 एकड़ गेंहू की फसल जलकर खाक, किसान ने की मुआवजे की मांग

छिंदवाड़ा,21 मार्च (एजेंसियां)। छिंदवाड़ा जिले के अमरवाड़ा ब्लॉक के गांव उमरिया और बिल्हरा के खेतों में लगी आग ने गेहूं की खड़ी फसल खाक कर दी। अमरवाड़ा और चौरई ब्लॉक की सीमा पर स्थित इन दोनों गांवों की सीमाएं आपस में जुड़ी हुई हैं। आग बिल्हरा की ओर से लगी और उमरिया की तरफ बढ़ी। इससे करीब 60 एकड़ में लगी फसल जलकर खाक हो गई। इससे दोनों गांवों के करीब 11 किसानों को 25 लाख से अधिक का नुकसान होने का अनुमान जताया जा रहा है। अमरवाड़ा एसडीएम के मुताबिक सूचना मिलते ही दमकल के जरिए आग पर काबू पा लिया गया है। पटवारी को मौके पर भेजकर नुकसान का आंकलन किया जा रहा है। आग से किसान जरासंध चंद्रवंशी, अनुभव सिंह परिहार, चैन सिंह पटेल, आकाश चंद्रवंशी, रामेश्वर दुबे, राज राजपूत, सर्वलाल चंद्रवंशी, बाबू पटेल, सनी पटेल, करण चंद्रवंशी सहित अन्य किसानों के खेतों में खड़ी फसल को भारी नुकसान हुआ है।

नेशनल एजुकेशन पॉलिसी पर महाराष्ट्र में बवाल

बीजेपी बोली- 'मुगलों का इतिहास नहीं पढ़ाएंगे', कांग्रेस ने क्या कहा?

मुंबई,21 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने घोषणा की है कि नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) के तहत प्रदेश में सीबीएसई करिकुलम को लागू किया जाएगा। इसको लेकर अब महाराष्ट्र में सियासी घमासान मचा हुआ है। कांग्रेस सरकार के इस फैसले का कड़ा विरोध किया है। उनका कहना है कि शिवाजी के शौर्य को बताने के लिए मुगलों के बारे में बताना पडेगा। कांग्रेस नेता नितिन राउत ने कहा, हमें महाराष्ट्र में नेशनल एजुकेशन पॉलिसी मंजूर नहीं है। सरकार एनईपी के जरिए इतिहास को बदलने और छिपाने की कोशिश कर रही है। शिवाजी के शौर्य को बताने के लिए मुगलों के बारे में बताना पडेगा। वहीं बीजेपी के प्रसाद लाड ने पलटवार करते कहा, हम मुगलों का इतिहास नहीं पढ़ाएंगे, मुस्लिम सुल्तान, शहंशाह का इतिहास पढ़ाने की जरूरत नहीं है। हम महाराष्ट्र के बच्चों को भारत का इतिहास पढ़ाएंगे। महाराष्ट्र सरकार ने ऐलान किया है कि नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के तहत सीबीएसई करिकुलम को महाराष्ट्र में लागू किया जाएगा।

शैक्षणिक वर्ष 2025-26 से इस नए करिकुलम को कक्षा 3 से 12वीं तक फेज वाइज लागू किया जाएगा। फिलहाल, सीबीएसई बोर्ड के करिकुलम को आंशिक रूप से लागू करने का फैसला लिया गया है, संपूर्ण करिकुलम को लागू करने के संदर्भ में विचार-विमर्श चल रहा है, जल्द ही फैसला लिया जाएगा। सूबे के शिक्षामंत्री दादाजी भुसे ने गुरुवार को घोषणा की कि शैक्षणिक वर्ष 2025-26 से राज्यभर के सरकारी स्कूलों में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड सीबीएसई) पैटर्न लागू किया जाएगा।

'आयुष्मान कार्ड होते हुए भी पैसा देकर कराना पड़ता है इलाज'

बीजेपी सांसद हेमा मालिनी ने संसद में उठाया मुद्दा

नई दिल्ली,21 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा में बीजेपी सांसद हेमा मालिनी ने स्वास्थ्य को लेकर केंद्र की योजना आयुष्मान भारत को लेकर सवाल पूछा। मथुरा से सांसद हेमा मालिनी ने पूछा कि आयुष्मान कार्ड होते हुए भी पैसे देकर लोगों को इलाज कराना पड़ता है, बेड की कमी है। सांसद के इस सवाल पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने जवाब दिया। स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने हेमा मालिनी के सवाल के जवाब में कहा, आयुष्मान भारत लगभग 63 करोड़ लोगों को लाभ पहुंचा रहा है। अगर कोई केस हो तो आप मुझे अलग से बता दें, लेकिन 63 करोड लोगों को इस स्कीम के तहत फायदा मिल रहा है। साथ ही यह दुनिया का सबसे बड़ा हेल्थ कवरेज प्रोग्राम है।

हेमा मालिनी ने क्या सवाल किया

सांसद ने संसद में सवाल पूछते हुए कहा कि 50 करोड़ लाभार्थियों के साथ आयुष्मान भारत योजना स्वास्थ्य के लिए दुनिया की सबसे बड़ी योजना है, लेकिन फिर भी इस में बहुत सारी शिकायतें हैं। शिकायत यही है कि लाभार्थी के पास आयुष्मान कार्ड होने के बावजूद भी बेड नहीं होने या फिर जरूरी दस्तावेज नहीं होने की वजह बताकर अस्पताल मरीज का इलाज करने से मना कर देता है। उन्होंने आगे कहा, इसी की वजह से लोग आयुष्मान कार्ड होने के बाद भी जरूरतमंद लोग पैसे देकर उसी अस्पताल में इलाज कराने के लिए मजबूर हो जाते हैं। साथ ही उन्होंने सवाल पूछा, क्या स्वास्थ्य के विभिन्न क्षेत्रों में सुधार और प्रगति हुई है? मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य बीमारियों का खात्मा और स्वास्थ्य देखभाल का बुनियादी ढांचे में देश में क्या प्रगति हुई है।

जेपी नड्डा ने क्या जवाब दिया?

इस सवाल के जवाब में स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने लिखित जवाब दिया। मंत्री ने कहा, आयुष्मान योजना में स्वास्थ्य देखभाल में सुधार हुआ है। साथ ही जो लोग हाशिए पर हैं, ग्रामीण क्षेत्र से हैं उन लोगों को इस योजना ने फायदा पहुंचाया है। इस योजना के तहत 09.2024 तक, लगभग 5.19 लाख स्वास्थ्य कर्मचारियों को कॉन्ट्रैक्ट पर रखा गया है।

अनंतनाग में आग का तांडव 20 घर जले, 35 से ज्यादा परिवार हुए बेघर

जम्मू,21 मार्च (एजेंसियां)। कश्मीर के अनंतनाग जिले में शुक्रवार (21 मार्च) को लगी भीषण आग में 20 से अधिक घर जलकर खाक हो गए। इस हादसे के बाद करीब तीन दर्जन परिवार बेघर हो गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि आग दक्षिण कश्मीर जिले के कादीपोरा इलाके के गाजी नाग में एक घर में लगी जो तेजी से आसपास के घरों तक फैल गई। घनी आबादी वाले इस इलाके में आग लगने के दौरान कुछ गैस सिलेंडरों में विस्फोट हुआ जिससे आग और तेजी से फैल गई। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस, अन्य सुरक्षा बल और स्थानीय लोगों की मदद से समय रहते लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, लेकिन कई घर आग की चपेट में आ गए। अधिकारियों के अनुसार, आग बुझाने का अभियान रात भर चला और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

उन्होंने बताया कि आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। अनंतनाग के तहसीलदार सज्जाद अहमद वानी ने बताया कि इस आग में कुल 22 घर जलकर खाक हो गए जिससे 37 परिवार बेघर हो गए। उन्होंने कहा कि प्रशासन प्रभावित लोगों को सहायता देने के लिए तत्पर है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत और पुनर्वास सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, अनंतनाग में लगी भीषण आग में कई घर जलकर खाक हो गए जिससे कई लोग बेघर हो गए हैं। प्रभावितों को तत्काल राहत और पुनर्वास सहायता प्रदान की जा रही है। इस कठिन समय में हम पीड़ितों के साथ खड़े हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शनिवार, 22 मार्च, 2025 3

सुविचार

बुराइया हर किसी में होती है उसे सही करने में वक्त जाया कीजिए ।

अधिक लाभ के लिए नई कृषि तकनीकों को शामिल करना जरूरी : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा कि खेती को अधिक लाभप्रद बनाने के लिए एआई जैसी उभरती हुई तकनीकों को कृषि में शामिल किया जा रहा है। शुक्रवार को, जर्मन संघीय खाद्य और कृषि मंत्रालय और अन्य शोध संस्थानों के एक प्रतिनिधिमंडल ने एशिया प्रमुख रेबेका रिडर के नेतृत्व में विधानसभा परिसर में मंत्री से मुलाकात की। बैठक के दौरान, श्रीधर बाबू ने विभिन्न उद्योगों में उभरती हुई तकनीकों को शामिल करने के लिए सरकार की पहलों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि राज्य की लगभग 55 प्रतिशत से 60 प्रतिशत आबादी अपनी आजीविका के लिए कृषि और कृषि आधारित उद्योगों पर निर्भर है। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि प्रौद्योगिकी किसानों के सामने आने वाली कई चुनौतियों का समाधान कर सकती है और उन्हें लाभ पहुंचाने के लिए और अधिक नवाचारों की आवश्यकता है।

श्रीधर बाबू ने बताया कि अन्य देशों की तरह ही भारत में भी न्यूनतम मानवीय हस्तक्षेप के साथ कृषि गतिविधियों को करने में सक्षम "कृषि रोबोट" जल्द ही एक वास्तविकता बन जाएंगे। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में अनुसंधान और विकास पहले ही शुरू हो चुका है। मंत्री ने यह भी आश्वासन दिया कि सरकार कृषि लागत को कम करने और किसानों के लाभ को बढ़ाने के लिए अभिनव समाधान पेश करने वाली कंपनियों और व्यक्तियों का समर्थन करेगी। उन्होंने कृषि में तकनीकी प्रगति को बढ़ावा देने के लिए जर्मन सरकार के साथ सहयोग करने पर भी जोर दिया। इस कार्यक्रम में डॉ. सेबेस्टियन बोस, मार्टिन, स्वेन, डॉ. रघु चालिगंती, प्रोफेसर जनय्या (प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति), डॉ. बलराम (शोध निदेशक), डॉ. रामुलु (अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों के निदेशक) और डॉ. बालाजी नाइक (डिजिटल कृषि के निदेशक) सहित अन्य लोग शामिल हुए।

ऑनलाइन गेमिंग सट्टेबाज गिरोह का पर्दाफाश, पांच गिरफ्तार

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्क फोर्स, सेंट्रल जोन टीम के अधिकारियों ने पुलिस स्टेशन मधुरा नगर के कर्मचारियों के साथ विश्वसनीय सूचना के आधार पर एक अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन गेमिंग और सट्टा सट्टेबाजी रैकेट का भंडाफोड़ किया। यह मधुरा नगर पीएस की सीमा के अंतर्गत श्री दिव्य एन्क्लेव में स्थित एक किराए के फ्लैट से चल रहा था और पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में सोनुले श्रीकांत, गुरले हरीश, गुरले सतीश कुमार, सोनुले तिरुपति, अदे विनोद सभी कागज नगर, कोमरम भीम जिला (आदिलाबाद), तेलंगाना के मूल निवासी हैं। पुलिस के अनुसार वे आम दोस्त हैं और ऑनलाइन मोड के माध्यम से सट्टेबाजी का आयोजन करते हैं और वे अपने गेमिंग साइटों पर पीड़ितों की पंजीकरण प्रक्रिया की निगरानी करते हैं। आरोपी पीड़ित की ओर से पैसे ट्रांसफर करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले खातों को नियंत्रित करता था। आरोपी शुरू में पीड़ितों को मामूली मुनाफे का लालच देकर लुभाते थे। इसके बाद, जब पीड़ितों की ओर से निवेश की राशि बढ़ जाती है, तो पीड़ित पैसे खोने लगते हैं। वेबसाइटों पर गेमिंग को आरोपी द्वारा हेरफेर किया जाता है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से तीन मैक बुक (ऑनलाइन गेमिंग वेबसाइट बनाई गई), एक टैब, दो कलर प्रिंटर, सट्टा और मटका सट्टेबाजी प्रिंटिंग पैम्फलेट, सट्टेबाजी चार्ट, 18 सेल फोन, 1,55,000 रुपये नकद, बैंक खाते की सट्टेबाजी राशि 2,13,697 रुपये बरामद हुए हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपी व्यक्ति कागज नगर, कुमारम भीम जिला, तेलंगाना राज्य के मूल निवासी हैं और सामान्य मित्र हैं और इंटरमीडिएट पूरा कर चुके हैं। पेशे से वे बढ़ई हैं और सट्टा और मटका (श्रीदेवी, कल्याण, मिलन) और ऑनलाइन गेमिंग पर दांव लगाने की आदत रखते थे, इस दौरान उन्होंने सट्टेबाजी के बारे में जानकारी हासिल की। पुलिस उपायुक्त, आयुक्त टास्क फोर्स, हैदराबाद, वाई.वी.एस. सुधींद्र ने बताया कि ऑनलाइन गेमिंग और सट्टा/मटका सट्टेबाजी के माध्यम से आसानी से पैसा कमाने के लिए, तीन महीने पहले श्री दिव्य एन्क्लेव, एलारेड्डी गुडा, मधुरा नगर में 25,000 रुपये में एक आवासीय फ्लैट किराए पर लिया। सट्टा/मटका के आयोजन के लिए उन्होंने लैपटॉप/मैक बुक, मोबाइल फोन और व्हाट्सएप और फेस बुक आईडी बनाई और त्रिकाल मटका के नाम से ऑनलाइन सट्टेबाजी का यूट्यूब चैनल भी बनाया। वे निर्दोष सट्टेबाजों को फंसाते हैं जो ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय गेमिंग, अन्य सट्टेबाजी पर दांव लगाने के आदी हैं। वे प्रत्येक सट्टेबाज से अनुमानित सट्टे के नंबरों के लिए पंजीकरण राशि के रूप में 1000 रुपये की राशि वसूलते हैं। आरोपी व्यक्ति फर्जी वीडियो बनाते हैं, जो खुद को सट्टेबाज बताते हैं और वीडियो बनाते हैं कि वे कम निवेश पर बड़ी सट्टा राशि जीत रहे हैं और सट्टे की साइट की सराहना करते हैं और फिर पीड़ित को फर्जी वीडियो शेयर करते हैं, जिससे निर्दोष सट्टेबाजों को धोखा मिलता है और उन्हें ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय गेमिंग आदि में सट्टे में बड़ी राशि निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। आरोपी व्यक्ति ऑनलाइन मोड यानी स्कैनर (क्यूआर कोड), गूगलपे, फोनपे/यूपीआई भुगतान संख्या के माध्यम से सट्टे की राशि स्वीकार करते हैं और सट्टेबाजों से पैसे स्वीकार करते हैं। आरोपी व्यक्ति शुरू में पीड़ितों को मामूली मुनाफे का लालच देते हैं। इसके बाद, जब निवेश राशि बढ़ जाती है, तो पीड़ित पैसे खोना शुरू कर देते हैं। वेबसाइटों पर गेमिंग को अभियुक्तों द्वारा हेरफेर किया जाता है। गुरुवार को विश्वसनीय सूचना पर कमिश्नर टास्क फोर्स सेंट्रल जोन की टीम ने मधुरा नगर पीएस टीम के साथ मिलकर अभियुक्तों को पकड़ा। अभियुक्तों के पास से उपरोक्त सामग्री जब्त की और आगे की कार्रवाई के लिए एसएचओ, मधुरा नगर पीएस को सौंप दिया।

पुलिस निरीक्षक, टास्क फोर्स सेंट्रल जोन, सब-इंस्पेक्टर और टास्क फोर्स सेंट्रल जोन टीम, हैदराबाद शहर और मधुरा नगर पीएस स्टाफ के कर्मचारियों द्वारा गिरफ्तारी की गई।

डेयरी प्रोडक्ट्स कारखाने में उल्लंघन की रिपोर्ट

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। खाद्य सुरक्षा आयुक्त की टीम ने यशोदा डेयरी प्रोडक्ट्स, जीडीमेटला, कुतबुल्लापुर में निरीक्षण किया और खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के तहत सुविधा में कई उल्लंघनों की रिपोर्ट की है। निरीक्षण करने वाली टीमों ने घर में मक्खियों का प्रकोप, कीट नियंत्रण, कर्मचारी स्वास्थ्य, पानी और खाद्य विश्लेषण से संबंधित रिकॉर्ड की अनुपलब्धता की रिपोर्ट दी। सुविधा में बाहरी वातावरण के लिए कई खुले रास्ते हैं और कीट रोधी जाल नहीं लगे हैं, फर्श गीला और खुरदरा पाया गया, पानी का ठहराव था और उचित नालियां नहीं थीं। निरीक्षण दल ने पाया कि कर्मचारी हेयरनेट पहने हुए थे, लेकिन वे खाद्य पदार्थों को नंगे हाथों से संभाल रहे थे। दूध पाउडर जैसे कुछ खाद्य पदार्थ पैलेट के बजाय जमीन पर रखे पाए गए और कोल्ड रूम को साफ-सुथरा नहीं रखा गया था। निरीक्षण करने वाली टीमों ने बताया कि परिसर में एफएसएसएआई लाइसेंस को प्रमुखता से प्रदर्शित नहीं किया गया था और कोल्ड रूम के लिए तापमान निगरानी के रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं थे।

श्यामला को सट्टेबाजी ऐप मामले में हाईकोर्ट से राहत

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआर कांग्रेस नेता और एंकर श्यामला को आज तेलंगाना हाईकोर्ट से राहत मिली है। मालूम हो कि श्यामला के खिलाफ हाल ही में हैदराबाद के पुंजागुट्टा पुलिस स्टेशन में सट्टेबाजी ऐप को बढ़ावा देने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। श्यामला ने इस संबंध में हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया और अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर को चुनौती दी। अपनी याचिका में उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द किया जाना चाहिए। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने पुलिस को अगले आदेश तक श्यामला को गिरफ्तार न करने का आदेश दिया। इसके साथ ही उन्हें बड़ी राहत मिली है। साथ ही हाईकोर्ट ने एंकर श्यामला को जांच अधिकारियों के साथ सहयोग करने का आदेश दिया है। यह स्पष्ट किया गया है कि वह सोमवार से पूछताछ के लिए पुलिस के सामने पेश होंगी। तेलंगाना हाईकोर्ट ने कहा है कि नोटिस देकर जांच जारी रखी जा सकती है। इस मामले में श्यामला के साथ ही सट्टेबाजी ऐप को बढ़ावा देने के आरोप में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के खिलाफ भी केस दर्ज किया गया है। ज्ञातव्य है कि पुलिस ने इस मामले में गुरुवार को एंकर विष्णुप्रिया और रितु चौधरी से लंबी पूछताछ की थी।

बीआरएस प्रतिनिधिमंडल परिसीमन पर दक्षिणी राज्यों के सम्मेलन के लिए रवाना

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) का एक प्रतिनिधिमंडल (इसके कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव के नेतृत्व में) कल होने वाले दक्षिणी राज्यों के सम्मेलन में भाग लेने के लिए चेन्नई के लिए रवाना हुआ है, जिसका उद्देश्य परिसीमन नीति पर चर्चा करना है। इस सम्मेलन में, केटीआर वर्तमान परिसीमन नीति पर चर्चा करेंगे, दक्षिणी राज्यों को इससे होने वाले नुकसान पर प्रकाश डालेंगे और आगे भी होने वाले नुकसान पर प्रकाश डालेंगे, साथ ही इस अन्याय को दूर करने के उपाय भी सुझाएंगे। केटीआर के नेतृत्व में, बीआरएस पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं का एक दल सम्मेलन में भाग लेगा। केटीआर ने चेतावनी दी है कि वर्तमान परिसीमन नीति दक्षिणी राज्यों के प्रतिनिधित्व को कमजोर करती है, जिससे देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले इन राज्यों पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। बीआरएस, जिसने शुरू से ही इस नीति का लगातार विरोध किया है, कल की बैठक के दौरान अपने रुख पर विस्तार से चर्चा करेगी। केटीआर ने इस बात पर जोर दिया कि बीआरएस दक्षिणी राज्यों के साथ हो रहे अन्याय की पहचान करने और उसके बारे में जागरूकता बढ़ाने में सबसे आगे रहा है, लगातार लोगों को सूचित करता रहा है और इस मुद्दे पर लड़ाई का नेतृत्व करता रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि कल के सम्मेलन के बाद सभी दक्षिणी राज्य एकजुट होंगे और अपने लोगों के भविष्य के लिए एक साथ खड़े होंगे, जिन्होंने देश की प्रगति का मार्ग प्रशस्त किया है। बीआरएस नेतृत्व का मानना है कि यह सम्मेलन दक्षिणी राज्यों की एकता को मजबूत करेगा और प्रस्तावित परिसीमन नीति के बारे में केंद्र सरकार को विपक्ष का एक मजबूत संदेश देगा।

इफ्तार पार्टियों की बजाय अल्पसंख्यक कल्याण को दी जाए प्राथमिकता

एसआईओ ने कांग्रेस सरकार से कहा

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। स्टूडेंट्स इस्लामिक ऑर्गनाइजेशन (एसआईओ) तेलंगाना ने राज्य सरकार से शिक्षा, रोजगार, वित्तीय सहायता और अन्य आवश्यक उपायों के माध्यम से अल्पसंख्यक समुदायों के वास्तविक सशक्तिकरण और कल्याण को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। संगठन का यह बयान 'इफ्तार समारोहों' के लिए 70 करोड़ रुपये के भारी भरकम बजट के आवंटन के मद्देनजर आया है। एसआईओ के राज्य अध्यक्ष मोहम्मद फ़राज अहमद ने कहा कि यह मुस्लिम समुदाय के दीर्घकालिक कल्याण के बारे में सरकार की गलत प्राथमिकताओं के बारे में गंभीर चिंताएं पैदा करता है। नीतियों में समुदाय की प्रगति के लिए वास्तविक प्रतिबद्धता को दर्शाया जाना चाहिए, न कि अल्पकालिक राजनीतिक तुष्टिकरण के रूप में काम करना चाहिए।

छात्रवृत्ति, अल्पसंख्यक उप-योजना, रोजगार के अवसर और आर्थिक सशक्तीकरण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में पर्याप्त समर्थन के लिए बार-बार अपील के बावजूद, इन महत्वपूर्ण मुद्दों को अनदेखा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्थायी कल्याण कार्यक्रमों में निवेश करने के बजाय, सरकार ने इफ़्तार कार्यक्रम पर भारी मात्रा में खर्च करना चुना है, जो समुदाय के उत्थान के लिए एक वास्तविक प्रयास के बजाय एक राजनीतिक तमाशा अधिक प्रतीत होता है।

मोहम्मद फ़राज़ ने आगे कहा कि मुस्लिम समुदाय प्रतीकात्मक इशारे नहीं चाहता है, बल्कि शैक्षिक, आर्थिक और सामाजिक प्रगति के लिए वास्तविक, दीर्घकालिक पहल की मांग करता है। उन्होंने पूछा कि क्या सरकार वास्तव में मुसलमानों के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है, या फिर वह मानती है कि दिखावे से प्रेरित राजनीति और इफ्तार जैसे प्रतीकात्मक आयोजन उसकी जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए पर्याप्त हैं?

धोखाधड़ी के कई मामलों में शामिल ठग गिरफ्तार

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के साउथ वेस्ट जोन टीम के कमिश्नर टास्क फोर्स टीम ने लैंगर हाउस पुलिस के साथ संयुक्त अभियान में एक धोखेबाज को गिरफ्तार किया है। वह जमीन के कागजात गिरवी रखकर और नई स्टार्टअप सॉफ्टवेयर कंपनी में भागीदारी का वादा करके हाथ से ऋण उपलब्ध कराने की आड़ में निर्दोष लोगों और बेरोजगार व्यक्तियों को धोखा देने में लिप्त था, साथ ही भागीदारी साझा करते हुए नई सॉफ्टवेयर कंपनी भी शुरू की और धोखे से पैसे हड़प लिए। आरोपी गुरु श्रीरंग श्रीनिवास बोडानाबोइना आंध्र प्रदेश के पद्मजा कॉलोनी, गुंटूर जिले का रहने वाला है। उसके पास से मोबाइल फोन, इनोवा कार बरामद हुई हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी गुरु श्रीरंग श्रीनिवास बोडानाबोइना प्रकाशम जिले का मूल निवासी है और उसने डिग्री तक पढ़ाई की है, वित्तीय समस्याओं के कारण, बाद में, उसने वर्ष 2016 में मोहम्मद अस्मा आरा से विवाह किया जो एक मुस्लिम है और विवाह प्रेम विवाह था। बाद में उन्हें एक बेटा हुआ जिसका नाम बी. मृत्युंजय है, शुरूआत में उसने हैदराबाद के बेगमपेट में स्प्लेंडिड टावर्स (एयरटेल) में ब्रिगेड कंपनी में एक सॉफ्टवेयर कर्मचारी के रूप में 14 हजार रुपये प्रति माह पर काम करके अपना कार्य कैरियर शुरू किया। फिर वर्ष 2012 में, उसके पिता की मृत्यु हो गई और फिर वह गांव वापस आ गया और रियल एस्टेट का व्यवसाय करने लगा। इसके अलावा, उसने धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और गलत बयानी की है। 2019 में, शिकायतकर्ता ने सब्जियों और बीजों के निर्यात पर सलाह के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से श्रीनिवास से संपर्क किया। श्रीनिवास ने भिंडी के बीजों के लिए अपनी बाय-बैक अवधारणा को समन्वित करने पर सहमति व्यक्त की। हालांकि, उसने नकली बीज की आपूर्ति की जो नियमों को पूरा नहीं करते थे, उन्हें एक अपंजीकृत ब्रांड के तहत बेचा और किसानों से पैसे वसूले। बीज अंकुरित नहीं होने के बाद, श्रीनिवास ने अपनी गलती स्वीकार की और मुआवजे का वादा किया। शिकायतकर्ता ने किसानों को भुगतान किया।

इसके अलावा, शिकायतकर्ता ने उससे संपर्क करने की कोशिश की लेकिन श्रीनिवास अपने मोबाइल नंबर बंद कर रहा था। इसके बाद एलबी नगर में उपरोक्त बीज व्यवसाय के तहत मामला दर्ज किया गया है। इसके अलावा, आरोपी गुरु श्रीरंगा श्रीनिवास बोइना ने महामारी के कारण वित्तीय कठिनाइयों का सामना करने के बाद कथित तौर पर अपना रियल एस्टेट व्यवसाय फिर से शुरू किया।

सितंबर 2022 में, वह एक पारस्परिक परिचित, सनी के माध्यम से शिकायतकर्ता के बेटे से मिला। शिकायतकर्ता के बेटे ने तीन लाख रुपये के हाथ से ऋण का अनुरोध किया और आरोपी ने 18 प्रतिशत ब्याज दर पर सहमति व्यक्त की, उसके बापूनगर, लैंगर हाउस, हैदराबाद में स्थित घर की बिक्री विलेख जमानत के रूप में थी। हालांकि, एक बंधक विलेख को निष्पादित करने के बजाय, आरोपी ने कथित रूप से शिकायतकर्ता ने हेरफेर करके एक बिक्री विलेख (दस्तावेज़ संख्या 6106/2022) पर हस्ताक्षर किए। आरोपी ने शिकायतकर्ता को तीन लाख रुपये प्रदान किए, जिसमें 2 लाख रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर किए गए और शेष राशि नकद दी गई। 2023 में, आरोपी ने कथित रूप से शिकायतकर्ता को धोखा देने के लिए एक और योजना बनाई, पंजीकरण और स्टांप शुल्क शुल्क से बचने के लिए एक सुधार विलेख (दस्तावेज़ संख्या 3083/2023) निष्पादित किया। इसमें लैंगर हाउस में मामला दर्ज हुआ। वर्ष 2023 में, आरोपियों ने एक शिकायतकर्ता शिव कुमार को साझेदारी के आधार पर एक व्यवसाय यानी सॉफ्टवेयर कंपनी शुरू करने के बहाने धोखा दिया और उससे 17,50,000/- रुपये की राशि ली। इस मामले में नारायणगुडा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज हुआ। आरोपी पद्मजा कॉलोनी, गुंटूर (गांव), गुंटूर (जिला), आंध्र प्रदेश में फरार हो गया। दो साल से वे डर के कारण जगह बदलकर वहीं रह रहा था। उसे पता चल गया था कि उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। विश्वसनीय सूचना के आधार पर, कमिश्नर टास्क फोर्स की सूचना पर कार्रवाई करते हुए, दक्षिण पश्चिम जोन की टीम और लैंगर हाउस पुलिस ने आरोपी गुरु श्रीरंग श्रीनिवास बोइना को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की गिरफ्तारी एस. बाला स्वामी, इंस्पेक्टर कमिश्नर टास्क फोर्स, दक्षिण पश्चिम जोन, के. रघु कुमार, इंस्पेक्टर लैंगर हाउस पीएस की देखरेख में टास्क फोर्स दक्षिण पश्चिम जोन के आर.शरत चंद्र एसआई, लैंगर हाउस एसआई एम. राघवेंद्र स्वामी और उनके कर्मचारियों द्वारा की गई।

एसआई का उत्पीड़न सहन न कर पाने के कारण व्यक्ति ने की आत्महत्या

कुमराम भीम आसिफाबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रेबेना मंडल के गंगापुर गांव में गुरुवार को एक व्यक्ति ने कथित तौर पर एक सब-इंस्पेक्टर के उत्पीड़न को सहन न कर पाने के कारण आत्महत्या कर ली। घटना शुक्रवार को प्रकाश में आई। गंगापुर के गुंडला प्रकाश (50) ने कीटनाशक खाकर अपनी जान दे दी, क्योंकि वह स्थानीय एसआई चंद्रशेखर और दो अन्य (पंडिरला मधुनैया और मडिपेली लक्ष्मीनारायण गौड़) द्वारा गांव की एक महिला सोनी से लिए गए एक लाख रुपये के ऋण को लेकर किए जा रहे उत्पीड़न से परेशान था।

प्रकाश द्वारा कथित तौर पर लिखे गए सुसाइड नोट के अनुसार, जो उनके घर से बरामद हुआ, उन्होंने कहा कि सब-इंस्पेक्टर ने उनके खिलाफ एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज करने की धमकी देकर उन्हें परेशान किया। उन्होंने मधुनैया और लक्ष्मीनारायण पर उन्हें आत्महत्या के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया। उन्होंने पुलिस अधीक्षक डीवी श्रीनिवास राव से तीनों के खिलाफ कार्रवाई करने का अनुरोध किया। उपनिरीक्षक ने प्रकाश द्वारा लगाए गए आरोपों से इनकार किया है।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं.eT-WAT-SOUTH-04-2025, दिनांक :13.03.2025

कार्य का नाम: वाल्टियर मण्डल के विशाखापट्टनम (VSKP) कॉम्प्लेक्स एरिया में ऑटो सिग्नलिंग का प्रावधान : (I) ऑटो सिग्नलिंग गुमटी (8 संख्यक) का निर्माण: अर्थात् (1) कि.मी. 872/DL/2-3 (सिम्हाचलम्-क्लॉक हट केबिन के बीच), (2) कि.मी. 871/19A-20A (सिम्हाचलम्-CONCOR केबिन के बीच), (3)कि.मी.TP/2/6-7(वादलापुड़ी केबिन-दुव्वाड़ा के बीच एनटीपीसी एलसी नं.1 के निकट), (4) कि.मी.EN/192-193(वादलापुड़ी केबिन-गेट जंक्शन के बीच एलसी SP-6 के निकट), (5) कि.मी. GPL/ 2/1-2(पुल नं.4, EN/90 के निकट), (6) A&S लाइन में पुल नं.752 के निकट कि.मी.EN/89 से EN/ 90 तक के बीच ऑटो सिग्नलिंग गुमटी, (7) रिसेप्शन यार्ड से SCMN के बीच हावड़ा फ्लाई ओवर के निकट कि.मी.GR/29 से GR/30 तक के बीच ऑटो सिग्नलिंग गुमटी, (8) सहायक मण्डल अभियन्ता/ मण्डेरदिशा/ वाल्टियर के अधीन कि.मी. EN/ 71 इंजिन लाइन के बीच CONCOR नॉर्थ गुमटी। (II) 7 संख्यक विस्तारित रिले रूम गुमटियों का निर्माण अर्थात् (1) RRI @ A केबिन, (2) CONCOR नॉर्थ गुमटी (SCMN केबिन-CONCOR केबिन के बीच), (3) रिले रूम गुमटी (जगयापलेम-CONCOR छोर), (4) रिले रूम गुमटी (जगयापलेम-वालपाडी छोर), (5) RRI विस्तार (एनटीपीसी लाइन में कि.मी.4/4 से कि.मी. 4/6 वदलापुडी केबिन-दुव्वाडा ईस्ट के बीच), (6) वैगन वर्क्स शॉप (गेट जंक्शन-वदलापुडी केबिन के बीच), (7) RRI केबिन (सहायक मण्डल अभियन्ता/मण्डेरदिशा/वाल्टियर के अधीन (गेट जंक्शन)।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में): 4,73,77,448.10, EMD(रुपये में): 3,86,900/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 12 (बारह) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय: दिनांक 08.04.2025 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही ये सभी फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव के संबंध में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुनःअवलोकन करें।

मण्डल रेल प्रबंधक (इंजीनियरिंग)/वाल्टियर

PR-1114/P/24-25

केसीआर परिवार ने तेलंगाना को बदनाम किया : सीतक्का

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एमएलसी कविता के इस आरोप पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी तेलंगाना की प्रतिष्ठा को धूमिल कर रहे हैं, पंचायत राज मंत्री सीतक्का ने कहा, केसीआर परिवार ने तेलंगाना को बदनाम किया है। उन्होंने आगे सवाल किया, क्या आप ही नहीं हैं जिन्होंने दिल्ली में अपने व्यवहार से तेलंगाना की गरिमा से समझौता किया है? सीतक्का ने कांग्रेस पार्टी की बलिदान की विरासत पर जोर दिया और इसकी तुलना भ्रष्टाचार के लिए बीआरएस की प्रतिष्ठा से की। उन्होंने टिप्पणी की कि हालांकि बीआरएस एक दशक तक सत्ता में रही, लेकिन वे उस दौरान लोगों की न्यायपूर्ण सेवा करने में विफल रहे। मंत्री ने विशिष्ट शिकायतों पर प्रकाश डालते हुए कहा, शुरूआती पांच वर्षों में, महिला आयोग में कोई महिला मंत्री या प्रतिनिधि नहीं थीं। महिलाओं द्वारा बनाए गए 1,800 करोड़ रुपये के अभय हस्तम फंड को आवंटित नहीं किया गया और कोई ब्याज नहीं दिया गया। इसके अलावा, महिला समूहों को दिए जाने वाले 3,700 करोड़ रुपये भी नहीं चुकाए गए। कई मुद्दे उठे जो बीआरएस प्रशासन के दौरान जनता पर किए गए अन्याय को दर्शाते हैं। सीतक्का ने टिप्पणी की कि यदि बीआरएस सरकार प्रभावी ढंग से काम कर रही होती, तो विधानसभा चुनावों में लोगों के पास पार्टी को खारिज करने का कोई कारण नहीं होता। उन्होंने बीआरएस नेताओं से अपने दृष्टिकोण पर पुनर्विचार करने और इस समय सकारात्मक और रचनात्मक सिफारिशें पेश करने का आग्रह किया।

चारमीनार में हेरिटेज शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का हिस्सा गिरने से 6 घायल

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार रात चारमीनार के मछली कमान में एक पुराने हेरिटेज शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के मेहराब की आरसीसी स्लैब की छत का एक छोटा हिस्सा गिर जाने से चार महिलाओं सहित कम से कम छह लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, हालांकि मेहराब गिरने का कारण पता नहीं चल पाया है, सभी घायल रमजान के त्योहार के मद्देनजर खरीदारी करने आए थे। यह घटना रात करीब 11 बजे हुई, जब हेरिटेज बिल्डिंग में बाजार में खरीदारी का काम चल रहा था। आगन्तुकों को मामूली चोटें आईं। सूचना मिलने पर चारमीनार पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को प्राथमिक उपचार दिया। इस घटना पर कोई शिकायत दर्ज नहीं की गई।

दो वर्षीय घायल बच्चे की इलाज के दौरान मौत

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कुकटपल्ली में कार से कुचले जाने से घायल हुई अद्रिता (2) की गुरुवार रात अस्पताल में मौत हो गई। यह घटना 16 मार्च को हुई, जब अद्रिता कुकटपल्ली पुलिस थाने के अंतर्गत वड्डेपल्ली एन्क्लेव में सड़क पर खेल रही थी। पुलिस के अनुसार, अद्रिता बीच सड़क पर बने स्पीड ब्रेकर पर बैठकर खेल रही थी। उसी समय एक ड्राइवर ने कार निकाली और उसे देख नहीं पाया। कार अचानक मुड़ते समय बच्ची के ऊपर चढ़ गई। अद्रिता को गंभीर चोटें आईं और उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बच्चे के माता-पिता की शिकायत के आधार पर कुकटपल्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पूर्व तट रेलवे

मार्च-2025 के लिए डिपो एवं मंडल हेतु ई-नीलामी कार्यक्रम का जोड़पत्र

अतिरिक्त ई - नीलामी की अनुसूची

महीना	डिवीजन/यूनिट	तारीख
मार्च-2025	खोरधा रोड मण्डल	26.03.2025
	वाल्टियर मण्डल	31.03.2025

सामग्रियों का संपूर्ण विवरण तथा नियम एवं शर्तें नीलामी की तारीख के 07 (सात) दिन पूर्व हमारी वेबसाइट: www.ireps.gov.in में उपलब्ध होगी।

PR-1110/P/24-25

प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, भुवनेश्वर

सीएम नीतीश कुमार के वीडियो को शेयर करते हुए रोहिणी आचार्य ने बोला हमला

पटना, 21 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बीते गुरुवार को एक कार्यक्रम में राष्ट्रगान के दौरान अपने प्रधान सचिव दीपक कुमार को कुछ इशारा करते दिखे थे। उसका वीडियो सोशल मीडिया पर अब तेजी से वायरल हो रहा है। मुख्यमंत्री के वीडियो को एक्स (एक्स) पर शेयर करते हुए लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने शुक्रवार (21 मार्च, 2025) को हमला बोला। उन्होंने तंज कसा कि मुख्यमंत्री की दिमागी सेहत के साथ कुछ तो जरूर गड़बड़ है। उन्होंने पोस्ट में लिखा है, राष्ट्रगान के दौरान राष्ट्रगान की मर्यादा के विपरीत किया गया आचरण, सदन में सत्र के दौरान निरंतर किए जाने वाले तरह-तरह के हास्यास्पद इशारे, दर्जनों दफा सार्वजनिक मंचों पर सरकारी कार्यक्रमों में की गई अजीबोगरीब हरकतें, अनेकों अमर्यादित अभद्र व अश्लील वक्तव्य-बयान, बात- बात पर चीखना-चिल्लाना, उत्तेजित होना, तू-तड़ाक करना, विपक्ष के विधायकों-विधान-पार्षदों, बिहार की पूर्व व प्रथम महिला मुख्यमंत्री के लिए अनादर सूचक शब्दों का इस्तेमाल, इन सब से स्पष्ट है बिहार के मुख्यमंत्री की मानसिक स्थिति गंभीर चिंता का विषय है।

भारी हंगामे के बीच बिहार विधानसभा की कार्यवाही स्थगित

एक ही मांग- नीतीश कुमार इस्तीफा दें

पटना, 21 मार्च (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा में शुक्रवार (21 मार्च, 2025) को बजट सत्र शुरू होते ही विपक्षी दल हंगामा करने लगे। विपक्षी दल के विधायक 'राष्ट्रगान का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान' का नारा लगाने लगे। इस दौरान सदन में सीएम नीतीश कुमार खुद भी मौजूद थे। इस दौरान जेडीयू कोटे के मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि कार्य स्थगन प्रस्ताव का समय होता है। उस समय उठे। नेता प्रतिपक्ष सीएम का कितना सम्मान करते हैं पूरा बिहार जनता है। हालांकि विपक्ष के नेता कुछ सुनने के लिए तैयार नहीं थे। विपक्षी दल नीतीश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे थे।

भारी हंगामे के बीच बिहार विधानसभा की कार्यवाही दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। कांग्रेस के विधायक मुन्ना तिवारी ने कहा कि नीतीश मेंटली अनफिट हैं। इस्तीफा दें। आरजेडी के विधायक मुकेश यादव ने कहा कि नीतीश कुमार पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज हो। सदन की कार्यवाही से पहले विधानसभा पोर्टिको में आरजेडी नेताओं ने प्रदर्शन किया। आरजेडी के एमएलसी सुनील सिंह ने कहा कि राष्ट्रगान का अपमान नीतीश ने किया है। तीन साल की सजा होनी चाहिए। हाथों में बैनर-पोस्टर तिरंगे के साथ आरजेडी के विधायक विधानसभा पोर्टिको में धरना-प्रदर्शन कर रहे थे तो तेजस्वी यादव भी पहुंच गए।

क्या बोले तेजस्वी यादव?

तेजस्वी यादव ने कहा कि नीतीश कुमार हमसे बड़े हैं। सम्मान करते हैं। कल उन्होंने राष्ट्रगान का अपमान किया। बिहारियों का सिर शर्म से झुक गया। पहली बार ऐसा हुआ कि किसी राज्य के मुख्यमंत्री ने राष्ट्रगान का अपमान किया। उनकी स्वास्थ्य की चिंता करते हैं, लेकिन उन्होंने राष्ट्रगान का अपमान किया है। देश की 140 करोड़ जनता से नीतीश आज सदन में माफी मांगें। पीएम मोदी के लाडले मुख्यमंत्री नीतीश हैं। पीएम ने इस घटना पर कुछ नहीं कहा। बीजेपी वाले खुद को राष्ट्रवादी बताते हैं, लेकिन इस घटना पर सबने चुप्पी साध ली है। नीतीश को रिटायरमेंट ले लेना चाहिए। राष्ट्रगान के अपमान पर तीन साल की सजा है।

फर्जीवाड़ा करने के दोषी पूर्व ग्राम प्रधान समेत 13 दोषियों को सजा, 30 साल बाद कोर्ट का आया फैसला

वाराणसी, 21 मार्च (एजेंसियां)। फर्जीवाड़ा कर ग्राम सभा की जमीन का पट्टा कराने के 30 साल पुराने मामले में विशेष न्यायाधीश चतुर्थ (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम) रविन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने सोनभद्र जिला के बड़हर परगना के मूर्तिया गांव निवासी व पूर्व प्रधान विजय कुमार सिंह समेत 13 आरोपितों को दोषी करार दिया। अदालत ने विजय कुमार सिंह को चार साल के कारावास एवं 30 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना न देने पर चार माह अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी। इसी मामले में अदालत ने विजय के भाई इंद्र कुमार सिंह के अलावा अन्य दोषियों वीरेंद्र सिंह,महेंद्र सिंह,सतीश सिंह,राजकुमार सिंह, हरिश्चंद्र, भोलानाथ, मुनेश्वर, जगेश्वर, पंकज सिंह, सुशीला देवी एवं श्याम नारायण को तीन-तीन वर्ष के कारावास एवं दस-दस हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। अर्थदंड न देने पर 30-30 दिन अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी। अदालत में अभियोजन पक्ष की ओर से एडीजीसी संतोष कुमार तिवारी ने पैरवी की। अभियोजन पक्ष के अनुसार मूर्तिया गांव में ग्राम समाज व उत्तर प्रदेश प्रदेश सरकार की भूमि को पट्टे में दिए जाने के संबंध में अनियमितता और भ्रष्टाचार करने की शिकायत तत्कालीन विधायक रामलोटन सिंह व गांव के लोगों ने वर्ष 1995 में शिकायत की थी। इसकी जांच की जिम्मेदारी भ्रष्टाचार निवारण संगठन अपराध अनुसंधान विभाग वाराणसी को सौंपी गई। जांच के बाद तत्कालीन निरीक्षक देवेन्द्र प्रताप यादव ने आरोपितों के खिलाफ घोरावल थाना में फर्जीवाड़ा एवं भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया।

मैं जो कर सकता था, वो सब किया

राहुल गांधी से मिलने के बाद बोले अखिलेश सिंह

पटना, 21 मार्च (एजेंसियां)। बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से हटाए जाने के दो दिन बाद अखिलेश प्रसाद सिंह ने राहुल गांधी से मुलाकात मिले। 10 जनपथ पर राहुल गांधी से मुलाकात के बाद अखिलेश सिंह ने कहा कि अपने कार्यकाल के लिए राहुल गांधी को धन्यवाद दिया। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने अपनी नाराजगी की अटकलों का खंडन करते हुए कहा कि मैं दुखी क्यों होऊंगा। मैं बहुत प्रसन्न हूं। मैं जो कर सकता था सब किया। राहुल गांधी ने भी इसे माना है। पार्टी ने उनको जो काम सौंपा था उसे उन्होंने पूरी इमानदारी से करने का प्रयास किया। पार्टी से उनकी कोई नाराजगी नहीं है। राहुल गांधी से मिलने के बाद अखिलेश सिंह ने नए प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम से अपने आवास पर मुलाकात कर उन्हें शुभकामनाएं दीं।

'40-50 सीटें जीतने का लक्ष्य'

कांग्रेस पार्टी में बने रहने की अटकलों से जुड़े सवाल पर अखिलेश सिंह भड़क भी गए। कांग्रेस नेता अखिलेश सिंह ने कहा कि मिलजुलकर पार्टी का काम आगे बढ़ाना है। हम लोगों ने आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की चालीस से पचास सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है, ताकि महागठबंधन की सरकार बने। मेरे ढाई साल के कार्यकाल में सबका सहयोग मिला अब मुझे थोड़ा आराम चाहिए। वहीं, राजेश राम ने कहा कि संगठन परिवार की तरह होता है। मुझे बड़े भाई का आशीर्वाद मिला है। मंगलवार को कांग्रेस ने बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से अखिलेश प्रसाद सिंह की छुट्टी करते हुए राजेश राम को नया अध्यक्ष नियुक्त किया था।

अखिलेश सिंह की नाराजगी की चल रही है बात

अखिलेश सिंह करीब ढाई साल प्रदेश अध्यक्ष पद पर रहे। भले ही वो सब कुछ ठीक होने का संदेश देने की कोशिश कर रहे हो, लेकिन सूत्रों के मुताबिक विधानसभा चुनाव से पहले पद से हटाए जाने से अखिलेश सिंह पार्टी से काफी नाराज हैं। देखना होगा कि आने वाले दिनों में अखिलेश सिंह की पार्टी में क्या भूमिका रहती है। क्या वाकई बिहार कांग्रेस में सब ठीक रह पाता है।

हाईकोर्ट बोला-वेश्या का ग्राहक होना मानव तस्करी नहीं

स्पा में पकड़े गए युवक को बरी किया; कहा-सेवा के बदले पैसे दिए थे

प्रयागराज, 21 मार्च (एजेंसियां)। किसी वेश्या का ग्राहक होना, वेश्या के साथ अनैतिक कार्य करते पकड़े जाने से मानव तस्करी का अपराध साबित नहीं होता है। वह एक ग्राहक था, जिसने स्पा सेंटर को सेवा के बदले पैसे दिए थे। यह टिप्पणी इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस विनोद दिवाकर की पीठ ने दी। इसके साथ ही उन्होंने आरोपी के खिलाफ चल रहे मानव तस्करी के मुकदमे को रद्द कर दिया।

10 महीने पहले महिला के साथ पकड़ा गया था याचिकाकर्ता

गाजियाबाद पुलिस ने 20 मई, 2024 को एलोरा थाई स्पा सेंटर में छापा मारा था। इस दौरान याचिकाकर्ता को एक महिला के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ा था। इसके बाद पुलिस ने उसके खिलाफ आईपीसी की धारा-370 और अनैतिक देह व्यापार प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3, 4, 5, 6 के तहत मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने इस मामले में चार्जशीट दाखिल किया था। इस पर गाजियाबाद की एसीजेएम कोर्ट ने संज्ञान लेकर याचिकाकर्ता को समन जारी किया। इसके बाद याचिकाकर्ता ने समन और मुकदमे के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर की।

याची ने महिलाओं को देह व्यापार में नहीं झोंका- वकील

गुरुवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका पर सुनवाई हुई। इस दौरान याचिकाकर्ता के वकील अनूप त्रिवेदी ने दलीलें दीं। कहा- याची पर जो धाराएं लगाई गई हैं, उनसे अपराध साबित नहीं होता है। उसने न महिलाओं को अनुचित देह व्यापार में झोंका, न ही स्पा सेंटर का मालिक है। वह एक ग्राहक है, जिसने स्पा सेंटर को सेवा के बदले पैसे दिए थे। छापेमारी के दौरान पकड़ा गया था। दलीलों को सुनने के बाद कोर्ट ने कहा- याचिकाकर्ता पर मानव तस्करी का आरोप साबित नहीं हो रहा है। इसके बाद कोर्ट ने समन आदेश के साथ-साथ मुकदमे की पूरी कार्रवाई रद्द कर दी।

सीबीआई ने स्पोर्टस सिटी में तीन बिल्डरों पर की एफआईआर

नोएडा, 21 मार्च (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाइकोर्ट ने नोएडा स्पोर्ट्स सिटी घोटाले में सीबीआई और ईडी जांच का आदेश दिया है। इस मामले में सीबीआई ने तीन एफआईआर दर्ज की हैं। पहली एफआईआर लॉजिक्स इंफ्रा डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड और दूसरी लोटस ग्रीन कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर की गई है। तीसरी एफआईआर जनायडू एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड पर की गई। दोनों पर आरोप है कि 2011 से 2017 तक बिल्डरों, कंसोर्टियम, और नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ मिलकर कथित तौर पर घर खरीदारों के पैसे हड़पने का आरोप है। सीबीआई ने अपनी एफआईआर में छह आरोपी बनाए है। लॉजिक्स इंफ्रा डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड को पहला आरोपी बनाया है।

इसके अलावा कंपनी के डायरेक्टर शक्ति नाथ, मीना नाथ, विक्रम नाथ शामिल है। वहीं नोएडा प्राधिकरण के अज्ञात अधिकारी और अन्य अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इसी तरह दूसरी एफआईआर लोटस ग्रीन कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड की गई है। ये प्रोजेक्ट सेक्टर-150 एससी 01 और इससे जुड़ी 12 सबलीज कंपनियों से जुड़ा है। जिसमें सभी 12 के नाम शामिल है। जिसमें पहला आरोपी लोटस ग्रीन कंस्ट्रक्शन कंपनी को बनाया गया । इसी तरह कंपनी के डायरेक्टर निर्मल सिंह, विदुर भरद्वाज, सुरप्रीत सिंह सूरी और नोएडा प्राधिकरण के अज्ञात अधिकारी व एक अन्य खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। एफआईआर में हाइकोर्ट का आदेश का हवाला दिया गया है। इसमें लोटस ग्रीन के अलावा उनकी सब लीज करीब 24 कंपनियों को भी शामिल किया गया है। ये प्रोजेक्ट सेक्टर-150 एससी-01/ए और एस-02 से जुड़ा है। इसके अलावा जनायडू एस्टेट पर एफआईआर दर्ज की गई है। बता दें सीएजी ऑडिट में स्पोर्ट्स सिटी आवंटन में बड़ी वित्तीय अनियमितताओं का खुलासा किया था। जिससे नोएडा प्राधिकरण और राज्य सरकार को 9000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

7 दारोगाओं के हाथ पैर तोड़ने वाले बयान पर संजय निषाद ने दी सफाई, बताया- क्यों कही ये बात?

लखनऊ, 21 मार्च (एजेंसियां)। यूपी सरकार के कैबिनेट मंत्री और निषाद पार्टी के मुखिया संजय निषाद ने पुलिसवालों को लेकर दिए अपने विवादित बयान पर सफाई दी है। मंत्री ने कहा कि उनके बयान को गलत तरह से पेश किया गया है। योगी सरकार में लॉ एंड ऑर्डर पूरी तरह से मेंटेन हैं। जबकि समाजवादी पार्टी के कार्यकाल में तो आए दिन दंगे होते रहते थे। दरअसल संजय निषाद ने सुल्तानपुर में अपनी पार्टी के कार्यक्रम में पुलिसवालों को लेकर विवादित बयान दिया था उन्होंने कहा कि वो यहां तक ऐसे ही नहीं पहुंचे हैं। सात दारोगा का हाथ-पैर तुड़वाकर और उनको गड्ढे में फेंकवाकर यहां तक पहुंचे हैं। उनका ये बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद इसे लेकर सियासी बवाल छिड़ गया था। विपक्षी दलों ने इसे लेकर मंत्री को निशाने पर लिया, जिसके बाद अब संजय निषाद ने अपने बयान पर सफ़ाई दी है। संजय निषाद ने कहा कि उनके बयान को गलत ढंग से पेश किया गया। लोग सच्चाई में नहीं जानते हैं कि कब किस परिपेक्ष में कौन सी बात कही गई, यह समझना चाहिए। जब रक्षक भक्षक बन जाएगा तो लोगों को आत्मरक्षा में कदम उठाने पड़ते हैं। यह भी कहा कि उन्होंने जो बयान दिया वह आत्मरक्षा की बातें थी हमारे लोगों पर गोरखपुर में रेलवे के आंदोलन के दौरान यूपी पुलिस ने गोली चलाई थी, फर्जी मुकदमे दर्ज किए थे जो गलत था उनका बयान इसी परिपेक्ष में था।

लखनऊ एयरपोर्ट पर फ्लाइट में बैठे-बैठे यात्री की मौत

लखनऊ, 21 मार्च (एजेंसियां)। एयरपोर्ट पर शुक्रवार सुबह एक यात्री की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आसिफ पानी पिए फिर अचानक अचेत हो गए। लैंडिंग के बाद जब उन्होंने सीट बेल्ट नहीं खोली तब शक हुआ। घटना एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-4825 की है। फ्लाइट सुबह 8.10 बजे लैंड हुई है। आसिफ अंसारी दौला बिहार के गोपालगंज के रहने वाले थे। वह दिल्ली से लखनऊ आए थे। फ्लाइट लैंड होने के बाद उन्होंने न तो अपनी सीटबेल्ट खोली, न ही खाने की प्लेट को छुआ। फ्लाइट अटेंडेंट जब उनकी प्लेट और पेय पदार्थ साफ करने पहुंचे, तब उन्होंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इस दौरान फ्लाइट में मौजूद डॉक्टरों ने उनकी जांच की। लेकिन सांस नहीं चल रही थी। घटना के बाद एयरपोर्ट प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां जांच में जुटी है। लखनऊ एयरपोर्ट पर 72 घंटे के अंदर यह दूसरी घटना है, जिससे एयरपोर्ट प्रशासन की स्वास्थ्य सुविधाओं और आपातकालीन व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

यूपी में कांग्रेस ने अखिलेश यादव संग खेल कर दिया लागू कर दिया प्रियंका गांधी वाला ये फॉर्मूला

लखनऊ, 21 मार्च (एजेंसियां)।

कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में अपने संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से जिला और नगर अध्यक्षों की नई नियुक्तियों की घोषणा कर दी है। पार्टी ने कुल 135 नेताओं की लिस्ट जारी की है, जिसमें 76 जिलाध्यक्ष और 59 नगर अध्यक्ष शामिल हैं। इस फेरबदल के जरिए कांग्रेस राज्य में अपनी सांगठनिक पकड़ को मजबूत करने और आगामी चुनावों की तैयारी को धार देने की कोशिश कर रही है। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि नए पदाधिकारियों की नियुक्ति से जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं में जोश और ऊर्जा का संचार होगा, जिससे पार्टी को फायदा मिलेगा। इन नियुक्तियों में प्रियंका गांधी की टीम की झलक साफ तौर पर दिखाई देती है,

जिससे ये स्पष्ट होता है कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अहम फैसलों में उनकी भूमिका लगातार बनी हुई है। प्रियंका गांधी ने संगठन को नई दिशा देने और पार्टी को मजबूत करने के लिए जमीनी स्तर पर एक्टिव नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी है। इससे संकेत मिलता है कि कांग्रेस राज्य में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए नए सिरे से रणनीति बना रही है।

कांग्रेस का बड़ा संगठनात्मक बदलाव

कांग्रेस ने सामाजिक संतुलन को ध्यान में रखते हुए 65% पद पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक समाज के नेताओं को दिए हैं। सामान्य श्रेणी में 20% ब्राह्मण और 12% राजपूत समाज से हैं जबकि कुल जिला और नगर अध्यक्षों में 22% मुस्लिम प्रतिनिधि हैं।

युवा नेतृत्व को तवज्जो, महिलाओं की भागीदारी कम

पार्टी ने युवा नेतृत्व को प्राथमिकता देते हुए लगभग दो-तिहाई नियुक्तियां 50 वर्ष से कम उम्र के नेताओं को दी हैं। हालांकि महिलाओं का प्रतिनिधित्व महज 6% ही रहा जो अपेक्षा से कम है। इससे साफ है कि कांग्रेस को महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए अभी और प्रयास करने होंगे।

कमिश्नर के सामने कंप्यूटर ऑपरेटर सुन रहा था गाना

हटाया गया; सहायक भूलेख अधिकारी को नोटिस

बरेली, 21 मार्च (एजेंसियां)। बरेली। कलेक्ट्रेट में अनुशासनहीनता पर कड़ी कार्रवाई की गई है। वार्षिक निरीक्षण के दौरान कमिश्नर सौम्या अग्रवाल को एक कंप्यूटर ऑपरेटर गाना सुनते मिला, जिसे तुरंत हटा दिया गया। वहीं, सहायक भूलेख अधिकारी अनिल कुमार को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। एडीएम प्रशासन पूर्णिमा सिंह ने कहा कि अभिलेखों को सुधारने के लिए समय दिया जाएगा। कमिश्नर सौम्या अग्रवाल ने कलेक्ट्रेट का वार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान जब उन्होंने कमरा नंबर सात में निकाय पटल का जायजा लिया, तो वहां गाने की आवाज सुनाई दी। जब जिलाधिकारी ने पूछा कि गाना किसने चलाया, तो निकाय सहायक ने बताया कि कंप्यूटर ऑपरेटर संतोष पांडेय ने गाना लगाया था। इस पर कमिश्नर ने नाराजगी जताते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए, जिसके बाद ऑपरेटर को हटा दिया गया।

भूलेख कार्यालय में अनियमितताएं मिलीं

निरीक्षण के दौरान भूलेख कार्यालय में भी गंभीर लापरवाही सामने आई। निलंबित लेखपालों से संबंधित अभिलेख अव्यवस्थित मिले, जिस पर कमिश्नर ने सहायक भूलेख अधिकारी अनिल कुमार को जिम्मेदार ठहराया और उनके खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा।

एडीएम प्रशासन का बयान

एडीएम प्रशासन पूर्णिमा सिंह ने कहा कि अभिलेखों को दुरुस्त करने के लिए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को समय दिया जाएगा। निरीक्षण में मिली कमियों को जल्द सुधारने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि भविष्य में इस तरह की लापरवाही दोबारा न हो।

बकरी को देख ललचाया तेंदुआ वन विभाग के पिंजड़े में हुआ कैद

लखीमपुर खीरी, 21 मार्च (एजेंसियां)। लखीमपुर खीरी जनपद में वन रेंज शारदानगर के मंझरा फार्म जंगल में वन विभाग के लगाए पिंजड़े में एक तेंदुआ कैद हो गया। जानकारी मिलते ही वनकर्मी और अधिकारी मौके पर पहुंचे। इस बीच तेंदुए को देखने वालों का भी तांता लग गया। वन विभाग की पकड़ में आया तेंदुआ पूरी तरह स्वस्थ बताया जा रहा है। तेंदुए का मेडिकल परीक्षण कराने के बाद उसे जंगल में छोड़ा जाएगा। शहर के नजदीक राजकीय कृषि प्रक्षेत्र मंझरा और इसके आसपास इलाके में पिछले कई दिनों से तेंदुए की चहलकदमी देखी जा रही थी। राहगीरों और राजकीय फार्म के कर्मचारियों, मजदूरों में भी दहशत बनी थी। कर्मचारी और कॉलोनीवासी वन विभाग से तेंदुए को पकड़ने की मांग कर रहे थे।

आशा के झांसा में आने के चलते डिलीवरी कराने गई महिला की मौत

नवजात बच्चे की भी स्थिति गंभीर

सीतामढ़ी, 21 मार्च (एजेंसियां)। सीतामढ़ी जिले में गुरुवार रात एक प्रसूति महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद फर्जी क्लीनिक में फर्जी डॉक्टर के विरोध में परिजनों ने जमकर हंगामा किया। घटना की सूचना मिलने के बाद डीएसपी सदर रामकृष्ण समेत अन्य पुलिस बल मौके पर पहुंचकर परिजनों को समझा-बुझाकर शांत कराया। मृतक की पहचान सीतामढ़ी के बेलसंड की रहने वाली हसमून खातून के रूप में की गई है, जिसका मायका सीतामढ़ी शहर से सटे भवदेपुर में है। जहां से गुरुवार रात उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में लाया गया था। वहीं, सदर अस्पताल से एक आशा के द्वारा बहला-फुसला कर उसे गलत सलाह देकर निजी अस्पताल में ले जाने को कहा और अपने साथ लेकर निजी अस्पताल गई।

डिलीवरी के 60 हजार लगे

जहां 60 हजार रुपये में प्रसूति महिला का डिलीवरी करने की बात तय हुई। इसके बाद पैसे भी जमा कर लिया गया। हालांकि, इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई और बच्चे की भी स्थिति काफी गंभीर बताई जा रहा है। महिला के मौत हो जाने के बाद अस्पताल में परिजनों के द्वारा हंगामा किया जाने लगा।

ननद ने क्या बताया

मृतक की ननद सबरा खातून ने बताया कि मृतका के पहले से पांच बच्चे नॉर्मल डिलीवरी हुआ था। लेकिन आशा के झांसा में आने के कारण उसकी मौत हो गई। बताया यह भी जा रहा है कि जिस डॉक्टर के यहां इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। वह डॉक्टर और क्लीनिक दोनों ही फर्जी हैं। जहां 20 दिन पहले सिविल सर्जन के द्वारा छापेमारी भी की गई थी। घटना की सूचना पर पहुंचे सदर डीएसपी रामकृष्ण ने इस संबंध में बताया कि हंगामा की सूचना पुलिस मौके पर पहुंचकर आक्रोशित परिजनों को समझा बुझाकर शांत कराया है। मामले की जांच की जा रही है। दोषी पाए जाने वाले डॉक्टर और नर्सिंग होम के विरोध में कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

प्रोफेसर की गिरफ्तारी से खुले कई राज: 17 साल से कर रहा था छात्राओं का यौन शोषण

हाथरस, 21 मार्च (एजेंसियां)। हाथरस में पीसी बागला डिग्री कॉलेज के अनुशासन अधिकारी व भूगोल विभागाध्यक्ष प्रोफेसर रजनीश कुमार को पुलिस ने प्रयागराज से गिरफ्तार किया गया है। उक्त प्रोफेसर पिछले 17 सालों से छात्राओं व अन्य युवतियों का अपने पद का रुतबा, नौकरी लगवाने का झांसा, परीक्षा में अच्छे अंक दिलाने का प्रलोभन देकर एवं भय दिखाकर कॉलेज एवं घर पर यौन शोषण एवं दुष्कर्म कर उनके अश्लील वीडियो तैयार कर वायरल करता था। पुलिस ने उक्त आरोपी के कब्जे से लैपटॉप, मोबाइल बरामद किया है।

पूर्व मंत्री की बहू की मौतः बेडरूम में नशे में मिले प्रेमी और पति

झांसी,21 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व मंत्री रतनलाल अहिरवार की बहू संगीता की हत्या के आरोप में पति एवं प्रेमी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। घर में दारू पार्टी के दौरान संगीता की हत्या कर दी गई थी। तकिये से गला दबाने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, पुलिस के घर पहुंचने पर दरवाजा अंदर से बंद था। पुलिस के खटखटाने पर प्रेमी ने दरवाजा खोला। बिस्तर पर संगीता का शव पड़ा था, जबकि सोफे पर पति बेसुध हाल में था। पुलिस दोनों आरोपियों को थाने लाकर पूछताछ कर रही है। अत्याधिक नशे में होने से अभी तक दोनों कुछ अधिक नहीं बता सके। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। कोतवाली के लक्ष्मी गेट मोहल्ला निवासी रविंद्र बसपा शासनकाल में राज्य मंत्री रहे रतनलाल अहिरवार का भतीजा है। वह पत्नी संगीता अहिरवार (36) एवं तीन बच्चों के साथ लक्ष्मी गेट में रहता था। पुलिस के मुताबिक, शुक्रवार शाम संगीता से मिलने रोहित वाल्मिकी नामक युवक शराब लेकर आया। वह अक्सर संगीता से मिलने आता था। पति रविंद्र भी घर पर मौजूद था। बेडरूम का दरवाजा बंद करके तीनों शराब पीने लगे। करीब एक घंटे तक तीनों ने शराब पी। कुछ देर बाद अंदर से मारपीट एवं गाली-गलौज की आवाज आने लगी। मारपीट की आवाज सुनकर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दे दी। थोड़ी देर में पुलिस भी पहुंच गई।

'छोटी मछली को पकड़ रहे, बड़े मगरमच्छ'

उमंग सिंघार ने धनकुबेर सौरभ शर्मा केस में उठाई जांच की मांग

भोपाल,21 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में कांग्रेस विधायकों के प्रतिनिधिमंडल ने आयकर विभाग के महानिदेशक से भेंट की और मंत्री गोविंद राजपूत सहित परिवहन घोटाले की जांच की मांग की। इस मामले में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने महानिदेशक को मंत्री गोविंद राजपूत और उनके सहयोगियों की हजारों करोड़ की बेनामी संपत्ति के दस्तावेज भी सौंपे। नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस विधायकों ने महानिदेशक को एक ज्ञापन भी सौंपा जिसमें गोविन्द सिंह राजपूत मंत्री मध्य प्रदेश शासन द्वारा लोकसेवक के पद पर रहते हुये भ्रष्टाचार कर अपने परिवार, रिश्तेदारों एवं अन्य लोगों के नाम से सैकड़ों एकड़ जमीन अवैध लेनदेन कर खरीदने एवं बेनामी अवैध तैयार करने के मामले की जांच किए जाने एवं संपत्ति अटैच करने की मांग की गई। उमंग सिंघार ने मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए सोने के प्रतीकात्मक बिस्किट भी दिखाए और कहा कि परिवहन घोटाला में सिर्फ छोटी मछलियों को पकड़ा जा रहा है। एक सिपाही को गिरफ्तार किया जाता है लेकिन जो बड़े मगरमच्छ हैं, जिन्होंने हजारों करोड़ की अवैध संपत्ति बनाई है, जिनके पास पैसा पहुंच रहा था।

उनपर कार्रवाई नहीं होती। उन्होंने कहा कि ये सरकार भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रही है इसलिए हमने पहले लोकायुक्त, ईओडब्ल्यू और अब आयकर विभाग में शिकायत की है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि हमने आयकर विभाग को सोने और पैसों की जब्ती को लेकर बधाई दी साथ ही इस मामले में निष्पक्ष जांच सहित सभी बड़े नामों का खुलासा करने की मांग की है जिसपर महानिदेशक ने जांच का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि परिवहन घोटाले में शामिल सभी लोगों की प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री और चुनावी हलफनामे में छुपाई गयी संपत्ति के दस्तावेज भी आयकर विभाग को सौंपकर निष्पक्ष जांच की मांग की है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि आयकर विभाग जनता के हित को देखते हुए सामने लाएगा की ये सोने की ईंटें किसकी है। उन्होंने आगे कहा कि ये जनता की कमाई है और कांग्रेस पार्टी किसी मंत्री और अधिकारी को इसे खाने नहीं देगा। उन्होंने सरकार से पूछा कि जिस परिवहन विभाग का बजट ही 150-200 करोड़ है उसमें 5000 करोड़ का घोटाला कैसे हो रहा रहा था। इससे पहले उमंग सिंगार लोकायुक्त और ईओडब्ल्यू से इस केस की जांच को लेकर मुलाकात कर चुके हैं।

सीएम मोहन यादव का कर्नाटक सरकार पर हमला

कहा- 'अल्पसंख्यक ठेकेदारों को आरक्षण की व्यवस्था का प्रावधान करना अनुचित एवं निंदनीय '

भोपाल,21 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार द्वारा अल्पसंख्यक ठेकेदारों को 4 फीसदी आरक्षण देने को लेकर प्रदेश में सियासी बवाल खड़ा हो गया है। बीजेपी ने कांग्रेस की लीडरशिप पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए सरकार के फैसले को हिंदू विरोधी करार दिया है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी इस मसले पर कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने एक्स पोस्ट पर लिखा, कर्नाटक में कांग्रेस सरकार द्वारा शासकीय कार्यों में ठेकेदारों को धर्म आधारित आरक्षण की व्यवस्था का प्रावधान करना अनुचित एवं निंदनीय है। लोकतांत्रिक देश में इस तरह किसी धर्म विशेष को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से नियम-प्रावधान कैबिनेट से पास कर लागू करना कांग्रेस के अनैतिक चरित्र का प्रतीक है। उन्होंने आगे लिखा, दलित, पिछड़े और समाज के वंचित लोगों के उत्थान के लिए भारतीय जनता पार्टी सरकार निरंतर काम कर रही है, जिससे सभी वर्गों को समाज में पूर्ण सम्मान और अधिकार मिल सके। सीएम मोहन यादव ने आगे कहा है कि इतिहास साक्षी है कि कांग्रेस ने हमेशा संविधान के मूल्यों का सम्मान करने की बजाय जातिगत पक्षपात और समाज के विभिन्न वर्गों में भेदभाव की भावना पैदा करने में मुख्य योगदान दिया है। कांग्रेसी भारत जोड़ो नहीं, भारत तोड़ो की विचारधारा पर काम कर रहे हैं। कर्नाटक सरकार का यह फैसला इसी अपशिष्ट राजनीति का उदाहरण है। मोहन यादव ने लिखा ये भी कहा है कि इस तरह के धर्म आधारित फैसलों के विरुद्ध पूर्व में भी कई बार न्यायालयों द्वारा निर्णय दिए गए हैं।

'बच्चे पैदा नहीं करना चाहती बीवी'; दुखड़ा लेकर थाने पहुंचा बेंगलुरु का इंजीनियर पति

बेंगलुरु,21 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से चौंकाने वाला मामला सामने आया है। एक इंजीनियर पति ने अपनी बीवी पर घरेलू हिंसा करने, शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। पुलिस को दी शिकायत में श्रीकांत नामक शख्स ने बताया कि उसकी पत्नी उसके साथ सोने के लिए हर रोज उससे 5000 रुपये मांगती है। वह शादी करने के लिए मान गई थी, लेकिन अब वह बच्चे पैदा करने के लिए तैयार नहीं है। वह उसके साथ परिवार नहीं बसाना चाहती। उसकी हरकतों का विरोध करने पर वह उसके प्राइवेट पार्ट पर चोट मारती है। वह उसके परिवार द्वारा दिए गए कंगन, पाजेब और अन्य गहने पहनने से भी मना करती है। तंग आकर उसने पुलिस को शिकायत दी और मदद करने की गुहार लगाई। पीड़ित पति ने व्यालिकावल पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है और पत्नी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की अपील की है। वहीं श्रीकांत की शिकायत पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़ित इंजीनियर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया है कि उसकी शादी को 2 साल होने वाले हैं। साल 2023 में उसकी बिंदुश्री से शादी हुई थी, लेकिन बिंदुश्री उसके और परिवार के साथ ठीक ढंग से नहीं रह रही है। उसके मायके वाले भी इसमें उसका साथ देते हैं। पत्नी ने आज तक उसके साथ संबंध नहीं बनाए हैं। कहने पर वह साफ इनकार कर देती है। संबंध क्यों नहीं बनाने, यह पूछने पर वह कहती है कि उसे बच्चे पैदा नहीं करने। जब वह निरोध के साथ संबंध सेक्स की बात करता है तो वह कहती है कि 5000 रुपये दोगे तो वह साथ सोएगी। जब उसने कहा कि ढंग से नहीं रहना तो तलाक दे दो। इसके बदले में उसने लाखों रुपये की डिमांड कर दी। अब वह हाथ लगाने पर सुसाइड करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने लगी है। पत्नी के कारण उसकी नौकर भी चली गई है, क्योंकि जब वह वर्क फ्रॉम होम कर रहा था तो वह मीटिंग के बीच में आकर नाचने लगती थी। रोकने पर झगड़ा करती थी।

पत्नी ने भी पति पर लगाए प्रताड़ना के आरोप

पुलिस सूत्रों के अनुसार, श्रीकांत की शिकायत पर जांच के दौरान आरोपी पत्नी से बात की गई तो उसने पति पर ही आरोप लगा दिए। उसने कहा कि पति श्रीकांत और उसके परिजन उसे शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करते हैं। वह उसे ढंग से कुछ खाने को नहीं देते। उसके साथ मारपीट करते हैं और दहेज मांगते हैं। शादी में पिता ने 45 लाख खर्च किए थे, लेकिन वे और पैसे लाने को कहते हैं। हालांकि इस मामले में सच्चाई कितनी है, इस बारे में अभी कुछ कहा नहीं जा सकता, लेकिन इस तरह के मामले भारतीय समाज की नैतिकता पर धब्बा हैं।

शंभू बॉर्डर से हटाए गए किसानों पर संजय सिंह का बड़ा बयान, 'हमारे मन में उनके प्रति जरा भी गलत भाव नहीं है'

नई दिल्ली,21 मार्च (एजेंसियां)। शंभू बॉर्डर और खनौरी बॉर्डर से किसानों को हटाए जाने पर आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा कि एक साल से पंबाज की जनता का आवागमन बाधित था. इस पर भी तो किसान भाइयों को सोचना चाहिए. आप सांसद ने कहा कि हम लोगों के मन में उनके प्रति जरा भी गलत भाव नहीं है. आप सांसद संजय सिंह ने कहा, मैं सकारात्मक बात कर रहा हूं. हम किसान भाइयों का सम्मान करते हैं. हम किसानों के साथ थे, हैं और रहेंगे. बता दें कि 19 मार्च को पंजाब पुलिस ने किसान नेताओं को हिरासत में ले लिया था और शंभू बॉर्डर पर बने उनके टेंट को बुलडोजर के जरिए हटा दिया था.

झूठे आरोप लगाने का नतीजा हो सकता है उल्टा, दिशा सालियन मौत पर बोले उद्धव

मुंबई,21 मार्च (एजेंसियां)। बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मैनेजर दिशा सालियान की मौत के मामले में नया मोड़ आ गया है। दिशा सालियान के पिता सतीश सालियान ने हाईकोर्ट का रुख किया है। सतीश सालियान ने कोर्ट में याचिका दायर कर आदित्य ठाकरे समेत कई लोगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं, जिसके बाद से ही महाराष्ट्र की सियासत में खूब गर्माहट देखने को मिल रही है। इस पूरे मामले पर आदित्य ठाकरे ने कहा कि पांच साल से उनको बदनाम करने की भरपूर कोशिश हो रही है। ये भी कहा कि कोर्ट में अभी मामला है, इसलिए हम कोर्ट में ही बात करेंगे। वहीं दूसरी तरफ शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को अपने बेटे आदित्य ठाकरे के ऊपर लगे आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि उनके परिवार का इस मामले से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि जो लोग उनके परिवार पर उनकी मौत में शामिल होने का आरोप लगाते हैं, उन्हें सबूतों के साथ सामने आना चाहिए। मीडिया से बातचीत के दौरान उद्धव ठाकरे ने कहा कि अगर आरोप लगाने वालों के पास सबूत हैं तो उन्हें अदालत में पेश करना चाहिए क्योंकि यह मामला अदालत में चल रहा है। मेरे परिवार की 6 से 7 पीढ़ियों ने लोगों के लिए काम किया है और हमारा इस मुद्दे से कोई संबंध नहीं है। अगर आप किसी पर झूठे आरोप लगा रहे हैं, तो यह आप पर भी उल्टा पड़ सकता है। उन्होंने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि बीड के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या जैसे अन्य मामलों की जांच का क्या हुआ? उनकी बेटी न्याय की मांग कर रही है।

8 जून 2020 को दिशा सालियान ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी। इसके एक हफ्ते बाद 14 जून 2020 को सुशांत की मौत हुई थी। दिशा सालियान की मुंबई के मलाड (पश्चिम) में स्थित एक रिहायशी इमारत की 14वीं मंजिल से गिरकर मौत हो गई थी। नियमों के तहत मामले में स्थानीय पुलिस ने जांच के बाद एक्सीडेंटल डेथ रिपोर्ट (एडीआर) दाखिल की थी। बताया जाता है कि दिशा की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में किसी गलत चीज का पता नहीं लगा था।

कमरे में रखे थे नौ सिलिंडर, अचानक ब्लास्ट होने से घर में लगी आग, हादसे में एक बच्चा झुलसा

देहरादून, 21 मार्च (एजेंसियां)। देहरादून भद्रकाली एनक्लेव न्यू बस्ती सहस्त्रधारा रोड में सिलिंडर फटने से घर में आग लग गई। एफएस यूनिट ने घटनास्थल पर पहुंचने पर एमएफई से पंपिंग कर हौज रील के जरिए आग पर काबू पाया। मौके पर एक बोलेरो खड़ी थी। कमरे में कुल नौ सिलिंडर थे। एफएस यूनिट द्वारा सभी सिलिंडर को बाहर निकाला गया। फायरकर्मियों की त्वरित कार्रवाई से बड़ी घटना होने से रुक गई। आसपास के घरों में आग फैल सकती थी। इस घटना में कमरे में रखा सारा सामान नष्ट हो गया। मकान की टिन की छत क्षतिग्रस्त हो गई। एक बच्चा इस घटना में झुलस गया, जिसे अस्पताल पहुंचाया गया है।

राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान विपक्ष का हंगामा किसानों के मुद्दे पर कांग्रेस ने किया वॉकआउट

चंडीगढ़,21 मार्च (एजेंसियां)। राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया के अभिभाषण से शुरू पंजाब के बजट सत्र की शुरुआत हो गई है। बजट अभिभाषण के दौरान राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि आम आदमी क्लिनिकों में दवाओं की खरीद के लिए वर्ष 2025-26 में 200 करोड़ रुपये की खरीद का अनुमान है। साथ ही होशियारपुर, कपूरथला और मलेरकोटला में मेडिकल कॉलेज शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं। इसके इलावा एसबीएस में भी मेडिकल कॉलेज का काम शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं। खेल का बजट 200 से 850 करोड़ तक बढ़ा दिया गया है। सरकार 60 हजार खिलाड़ियों को खेल के उपकरण उपलब्ध कराएगी। राज्यपाल ने कहा कि एक हजार पदक विजेता खिलाड़ियों की भर्ती की जाएगी। इतनी ही खेल नर्सरी स्थापित की जा रही है। 21 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को 3.44 करोड़ की राशि उपलब्ध कराई। नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने राज्यपाल के अभिभाषण के बीच में टोकते हुए सरकार के बजट की रूपरेखा पर सवाल उठाया। बाजवा ने किसानों को डिटेन किए जाने और कर्नल के बेटे से मारपीट को लेकर मुद्दा उठाया। कांग्रेस विधायकों ने हाथों पर काली पट्टी बांधकर अपनी सीटों पर खड़े होकर राज्यपाल के अभिभाषण में सरकार के बजट और प्रदेश के मौजूदा हालात पर मुर्दाबाद के नारे लगाए। नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा में जय जवान जय किसान के नारे लगाए।

मार्शल बुलाए गए

नेता प्रतिपक्ष बाजवा और सभी विधायक वेल में पहुंचे, जिसके बाद स्थिति बिगड़ते देख मार्शलों को बुलाया गया। नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस विधायकों ने राज्यपाल के अभिभाषण का बायकॉट किया।

आवारा कुत्तों ने 4 साल की बच्ची पर किया हमला, घटना में मासूम की गई जान

नागपुर,21 मार्च (एजेंसियां)। आज के समय में हर कुछ दिनों में ऐसी कोई न कोई खबर आ ही जाता है जिसमें पता चलता है कि आवारा कुत्तों ने किसी पर हमला कर दिया। आप अगर सोशल मीडिया पर देखेंगे तो वहां भी कुछ ऐसे वीडियो नजर आ ही जाते हैं जिसमें कोई कुत्ता या फिर कुत्तों का झुंड किसी पर हमला कर रहे हैं। अभी एक ऐसा ही मामला नागपुर से सामने आया है जो आपको हैरान कर देगा। नागपुर से एक बच्ची पर कुत्तों के हमला करने और उस हमले में बच्ची की मौत होने की खबर सामने आई है। आइए आपको बताते हैं कि यह मामला कब और कहां का है। आपको बता दें कि कुत्तों के हमले की जो खबर आई है वो नागपुर के हिंगना तालुका के गुमगांव की है।

विधायकों के वेतन संशोधन को लेकर सीएम ने किया पैनल गठित करने का आहवान

जम्मू,21 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने विधायकों के वेतन को संशोधित करने के लिए संसद प्रणाली की तर्ज पर एक विधानसभा पैनल के गठन का आह्वान किया, उन्होंने बताया कि पिछले दस वर्षों से उनके वेतन में संशोधन नहीं किया गया है। विधायकों की निर्वाचन क्षेत्र विकास निधि (सीडीएफ) आवंटन में वृद्धि की मांग को स्वीकार करते हुए सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि प्रति विधायक 3 करोड़ रुपये से 4 करोड़ रुपये तक की उचित बढ़ोतरी पर विचार किया जाएगा। तीन दिनों तक चली चर्चा के बाद अनुदानों की मांगों का जवाब देते हुए उन्होंने संसदीय मॉडल पर आधारित एक संरचित वेतन संशोधन तंत्र को लागू करने के लिए राजनीतिक दलों के नेताओं की एक समिति की स्थापना का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा, संसद में, वेतन संशोधन हर पांच साल में होता है, जो महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी से जुड़ा होता है। इस मुद्दे को हल करने के लिए हमारी विधानसभा के लिए एक समान प्रणाली अपनाई जानी चाहिए। सीएम ने कहा कि प्रति विधायक 3 करोड़ रुपये से 4 करोड़ रुपये करने की उचित बढ़ोतरी पर विचार किया जाएगा। सीएम अब्दुल्ला ने कहा कि एक सांसद को 5 करोड़ रुपये मिलते हैं। उन्होंने विधायकों को उनके निजी सहायकों (पीए) के मानदेय में वृद्धि का आश्वासन दिया और पूर्व विधायकों के लिए पेंशन संरचना की समीक्षा करने का वादा किया। उन्होंने पूर्व विधायकों की पेंशन बढ़ोतरी की मांगों का जवाब देते हुए कहा एक बार जब कोई सदस्य रिटायर हो जाता है, तो उनकी वित्तीय स्थिति अक्सर मुश्किल हो जाती है। इस मुद्दे पर गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है। हालांकि, उन्होंने पारदर्शिता और उचित प्रक्रियाओं की आवश्यकता पर बल देते हुए सीडीएफ के तहत बिना निविदाओं के छोटे कार्यों की अनुमति देने की कुछ सदस्यों की मांग को खारिज कर दिया।

कारसेवा की चेतावनी के बाद एएसआई ने पहले औरंगजेब की कब्र पर टिन शेड लगाया, अब तैयार की बाउंड्री

मुंबई,21 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर के खुल्दाबाद स्थित औरंगजेब की कब्र की सुरक्षा को और कड़ा कर दिया गया है। कारसेवा की चेतावनी और विवादों के बीच 20 मार्च को प्रशासन ने अब कब्र के चारों ओर लोहे की चादरों से बाउंड्री तैयार कर दी है, ताकि कोई भी व्यक्ति बिना अनुमति के इस स्थान पर प्रवेश न कर सके। गौरतलब है कि महाराष्ट्र सरकार को कार सेवकों ने खुली तौर पर चेतावनी देते हुए कहा कि अगर सरकार द्वारा कब्र को नहीं हटाया जाएगा तो हम अयोध्या बाबरी मस्जिद की तरह खुद ही हटा देंगे। जिसके बाद प्रशासन ने सुरक्षा कड़ी कर दी है। इससे पहले निजाम शासनकाल में औरंगजेब की कब्र की सुरक्षा के लिए संगमरमर की जाली लगवाई गई थी। बाद में सुरक्षा बढ़ाने के लिए हरे रंग की जालीदार प्लास्टिक का घेरा भी लगाया गया। हाल ही में कब्र को हटाने की मांग के चलते विवाद गहराया, जिसके बाद प्रशासन ने पहले इसे टिन शेड से ढका और अब लोहे की चादरों से घेराबंदी कर दी है।

कटीले तार भी लगाए गए

बुधवार (19 मार्च) को कब्र के पीछे की दीवार पर लोहे के बड़े-बड़े पट्टे लगाए गए, जिससे सुरक्षा को और मजबूत किया जा सके। इसके अलावा, कब्र की बाउंड्री पर अब कटीले तार भी लगा दिए गए हैं, ताकि कोई जबरन प्रवेश न कर सके। यह कदम राज्य में बढ़ते तनाव और संभावित खतरे को देखते हुए उठाया गया है।

अधिकारियों ने की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा

इससे पहले बीते शनिवार को पुलिस अधिकारियों ने स्थिति का जायजा लिया और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। वर्तमान में कब्र की सुरक्षा के लिए एसआरपी की एक बैच तैनात की गई है, जबकि स्थानीय पुलिस पहले से ही वहां मौजूद है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दो सीनियर इंस्पेक्टर स्तर के अधिकारियों को 24 घंटे ड्यूटी पर तैनात किया गया है।

' मेरी नौकरी से शादी की मुझसे नहीं'

पति के लिए लिखी ये बात, उत्पीड़न से परेशान शिक्षिका ने की आत्महत्या

गाजियाबाद,21 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के दल्लुपुरा के सर्वोदय कन्या विद्यालय की शिक्षिका अन्विता शर्मा (29) की 16 मार्च को की गई आत्महत्या के मामले में पुलिस को सुसाइड नोट मिला है। अन्विता ने पिता को मोबाइल पर इसका मैसेज भेजा था। इसमें उन्होंने पति गौरव कौशिक के बारे में लिखा है, इस आदमी ने मेरी नौकरी से शादी की थी, मुझसे नहीं। अन्विता वसुंधरा के सेक्टर एक में अपनी ससुराल में रहती थीं। उनका शव फंदे से लटका मिला था। पुलिस ने नामजद रिपोर्ट के आधार पर गौरव और उसके पिता सुरेंद्र शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। दोनों को जेल भेजा गया। सास मंजू शर्मा की तलाश की जा रही है। एसीपी अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपी सास की तलाश की जा रही है। बहुत जल्द उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पुलिस को मौके पर सुसाइड नोट नहीं मिला था। यह अब उनके पिता ने दिया है। इसे भी जांच में शामिल कर लिया गया है। इसमें अन्विता ने लिखा है कि उनके बेटे गौरवित को अपने पास रखें। उसे उसके पिता की तरह न बनने दें। अपने उत्पीड़न के बारे में अन्विता ने लिखा है, मेरे पति के लिए मैंने अपनी तरफ से सब किया, लेकिन हमेशा मुझ में कमी रही। हर लड़ाई में मुझ पर ही इल्जाम आता है। पूरा घर ताने मारने में कसर नहीं छोड़ता। सुसाइड नोट की आखिरी लाइन में अन्विता ने लिखा कि खाना बना दिया है गौरव कौशिक खा लेना। पति के बारे में लिखा है, कोई व्यक्ति दो चेहरों को लेकर कैसे रह सकता है।

बेटी होने पर पीटता है इंस्पेक्टर पति, उसके गुंडों ने घर में घुसकर मारा पत्नी की आपबीती

ऊधम सिंह नगर,21 मार्च (एजेंसियां)। उत्तराखंड के ऊधम सिंह नगर में तैनात पुलिस इंस्पेक्टर पर बेटी होने पर पत्नी को प्रताड़ित किए जाने का आरोप लगा है। पीड़ित पत्नी का कहना है कि दूसरी बेटी के जन्म के बाद से उसे प्रताड़ित किया जा रहा है। उसके साथ घर में घुसकर मारपीट और जान से मारने की धमकी दी गई। महिला जब शिकायत लेकर पुलिस के पास पहुंची तो उसकी कोई सुनवाई नहीं हुई। महिला ने एसएसपी से न्याय की गुहार लगाई है। महिला का आरोप है कि उसके इंस्पेक्टर पति ने उसे पीटने के साथ-साथ गुंडों से भी हमला करवाया। पीड़िता ने एसएसपी से शिकायत की, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। उल्टा, एसएसपी ने इसे पारिवारिक मामला बताकर पल्ला झाड़ लिया। महिला के पिता का कहना है कि उनकी बेटी को दो साल से प्रताड़ित किया जा रहा है। उसे जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं। पीड़ित महिला वेजयन्ती देवी बुधवार दोपहर एसएसपी कार्यालय पहुंची। उन्होंने अपने पति इंस्पेक्टर आशुतोष कुमार सिंह को अपना पति बताते हुए मीडिया के सामने अपनी आपबीती सुनाई। महिला ने बताया कि उसकी दो बेटियां हैं, पहली 7 साल की और दूसरी ढाई साल की। लेकिन जब से दूसरी बेटी का जन्म हुआ, तब से उसे लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है। महिला ने बताया कि मंगलवार को हद ही हो गई, जब कुछ दबंगों ने उसके घर पर हमला किया। जानलेवा हमला करते हुए गाली-गलौज की गई और पिस्टल से गोली मारने की धमकी दी गई। महिला का कहना है कि उसने सिडकुल चौकी पुलिस और एसएसपी मणिकांत मिश्रा से शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। महिला ने बताया कि उसके पति ने उसके साथ मारपीट की। उसे 20-21 घूंसे मारे गए। जब वह मेडिकल बनवाने के लिए सरकारी अस्पताल पहुंची तो उसके पति ने मेडिकल नहीं होने दिया। महिला के पिता हर्ष बहादुर चंद का कहना है कि उनकी बेटी पिछले दो साल से प्रताड़ित हो रही है। अब तो उसे मरवाने की धमकियां भी दी जा रही हैं। उन्होंने मांग की है कि अनिल सिंह और दारा सिंह ने उनकी बेटी पर हमला किया, उन पर तुरंत कार्रवाई हो। आरोपों के घेरे में आए इंस्पेक्टर आशुतोष कुमार सिंह उत्तराखंड में निरीक्षक के पद पर तैनात हैं। वे ऊधम सिंह नगर जनपद में काशीपुर कोतवाल, आईटीआई थाना और एसएसपी पेशकार जैसे अहम पदों पर रह चुके हैं। कुछ महीनों पहले ही उनका ट्रांसफर पिथौरागढ़ हुआ था।लेकिन अब उनकी पत्नी ने खुद उनके खिलाफ संगीन आरोप लगाए हैं।

स्वतंत्र वार्ता
शनिवार, 22 मार्च - 2025

पंजाब में किसान आंदोलन को लेकर बदलते घटनाक्रम

अशोक भाटिया

कहते हैं अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मारना पर यहाँ पंजाब के मुख्यमंत्री भगवत मान ने पंजाब मे चल रहे किसान आन्दोलन को कुचल कर कुल्हाड़ी पर ही पैर दे मारा है। उन्होंने लम्बे समय से चल रहे पंजाब के शंभू और खनौरी बॉर्डर को पुलिस के दम से खदेड़ दिया है ।इस कारण पंजाब में किसान आंदोलन को लेकर लगातार बदलते घटनाक्रम ने सियासी पारा चढ़ा दिया है। शंभू और खनौरी बॉर्डर पर हुई पुलिस की कार्रवाई और बुलडोजर एक्शन से किसान संगठनों में गहरा असंतोष फैल गया है। पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार, जो अब तक किसानों के समर्थन का दावा करती रही थी, अचानक ही उनके खिलाफ नजर आ रही है। इसका असर यह हुआ कि न केवल किसान, बल्कि विपक्षी दल भी भगवंत मान सरकार पर हमलावर हो गए हैं। बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि आखिर पंजाब सरकार ने अचानक किसानों के मामले में यू-टर्न क्यों लिया? विशेषज्ञों का मानना है कि पंजाब सरकार इस पूरे मुद्दे पर केंद्र सरकार की जिम्मेदारी अपने कंधों पर ले रही है। पहले भी ऐसा देखा गया था, जब कैप्टन अमरिंदर सिंह मुख्यमंत्री थे। उस समय उन्होंने किसानों को दिल्ली बॉर्डर पर भेज दिया था और केंद्र सरकार को ही इसका समाधान निकालने के लिए मजबूर कर दिया था। तब केंद्र सरकार को काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था और अंततः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीनों कृषि कानून वापस लेने पड़े थे। लेकिन इस बार मामला उल्टा नजर आ रहा है। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि भगवंत मान और उनकी सरकार खुद ही इस विवाद को अपने सिर ले रही है। आम आदमी पार्टी ने किसान आंदोलन को केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ इस्तेमाल किया, मगर अब इन्हीं अन्नदाताओं ने पंजाब सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सीएम भगवंत मान का कहना है कि किसानों ने पंजाब को धरने वाला राज्य बना दिया है। पिछले सोमवार को वह किसान नेताओं की मीटिंग को बीच में ही छोड़कर चले आए। अरविंद केजरीवाल भी इन दिनों पंजाब में विपश्यना कर रहे हैं, मगर किसानों की मांगों पर चुप हैं। दिल्ली चुनाव में हार के बाद हालात इतनी तेजी से बदले कि किसानों को दिल्ली में धरने के लिए निमंत्रण देने वाली आम आदमी पार्टी की मान सरकार ने किसानों को चंडीगढ़ में एंट्री नहीं दी। गौरतलब है कि वर्ष 2022 के पंजाब चुनाव में आम आदमी पार्टी ने किसान आंदोलन को समर्थन देने और हर हाल में उनके साथ खड़े रहने का वादा किया था। पंजाब चुनाव में आम आदमी पार्टी की जीत में भी किसानों के समर्थन की बात कही गई थी। शुरू में तो किसान आंदोलनकारियों को भगवंत मान और उनकी सरकार समर्थन देती रही, क्योंकि केंद्र सरकार पर आरोप मढ़े जाते रहे। अब वही पंजाब सरकार ने पीछे हटते हुए किसानों के खिलाफ पुलिस और बुलडोजर लगा दिया। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा भी हो रही है कि किसानों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की एक वजह लुधियाना वेस्ट विधानसभा सीट पर संभावित उपचुनाव भी हो सकता है। खबरों के मुताबिक, अरविंद केजरीवाल को लुधियाना के व्यापारियों से यह फीडबैक मिला था कि अगर किसानों का प्रदर्शन जारी रहा, तो वे आम आदमी पार्टी को वोट नहीं देंगे। इससे व्यापारियों का कारोबार प्रभावित हो रहा था। इसी कारण पंजाब सरकार ने बॉर्डर खाली कराने का फैसला लिया। हालांकि, यह उपचुनाव अभी कब होगा, इसका भी कोई ठोस संकेत नहीं मिला है। आम आदमी पार्टी किसानों से बातचीत कर इस मामले का शांतिपूर्ण हल निकाल सकती थी। लेकिन सरकार ने जल्दबाजी में किसानों के खिलाफ कार्रवाई कर दी, जिससे मामला और बिगड़ गया।यह भी ध्यान देने वाली बात है कि हाल ही में दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला सामने आया है। इसके अलावा दिल्ली हाईकोर्ट में प्रवर्तन निदेशालय ने अरविंद केजरीवाल की जमानत को चुनौती दी है। ऐसे में कुछ लोग मान रहे हैं कि इस मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए भी यह कार्रवाई हो सकती है। अगर सरकार इस मसले को सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के आधार पर हल करने देती, तो पंजाब सरकार पर कोई दोष नहीं आता। लेकिन अब सरकार पर सवाल उठ रहे हैं कि आखिर किसानों के खिलाफ इतना सख्त एक्शन क्यों लिया गया। पूरे घटनाक्रम को देखते हुए कहा जा सकता है कि मामला पूरी तरह से राजनीतिक है और इसके पीछे कोई न कोई रणनीति जरूर है। पंजाब सरकार की इस कार्रवाई से आम आदमी पार्टी को राजनीतिक नुकसान हो सकता है। 2022 में किसानों के समर्थन के दम पर सत्ता में आई यह पार्टी अब उन्हीं किसानों के खिलाफ कड़े कदम उठा रही है। ऐसे में किसान संगठनों की नाराजगी भविष्य में आम आदमी पार्टी के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकती है। एक समय पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान आंदोलनकारी किसानों और केंद्र सरकार के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे थे। हालांकि अब उनके रुख में 360 डिग्री का बदलाव आया है। वह पंजाब के गृह मंत्री भी हैं और उन्होंने किसान आंदोलन को समाप्त कराने और किसानों को हिरासत में लेने का कड़ा फैसला लिया है। इस कार्रवाई से राज्य की आम आदमी पार्टी सरकार की भारी आलोचना हुई है। विपक्षी दल मान शासन पर निशाना साध रहे हैं। पंजाब के उद्योग मंत्री तरुणप्रीत सिंह सोंध ने कहा कि वे किसानों का सम्मान करते हैं, लेकिन प्रमुख सड़कों के अवरुद्ध होने से व्यापार प्रभावित हो रहा है। मंत्री सोंध ने कहा, 'हमने हमेशा किसानों का सम्मान किया है और उनका समर्थन किया है, लेकिन राजमार्गों पर इन अवरोधों से व्यापार प्रभावित हो रहा है, इसलिए सड़कें खोलने की जरूरत है।' उल्लेखनीय है कि भगवंत मान सरकार और किसानों के बीच मतभेद इस महीने की शुरुआत से ही बढ़ने लगे थे। सबसे पहले, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने 3 मार्च को संयुक्त किसान मोर्चा (SKM) के किसान नेताओं के साथ चल रही बैठक से वॉकआउट कर दिया। बाद में उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि राज्य की सीमाओं पर सड़के अवरुद्ध कर धरना प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी जाएगी, क्योंकि इससे पंजाब को आर्थिक नुकसान हो रहा है। बताया जाता है कि मार्च के शुरू में ही पंजाब सरकार और किसान नेताओं की एक मीटिंग हुई थी। लेकिन, कोई नतीजा नहीं निकला। बल्कि, बात और भी बिगड़ गई। किसान अपनी मांगों को लेकर चंडीगढ़ के घेराव पर अड़े हुए थे, और भगवंत मान ऐसा करने से मना कर रहे थे। मीटिंग में कई मुद्दों पर किसान नेताओं और मुख्यमंत्री में बहस हो गई, और कुछ ज्यादा ही गंभीर हो गई। मुख्यमंत्री भगवंत मान को गुस्सा आ गया तो बोले, 'जाओ करते रहो धरना, अब कुछ नहीं होने वाला।'ये कहते हुए बीच में ही मीटिंग से उठे और चले गये - और उसके बाद से पंजाब पुलिस की छापेमारी शुरू हो गई। कई किसान नेता घर पर नहीं मिले, लेकिन कुछ हिरासत में जरूर ले लिये गये। अगले ही दिन मीडिया से बातचीत में भगवंत बोले, 'हां, मैं बैठक छोड़कर चला गया।।। और हम उन्हें हिरासत में भी लेंगे.... किसानों को पटरियों और सड़कों पर बैठने की अनुमति नहीं देंगे... मैं पंजाब के तीन करोड़ लोगों का संरक्षक हूं।

'चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन करने जा रहे किसानों को पंजाब पुलिस ने गांवों में ही रोक दिया। बलबीर सिंह राजेवाल, और जोगिंदर उगराहां जैसे बड़े किसान नेताओं को हिरासत में ले लिया गया। और अब बॉर्डर पर पंजाब पुलिस का एक्शन हुआ है। ये सब देखकर समझना मुश्किल हो रहा है कि क्या किसान भगवंत मान के गुस्से का शिकार हो रहे हैं। या पंजाब में मौजूद आम आदमी पार्टी नेता अरविंद केजरीवाल के निर्देश पर किसानों के खिलाफ कार्रवाई हो रही है। अगर पंजाब सरकार मानती है कि किसानों की मांगें केंद्र सरकार से जुड़ी है, तो ये एक्शन पहले ही होना चाहिये था। अगर पहले ही एक्शन हो गया होता तो इतना बवाल भी नहीं होता - और किसानों से लेकर विपक्षी दलों के निशाने पर आने से मुख्यमंत्री भगवंत मान और आम आदमी पार्टी बच सकती थी। कहने को तो आम आदमी पार्टी के पंजाब चीफ अमन अरोड़ा सरकार के रुख में किसी तरह के बदलाव से इनकार करते हैं। कहते हैं, किसान जब चाहें बातचीत फिर से शुरू कर सकते हैं।

कनाडा में पढ़ने की 'काली हकीकत'

कनाडा में चार लाख से ज्यादा भारतीय छात्र पढ़ाई कर रहे हैं। ज्यादातर भारतीय छात्रों को यहां महंगाई से जूझना पड़ रहा है। ऊपर से कुछ ने यहां मिलने वाली डिग्री की अहमियत पर सवाल भी उठाना शुरू कर दिया है। बता दें कि कनाडा हायर एजुकेशन के लिए मुफीद माना जाता है, लेकिन कुछ सालों में जिस तरह से इस देश का हाल बेहाल हुआ है उसका खामियाजा यहां पढ़ने वाले भारतीय छात्रों को भुगतना पड़ रहा है। एक भारतीय छात्र ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट पर कनाडा में पढ़ने की हकीकत बयां करते हुए लिखा है कि वह यहां आकर पछता रहा है। यहां महंगाई बहुत ज्यादा है और डिग्रियों की अहमियत कुछ भी नहीं है। साथ ही वर्क-लाइफ बैलेंस भी न के बराबर है। गुमनाम भारतीय छात्र ने विदेश में बेहतर भविष्य की तलाश में जाने वाले छात्रों को चेतावनी दी है कि पश्चिमी देशों की जिंदगी जीने का सपना एक भ्रम के अलावा कुछ नहीं है। कनाडा सरकार और कॉलेज मिलकर भारतीय छात्रों का शोषण कर रहे हैं। एजुकेशन को एक 'बिजनेस मॉडल' की तरह चलाया जा रहा है। ज्यादातर छात्र प्राइवेट या कम रैंक वाले कॉलेजों में एडमिशन लेते हैं, जहां फीस बहुत ज्यादा होती है। महंगी फीस के बावजूद एजुकेशन की क्वालिटी बेहद घटिया है, जिससे डिग्री मिलने के बाद भी नौकरी नहीं मिलती है। प्रोफेसर पढ़ाने में मेहनत नहीं करते हैं, करिकुलम पुराना है और जाब मार्केट के लिए डिग्री लगभग बेकार है। कंपनियां आपके डिप्लोमा को भी गंभीरता से नहीं लेतीं। अपनी पोस्ट में छात्र ने उस कॉलेज का भी नाम लिया है, जो सबसे खराब है। भारतीय छात्र ने कहा कि कनाडा का वो वैली कॉलेज सबसे खराब कॉलेज है। कनाडा में बिना वर्क एक्सपीरियंस के ज्यादातर छात्रों को उबर, वेयरहाउस या रिटेल में काम करना पड़ता है। इससे वे अपनी जरूरतें ही पूरी कर पाते हैं। विदेशी स्टूडेंट्स सबसे ज्यादा रहने-खाने के खर्च से परेशान हैं। किराया, किराने का सामान और दूसरी जरूरी चीजें बहुत महंगी हैं। मजबूरी में छात्र काम चलाने के लिए कम वेतन वाली नौकरियां करते हैं। वर्क-लाइफ बैलेंस जैसी चीज ही नहीं है। छात्र ने पोस्ट में ये भी दावा किया है कि बहुत सी कंपनियां विदेशी छात्रों का शोषण भी करती हैं। उन्हें जानबूझकर कम सैलरी दी जाती है। जो लोग इसकी शिकायत करते हैं, उन्हें नौकरी से निकाल दिया जाता है। उनकी जगह उन छात्रों को जॉब दी जाती है, जो कम पैसे में भी नौकरी के लिए तैयार हैं। इससे वे आर्थिक तंगी के शिकार हो जाते हैं। विदेश में रहने का भावनात्मक असर भी बहुत ज्यादा होता है। छात्र ने लिखा, कनाडाई लोग विनम्र होते हैं, लेकिन वे दूरी बना कर रखते हैं। सच्ची दोस्ती दुर्लभ है। डिप्रेशन और अकेलापन बहुत ज्यादा होता है। कई छात्र सबकुछ चुपचाप सहते रहने को मजबूर हैं। उक्त छात्र ने अपने देश के लोगों से अपील की है कि कनाडा की चकाचौंध वाली खयाली पुलाव से बाहर निकलें और हकीकत को समझने की कोशिश करें। इसके बाद भी मन न माने तो कनाडा में आपका स्वागत है।

अध्यात्मिक ज्ञान के संग आर्थिक विकास की जुगलबंदी

संजीव ठाकुर

भारतवर्ष सदैव आध्यात्मिक और वैदिक भारत के रूप में संपूर्ण विश्व में जाना जाता रहा है। अध्यात्म से जुड़े हुए हमारे ऐतिहासिक महापुरुषों के कारण भारत सदैव आदर की दृष्टि से देखा जाता है। अध्यात्म और नैतिक शिक्षा भारत के लिए एक बहुत बड़ी पूंजी तथा संपत्ति है, जो हमें विरासत में प्राप्त हुई है। आध्यात्मिकता के दम पर ही भारत ने विश्व में वैदिक शास्त्र, अध्यात्म का परचम लहराया है। वैदिक दर्शन और अध्यात्म दर्शन भारतीयता का ऐतिहासिक परिचायक है।यदि इसके साथ आर्थिक विकास और विज्ञान के ज्ञान की जुगलबंदी हो तो देश एक मजबूत आर्थिक सनातनी राष्ट्र बन सकता है। आध्यात्मिक शक्ति एवं वैदिक ऊर्जा के कारण भारत के महापुरुष सदैव सच्चरित्र और ब्रह्मचर्य का पालन करते आए हैं। हमारे ऋषि-मुनियों ने भी सत चरित्र को अपने जीवन का अंग बना कर अनेक वैदिक ग्रंथों की रचना भी की है जो प्रत्येक भारतीय जनमानस के लिए मार्गदर्शक ग्रंथ बन गए हैं। रामकृष्ण परमहंस, मां शारदा, विवेकानंद, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं अनेक ऐसे विद्वान हैं जिन्होंने सत्चरित्र और अध्यात्म के दम पर भारत को विश्व में सर्वोच्च मुकाम भी दिलाया है। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने कहा है की सच्चरित्र केवल एक व्यक्ति का ना होकर संपूर्ण राष्ट्र का होना चाहिए। अनेक यूरोपीय विद्वानों ने और भारतीय अध्यात्म के मनीषियों ने सत और चरित्र को अपने जीवन में आत्मसात करने के अनेक उदाहरण प्रस्तुत किए और दोनों को मिलाकर सत्चरित्र शब्द को बड़े विस्तार से समझाया है। अध्यात्म और योग शक्ति ही मनुष्य को सच्चरित्र बनाने में हमेशा मददगार रही है क्योंकि अध्यात्म से व्यक्ति की एकाग्रता तथा ज्ञान में वृद्धि होकर मन ईश्वर के प्रति श्रद्धानवत होता है और ईश्वर के प्रति जो व्यक्ति अगाध श्रद्धा रखता है वह सदैव अपने चरित्र के प्रति विशेष सावधान रहकर सच्चरित्र व्यक्तित्व ही बनाता है। यह कहावत एकदम सत्य प्रतीत होती है की सद्गुण है सच्ची संपत्ति दुर्गुण बड़ी विपत्ति यह तो निश्चित है की सदाचारी परोपकारी संयमशील, इमानदार ,निष्ठावान नागरिक सच्चरित्र होकर एक महान राष्ट्र को जन्म देता है ।वहीं दुष्ट चरित्र व्यक्ति काम, क्रोध, कामना और लालच में पड़कर अपनी जिंदगी को नर्क बना कर दिया सदैव अशांत रहता है, अशांत नागरिक किसी भी कार्य में स्थिरता अथवा प्रगति प्रदान नहीं कर सकता है, वह अपने समाज तथा देश को कमजोर करने का ही कार्य करता है। धन और संपत्ति से ज्यादा महत्वपूर्ण चरित्र को बलवान बनाने वाली आध्यात्मिक शिक्षा ही है। धन-संपत्ति नष्ट होने पर किसी भी व्यक्ति का बड़ा नुकसान नहीं होता पर यदि चरित्र चला जाए तो उसका सम्मान यश तथा सामाजिक स्थिति एकदम निकृष्ट बन जाती है उसका समाज में अपमान होने लगता है, ऐसे में कोई भी व्यक्ति या नागरिक समाज में सिर उठाकर नहीं चल सकता ।ऐसा व्यक्ति समाज के उत्थान में कोई योगदान देने के काबिल नहीं रह जाता।

इसलिए मनुष्य के जीवन में सबसे बड़ी एवं महत्वपूर्ण आवश्यकता आध्यात्मिक शिक्षा एवं चरित्रवान जीवन है। सुभाष चंद्र बोस,महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, सरोजनी नायडू और अन्य स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों में सच्चरित्र जीवन और मानसिक आध्यात्मिक शक्ति एवं ऊर्जा के कारण ही स्वतंत्रता संग्राम में पराधीन भारत को स्वतंत्रता दिलवाई थी। किसी भी देश के नागरिक को एक दिन में सच्चरित्र नहीं बनाया जा सकता बल्कि बालकों को बाल्यकाल से ही नैतिक शिक्षा से शिक्षित किया जाकर सदाचार का पाठ पढ़ाया जाना चाहिए। यह सर्वविदित है कि मनुष्य के चरित्र और व्यक्तित्व पर देश परिस्थितियां शिक्षा और समाजिक व्यवहार का बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है और नैतिकता सदाचार का पाठ किसी भी व्यक्ति को एक दिन में नहीं पढ़ाया जा सकता है। दुष्ट चरित्र पुरुष समाज में कभी भी प्रसिद्धि प्राप्त नहीं कर सकता सदैव अपनी बदनामी के कारण सिर झुका कर छुप कर घूमता है, इसीलिए भारतीय चिंतकों, मनीषियों ने लिखा और कहा है की चरित्र सदाचार की रक्षा मनुष्य को संपूर्ण प्रयास कर निरंतर करते रहना चाहिए।

जल संरक्षण के लिए अभी नहीं तो कभी नहीं

योगेश कुमार गोयल

जल संकट दुनिया के लगभग सभी देशों की एक विकट समस्या बन चुका है। हालांकि पृथ्वी का करीब तीन चौथाई हिस्सा पानी से लबालब है लेकिन धरती पर मौजूद पानी के विशाल स्रोत में से महज एक-डेढ़ फीसदी पानी ही ऐसा है, जिसका उपयोग पेयजल या दैनिक क्रियाकलापों के लिए किया जाना संभव है। इसीलिए जल संरक्षण और रखरखाव को लेकर दुनियाभर में लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए प्रतिवर्ष 22 मार्च को 'विश्व जल दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस मनाए जाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 1992 में रियो द जेनेरियो में आयोजित 'पर्यावरण तथा विकास का संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन' (यूएनसीईडी) में की गई थी। संयुक्त राष्ट्र की उसी घोषणा के बाद पहला विश्व जल दिवस 22 मार्च 1993 को मनाया गया था। सही मायनों में यह दिन जल के महत्व को जानने, समय रहते जल संरक्षण को लेकर सचेत होने तथा पानी बचाने का संकल्प लेने का दिन है। विश्व जल दिवस 2025 की थीम है 'ग्लेशियर संरक्षण'। ग्लेशियर दुनियाभर में मीठे पानी को उपलब्धता के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं लेकिन मानवीय गतिविधियों के कारण ये तेजी से पिघल रहे हैं। दुनियाभर में इस समय करीब दो अरब लोग ऐसे हैं, जिन्हें स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं हो रहा और साफ पेयजल उपलब्ध नहीं होने के कारण लाखों लोग बीमार होकर असमय काल का ग्रास बन जाते हैं।'इंटरनेशनल एटोमिक एनर्जी एजेंसी' का कहना है कि पृथ्वी पर उपलब्ध पानी की कुल मात्रा में से मात्र तीन प्रतिशत पानी ही स्वच्छ बचा है और उसमें से भी करीब दो प्रतिशत पानी पहाड़ों व ध्रुवों पर बर्फ के रूप में जमा है जबकि शेष एक प्रतिशत पानी का उपयोग ही पेयजल, सिंचाई, कृषि तथा उद्योगों के लिए किया जाता है। बाकी पानी खारा होने अथवा अन्य कारणों की वजह से उपयोगी अथवा जीवनदायी नहीं है। पृथ्वी पर उपलब्ध पानी में से इस एक प्रतिशत पानी में से भी करीब 95 फीसदी पानी भूमिगत जल के रूप में पृथ्वी की निचली परतों में उपलब्ध है और बाकी पानी पृथ्वी पर सतही जल के रूप में तालाबों, झीलों, नदियों अथवा नहरों में तथा मिट्टी में नमी के रूप में उपलब्ध है। स्पष्ट है कि पानी की हमारी अधिकांश आवश्यकताओं की पूर्ति भूमिगत जल से ही होती है लेकिन इस भूमिगत जल की मात्रा भी इतनी नहीं है कि इससे लोगों की आवश्यकताएं पूरी हो सकें। वैसे भी जनसंख्या की रफ्तार तो तेजी से बढ़ रही है किन्तु भूमिगत जलस्तर बढ़ने के बजाय घट रहा है, ऐसे में पानी की कमी का संकट तो गहराना ही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस समय दुनियाभर में करीब तीन बिलियन लोगों के समक्ष पानी की समस्या मुंह बाये खड़ी है और विकासशील देशों में तो यह समस्या कुछ ज्यादा ही विकराल हो रही है, जहां करीब 95 फीसदी लोग इस समस्या को झेल रहे हैं। विश्वभर में तेजी से उभरती पानी की कमी की समस्या भविष्य में खतरनाक रूप धारण कर सकती है, इसीलिए अधिकांश विशेषज्ञ आशंका जताने लगे हैं कि जिस प्रकार तेल के लिए खाड़ी युद्ध होते रहे हैं, जल संकट बरकरार रहने या और बढ़ते जाने के कारण आने वाले वर्षों में पानी के लिए भी विभिन्न देशों के बीच युद्ध लड़े जाएंगे और हो सकता है कि अगला विश्व युद्ध भी पानी के मुद्दे को लेकर ही लड़ा जाए। संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव कोफी अन्नान भी पूरी दुनिया को चेता चुके हैं कि उन्हें इस बात का डर है कि आगामी वर्षों में पानी की कमी गंभीर संघर्ष का कारण बन सकती है। इसीलिए यह समय की सबसे बड़ी मांग है कि दुनियाभर में लोग बेशकीमती पानी की महत्ता को समय रहते समझें और इसके संरक्षण हर स्तर पर अपना योगदान दें। दरअसल पानी का अंधाधुध दोहन करने के साथ-साथ हमने नदी, तालाबों, झरनों इत्यादि अपने पारम्परिक जलस्रोतों को भी दूषित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। कहा जाता रहा है कि भारत ऐसा देश है, जिसकी गोद में कभी हजारों नदियां खेलती थी लेकिन आज इन हजारों नदियों में से सैकड़ों ही शेष बची हैं और वे भी अच्छी हालत में नहीं हैं। हर गांव-मौहल्ले में कुएं और तालाब हुआ करते थे, जो अब पूरी तरह गायब हो गए हैं। महत्वपूर्ण प्रश्न यही है कि पृथ्वी की सतह पर उपयोग में आने लायक पानी की मात्रा वैसे ही बहुत कम है और यदि भूमिगत जल स्तर भी निरन्तर गिर रहा है तो हमारी पानी की आवश्यकताएं कैसे पूरी होंगी? इसके लिए हमें वर्षा के पानी पर आश्रित रहना पड़ता है किन्तु वर्षा के पानी का भी सही तरीके से संग्रहण नहीं हो पाने के कारण ही इसका भी समुचित उपयोग नहीं हो पाता। वर्षा के पानी का करीब 15 फीसद वाष्प के रूप में उड़ जाता है और करीब 40 फीसद पानी नदियों में बह जाता है जबकि शेष पानी जमीन द्वारा सोख लिया जाता है, जिससे थोड़ा बहुत भूमिगत जल स्तर बढ़ता है और मिट्टी में नमी की मात्रा में कुछ बढ़ोतरी होती है। इसलिए यदि हम वर्षा के पानी का संरक्षण किए जाने की ओर खास ध्यान दें तो व्यर्थ बहकर नदियों में जाने वाले पानी का संरक्षण कर उससे पानी की कमी की पूर्ति आसानी से की जा सकती है और इस तरह जल संकट से काफी हद तक निपटा जा सकता है। पानी को मानव की मूलभूत आवश्यकता, अमूल्य राष्ट्रीय धरोहर व अति विशिष्ट प्राकृतिक संसाधन मानते हुए 1987 में जल संसाधनों के नियोजन एवं विकास के लिए 'राष्ट्रीय जल नीति' घोषित की गई थी। इसके क्रियान्वयन के मामले में और तेजी लाने की जरूरत है। राष्ट्रीय जल नीति की घोषणा करते समय कहा गया था कि देश में उपलब्ध जल संसाधनों के विकास, संरक्षण, समुचित उपयोग एवं प्रबंधन के लिए सभी आवश्यक उपाय किए जाएंगे और जरूरी कदम उठाए जाएंगे। देश में जल संकट के विकराल रूप धारण करते जाने के पीछे जनसंख्या विस्फोट के साथ-साथ पानी की उपलब्धता में हो रही कमी तो जिम्मेदार है ही, इसके अलावा पानी का दुरूपयोग, कुप्रबंधन एवं दूषित होता पेयजल आदि और भी कई ऐसी वजहें हैं, जो समस्या को विकराल बना रही हैं। हमें यह भली-भांति समझना होगा कि पानी प्रकृति की अमूल्य देन है और हम स्वयं पानी का निर्माण नहीं कर सकते। विकराल होते जल संकट का समाधान तभी संभव है, जब आमजन में इस दिशा में जागरूकता पैदा करने के अपेक्षित प्रयास किए जाएं तथा सरकारी प्रयासों के साथ-साथ हर नागरिक भी पानी की एक-एक बूंद बचाने के लिए अपने-अपने स्तर पर प्रयास करे।

प्रकाशन की दौड़ में डिजिटल वरदान

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

नए भारत के डिजिटल युग में आपका स्वागत है! एक ऐसा दौर, जहाँ सब कुछ डिजिटल हो गया है— इश्क भी, धोखा भी, और अब तो 'सम्मान' भी। यह कहानी उसी आधुनिक युग के एक सम्मान समारोह की है, जहाँ डिजिटल यथार्थ की रामलीला मंचन हो रही थी। कहते हैं कि कोई भी प्रतिभा बिना गुरू के पूर्ण नहीं होती। लेकिन जब से डिजिटल युग आया है, गुरू-शिष्य परंपरा भी 'डाउनलोड' और 'अपलोड' में तब्दील हो गई है। सोशल मीडिया का कोई भी मंच देख लीजिए— गुरू अपने चेले को डिजिटल दीक्षा देते मिल जाएंगे। मैं भी इसी परंपरा का भागी बना और एक साहित्यिक समूह में शामिल हो गया। वहां हर हफ्ते 'सम्मान समारोह' आयोजित होते थे। बिना किसी कृतित्व के भी आप 'वरिष्ठ साहित्यकार' बन सकते थे, बशर्ते कि आप 'उचित गुरू' को वंदना करें। एक दिन, एक प्रसिद्ध 'डिजिटल साहित्याचार्य' की रिक्वेस्ट मुझे मिली, और मेरे जीवन का 'सोने पर सुहागा' क्षण आ गया। मैंने उन्हें तुरंत स्वीकार कर लिया। फिर क्या था, गुरूदेव ने मुझे डिजिटल आशीर्वाद दिया और दो दिन बाद मुझे सूचित किया कि एक भव्य समारोह में मेरी अध्यक्षता होगी। मेरे नाम का ऐलान होने से पहले ही मेरे अंदर एक लेखक-पुरोधा जाग उठा। मैंने ट्रेन पकड़ी और गुरूधाम पहुँच गया। वहाँ होटल की भव्यता ने मुझे चौंका दिया, लेकिन जब पता चला कि खर्च मुझे ही उठाना है, तो मेरी आत्मा वैराग्य की ओर प्रवृत्त होने लगी। अगले दिन कार्यक्रम स्थल पर पहुँचा तो वहाँ साहित्य की आधुनिक गंगा बह रही थी। गुरूवर के चेलों की कतार लगी थी, हर कोई अपने प्रकाशनों की पोटली लिए खड़ा था। मैंने एक कोने में बैठकर गौर किया कि कैसे मंच पर गुरूजी के आदेशानुसार 'वरिष्ठ साहित्यकार' गढ़े जा रहे थे। कोई भी चेला अगर गुरू के नाम की स्तुति करता, तो उसे 'विशिष्ट रचनाकार' का खिताब मिल जाता। जिसने गुरू के दो-तीन आलेख 'लाइक' कर दिए, उसे 'राष्ट्रीय स्तर का कवि' घोषित कर दिया गया। जिसने गुरूजी के फेसबुक लाइव पर 'जय हो' लिखा, वह तो 'अंतरराष्ट्रीय साहित्यकार' घोषित कर दिया गया! मैं अपने अध्यक्षीय भाषण की प्रतीक्षा कर रहा था कि अचानक एक आश्चर्यजनक घोषणा हुई—मंच संचालक ने किसी अन्य नाम की घोषणा कर दी! मेरा हृदय बैठ गया। मैंने गुरूदेव की ओर प्रश्नवाचक दृष्टि से देखा, लेकिन उन्होंने मुझे देखकर मोबाइल स्क्रीन पर ध्यान केंद्रित कर लिया। उनके चेहरे पर वही निर्लज्ज शांति थी, जो किसी राजनीतिक नेता के चेहरे पर जनता को धैर्य रखने की सलाह देते समय होती है। मैंने उनके पास जाकर कानाफूसी में पूछा, 'गुरूदेव, यह क्या हुआ?'वे बोले, 'वत्स, यह साहित्य का सतत प्रवाह है, जो ठहर गया, वह मिट गया। साहित्य में केवल वही टिकता है जो गुरू-दक्षिणा अदा करता है। तुम्हारी दक्षिणा में एक आयोजन और था।' 'परंतु गुरूदेव, मैंने तो होटल का पूरा किराया चुका दिया?' मैंने घबराकर पूछा।'वत्स, वह होटल का खर्च था, दक्षिणा नहीं।' वे मुस्कुराए, जैसे महाविद्यालय में प्रोफेसर छात्र को असाइनमेंट में 'रि-समिट' का फरमान सुनाता है। तभी मंच से एक और घोषणा हुई—'अब बारी है हमारे सबसे प्रतिष्ठित साहित्यकार की, जिनकी पुस्तक को हमने खुद प्रकाशित किया है।'

तलाक की भेंट चढ़ते 'तेरे मेरे सपने'

प्रियंका सौरभ

आज के दौर में प्रेम विवाह का प्रचलन तेजी से बढ़ा है, लेकिन इसके साथ ही तलाक की दर भी बढ़ती जा रही है। जहाँ प्रेम विवाह को प्रेम, स्वतंत्रता और आपसी समझ का प्रतीक माना जाता था, वहीं तलाक के बढ़ते मामलों ने इस धारणा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। शादी सिर्फ़ दो लोगों का साथ नहीं, बल्कि उनके सपनों, उम्मीदों और भावनाओं का एक संगम होती है। जब दो लोग प्रेम विवाह करते हैं, तो वे भविष्य के कई सुनहरे सपने बुनते हैं— साथ मिलकर जीने के, खुशियाँ बाँटने के और एक खूबसूरत सफ़र तय करने के। लेकिन जब यह सफ़र तलाक की कगार पर पहुँचता है, तो सबसे पहले कुचले जाते हैं 'तेरे मेरे सपने'। शादी से पहले जो जोश, उत्साह और अपनापन होता है, वह धीरे-धीरे कई कारणों से फीका पड़ने लगता है। छोटी-छोटी गलतफहमियाँ, अहंकार की दीवारें और बदलती प्राथमिकताएँ उन सपनों को मिटाने लगती हैं, जिन्हें कभी दोनों ने मिलकर संजोया था। शादी से पहले एक-दूसरे के लिए जो सपने देखे जाते हैं, वे हक़ीक़त की ज़िम्मेदारियों के बोझ तले दबने लगते हैं। जब सपनों की दिशा अलग-अलग हो जाती है, तो रिश्ते कमजोर पड़ने लगते हैं। प्रेम सम्बंध में अक्सर लोग अपने साथी को एक आदर्श रूप में देखते हैं, लेकिन शादी के बाद जब वास्तविकता सामने आती है, तो असंतोष उत्पन्न हो सकता है। एक सफल विवाह के लिए संवाद बहुत ज़रूरी होता है। यदि जीवनसाथी एक-दूसरे की बातों को समझने और सुनने में असमर्थ होते हैं, तो रिश्ते में दरार आ सकती है। कई बार शादी के बाद आर्थिक दबाव और ज़िम्मेदारियों को निभाने में कठिनाइयाँ आने लगती हैं, जिससे मतभेद बढ़ सकते हैं। प्रेम विवाह में कई बार परिवार और समाज का विरोध झेलना पड़ता है। यदि दंपति मानसिक रूप से मज़बूत नहीं होते, तो यह तनाव उनके रिश्ते को प्रभावित कर सकता है। यदि किसी एक साथी का व्यवहार संदेहास्पद होता है या अविश्वास उत्पन्न होने लगता है, तो यह तलाक का कारण बन सकता है। शादी के बाद जब दोनों व्यक्तियों की प्राथमिकताएँ बदलने लगती हैं और यदि उनकी सोच मेल नहीं खाती, तो रिश्ते में तनाव आ सकता है। आधुनिक समय में करियर को प्राथमिकता देने से वैवाहिक जीवन पर असर पड़ सकता है। कई बार साथी एक-दूसरे की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को सीमित करने लगते हैं, जिससे मतभेद बढ़ते हैं। आत्मसम्मान और अहंकार की लड़ाई शुरू हो जाती है। कौन ज़्यादा सही है? यह सवाल रिश्ते को भीतर से खोखला करने लगता है और सपने टूटने लगते हैं। केवल प्रेम ही नहीं, बल्कि समान विचारधारा, पारिवारिक पृष्ठभूमि, करियर लक्ष्य और जीवनशैली को ध्यान में रखकर जीवनसाथी का चुनाव करें। हर समस्या पर खुलकर बात करें और अपने साथी की भावनाओं को समझने का प्रयास करें। शादी से पहले और बाद में एक-दूसरे से व्यावहारिक अपेक्षाएँ रखें और उन्हें पूरा करने का प्रयास करें। किसी भी रिश्ते की नींव विश्वास होती है। अपने साथी के प्रति निष्ठावान रहें और पारदर्शिता बनाए रखें। हर रिश्ते में उतार-चढ़ाव आते हैं। किसी भी समस्या का समाधान जल्दबाज़ी में न निकालें, बल्कि धैर्यपूर्वक विचार करें। कभी-कभी परिवार और करीबी दोस्तों से सलाह लेना भी रिश्ते को मज़बूत करने में मदद कर सकता है। यदि रिश्ते में समस्याएँ बढ़ रही हैं, तो विवाह विशेषज्ञ या काउंसलर से मार्गदर्शन लेना एक अच्छा विकल्प हो सकता है। शादी के बाद भी एक-दूसरे के सपनों को समझें और उन्हें साथ मिलकर पूरा करने का प्रयास करें। हर छोटी-बड़ी बात पर चर्चा करें, अपने साथी की भावनाओं को समझें और अपनी बात को सही तरीके से सामने रखें। शादी के बाद ज़िम्मेदारियाँ बढ़ जाती हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि सपनों का त्याग कर दिया जाए। एक-दूसरे को सहयोग दें ताकि व्यक्तिगत इच्छाएँ पूरी हो सकें। जब रिश्ते में अहंकार आ जाता है, तो प्रेम कम होने लगता है। इसलिए हर स्थिति में प्रेम को प्राथमिकता दें। अगर लगने लगे कि रिश्ता बोझ बन रहा है, तो कुछ समय साथ बिताएँ, घूमने जाएँ, पुरानी यादों को ताज़ा करें और रिश्ते को नए सिरे से शुरू करने की कोशिश करें। प्रेम विवाह में तलाक की बढ़ती दर चिंताजनक है, लेकिन इसे रोका जा सकता है यदि दंपति आपसी समझ, विश्वास और धैर्य बनाए रखें। शादी सिर्फ़ प्रेम पर आधारित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उसमें सम्मान, जिम्मेदारी और परिपक्वता का होना भी ज़रूरी है। सही सोच और व्यवहार अपनाकर प्रेम विवाह को सफल और खुशहाल बनाया जा सकता है। तलाक सिर्फ़ कानूनी अलगाव नहीं होता, यह उन सपनों की मौत भी होती है जो कभी दो लोगों ने मिलकर देखे थे। रिश्तों को बचाने के लिए ज़रूरी है कि प्रेम, विश्वास और समझदारी को बनाए रखा जाए। क्योंकि अगर 'तेरे मेरे सपने' बिखर गए, तो सिर्फ़ दो दिल नहीं टूटेंगे, बल्कि दो ज़िंदगियाँ भी अधूरी रह जाएँगी।

कालाष्टमी पर भगवान शिव का रौद्र रूप

भगवान काल भैरव को समर्पित है

हिंदू धर्म में कालाष्टमी का दिन बहुत पावन और महत्वपूर्ण माना जाता है। कालाष्टमी का दिन भगवान शिव के रौद्र रूप भगवान काल भैरव को समर्पित है। हर महीने की कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को कालाष्टमी का व्रत पड़ता है। कालाष्टमी के दिन व्रत के साथ ही भगवान काल भैरव की पूजा-अर्चना की जाती है।

कालाष्टमी के दिन भगवान काल भैरव का पूजन करने से जीवन के सभी दुख दूर होते हैं।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन भगवान काल भैरव का व्रत और पूजन करने वालों पर सदा उनकी कृपा दृष्टि रहती है। इस दिन भगवान काल भैरव की पूजा और व्रत करने जीवन के सभी संकट कट जाते हैं। साथ ही इस दिन पूजन और व्रत करने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त होती है। ऐसे में आइए जानते हैं कि इस महीने 22 या 23 मार्च कालाष्टमी कब है। साथ ही जानते हैं कालाष्टमी पूजा के नियम।

हिंदू पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि की शुरुआत 22 मार्च को सुबह 4 बजकर 23 मिनट पर होगी। वहीं इस तिथि का समापन 23 मार्च को सुबह 5 बजकर 23 मिनट पर हो जाएगा। निशा काल में भगवान काल भैरव की पूजा विशेष महत्व है। ऐसे में 22 मार्च को चैत्र माह की कालाष्टमी मनाई जाएगी। इसी दिन इसका व्रत और भगवान काल भैरव का पूजन किया जाएगा। इस दिन निशा काल में पूजा का शुभ मुहूर्त देर रात 12 बजकर 4 मिनट पर शुरू होगा। ये मुहूर्त 12 बजकर 51 मिनट पर समाप्त हो जाएगा।

पूजा विधि

कालाष्टमी के दिन सुबह उठकर स्नान करके साफ वस्त्र धारण करना चाहिए। फिर एक चौकी पर भगवान काल भैरव की प्रतिमा या तस्वीर रखनी चाहिए। भगवान भैरव को धूप, दीप, नैवेद्य आदि चढ़ाना चाहिए। कालाष्टमी की व्रत कथा सुननी चाहिए। दिन भर व्रत रखकर भगवान का ध्यान करना चाहिए। शाम को चंद्रमा के दर्शन के बाद व्रत का पारण करना चाहिए। व्रत का पारण फल, मिठाई और अन्य सात्विक भोजन से करना चाहिए। इस दिन दान करना भी शुभ होता है।

पूजा और व्रत के नियम

इस दिन भगवान काल भैरव की पूजा घर में की जा सकती है, लेकिन संभव हो तो इस दिन पूजा के लिए शिव मंदिर जाना चाहिए। देवताओं को दूध और रोटी खिलाना चाहिए। इससे बहुत पुण्य मिलता है। रात को जागरण करना चाहिए। इस दिन तामसिक चीजों का सेवन भूलकर न करें।

कालाष्टमी व्रत मंत्र

शिवपुराण में कालभैरव की पूजा के दौरान इन मंत्रों का जप करना बेहद फलदायी माना गया है।

अतिक्रूर महाकाय कल्पान्त दहनोपम,
भैरव नमस्तुभ्यं अनुज्ञा दातुमर्हसि!!

अन्य मंत्रः

ओम भयहरणं च भैरवः।

ओम कालभैरवाय नमः।

ओम ह्रीं बं बटुकाय आपदुद्धारणाय कुरूकुरू बटुकाय ह्रीं।

किन लोगों को धारण करना चाहिए पन्ना रत्न

ज्योतिष शास्त्र में नौ रत्नों का विशेष से रूप उल्लेख मिलता है। ज्योतिष शास्त्र में इन रत्नों को बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। ज्योतिष शास्त्र में बताया गया है कि इन रत्नों का सबंध किसी ग्रह से होता है। आज हम आपको पन्ना रत्न के बारे में बताने जा रहे हैं। इसका संबंध बुध ग्रह से बताया गया है। पन्ना रत्न हरे रंग का होता है। मान्यता है कि इसे धारण करने से कारोबार और करियर में मनचाही सफलता मिलती है।

हालांकि ज्योतिषार्य कहते हैं कि इसे धारण करने से पहले ये जानकारी अवशय ले लेनी चाहिए कि जन्म कुंडली में ग्रह किस स्थिति में हैं। साथ ही इसे ज्योतिषी की सलाह से ही धारण करना चाहिए। ऐसे में आइए जानते हैं कि पन्ना कौन लोग धारण कर सकते हैं। इसे धारण करने के नियम और फायदें क्या हैं।

किन लोगों को धारण करना चाहिए पन्ना रत्न

ज्योतिष शास्त्र में बताया गया है कि वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर और कुंभ राशि के जातक पन्ना रत्न धारण कर सकते हैं। इन सभी राशि वालों को पन्ना रत्न शुभ परिणाम दे सकता है। इन राशियों के अलावा वो लोग जिनकी राशि कन्या है वो भी इस रत्न को धारण कर सकते हैं। रत्न शास्त्र में बताया गया है कि जिन लोगों पर बुध की महादशा या फिर अंतरदशा चालू है वो भी पन्ना रंत्न धारण कर सकते हैं।

किनको नहीं धारण करना चाहिए

रत्न शास्त्र में बताया गया है कि पन्ना रत्न किन लोगों को धारण नहीं करना चाहिए। रत्न शास्त्र के अनुसार, ऐसे लोगों को जिनकी कुंडली में बुध तीसरे, छठे, आठवें और 12 स्थान में होता है, उनको पन्ना रत्न धारण नहीं करना चाहिए। यही नहीं जिन लोगों को पन्ना सूट नहीं करता, उन्हें भी इसे धारण करने से बचना चाहिए नहीं तो आर्थिक हानि और मानसिक तनाव हो सकता है।

पन्ना रत्न धारण करने के नियम

सोने या चांदी की अंगूठी में पन्ना रत्न धारण करें। रत्न शास्त्र के अनुसार, इस रत्न को कनिष्ठा यानी हाथ की सबसे छोटी उंगली में धारण करें। कम से कम दो रत्ती का पन्ना रत्न धारण करें। रत्न को धारण करने से एक रात पहले गंगाजल, शहद, मिश्री और दूध का मिश्रण बनाएं और उसको इस मिश्रण में डुबोकर रख दें। रत्न धारण करने से पहले बुध के ऊं बुं बुधाय नमः मंत्र का 108 जाप करें।

पन्ना रत्न धारण करने के फायदे

पन्ना रत्न को धारण करने से आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। मां बेटे के संबंधों में मजबूती आती है। तर्कशक्ति मजबूत होती है। स्किन से संबंधित परेशानियां दूर होती हैं।

ईश्वर को दोष देने से पहले जरूर पढ़ें, ये प्रेरणादायक कहानी

एक मजदूर काम ढूंढने के लिए घर से निकला। गर्मी का मौसम था और धूप बहुत तेज थी। उसे एक व्यक्ति दिखा जिसने भारी संदूक उठा रखा था।

उसने उस व्यक्ति से पूछा,"क्या आपको मजदूर चाहिए ?"

उस व्यक्ति को मजदूर की आवश्यकता भी थी, इसलिए उसने संदूक मजदूर को उठाने के लिए दे दिया।

मजदूर संदूक को कंधे पर रख कर चलने लगा। गरीबी के कारण उसके पैरों में जूते नहीं थे। सड़क की जलन से बचने के लिए कभी-कभी वह किसी पेड़ की छाया में थोड़ी देर खड़ा हो जाता था।

पैर जलने से वह मन ही मन झुंझला उठा और उस व्यक्ति से बोला, "ईश्वर का कैसा न्याय है ? हम गरीबों को जूते पहनने लायक पैसे भी नहीं दिए।"

मजदूर की बात सुनकर व्यक्ति खामोश रहा।

दोनों थोड़ा आगे बढ़े ही थे कि तभी उन्हें एक ऐसा व्यक्ति दिखा जिसके पैर नहीं थे और वह जमीन पर घिसटते हुए चल रहा था।

यह देखकर वह व्यक्ति मजदूर से बोला, "तुम्हारे पास तो जूते नहीं हैं परन्तु इसके तो पैर ही नहीं हैं। जितना कष्ट तुम्हें हो रहा है, उससे कहीं अधिक कष्ट इस समय इस व्यक्ति को हो रहा होगा। तुमसे भी दुखी लोग संसार में हैं। तुम्हें जूते चाहिए तो अधिक मेहनत करो। हिम्मत हार कर ईश्वर को दोष देने की जरूरत नहीं।"

उस व्यक्ति की बातों का मजदूर पर गहरा असर हुआ। वह उस दिन से अपनी कमियों को दूर कर अपनी योग्यता व मेहनत के बल पर बेहतर जीवन जीने का प्रयास करने लगा।

सहजता से सोएं-जागें और ये दोनों काम समय पर हों

आज बच्चों को माता-पिता डांट-डपटकर, पुचकारकर सुलाते हैं। और बच्चों को उठाने के दृश्य तो निराले ही हो गए हैं। सुबह-सुबह माता-पिता को पूरी ताकत झोंकनी पड़ती है, तब जाकर नौनिहाल बिस्तर पर एक करवट लेते हैं।

यह जो झंझट है- सोने और उठने की, इसके परिणाम आगे आएंगे।

नींद का प्राकृतिक चक्र आहत होता जा रहा है और इसका असर मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ेगा। 10-15 साल बाद इस पीढ़ी के भीतर जो चिड़चिड़ापन बढ़ जाएगा, उदासी उतरेगी, उसके पीछे नींद का भी योगदान होगा।

नींद के मामले में इंसान को समझ होनी चाहिए कि सहजता से सोएं-जागें और ये दोनों काम समय पर हों। वह समय प्रकृति की घड़ी से तय होगा।

सूर्योदय के साथ उठें, भोजन के 2-3 घंटे बाद सोएं, और 7 से 8 घंटे की नींद लें। यह क्रिया अपने आप में औषधि है।

इसे ऋषि-मुनियों ने अपनी आत्मा के साथ सोना कहा है। हम या तो अपने शरीर के साथ सोते हैं या किसी और के, लेकिन यदि सोने से पहले योग करें और उठने के बाद छोटा-सा मेडिटेशन करें, तो समझ जाएंगे कि हम अपनी आत्मा के साथ भी सो सकते हैं।

जेलसर हनुमान जी का चमत्कारिक मंदिर

हर मनोकामना होती है पूरी, विदेशों तक से आते हैं भक्त

फिरोजाबाद के जलेसर रोड पर हनुमान जी का 70 साल पुराना प्राचीन चमत्कारिक मंदिर है। मान्यता है कि यहां आने वाले हर भक्त की मनोकामना अवश्य पूरी होती है। यहां भक्तों को सभी कष्टों से मुक्ति मिलती है। इस मंदिर में हर दिन भंडारा होता है और शाम को भव्य आरती भी की जाती है। प्रत्येक मंगलवार को हनुमान जी पर चोला चढ़ाया जाता है। यहां फिरोजाबाद ही नहीं बल्कि देश विदेश से भी भक्त दर्शन के लिए आते रहते हैं।

मंदिर के पुजारी प्रभाकर भारद्वाज ने बताया कि यह मंदिर आज से लगभग 70 साल पहले स्थापित हुआ था। इसे हनुमान मंदिर के नाम से जाना जाता है। यह मंदिर शहर का सबसे चमत्कारिक मंदिर माना जाता है। यहां आने वाले भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती है। यहां भक्त नौकरी, व्यापार, संतान आदि कई तरह की मनोकामनाओं को लेकर आते हैं और हनुमान जी महाराज सभी की मनोकामनाएं पूरी कर देते हैं। झोली भरने वाले भक्तों की काफी भीड़ लगती है प्रत्येक मंगलवार को यहां हनुमान जी पर चोला चढ़ाया जाता है और हर दिन यहां भंडारा होता रहता है। यहां अमेरिका, लंदन से भी भक्त दर्शन करने आते हैं।

सभी की मनोकामना होती है पूरी

मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालु गजेंद्र सिंह ने बताया कि वह पांच साल से दर्शन के लिए इस मन्दिर में आ रहे हैं। हनुमान जी महाराज ने उनकी सभी मनोकामनाओ की पूर्ति की है और वह निरंतर यहां आ रहे हैं। पहले वह काम की तलाश में भटक रहे थे और उन्हें कहीं काम नहीं मिल रहा था लेकिन हनुमान जी के इस मन्दिर में उन्होंने अर्जी लगाई और यहां आना शुरू किया और उसके बाद उन्हें एक प्राइवेट स्कूल में नौकरी मिल गई और तब से यहां निरंतर दर्शन के लिए आ रहे हैं।

जगन्नाथ मंदिर के 4 दरवाजे और 22 सीढ़ियों का क्या है रहस्य

पुरी, ओडिशा में स्थित जगन्नाथ मंदिर भारत के सबसे प्रसिद्ध और पवित्र हिंदू मंदिरों में से एक है। यह भगवान जगन्नाथ (भगवान विष्णु के एक रूप) को समर्पित है और इसकी ऐतिहासिक और धार्मिक महत्ता बहुत गहरी है। हर साल यहां लाखों करोड़ों श्रद्धालु प्रभु के दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं। यह मंदिर अपनी भव्यता, रथ यात्रा और कई रहस्यों के लिए प्रसिद्ध है। इन्हीं में से है उसके चार दरवाजे और 22 सीढ़ियों का रहस्य। आइए इनके बारे में विस्तार से जानते हैं।

जगन्नाथ मंदिर में चार मुख्य द्वार हैं, जो चारों दिशाओं में स्थित हैं

सिंह द्वार (पूर्व): यह मुख्य द्वार है और इसका मुख पूर्व दिशा की ओर है। सिंह द्वार के सामने ही अरुण स्तंभ स्थित है। यह द्वार मोक्ष का प्रतीक माना जाता है।

अश्व द्वार (दक्षिण): दक्षिण दिशा में स्थित इस द्वार का प्रतीक घोड़ा है। इसे विजय का द्वार भी कहा जाता है। प्राचीन काल में योद्धा इस द्वार का उपयोग जीत की कामना के लिए करते थे।

हस्ति द्वार (पश्चिम): पश्चिम दिशा में स्थित इस द्वार का प्रतीक हाथी है। यह द्वार समृद्धि और ऐश्वर्य का प्रतीक माना जाता है।

व्याघ्र द्वार (उत्तर): उत्तर दिशा में स्थित इस द्वार का प्रतीक बाघ है। यह द्वार शक्ति और पराक्रम का प्रतीक माना जाता है।

ये चारों द्वार चार युगों – सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग और कलियुग का भी प्रतिनिधित्व करते हैं।

22 सीढ़ियों का रहस्य

जगन्नाथ मंदिर में प्रवेश करने के लिए 22 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं, जिन्हें 'बैसी पहाचा' भी कहा जाता है। इन सीढ़ियों का आध्यात्मिक महत्व बहुत अधिक है। माना जाता है कि ये सीढ़ियां मानव जीवन की बाईस कमजोरियों या बुराइयों का प्रतीक हैं, जिन पर विजय प्राप्त करके ही मोक्ष की प्राप्ति होती है।

इन 22 सीढ़ियों में से तीसरी सीढ़ी का विशेष महत्व है। इसे 'यम शिला' कहा जाता है। मान्यता है कि इस सीढ़ी पर पैर रखने से यमलोक के दर्शन होते हैं, इसलिए भक्त इस सीढ़ी पर पैर रखने से बचते हैं। खासकर मंदिर से लौटते समय। कुछ मान्यताओं के अनुसार इस सीढ़ी पर पैर रखने से पुण्य नष्ट हो जाते हैं।

हालांकि मंदिर में वर्तमान में केवल अठारह सीढ़ियां ही दिखाई देती हैं। इन सीढ़ियों को चढ़कर ही भक्त भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के दर्शन कर पाते हैं।

मंदिर का प्रारंभिक इतिहास

जगन्नाथ मंदिर का इतिहास लगभग 1000 साल पुराना है। इसे 12वीं शताब्दी में गंग वंश के राजा अनंतवर्मन चोडगंग देव ने बनवाया था। यह मंदिर भगवान जगन्नाथ की पूजा का केंद्र बना, जिनकी मूर्ति अन्य देवताओं से अलग और अनोखी है। भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की मूर्तियां लकड़ी की बनी होती हैं और इन्हें हर 12 से 19 साल में बदल दिया जाता है। यह परंपरा मंदिर की अनूठी विशेषता है।

चैत्र नवरात्रि में शुक्र बदलेंगे अपनी चाल

इन राशियों को अप्रैल में बनाएंगे मालामाल

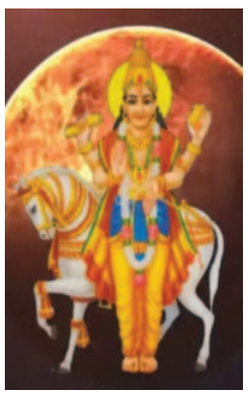

भौतिक सुखों और रचनात्मकता के कारक ग्रह शुक्र चैत्र नवरात्रि के दौरान 1 अप्रैल को नक्षत्र परिवर्तन कर देंगे। शुक्र ग्रह उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र से निकलकर पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र में गोचर कर जाएंगे। गुरु के नक्षत्र पूर्वा भाद्रपद में शुक्र का गोचर करना कई मायनों में महत्वपूर्ण माना जाता है।

वृषभ राशि

शुक्र ग्रह वर्तमान समय में मीन राशि में हैं। वहीं 1 अप्रैल को ये पूर्व भाद्रपद नक्षत्र में गोचर कर जाएंगे। शुक्र का यह गोचर आपके लिए शुभ साबित होगा। कारोबारियों और नौकरी पेशा जातकों को इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों से लाभ प्राप्त हो सकता है। आय के नए स्रोत भी आपको प्राप्त होंगे। आप अपने विरोधियों पर हावी रहेंगे और उन्हें परास्त कर पाएंगे। कलात्मक क्षेत्रों में कार्य करने वाले जातकों को कोई उपलब्धि प्राप्त हो सकती है।

मकर राशि

शनि की राशि मकर वालों के लिए शुक्र का नक्षत्र परिवर्तन करना बेहद शुभ साबित हो सकता है। रचनात्मक कार्य करने वाले इस राशि के जातकों की रचना इस दौरान सोशल मीडिया पर चर्चित हो सकती है। व्यापार करने वाले इस राशि के लोग मुनाफा इस दौरान कमा सकते हैं। नौकरी पेशा लोगों को नई जिम्मेदारियां मिलेंगी और उन जिम्मेदारियों को भलीभांति पूरा भी कर पाएंगे। शुक्र आपके प्रेम जीवन में भी नवीनता लाएंगे। कुछ सिंगल लोग इस दौरान मिंगल कर सकते हैं।

कुंभ राशि

शुक्र का नक्षत्र परिवर्तन करना आपके भौतिक सुखों को बढ़ाने वाला साबित होगा। आर्थिक रूप से आप सशक्त होंगे और संचित धन में भी वृद्धि हो सकती है। धार्मिक गतिविधियों में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा जिससे मानसिक शांति आप प्राप्त करेंगे। आपके मान-सम्मान भी सामाजिक स्तर पर बढ़ेगा। इस राशि के जातक राजनीति के क्षेत्र में अच्छा मुकाम पा सकते हैं। वैवाहिक जीवन में तरोताजगी आएगी, वहीं जो लोग विवाह योग्य हैं उन्हें मनचाहा जीवनसाथी इस दौरान मिल सकता है।

घर की इन 3 दिशाओं से जुड़ी गलतियां बनती हैं कंगाली का कारण

वास्तु शास्त्र में दिशाओं को सबसे अधिक महत्व है। सही दिशा में रखी सही वस्तु आपके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाती है, वहीं किसी दिशा में अगर उस दिशा से संबंधित वस्तु नहीं है तो परेशानियां भी जीवन में पैदा हो सकती हैं।

ईशान कोण से जुड़ी गलती

उत्तर-पूर्व दिशा को ईशान कोण कहा जाता है। यही दिशा देवी-देवताओं का स्थान भी कही जाती है। इसलिए इस दिशा में कभी भी गंदगी नहीं रखनी चाहिए। यहां कूड़ा दान रखना, भारी चीजें रखना वास्तु दोष पैदा करता है। इसके साथ ही इस दिशा में बना टॉयलेट और स्टोर रूम भी आपके लिए समस्या का कारण बन सकता है। अगर ये गलतियां आप ईशान कोण में करते हैं तो धन से जुड़ी परेशानियां आपके जीवन में हमेशा आती रहती हैं। वहीं इस दिशा को अगर आप साफ-सुथरा रखते हैं, इस दिशा में पूजा का स्थान बनाते हैं तो जीवन में धन-धान्य की प्राप्ति आपको होती है।

आग्नेय कोण से जुड़ी गलती

दक्षिण-पूर्व दिशा को आग्नेय कोण कहा जाता है। इस दिशा का स्वामी अग्नि देव को माना जाता है। इसलिए कभी भी आपको आग्नेय कोण में पानी की टंकी या पानी से भरे बर्तन नहीं रखने चाहिए। कई बार लोग घर की छत पर टंकी इस दिशा में रख देते हैं, ऐसा करना वास्तु के अनुसार अशुभ माना जाता है। इसकी वजह से आपके घर में कंगाली आ सकती है। आग्नेय कोण में जल, जल से भरे बर्तन रखने से आपको कानूनी पचड़ों में भी फंसना पड़ सकता है। साथ ही घर में लड़ाई झगड़े का कारण भी आग्नेय कोण से जुड़ा वास्तु दोष हो सकता है। इसलिए गलती से भी इस दिशा में पानी न रखें। इस दिशा में दीपक जलाना या लाइट जलाकर रखने से आपको शुभ परिणाम प्राप्त होते हैं।

उत्तर दिशा से जुड़ी गलती

वास्तु के अनुसार यह दिशा धन के देवता कुबेर है। इसलिए अगर आप चाहते हैं कि कुबेर देव की कृपा आप पर बनी रहे तो इस दिशा से जुड़ी गलती आपको नहीं करनी चाहिए। इस दिशा में गंदगी फैलाना, टूटी-फूटी चीजें रखना, जूते-चप्पल रखना, कांटेदार पौधे रखना अशुभ माना जाता है। अगर आप भी घर की उत्तर दिशा में ये चीजें रखते हैं तो स्वाभाविक तौर पर हमेशा धन से जुड़ी परेशानियां आपके जीवन में आएंगी। इसलिए इस दिशा को आपको हमेशा साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखना चाहिए।

रानी मुखर्जी ने आर्थिक तंगी में एक्टिंग चुनी

हाइट और आवाज का मजाक उड़ाया गया, गोविंदा ने इनकी वजह से घर छोड़ा, अभिषेक से टूटा रिश्ता

कभी अपनी कद-काठी तो कभी आवाज को लेकर आलोचकों के निशाने पर रहीं रानी मुखर्जी ने हिंदी सिनेमा में वह मुकाम हासिल किया है, जो किसी भी क्षेत्र में साधारण सी दिखने वाली लड़कियों के लिए प्रेरणा स्रोत है। फिल्मी परिवार में जन्म लेने के बाद भी रानी मुखर्जी के लिए यह सफर आसान नहीं था।

आर्थिक तंगी की वजह से उन्होंने एक्टिंग की राह चुनी और एक के बाद एक फिल्मों में उनका कद लगातार बढ़ता चला गया। 21 मार्च 1978 को जन्मी रानी मुखर्जी आज अपना 47वां जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर जानते हैं उनकी जिंदगी से जुड़ी कुछ खास किस्से।

फिल्मी परिवार से ताल्लुक रखने के बावजूद एक्ट्रेस नहीं बनना चाहती थीं

रानी मुखर्जी एक्टिंग प्रोफेशन में आने से पहले वकील या इंटीरियर डिजाइनर बनना चाहती थीं, लेकिन घर की आर्थिक स्थिति खराब होने की वजह से एक्टिंग प्रोफेशन में आना पड़ा। इस बात का खुलासा रानी ने एक इंटरव्यू के दौरान किया था। उन्होंने बताया था कि जब उन्हें पहली फिल्म 'राजा की आएगी बारात' का ऑफर मिला, तब उनकी मां ने उन्हें फिल्म करने का सुझाव दिया था।

रानी मुखर्जी ने पिंकविला को दिए एक इंटरव्यू में कहा था- जब मैं बड़ी हो गई तो मुझे एक फिल्म का ऑफर मिला था और फिर मेरी मां ने बड़ी विनम्रता से मुझसे कहा कि एक बार एक्टिंग में हाथ आजमा के देखो, अगर सब कुछ ठीक नहीं रहता है तो तुम वापस अपनी पढ़ाई जारी रख सकती हो। शायद उस वक्त मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि मेरे परिवार को आर्थिक मदद की जरूरत थी।

रानी मुखर्जी ने अपने पिता राम मुखर्जी के डायरेक्शन में बनी बंगाली फिल्म 'बियेर फूल' (1996) से एक्टिंग डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने हिंदी फिल्म 'राजा की आएगी बारात' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इस फिल्म में रानी, अमजद खान के बेटे शादाब खान के साथ नजर आई थीं।

उन दिनों लोग रानी मुखर्जी की हाइट और आवाज को लेकर मजाक उड़ाया करते थे। यहां तक कि आमिर खान की फिल्म 'गुलाम' में उनकी आवाज को मोना घोष ने डब किया था।

रानी मुखर्जी ने अपनी कमजोरी को अपनी ताकत बनाया। उनकी अलग आवाज ही उनकी पहचान बन गई। डायरेक्टर विवेक शर्मा ने रानी मुखर्जी की फिल्म 'कुछ कुछ होता है' से जुड़ा एक किस्सा शेयर किया। डायरेक्टर ने दैनिक भास्कर को बताया- 'कुछ कुछ होता है' में मैंने करण जौहर और यश अंकल से कहा कि रानी की ओरिजिनल आवाज में डब करेंगे। इस पर काफी बहस हुई।

फिर मैंने रानी की आवाज डब करके उसे मिक्स किया, फिर यश अंकल और करण को सुनाया। सबको रानी की आवाज पसंद आई। इस फिल्म से रानी की आवाज उनकी पहचान बन गई। बता दें कि विवेक शर्मा ने उस समय करण जौहर की फिल्म 'कुछ कुछ होता है' का प्रोडक्शन

डिजाइन किया था। रानी मुखर्जी ने कहा था- अगर मैं यह सोचकर हार मान जाती कि लोग मेरी आवाज के बारे में क्या सोचते हैं, तो मेरी आवाज आज पसंद नहीं की जाती। मैंने खुद की फिल्में डब नहीं की होतीं तो लोग आज मुझे मेरी आवाज से नहीं पहचानते। लोगों ने कल्पना भी नहीं की थी कि मेरी आवाज इतनी खास हो सकती है।

डायरेक्टर विवेक शर्मा ने रानी मुखर्जी की फिल्म 'चलते चलते' से जुड़ा किस्सा शेयर किया। उन्होंने कहा- फिल्म 'चलते चलते' में पहले रानी मुखर्जी को अप्रोच किया गया था। फिल्म के लिए वो फाइनल भी हो गई थीं, लेकिन शाहरुख चाहते थे कि ऐश्वर्या फिल्म में काम करें। उनको लग रहा था कि ऐश्वर्या फैशन डिजाइनर और बुटीक चलाने वाली लड़की के किरदार में फिट बैठेंगी।

रानी को बिना बताए ऐश्वर्या को लेकर फिल्म शुरू कर दी गई। एक गाना और एक-दो सीन भी शूट हो गए थे। शूटिंग के दौरान सलमान ने शाहरुख से झगड़ा किया और ऐश्वर्या को भी मारा। उसके बाद ऐश्वर्या को ड्रॉप करके रानी को लिया गया। रानी और उनकी मां ने कहा था कि हमें पता था कि हमारी किस्मत में जो होगा, उसे कोई नहीं ले सकता। जब रानी मुखर्जी ने गोविंदा के साथ पहली फिल्म 'हद कर दी आपने' की तो यहीं से उनके और गोविंदा के बीच अफेयर के चर्चे शुरू हो गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रानी मुखर्जी गोविंदा की एक्टिंग पर तो फिदा थी हीं, साथ ही उनका दिल गोविंदा के बिहेवियर पर भी आ गया। गोविंदा सेट पर सबको हंसाते रहते थे। इससे रानी उनकी तरफ अट्रैक्ट होने लगीं। बताया जाता है कि गोविंदा, रानी मुखर्जी का नाम कई प्रोड्यूसर और डायरेक्टर के सामने रिकमेंड करने लगे थे।

खबरों की मानें तो गोविंदा कुछ समय के लिए अपना घर छोड़कर रानी मुखर्जी के साथ रहने लगे थे। रानी के पेरेंट्स को भी उनके इस रिश्ते के बारे में पता था, लेकिन उन्होंने इस रिश्ते को स्वीकारने से मना कर दिया था।

खबरें तो ये भी थीं कि गोविंदा, रानी की डिमांड पर उन्हें फ्लैट, डायमंड और कार तक गिफ्ट करते थे। जब गोविंदा की पत्नी ने उन्हें छोड़ने का फैसला लिया, तब उनकी आंखें खुलीं। गोविंदा अपना शादीशुदा रिश्ता खत्म नहीं करना चाहते थे इसलिए उन्होंने रानी से रिश्ता खत्म करने का फैसला कर लिया।

उसी समय एक इंटरव्यू के दौरान रानी मुखर्जी ने गोविंदा के साथ अफेयर की खबरों पर चुप्पी तोड़ते हुए उन्हें अपना हमदर्द बताया था। एक्ट्रेस ने कहा था- नीलम, रवीना टंडन, करिश्मा कपूर और भी कई एक्ट्रेसेस हैं, जिन्होंने गोविंदा के साथ फिल्म में काम किया है। उनका भी नाम गोविंदा के साथ जोड़ा गया है। मैं अकेली नहीं हूं। गोविंदा एक बहुत ही अच्छे दोस्त हैं, जिन्हें मैं अपना हमदर्द मानती हूं।

करिश्मा कपूर से सगाई टूटने के बाद के बाद रानी मुखर्जी की बच्चन परिवार से काफी नजदीकियां बढ़ीं। बताया जाता है कि 'बंटी और बबली' की शूटिंग के दौरान अभिषेक और रानी की अच्छी दोस्ती हुई थी जो बाद में प्यार में बदल गई थी। बात दोनों की शादी तक पहुंच गई थी, लेकिन एक दिन दोनों के ब्रेकअप की खबर सामने आई, जिससे हर कोई हैरान रह गया था।

रानी मुखर्जी और अभिषेक बच्चन के रिश्ते में आई खटास की जिम्मेदार अभिषेक की मां जया बच्चन थीं। हालांकि, दोनों के रिश्ते को जया बच्चन ने अपनी रजामंदी दे दी थी। बताया जाता है कि दोनों के रिश्ते के टूटने का कारण 'ब्लैक' फिल्म का एक किसिंग सीन था जो रानी मुखर्जी और अमिताभ बच्चन के बीच फिल्माया गया था। खबरों की मानें तो जया बच्चन नहीं चाहती थीं कि रानी मुखर्जी वह सीन करें, लेकिन रानी ने इसके लिए हामी भर दी थी, जिससे जया बच्चन नाराज हो गई थीं।

रानी मुखर्जी ने 2014 में आदित्य चोपड़ा से शादी कर ली थी। अगले साल 2015 में रानी ने बेटी अदिरा को जन्म दिया था। शादी के चार साल बाद 2018 में रानी ने फिल्म 'हिचकी' से अपनी वापसी की।

इस फिल्म के प्रमोशन के दौरान रानी ने सलमान, शाहरुख और आमिर खान का भी जिक्र किया।

महेश बाबू के बेटे गौतम का पहला एक्टिंग वीडियो हुआ वायरल

प्रशंसकों ने की जमकर तारीफ

साउथ अभिनेता महेश बाबू के अभिनय के सभी दीवाने हैं, लेकिन अब इस लिस्ट में जल्द ही उनके बेटे का नाम भी शामिल होने वाला है। दरअसल, महेश के बेटे का एक क्यूट वीडियो सोशल मीडिया पर आया है, जो फैंस के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। इस वीडियो को देखकर लगता है कि वह दिन दूर नहीं जब गौतम भी फिल्मों में बतौर अभिनेता नजर आएंगे।

महेश बाबू इन दिनों निर्देशक एसएस राजामौली की फिल्म

एसएसएमबी29 को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। लेकिन आज महेश नहीं बल्कि हर जगह उनके बेटे गौतम की चर्चा हो रही है। दरअसल, गौतम का एक एक्टिंग वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जो फैंस के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। यह तो सभी जानते हैं कि टॉलीवुड स्टार महेश बाबू के बेटे गौतम घट्टामनेनी अमेरिका के एनवाईयू टिश स्कूल ऑफ आर्ट्स में ड्रामा और परफॉर्मिंग आर्ट्स में चार साल की स्नातक की डिग्री हासिल कर चुके हैं। लेकिन क्या आपको यह पता है कि गौतम को भी एक्टिंग का शौक है। गौतम की पहली स्क्रीन परफॉर्मेंस का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह डाइनिंग टेबल पर एक छोटी लड़की के साथ गरमागरम बहस के दौरान भावनाओं को कहते नजर आ रहा है। इस वीडियो को देखने के बाद फैंस गौतम के लुक को हू ब हू अपने पिता महेश की कॉपी बता रहे हैं। तो वहीं कुछ फैंस गौतम को फिल्मों में देखने के लिए उत्सुक हैं।

वैसे ऐसा पहली बार नहीं है जब गौतम ने अभिनय किया हो। गौतम ने 2014 में रिलीज हुई महेश बाबू की फिल्म 'नेनोक्कादीन' में उनके युवा चरित्र का किरदार निभाया था। जबकि महेश की बेटी सितारा ने 2019 में आई फ्रोजन 2 के तेलुगु डब में एल्सा की आवाज बनीं।

गौतम की बहन सितारा ने अपने एक इंटरव्यू में कहा था कि उनका भाई फ्यूचर में अभिनय की दुनिया में कदम रखने वाले हैं। हालांकि, गौतम की ओर से अभी तक उनके अभिनय के प्लान को लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है। वैसे आपको बता दें महेश बाबू ने तो चार साल की उम्र में नीडा नाम की एक तेलुगु फिल्म में एक छोटा सा कैमियो किया था। यह उनके बाल कलाकार के रूप में शुरुआत थी। महेश बाबू ने अभिनेत्री नम्रता शिरोडकर से 10 फरवरी 2005 को साउथ फिल्म अथाडु की शूटिंग के दौरान मुंबई के मैरियट होटल में शादी की। उनका एक बेटा गौतम और एक बेटी सितारा है।

आमिर खान ने कहा हिंसा समाधान नहीं है

कोई भी देश परफेक्ट नहीं होता है, अपने देश की गंदगी खुद ही करनी होगी साफ

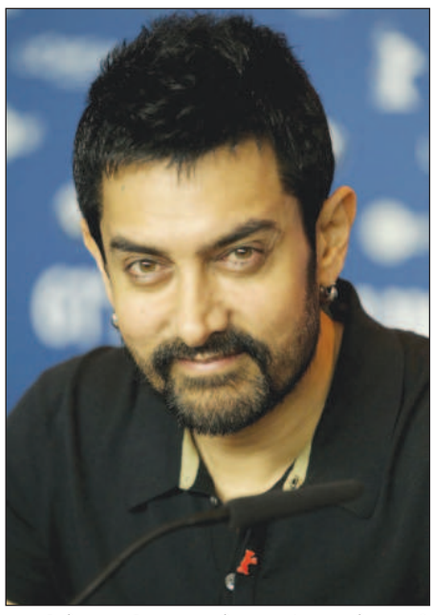

अभिनेता आमिर खान ने एक इंटरव्यू में अपनी फिल्म 'रंग दे बसंती' के क्लाइमैक्स पर बात की है। इस फिल्म के जरिए जो मुद्दा उठाने की कोशिश की गई थी, उसे समझाया है। इसी दौरान एक्टर ने कहा कि कोई भी देश परफेक्ट नहीं होता है, उसे परफेक्ट बनाना पड़ता है।

जस्ट टू फिल्मी को दिए इंटरव्यू में आमिर से पूछा गया था कि उनकी फिल्म रंग दे बसंती का उन पर कितना असर रहा है। इसका जवाब देते हुए एक्टर कहते हैं- 'कुछ तो हम पर फिल्म का असर होता है और कुछ हमारा असर फिल्म पर होता है। 'रंग दे बसंती' में लास्ट के जो 40 मिनट हैं, राइटिंग में ओरिजनल क्लाइमैक्स उसके एकदम विपरीत था।

ओरिजनल कहानी में आखिरी में सब पकड़े और मारे जाते हैं। ऐसे में मेरा सवाल डायरेक्टर राकेश ओम प्रकाश मेहरा से था कि क्या फिल्म के किरदारों ने गलत किया है? क्या उन्हें ऐसा फील होता है? अगर नहीं फिर वो भाग क्यों रहे हैं?

फिल्म में किरदारों को भी समझ आता है कि हिंसा किसी भी बात का समाधान नहीं हैं। आपको चीजों में इन्वॉल्व होना पड़ता है। कोई भी देश परफेक्ट नहीं होता। आपको बनना पड़ता है। जो गंदगी है, उसे जापान या अमेरिका वाले आकर साफ नहीं करेंगे। आपकी गंदगी है, आपको ही साफ करनी पड़ेगी। आपको उस मिट्टी में उतर कर अपने हाथ-पैर गंदे करने पड़ेंगे। सिस्टम का हिस्सा बनकर उसे बदला जा सकता है।'

बता दें कि आमिर की फिल्म 'रंग दे बसंती' साल 2006 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में 6 युवा दोस्तों की कहानी दिखाई गई थी। जो भारतीय फ्रीडम फाइटर्स के ऊपर एक विदेशी महिला को डॉक्यूमेंट्री बनाने में मदद करते हैं। डॉक्यूमेंट्री बनने के दौरान वो खुद उन बातों को जीने की कोशिश करते हैं। ये फिल्म युवाओं को बहुत पसंद आई थी।

'तुमको मेरी कसम' मूवी रिव्यूः एक्टिंग दमदार, पर पास्ट-प्रजेंट में उलझ गई अनुपम खेर-अदा की फिल्म

एक लंबे अरसे से बॉलीवुड के फिल्ममेकर्स का रुझान सच्ची कहानियों पर आधारित फिल्में बनाने में नजर आ रहा है। रियल लाइफ कैरेक्टर्स पर बेस्ड फिल्में लगातार बनती जा रही हैं। पिछले हफ्ते आई 'द डिप्लोमैट' भारतीय राजनयिक जेपी सिंह पर आधारित थी। उससे पहले प्रदर्शित हुई 'चंदू चैंपियन', 'श्रीकांत', 'अमर सिंह चमकीला', स्वातंत्र्य वीर सावरकर', 'सैम बहादुर' और 'गंगूबाई काठियावाड़ी' जैसी अनेकों फिल्में आईं, जो वास्तविक किरदारों पर आधारित रहीं। अब निर्देशक विक्रम भट्ट इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए 'तुमको मेरी कसम' लेकर आए हैं, जो IVF तकनीक के अग्रणी डॉक्टर अजय मुर्डिया के जीवन पर आधारित है। अब तक हॉरर फिल्मों के लिए प्रसिद्ध रहे विक्रम इस बार रियल लाइफ ड्रामा के साथ प्रस्तुत हुए हैं।

'तुमको मेरी कसम' की कहानी

कहानी की शुरुआत होती है इंदिरा आईवीएफ के फाउंडर डॉक्टर अजय मुर्डिया (अनुपम खेर) के कोर्ट केस से। अजय मुर्डिया पर आरोप है राजीव खोसला (मेहरजान माजदा) की हत्या के प्रयास का। यही से कहानी दो कालखंडों में साथ-साथ चलती है। वर्तमान में अजय मुर्डिया पर राजीव खोसला की हत्या के प्रयास का केस चल रहा है। राजीव खोसला, डॉ. अजय के चपरासी दुर्गेश कुमार का बेटा है। अजय ने ही उसे पाल-पोसकर कंपनी में अहम पद दिया है। कोर्ट में अजय मुर्डिया का केस लड़ती है जानी-मानी लॉयर मीनाक्षी (ईशा देओल), जिसमें उसके दो बेटे उसका साथ देते हैं।

कोर्ट में डॉ. अजय खुद को निर्दोष साबित करने के यात्रा में कहानी को अतीत में अस्सी के दशक की प्रेम कहानी में ले जाते हैं। वहां युवा डॉक्टर अजय मुर्डिया (इश्वाक सिंह) पैथोलॉजी की पढ़ाई कर रहा है। वह अपनी टीचर पत्नी इंदिरा (अदा शर्मा) से बहुत प्यार करता है। जब वह देश में पहली बार आईवीएफ तकनीक के जरिए बच्चे पैदा करने की बात करता है, तब उसे संदेह और सामाजिक विरोध का सामना करना पड़ता है, मगर उस वक्त अटल चट्टान की मानिंद उसकी पत्नी इंदिरा उसका साथ देती है। इंदिरा का साथ और अजय की बुद्धिमता आईवीएफ तकनीक के जरिए प्रजनन के क्षेत्र में क्रांति ला देता है। लेकिन इस सफर की सफलता में अजय और

इंदिरा को कई कड़े पड़ाव से गुजरना पड़ता है।

विक्रम भट्ट इस फिल्म के राइटर और डायरेक्टर दोनों हैं। इसमें कोई शक नहीं कि उनकी कहानी दमदार है, जो आपको एक भावनात्मक आधार भी देती है, मगर फिर कहानी के आगे बढ़ने के साथ-साथ स्क्रीनप्ले की कमियां उजागर होने लगाती हैं। दो टाइमलाइन में चलने वाली कहानी कई बार कन्फ्यूजन पैदा करती है। हालांकि, इन कहानियों को अलग-अलग देखा जाए, तो ये इमोशनल साबित होती हैं।

विक्रम भट्ट ने इश्वाक और अदा की लव स्टोरी को बहुत ही खूबसूरती और मासूमियत से पिरोया हैं, मगर पास्ट-प्रेजेंट के बीच झूलती यह मार्मिक कहानी कई जगहों पर नाटकीय भी हो जाती है। फिल्म का फर्स्ट हाफ धीमा है। सेकंड हाफ में कोर्ट रूम ड्रामा बांधे रखता है।

हालांकि कई सवाल ऐसे हैं, जिनके जवाब नहीं मिल पाते हैं। मसलन जिस गरीब बच्चे को डॉ. अजय मुर्डिया ने पाल -पोसकर काबिल बनाया, वही राजीव खोसला उन्हें अपनी हत्या का षड्यंत्र रचने के इल्जाम में क्यों फंसाता है? फिल्म का रनटाइम लंबा है। नरेन ए गड़िया की सिनेमैटोग्राफी अच्छी है, मगर फिल्म में गानों की भरमार है। प्रतीक वालिया के गानों में 'इश्का इश्का' के अलावा और कोई गाना याद नहीं रहता।

अभिनय के मामले में फिल्म पुख्ता है। अनुपम खेर हमेशा की तरह अपने रोल में जान डाल देते हैं। उन्होंने डॉ. अजय मुर्डिया के वृद्ध किरदार की भावनात्मकता को गहराई दी है।

इश्वाक लगातार सक्षम अभिनेता साबित होते जा रहे हैं। उन्होंने अपनी भूमिका को बहुत ही खूबसूरती से जिया है। अदा शर्मा भी इंदिरा की भूमिका में दिल जीत लेती हैं। उनकी मासूमियत और सरलता आकर्षक है। पर्दे पर उनकी और इश्वाक की केमेस्ट्री बहुत ही कमाल की बन पड़ी है।

धाकड़ लॉयर मीनाक्षी के रूप में ईशा देओल ने दम दिखाया है। पंचायत फेम दुर्गेश कुमार ने छोटे-से रोल में शानदार परफॉर्मेंस दी है। राजीव खोसला की नेगेटिव भूमिका में मेहरजान माजदा जमे हैं। विरोधी पक्ष के वकील के रूप में सुशांत सिंह अच्छे रहे हैं। सपोर्टिंग कास्ट भी ठीक-ठाक है।

नितिन ने अपनी फिल्म 'रॉबिनहुड' से की अल्लू अर्जुन की मूवी की तुलना

सुपरहिट हुई थी फिल्म

नितिन की फिल्म रॉबिनहुड 28 मार्च, 2025 को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म को वेंकी कुदुमुला ने डायरेक्ट किया है और इसमें श्रीलीला मुख्य भूमिका में हैं। यह एक मजेदार एडवेंचर और कॉमेडी फिल्म है। फिल्म के निर्माता इसका जोर-शोर से प्रचार कर रहे हैं और इसी बीच नितिन ने अपनी फिल्म 'रॉबिनहुड' की तुलना अल्लू अर्जुन की एक फिल्म से की है।

नितिन की फिल्म रॉबिनहुड 28 मार्च, 2025 को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म को वेंकी कुदुमुला ने डायरेक्ट किया है और इसमें श्रीलीला मुख्य भूमिका में हैं। यह एक मजेदार एडवेंचर और कॉमेडी फिल्म है। फिल्म के निर्माता इसका जोर-शोर से प्रचार कर रहे हैं और इसी बीच नितिन ने अपनी फिल्म 'रॉबिनहुड' की तुलना अल्लू अर्जुन की एक फिल्म से की है। नितिन ने कहा कि रॉबिनहुड बहुत बड़े स्तर की फिल्म है। उन्होंने इसकी तुलना अल्लू अर्जुन की हिट फिल्म 'जुलायी' से की। नितिन के मुताबिक, जुलायी में हीरो और विलेन के बीच दिमागी खेल और कॉमेडी बहुत अच्छी थी।

रॉबिनहुड भी वैसी ही होगी। इसमें नितिन और देवदत्त नागे के बीच रोमांचक दिमागी खेल है, जो

दर्शकों को बेहद पसंद आएगा। देवदत्त नागे ने फिल्म आदिपुरुष में हनुमान का रोल निभाया था। नितिन ने यह भी बताया कि जुलायी के बाद राजेंद्र प्रसाद एक बार फिर बड़ी भूमिका में नजर आएंगे। जुलायी में अल्लू अर्जुन और राजेंद्र प्रसाद के सीन को लोगों ने बहुत पसंद किया था।

'सिकंदर' की राह में रोड़ा बनी सलमान खान की सिक्योरिटी

ट्रेलर लॉन्च इवेंट कैंसिल, 30 हजार फैंस को बड़ा झटका

सलमान खान-रश्मिका मंदाना स्टारर और साजिद नाडियाडवाल- एआर मुरुगादॉस की निर्मित-निर्देशित फिल्म 'सिकंदर' को रिलीज होने में अब 9 दिन बजे हैं। 30 मार्च को ईद के मौके पर आने वाली इस मूवी की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। एक्शन से भरपूर इस पिक्चर के गाने, पोस्टर और टीजर तो सभी ने देख लिए हैं। और ट्रेलर का इंतजार कर रहे हैं। खबर है कि इसका ट्रेलर रिलीज इवेंट कैंसिल हो गया है, जिससे 30 हजार फैंस को झटका लगा है। 'सिकंदर' फिल्म को लेकर सलमान खान के चाहने वाले बहुत ज्यादा एक्साइटेड हैं। 2024 ऐसा साल था, जब भाईजान की कोई मूवी नहीं आई। वह 30 मार्च को बड़ा धमाका करने वाले हैं। फैंस को ईदी देने वाले हैं। जैसे सभी फिल्मों का ट्रेलर एक बड़े पैमाने पर रिलीज होता है। इस फिल्म को लेकर भी यही चर्चा थी कि एक ग्रैंड इवेंट होगा, जिसमें 30,000 फैंस होंगे और सलमान खान मेकर्स और कास्ट के साथ ट्रेलर रिलीज करेंगे। ये सपना अब धरा का धरा ही रह गया।

'सिकंदर' का ट्रेलर लॉन्च इवेंट कैंसिल क्यों? दरअसल, एक्टर की सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए, इस मूवी के ट्रेलर रिलीज इवेंट को कैंसिल किया गया है। बीते कुछ समय से उन्हें मिल रही धमकियां और कुछ घटनाओं के कारण ये फैसला लिया गया है। याद हो तो अप्रैल, 2024 में गैलेक्सी अपार्टमें पर गोलीबारी भी हुई थी। ऐसे में सिक्योरिटी कारणों से इसे रद्द किया गया है।

सवाल है कि ट्रेलर फिर आएगा कब? रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसे वीकेंड पर यानी 22-23 मार्च या फिर सोमवार 24 मार्च को जारी किया जा रहा है। यूट्यूब पर इसे गानों और टीजर की तरह ही अपलोड किया जाएगा, जिसका ऐलान शायद मेकर्स सोशल मीडिया हैंडल पर एक दिन पहले कर देंगे। फिल्म को तो लोगों ने पहले ही ब्लॉकबस्टर बता दिया है।

टी-20 लीग शुरू करने की तैयारी में सउदी अरब

> 4300 करोड़ रुपये का निवेश > पूरे साल 4 अलग-अलग देशों में हो सकते हैं मुकाबले

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। गोल्फ, बॉक्सिंग, टेनिस, फॉर्मूला-1, एमएमए में दिलचस्पी दिखाने के बाद सऊदी अरब ने अब क्रिकेट की ओर रुख किया है। नवंबर में राजधानी रियाद में आईपीएल का मेगा ऑक्शन हुआ था। इससे पहले, सऊदी ने आईपीएल में 5 बिलियन डॉलर (करीब 43 हजार करोड़) के निवेश का प्रस्ताव रखा था। इसी क्रम में सऊदी अरब क्रिकेट की दुनिया में बड़ा कदम रखने की तैयारी कर रहा है। सऊदी अरब के पब्लिक इन्वेस्टमेंट फंड के तहत काम करने वाली एसआरजे स्पोर्ट्स इन्वेस्टमेंट्स कंपनी द्वारा एक ग्लोबल टी20 लीग की योजना बनाई जा रही है।

लीग में होगी आठ टीमें, चार अलग-अलग देशों में होगा टूर्नामेंट

इस लीग को टेनिस ग्रैंड स्लैम की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। इसमें कुल आठ टीमें होंगी, जो सालभर में चार अलग-अलग देशों में टूर्नामेंट खेलेंगी। हर टूर्नामेंट 10 से 12 दिन तक चलेगा। इसका फाइनल सऊदी अरब में हो सकता है। दरअसल, हर साल चार टेनिस ग्रैंड स्लैम (ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन, विम्बलडन, यूएस ओपन) चार अलग-अलग देशों में होते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस नई लीग के तहत महिला और पुरुष दोनों के टूर्नामेंट आयोजित करने की योजना है।

बीसीसीआई से भी की गई है चर्चा

रिपोर्ट्स के अनुसार, एसआरजे के चीफ एग्जीक्यूटिव डैनी टाउनसेंड ने पिछले साल आईपीएल नीलामी के दौरान बीसीसीआई से इस लीग की योजना को लेकर संक्षेप में बातचीत की थी। इससे यह संकेत मिलता है कि सऊदी अरब क्रिकेट में उस तरह की उथल-पुथल वाली शुरुआत नहीं करना चाहता है, जैसा उसने गोल्फ में किया है। जहां उसने एलआईवी गोल्फ नामक एक समानांतर सर्किट बना लिया है, जिसे बागी कहा जा रहा है। बीसीसीआई द्वारा इस लीग को समर्थन देने के लिए कोई खास वजह नहीं दिख रही,क्योंकि इससे आईपीएल को टक्कर मिल सकती है। अगर बीसीसीआई इस लीग का समर्थन नहीं करता,तो इसे बड़ा ब्रॉडकास्टिंग राइट्स हासिल करना मुश्किल होगा। इसके अलावा, इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने इस लीग का विरोध किया है। उनका मानना है कि क्रिकेट पहले से ही बहुत व्यस्त है और इस लीग के लिए कोई जगह नहीं है। साथ ही, ईसीबी घरेलू द हंड्रेड टूर्नामेंट को भी बचाने की कोशिश कर रहा है।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान कमिंस के मैनेजर नील मैक्सवेल का है यह आइडिया

यह आइडिया ऑस्ट्रेलिया के पूर्व फर्स्ट क्लास क्रिकेटर नील मैक्सवेल का है। वे न्यू साउथ वेल्स और विक्टोरिया की ओर से क्रिकेट खेल चुके हैं। वे फिलहाल ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस के मैनेजर हैं। मैक्सवेल ने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर्स एसोसिएशन और क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स के बोर्ड में भी अहम पद संभाले हैं।

एसआरजे स्पोर्ट्स लीग के शुरुआती चरण में 500 मिलियन डॉलर (करीब 4300 करोड़ रु.) का निवेश करेगा। यह निवेश 800 मिलियन डॉलर (करीब 6900 करोड़) तक संभावित है। लीग को ऑस्ट्रेलियन क्रिकेटर्स एसोसिएशन (एसीए) और वर्ल्ड क्रिकेटर्स एसोसिएशन (डब्ल्यूसीए) की सहमति है। एसीए ने कहा, 'लीग में पुरुष एवं महिला क्रिकेटर्स के लिए समान वेतन मॉडल विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। इससे होने वाली आय क्रिकेट बोर्डों को दी जाएगी ताकि टेस्ट क्रिकेट को बचाया जा सके व महिला क्रिकेट को आगे बढ़ाया जा सके।' हालांकि, टूर्नामेंट को आईसीसी की स्वीकृति की जरूरत होगी।

क्रिकेट में नया दौर ला सकती है यह लीग, टी20 का कद बढ़ेगा

सऊदी पहले से ही फुटबॉल, टेनिस, गोल्फ जैसे खेलों में भारी-भरकम निवेश कर चुका है। आईपीएल में स्पॉन्सरशिप, आईसीसी के साथ साझेदारी और आईपीएल ऑक्शन की मेजबानी करके उसने क्रिकेट में अपनी मौजूदगी को मजबूत किया है। अब, यह लीग ग्लोबल क्रिकेट बाजार में उसकी सीधी एंट्री का बड़ा कदम साबित हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह देखना दिलचस्प होगा कि यह लीग कितनी तेजी से आगे बढ़ती है और इसे आईसीसी तथा अन्य क्रिकेट बोर्ड्स से कितना समर्थन मिलता है। अगर यह लीग सफल होती है, तो यह क्रिकेट में नया दौर ला सकती है, जहां खिलाड़ियों व निवेशकों की भूमिका और बढ़ जाएगी। इससे क्रिकेट में टी20 फॉर्मेट का दबदबा व कद और बढ़ेगा। वैसे, मैक्सवेल और टाउनसेंड ने सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन रिपोर्ट्स बताती हैं कि यह टूर्नामेंट आईपीएल और बिग बैश जैसे बड़े आयोजनों के इर्द-गिर्द ही होगा।

आईपीएल में सबसे ज्यादा डॉट बॉल डालने वाले गेंदबाज

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग में बल्लेबाजों का भौकाल देखने को मिलता है। अब आईपीएल में 200 या उससे अधिक रन बनना आम बात हो गई है। आईपीएल में गेंदबाजी करना बिल्कुल भी आसान नहीं है। बल्लेबाज सिर्फ चौके-छक्कों में ही डील करते हैं। आईपीएल में डॉट बॉल डालना आसान नहीं है। बल्लेबाज हर गेंद को मारने के लिए देखता है। लेकिन अब हम आपको बताने जा रहे हैं उन 5 बॉलर्स के बारे में जिन्होंने आईपीएल में सबसे ज्यादा डॉट बॉल डाले हैं। भुवनेश्वर कुमार : इस साल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेलने वाले भारतीय पेसर भुवनेश्वर कुमार के नाम आईपीएल में सबसे ज्यादा डॉट बॉल डालने का रिकॉर्ड है। उन्होंने 176 मैचों में 1670 डॉट बॉल फेंकी हैं और 181 विकेट झटके हैं।

सुनील नारायण : कोलकाता नाइट राइडर्स के अनुभवी स्पिनर सुनील नारायण इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 177 मैचों में 1605 डॉट बॉल डाली हैं। उनके नाम आईपीएल में 180 विकेट हैं। रविचंद्रन अश्विन : भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने अब तक आईपीएल में 212 मैच खेले हैं और 1566 डॉट बॉल डाली हैं। अश्विन ने आईपीएल में 180 विकेट लिए हैं। पीयूष चावला : आईपीएल के लीजेंड गेंदबाज पीयूष चावला ने 192 मुकाबले इस टूर्नामेंट में खेले हैं और 1337 डॉट बॉल डाले हैं। चावला के नाम आईपीएल में 192 विकेट हैं। जसप्रीत बुमराह : भारतीय टीम और मुंबई इंडियंस के स्टार पेसर जसप्रीत बुमराह ने 133 आईपीएल मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 1269 डॉट बॉल डाली हैं 165 विकेट लिए हैं।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ चेन्नई सुपर किंग्स की कैसी होगी प्लेइंग-11?

> आकाश चोपड़ा ने चुनी कमाल की टीम

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय खिलाड़ी आकाश चोपड़ा ने आईपीएल 2025 के लिए चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की संभावित प्लेइंग-इलेवन चुनी है। उन्होंने डेवोन कॉन्वे और रचिन रविंद्र दोनों को टॉप ऑर्डर में शामिल किया है। उनका मानना है कि टूर्नामेंट की शुरुआत में शायद टीम को नूर अहमद की जरूरत ना पड़े। सीएसके ने कॉन्वे को 6.25 करोड़ में खरीदा और रविंद्र को 4 करोड़ में वापस अपनी टीम में शामिल किया। उन्होंने नूर को मेगा ऑक्शन में 10 करोड़ में खरीदा था। आकाश चोपड़ा का मानना है कि सीएसके आईपीएल 2025 के प्लेऑफ में जगह बना सकती है। उन्होंने रुतुराज गायकवाड़ को सबसे ज्यादा रन बनाने वाला और मथीशा पथिराना को सबसे ज्यादा विकेट लेने वाला खिलाड़ी बताया है। सीएसके आईपीएल 2025 में अपना पहला मैच 23 मार्च को मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ खेलेगी। उन्होंने कहा- उनकी-इलेवन (सीएसके की) क्या हो सकती है? आप डेवोन कॉन्वे के साथ रुतुराज गायकवाड़ से शुरुआत कर सकते हैं। यह लेफ्ट-राइट का कॉम्बिनेशन होगा। आप रचिन को नंबर 3 पर खिला सकते हैं। अगर आप कॉन्वे और रचिन दोनों को खिलाते हैं, तो आप नूर (अहमद) को नहीं खिला पाएंगे, जिसे आप शुरुआत में मैनेज कर सकते हैं। इसलिए रचिन रविंद्र को नंबर 3 पर खिलाएं।

आकाश चोपड़ा ने यह भी कहा कि सीएसके नंबर 6 से नंबर 8 तक सैम करन, रविंद्र जडेजा और एमएस धोनी को बदल-बदल कर इस्तेमाल कर सकती है। उन्होंने कहा- राहुल त्रिपाठी को नंबर 4 पर मौका दें। शिवम दुबे को नंबर 5 पर और सैम करन को नंबर 6 पर रखें। वह एक शानदार खिलाड़ी हैं और इस टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करेंगे। अगर आप सैम करन को नंबर 6 पर, रविंद्र जडेजा को नंबर 7 पर और एमएस धोनी को नंबर 8 पर रखते हैं, या फिर आप छह से आठ को फ्लोटिंग रख सकते हैं। इसका मतलब है कि परिस्थिति के अनुसार इन खिलाड़ियों की जगह बदली जा सकती है। आकाश चोपड़ा ने खलील अहमद और मथीशा पथिराना को अपने विशेषज्ञ तेज गेंदबाज के रूप में चुना। उन्होंने यह भी कहा कि टीम के पास गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों विभागों में अच्छे बैकअप या इम्पैक्ट प्लेयर विकल्प हैं।

आकाश चोपड़ा की आईपीएल 2025 के लिए संभावित सीएसके प्लेइंग-11

> रुतुराज गायकवाड़
> डेवोन कॉन्वे
> रचिन रविंद्र
> राहुल त्रिपाठी
> शिवम दुबे
> सैम करन
> रविंद्र जडेजा
> एमएस धोनी
> रविचंद्रन अश्विन
> खलील अहमद
> मथीशा पथिराना

आईपीएल में गेंद पर लार लगाने से बैन हटा

> गेंदबाजों को स्विंग कराने में फायदा मिलेगा; कोविड की वजह से बीसीसीआई ने रोक लगाई थी

बीसीसीआई ने आईपीएल-2025 में गेंद पर लार लगाने की रोक हटा दी है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक बोर्ड की आईपीएल कमेटी ने को मुंबई में कप्तानों के साथ मीटिंग में सहमति बनने के बाद यह फैसला लिया। हालांकि बोर्ड ने इस पर अभी आधिकारिक बयान नहीं दिया है। कोरोना की बीमारी की वजह से बोर्ड ने 2020 में गेंद पर लार लगाने पर रोक लगा दी थी। हालांकि आईसीसी ने इंटरनेशनल क्रिकेट में अब तक इस नियम पर ढिलाई नहीं दी है।

मीटिंग में कमर से ऊपर फेंकी जाने वाली गेंद को नो-बॉल और ऑफ या लेग स्टंप के बाहर होने पर वाइड के लिए डीआरएस लिए जाने को भी मंजूरी दी गई। साथ ही तय हुआ कि स्लो ओवर रेट के लिए कप्तानों को बैन नहीं किया जाएगा। यह फैसला हार्दिक पंड्या और ऋषभ पंत पर लगे एक-एक मैच के बैन के बाद लिया गया है।

बॉल पर लार लगाने से बॉल को स्विंग कराने में मदद

बॉल पर लार लगाने से सबसे ज्यादा मदद तेज गेंदबाजों को मिलती है। इससे गेंद स्विंग अच्छी होती है। आपने नोटिस किया होगा कि बॉलर्स और फील्डर गेंद को कपड़े से रगड़ते और लार लगाते रहते हैं। दरअसल, वे गेंद की शाइन को एक तरफ बरकरार रखने की कोशिश करते हैं। जिससे गेंद स्विंग को कराने में आसानी हो। इस चक्कर में कई बार वो गेंद के साथ ज्यादा छेड़खानी कर देते हैं, जो बॉल टेम्परिंग के दायरे में आता है। मोहम्मद शमी ने चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान गेंद पर लार लगाने के नियम में बदलाव करने की मांग की थी। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था, 'मॉडर्न डे क्रिकेट गेंदबाजों के लिए सख्त हो चुका है। रिवर्स स्विंग कराना मुश्किल है, लेकिन आईसीसी ने गेंद पर लार लगाना बैन कर रखा है।'

लार से बॉल स्विंग कैसे करती है

जब गेंदबाज बॉल पर लार लगाकर घिसता है, तो बॉल घिसे गए साइड में चिकनी हो जाती है। जबकि दूसरी साइड खुरदुरी हो जाती है। तेज गेंदबाज जब बॉलिंग करता है तो गेंद हवा में खुरदुरी साइड की ओर स्विंग करती है, इसी को रिवर्स स्विंग कहते हैं। क्रिकेट में कन्वेंशनल स्विंग भी होता है। ये नई गेंद के साथ पॉसिबल है, जब गेंद पर दोनों तरफ शाइन (चिकनी) रहता है। इसमें गेंदबाज अपने हाथ और कलाइयों की स्किल से गेंद को दोनों तरफ स्विंग करता है। वहीं गेंद पुरानी होने पर रिवर्स स्विंग होने लगती है।

आईसीसी अब भी गेंद पर लार लगाने के पक्ष में नहीं

बीसीसीआई ने भले ही आईपीएल के लिए 2 नए नियम बना लिए, लेकिन ये नियम आईसीसी ने इंटरनेशनल मैचों के लिए अब भी नहीं माने हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने कोरोना के दौरान गेंद पर लार लगाने को बैन किया था।

2022 में आईसीसी ने इस नियम को परमानेंट कर दिया। तब आईपीएल ने भी इन नियमों को माना था। इंटरनेशनल क्रिकेट में वाइड और नो-बॉल के लिए रिव्यू लेने का नियम भी नहीं है।

बेहतर शुरुआत के लिए पंजाब किंग्स ने मुल्लांपुर स्टेडियम में करवाया हवन, कप्तान और हैड कोच हुए शामिल

चंडीगढ़, 21 मार्च (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग(आईपीएल) में पंजाब किंग्स टीम ने बेहतरीन शुरुआत करने के लिए पीसीए मुल्लांपुर क्रिकेट स्टेडियम में हवन पूजा करवाई। इस हवन पूजा में पंजाब किंग्स के हैड कोच रिकी पोंटिंग व टीम के अन्य खिलाड़ियों ने भाग लिया। पंजाब किंग्स टीम 25 मार्च को गुजरात टाइंटस के खिलाफ नरेंद्र मोदी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में मैच खेलेगी। वीरवार को टीम ने रवाना होने से पहले हवन पूजा कर जीत की अर्चना की। पूजा में टीम के कोच के साथ कप्तान श्रेयस अय्यर और टीम के अन्य क्रिकेटर उपस्थित थे। इससे पहले पंजाब क्रिकेट एसोसिशन के पीसीए स्टेडियम मोहाली में खेले गए आईपीएल मैचों से पहले पंजाब किंग्स टीम की सह मालकिन प्रीति जिंटा हर वर्ष हवन पूजा करवाती आ रही है। लेकिन इस वर्ष पीसीए के न्यू मुल्लांपुर क्रिकेट स्टेडियम में प्रीति जिंटा नही पंहुच सकी और टीम के हेड कोच द्वारा हवन पूजा में भाग लिया। उनके साथ टीम के सीईओ सतीश मेनन भी मौजूद रहे। इन दिनों आईपीएल 2025 के मैचों की पूरी तैयारियां चल रही हैं। मुल्लांपुर क्रिकेट स्टेडियम में इस बार 4 मुकाबले खेले जाने हैं। यहां पर पहला मुकाबला पांच अप्रैल को मेजबान पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स की टीमों के बीच खेला जाना है। इन मुकाबलों को लेकर पंजाब किंग्स इन दिनों मुल्लांपुर क्रिकेट स्टेडियम में अभ्यास सत्र में हिस्सा ले रही है। प्रशिक्षण शिविर में खिलाड़ियों से मिलने के लिए चंडीगढ़ स्पाइनल रिहैब सेंटर, सोरेम सेक्टर 36 और स्माइलिंग डैंडेलियन फाउंडेशन से जुड़े बच्चों और वयस्कों सहित दिव्यांग व्यक्ति पहुंचे। इन्होंने पंजाब किंग्स को करीब से प्रशिक्षण लेते हुए देखने का मौका मिला। पंजाब किंग्स टीम के हेड कोच रिकी पोंटिंग, कप्तान श्रेयस अय्यर, ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस और तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन से बातचीत करने का भी मौका भी मिला।

क्रोएशिया ने क्वार्टर फाइनल में फ्रांस को 2-0 से हराया

> पनामा ने अमेरिका को बाहर किया

जाग्रेब, 21 मार्च (एजेंसियां)। क्रोएशिया ने नेशंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में उलटफेर करते हुए 2022 विश्व कप की उपविजेता टीम फ्रांस को क्वार्टर फाइनल के पहले चरण में 2-0 से हरा दिया। क्रोएशिया की टीम ने शानदार डिफेंस दिखाया और किलियन एम्बाप्पे और ओस्मान डेम्बेले की आक्रामक जोड़ी पर अंकुश लगाने में कामयाब रही।

एंटे बुदिमिर ने मैच में 26वें मिनट में इवान पेरीसिक के क्रॉस पर क्रोएशिया को बढ़त दिलाई। पेरिसिक ने पहले हाफ के स्टॉपेज समय में बढ़त को दोगुना कर एम्बाप्पे की अपनी राष्ट्रीय टीम में छह महीने के बाद वापसी को फीका कर दिया। एम्बाप्पे ने पहले हाफ में कई बार डोमिनिक लिवाकोविच की परीक्षा ली लेकिन क्रोएशिया के गोलकीपर ने कुछ अच्छे बचाव करके उनके प्रयासों को विफल कर दिया। यह छह सितंबर को इटली से 3-1 की हार के बाद पहला अवसर था जबकि एम्बाप्पे फ्रांस की तरफ से खेल रहे थे। पहले चरण के अन्य क्वार्टरफाइनल मैचों में जर्मनी ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए इटली को 2-1 से हराया, गत चैंपियन स्पेन ने नीदरलैंड के खिलाफ 2-2 से ड्रा खेला और डेनमार्क ने पुर्तगाल को 1-0 से पराजित किया। वहीं, सेसिलियो वॉटरमैन ने दूसरे हाफ के इंजुरी टाइम के चौथे मिनट में गोल किया जिससे पनामा तीन बार के गत चैंपियन अमेरिका को 1-0 से हराकर कॉनकाफ नेशंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने में सफल रहा। जब लग रहा था कि मैच अतिरिक्त समय तक खिंच जाएगा तब वाटरमैन ने अमेरिकी बॉक्स में एडलबर्टो कैरासक्विला से दाहिनी ओर से पास लिया और मैट टर्नर को पीछे छोड़ते हुए शानदार गोल दागा।

हॉकी के दो सितारों का मिलन : एक दूजे के हुए मनदीप सिंह और उदिता कौर

जालंधर के गुरुद्वारा साहिब में लिए फेरे जालंधर जालंधर के हॉकी खिलाड़ी ओलंपियन मनदीप सिंह और हिसार की भारतीय महिला हॉकी टीम की डिफेंडर उदिता कौर शादी के बंधन में बंध गए हैं। ओलंपियन्स ने जालंधर के मॉडल टाउन स्थित गुरुद्वारा सिंह सभा में सात फेरे लिए। शादी में भारतीय हॉकी टीम के जनरल सेक्रेटरी भोला सिंह सहित पूरी टीम पहुंची। मनदीप की माता ने कहा कि आज खुशी भरा दिन है। इस शादी को लेकर दोनों परिवारों सहित रिश्तेदारों में खुशी का माहौल है। उन्होंने कहा कि वह उदिता को अपनी बहू नहीं बेटी बनाकर रखेंगी। वहीं मीडिया से बातचीत में उदिता ने कहा कि हम दोनों भारतीय टीम की ओर से खेलते हैं। 2018 में एशिया गेम्स के दौरान दोनों की मुलाकात हुई थी। उसके बाद दोनों की दोस्ती हुई और आज शादी के बंधन में बंध गए। इस दौरान उदिता ने कहा कि भारतीय पुरुष की टीम की तरह महिला टीम हॉकी में मेडल लेकर आने की पूरी कोशिश करेगी। वहीं मनदीप ने कहा कि आज खुशी का दिन है। अब दोनों भारतीय टीम के लिए बढ़िया प्रदर्शन करते हुए भारत के लिए मेडल जीतकर लाएंगे। 25 जनवरी 1995 को जालंधर के गांव मिट्ठापुर (हॉकी का मक्का) में जन्मे मनदीप सिंह ने जालंधर की सुरजीत हॉकी अकादमी में युवा खिलाड़ी के तौर पर फील्ड हॉकी खेलने से शुरुआत की थी। मनदीप सिंह भारतीय पुरुष राष्ट्रीय हॉकी टीम का हिस्सा हैं। जिन्होंने विश्व कप 2014 और 2018, एशियाई खेल 2018, राष्ट्रमंडल खेल 2018, एशिया कप 2013, हॉकी वर्ल्ड लीग टियर 4 फाइनल 2014 और 2017, हॉकी वर्ल्ड लीग टियर तीन 2013 और 2017 और चैंपियंस ट्रॉफी 2016 और 2018 में प्रदर्शन किया है।

तेल और गैस कंपनियों को विंडफॉल टैक्स से राहत

नए कानून में नहीं लगेगा अप्रत्याशित कर लाभ

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। नए कानून के लागू होने के बाद तेल और गैस कंपनियों को अप्रत्याशित लाभ (विंडफॉल टैक्स) कर जैसे किसी भी नए कर का सामना नहीं करना पड़ेगा। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा, नए विधेयक के पारित होने के बाद इस तरह का कर लगाना कठिन हो जाएगा, क्योंकि कोई न कोई हम पर मुकदमा कर देगा। उन्होंने कहा कि तेल और गैस की खोज और उत्पादन में निवेश करने के इच्छुक निवेशक राजकोषीय स्थिरता चाहते हैं। नए कर, जो दरें कम होने पर कम या शून्य मार्जिन की भरपाई किए बिना, ऊंची कीमतों पर अर्जित लाभ को छीनने का प्रयास करते हैं, अक्सर बाधक होते हैं।

2022 में लगाया गया था अप्रत्याशित लाभ कर

भारत ने एक जुलाई, 2022 को अप्रत्याशित लाभ कर लगाया और वह उन देशों की सूची में शामिल हो गया जो ऊर्जा कंपनियों के असाधारण लाभ पर कर लगाते हैं। पिछले दो सप्ताह में तेल की औसत कीमतों के आधार पर हर पखवाड़े कर दरों की समीक्षा की जाती थी। पिछले साल दिसंबर में 30 महीने बाद इस कर को खत्म कर दिया गया था। पुरी ने कहा कि वैश्विक तेल कंपनियां भारत में निवेश की संभावना तलाश रही हैं। ब्राजील की पेट्रोब्रास अंडमान बेसिन की खोज के लिए ऑयल इंडियाके साथ बातचीत कर रही है।

ओएनजीसी बड़ी कंपनियों से कर रही बातचीत

साथ ही ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) गहरे पानी की खोज में सहयोग के लिए एक्सॉनमोबिल और इक्विनोर जैसी बड़ी कंपनियों के साथ बातचीत कर रही है। नया कानून उन सभी (अंतरराष्ट्रीय तेल कंपनियों) के लिए भारत आने और देखने के लिए स्थितियां बना रहा है। यह विधेयक सरकार के सुधार एजेंडे का हिस्सा है, जिससे कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस को खोजना और उत्पादन करना आसान हो जाएगा। बता दें कि अमर उजाला इससे पहले भी सितंबर से दिसंबर, 2024 की अवधि में विंडफॉल टैक्स को लेकर कई खबरों में साफ कर चुका है कि किन लोगों को इस फैसले का असर पड़ेगा। बीते छह महीने की अवधि की बात करें तो केंद्र सरकार ने करीब छह महीने पहले घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स घटाने का एलान किया था। सरकारी अधिसूचना के मुताबिक भारत ने पहली बार 1 जुलाई 2022 को विंडफॉल प्रॉफिट टैक्स लगाया था।

ऑल टाइम हाई से 2,556 सस्ती हुई चांदी : एक किलो की कीमत 97,844 हुई, सोना 49 सस्ता होकर 88,457 पर बिक रहा

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन आज यानी शुक्रवार (21 मार्च) को सोना-चांदी के दाम में गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 88,506 रुपए से 49 रुपए कम होकर 88,457 रुपए पर आ गया है। कल गोल्ड की कीमत लगातार पांचवें दिन ऑल टाइम हाई पर थी। आज चांदी के भाव में भी कल के मुकाबले 548 रुपए की गिरावट है, ये 97,844 रुपए प्रति किलो बिक रही है। कल एक किलो चांदी 98,392 रुपए पर थी। मंगलवार, 18 मार्च को चांदी का भाव 1,00,400 प्रति किलो के ऑल टाइम हाई पर था, तब से इसमें 2,556 रुपए कमी हो चुकी है।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 82,850 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 90,370 रुपए है।

मुंबई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 82,700 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 90,220 रुपए है।

कोलकाता: 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 82,700 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 90,220 रुपए है।

चेन्नई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 82,700 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 90,220 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 90,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 82,700 रुपये है।

घरेलू शेयर बाजार में पांचवें दिन भी हरियाली बरकरार; सेंसेक्स-निफ्टी में एक फीसदी की तेजी

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार में हरियाली बरकरार है। सेंसेक्स 557.45 अंक उछलकर 76,905.51 पर बंद हुआ। ऐसे ही निफ्टी भी 159.75 अंक बढ़कर 23,350.40 अंक पर बंद हुआ। इसके अलावा रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 37 पैसे बढ़कर 85.99 (अस्थायी) पर बंद हुआ। दरअसल, बेंचमार्क शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में शुक्रवार को करीब एक फीसदी की तेजी देखी गई। ताजा विदेशी फंड प्रवाह और बैंक शेयरों में तेजी की वजह से बाजार में लगातार पांचवें दिन बढ़त दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 557.45 अंक या 0.73 फीसदी उछलकर 76,905.51 अंक पर बंद हुआ। दिन के कारोबार के दौरान यह 693.88 अंक या 0.90 फीसदी बढ़कर 77,041.94 अंक पर पहुंच गया था। एनएसई निफ्टी 159.75 अंक या 0.69 प्रतिशत चढ़कर 23,350.40 अंक पर पहुंच गया।

किसे फायदा-किसे नुकसान?

सेंसेक्स पैक में एनटीपीसी, बजाज फाइनेंस, कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक, नेस्ले, लार्सन एंड टूब्रो, टाटा मोटर्स, आईसीआईसीआई बैंक, पावर ग्रिड और जोमैटो फायदे में रहे। हालांकि, इंफोसिस, टाटा स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाइटन और बजाज फिनसर्व लुढ़क गए। एक्सचेंज डेटा के

मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 3,239.14 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। इस तरह घरेलू बाजार ने लगातार सुधार के साथ सप्ताह का समापन किया।

एशियाई और अमेरिकी बाजार का हाल

एशियाई बाजारों में सियोल सकारात्मक क्षेत्र में बंद हुआ। टोक्यो, शंघाई और हॉन्गकॉन्ग में गिरावट दर्ज की गई। यूरोपीय बाजार नकारात्मक क्षेत्र में कारोबार कर रहे थे। गुरुवार को अमेरिकी बाजार मामूली गिरावट के साथ बंद हुए। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.21 प्रतिशत गिरकर 71.85 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

कल कैसा था बाजार का हाल

इससे पहले गुरुवार को बीएसई बेंचमार्क 899.01 अंक या 1.19 फीसदी उछलकर 76,348.06 पर बंद हुआ था। इस तरह से सेंसेक्स ने 76,000 के स्तर को फिर से हासिल कर लिया था। ऐसे ही निफ्टी 283.05 अंक या 1.24 फीसदी बढ़कर 23,000 अंक को हासिल करने में कामयाब रहा था और 23,190.65 अंक पर बंद हुआ था।

मुकेश अंबानी बने एक और कंपनी के बॉस

कितने में हुआ सौदा, क्या करती है?

नई दिल्ली,21 मार्च (एजेंसियां)। मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने एक नया सौदा किया है। आरआईएल की सहायक कंपनी आरएसबीवीएल ने नौयान ट्रेडिंग्स प्राइवेट लिमिटेड (एनटीपीएल) को खरीद लिया है। इसके साथ ही, एनटीपीएल ने नौयान शिपयार्ड प्राइवेट लिमिटेड (एनएसपीएल) में भी हिस्सेदारी खरीदी है। रिलायंस के शेयरों में भी गुरुवार को तेजी देखी गई थी। कंपनी के शेयरों में 1.67% की बढ़ोतरी हुई थी। मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) ने इस सौदे को लेकर जानकारी दी। उसने बताया कि आरआईएल की सहायक कंपनी है, जिसका नाम रिलायंस स्ट्रैटेजिक बिजनेस वेंचर्स लिमिटेड (आरएसबीवीएल) है। आरएसबीवीएल ने एक कंपनी को पूरी तरह से खरीद लिया है। इस कंपनी का नाम है नौयान ट्रेडिंग्स प्राइवेट लिमिटेड (एनटीएल)।

किससे खरीदी है कंपनी?

आरएसबीवीएल ने एनटीपीएल को वेल्सपन ट्रेडिंग्स से खरीदा है। वेल्सपन ट्रेडिंग्स वेल्सपन कॉर्प की सहायक कंपनी है। यह सौदा 1 लाख रुपये की वैल्यू पर किया गया है। इस सौदे के बाद नौयान ट्रेडिंग्स प्राइवेट लिमिटेड अब रिलायंस इंडस्ट्रीज की एक और सहायक कंपनी बन गई है। यह 20 मार्च से लागू हो गया है। एनटीपीएल को इसी महीने 3 मार्च को बनाया गया था। अभी तक इसने अपना कारोबार शुरू नहीं किया है। आरआईएल की सहायक कंपनी आरएसबीवीएल से खरीदे जाने के बाद एनटीपीएल ने वेल्सपन कॉर्प के साथ एक और समझौता किया है। इस समझौते के तहत, एनटीपीएल नौयान शिपयार्ड प्राइवेट लिमिटेड (एनएसपीएल) में 74% हिस्सेदारी खरीदेगी। इसके लिए एनटीपीएल 382.73 करोड़ रुपये देगी। नौयान शिपयार्ड की कुल वैल्यू 643.78 करोड़ रुपये आंकी गई है।

नौयान शिपयार्ड पर 126.57 करोड़ का कर्ज

रिलायंस ने बताया कि नौयान शिपयार्ड पर 126.57 करोड़ रुपये का कर्ज है। कंपनी की पूरी वैल्यू 517.21 करोड़ रुपये है। रिलायंस ने जानकारी में बताया कि एनएसपीएल डब्ल्यूसीएल को 93.66 करोड़ रुपये चुकाएगी। इसका मतलब है कि नौयान शिपयार्ड वेल्सपन कॉर्प को 93.66 करोड़ रुपये वापस करेगी। सोमवार को रिलायंस के 14.5 लाख शेयरों का ब्लॉक डील हुआ। ब्लॉक डील में शेयरों की बड़ी मात्रा में खरीद-बिक्री होती है। हालांकि, यह नहीं पता चल पाया है कि इस डील में कौन लोग शामिल थे। इससे पहले फरवरी में, तारिश इन्वेस्टमेंट एंड ट्रेडिंग कंपनी ने रिलायंस के 5,70,844 शेयर 1223.95 रुपये में बेचे थे।गुरुवार को रिलायंस के शेयर 1.67% बढ़कर 1268.55 रुपये पर बंद हुए। पिछले एक हफ्ते में रिलायंस के शेयर 1.70% बढ़े हैं। वहीं, पिछले दो हफ्तों में लगभग 5% की बढ़ोतरी हुई है। इस साल 2025 में रिलायंस के शेयरों में लगभग 4% की बढ़ोतरी हुई है।रिलायंस भारत की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक है। इसका बाजार पूंजीकरण (एम-कैप) फिलहाल 17,16,649.16 करोड़ रुपये है। मार्केट कैप का मतलब होता है कि कंपनी के सभी शेयरों की कुल वैल्यू कितनी है।

भारतीय रेलवे के पास कितने नॉन एसी कोच हैं?

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद में बताया

नई दिल्ली,21 मार्च (एजेंसियां)। रेलवे को देश की लाइफलाइन कहा जाता है। इसकी वजह यह है कि रोजाना लाखों लोग रेल से सफर करते हैं। क्या आप जानते हैं कि रेलवे के पास कितने एसी और कितने नॉन-एसी कोच हैं? रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राज्यसभा में एक प्रश्न का उत्तर देते हुए बताया कि वर्तमान में रेल सेवाओं को चलाने के लिए लगभग 79,000 सवारी डिब्बों का उपयोग किया जा रहा है। इनमें सवारी साधारण श्रेणी और नॉन-एसी कोच की संख्या 56,000 यानी 70% है। वातानुकूलित सवारी डिब्बों यानी एसी कोच की संख्या 23,000 है वैष्णव ने कहा कि भारतीय रेल में रेलगाड़ियों की ऑक्युपेंसी का स्वरूप पूरे साल एक समान नहीं रहता है। यह व्यस्त तथा कम व्यस्त अवधि के समय बदलता रहता है। व्यस्त समय के दौरान विशेष रूप से लोकप्रिय मार्गों पर रेलगाड़ियों की ऑक्युपेंसी पूरी रहती है जबकि कम व्यस्त अवधि के समय और कम लोकप्रिय रूट्स पर ट्रेनों की ऑक्युपेंसी कम होती है। ट्रेनों के यातायात स्वरूप की नियमित आधार पर निगरानी की जाती है और अतिरिक्त मांग को पूरा करने के लिए कोचों की संख्या बढ़ाई जाती है, विशेष रेलगाडियां चलाई जाती हैं, नई रेलगाड़ियां शुरू की जाती है और मौजूदा रेलगाड़ियों के फेरे बढ़ाए जाते हैं।

अतिरिक्त कोच

उन्होंने कहा कि साधारण और गैर वातानुकूलित शयनयान सवारी डिब्बा का

उपयोग करने वाले यात्रियों के लिए अधिक सुविधा प्रदान करने के लिए मेल/एक्सप्रेस रेलगाडियों की संरचना के बारे में मौजूदा नीति में 22 सवारी डिब्बों की एक रेलगाड़ी में 12 साधारण श्रेणी और शयनयान श्रेणी गैर वातानुकूलित सवारी डिब्बों और 08 (आठ) वातानुकूलित सवारी डिब्बों का प्रावधान है। मेल/एक्सप्रेस के अलावा भारतीय रेल किफायती यात्रा के लिए अनरिजर्व्ड नॉन-एसी पैसेजर ट्रेने/एमईएमयू ईएमयू आदि भी चलाती है।

साथ ही रेलवे ने अत्याधुनिक और पूरी तरह नॉन-एसी अमृत भारत रेलगाडियां भी शुरू की है। इन रेलगाडियों में आधुनिक सुविधाए हैं। इनमें 12 शयनयान श्रेणी के सवारी डिब्बे और 8 साधारण श्रेणी के सवारी डिब्बे हैं। यात्रियों के विभिन्न वर्गों के लिए अतिरिक्त सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मौजूदा रेलगाड़ियों में स्थायी और अस्थायी आधार पर अतिरिक्त सवारी डिब्बे भी जोड़े जाते हैं। 2023-24 में 872 अतिरिक्त स्थायी डिब्बे जोड़े गए थे जबकि 2024-25 में फरवरी तक 983 डिब्बे जोड़े जा चुके हैं।

जीएसटी चोरी करना पड़ेगा भारी, 1 अप्रैल से बदल रहा है नियम

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। भारत सरकार ने गुड्स एंड सर्विस टैक्स के नियमों में काफी बदलाव किया है। इसके तहत 1 अप्रैल 2025 से इनपुट सर्विस डिस्ट्रीब्यूटर सिस्टम लागू होने जा रहा है। इस सिस्टम का मुख्य उद्देश्य राज्यों के बीच टैक्स रेवेन्यू का सही डिस्ट्रीब्यूशन सुनिश्चित करना है। इसकी मदद से राज्य सरकारें एक ही जगह पर दी जा रही शेयर्ड सर्विसेज पर उचित मात्रा में टैक्स वसूल करेंगी। आईएसडी मैकेनिज्म को लागू करने के लिए 2024 के फाइनेंस एक्ट के तहत सेंट्रल जीएसटी एक्ट में संशोधन किया गया है। यह

मैकेनिज्म उन व्यवसायों को सुविधा देता है जो कई राज्यों में संचालित होते हैं। इसके तहत व्यवसाय अपनी एक हेडक्वार्टर में कॉमन इनपुट सर्विस के इनवॉइस को सेंट्रलाइज कर सकते हैं। इससे उन शाखाओं के बीच इनपुट टैक्स क्रेडिट का समान वितरण संभव होता है जो शेयर्ड सर्विसेज का इस्तेमाल करती हैं। इनपुट टैक्स क्रेडिट यह वो टैक्स होता जो व्यवसाय अपनी खरीद पर चुकाते हैं। इसे आउटपुट टैक्स से घटाया जा सकता है, जिससे व्यवसाय की कुल जीएसटी देनदारी कम हो जाती है। नए नियमो के तहत आईएसडी सिस्टम का इस्तेमाल होना अनिवार्य होगा जिससे आईटीसी सही वितरण हो सके।पहले बिजनेस करने वालों के पास कॉमन आईटीसी को अपने अन्य जीएसटी रजिस्ट्रेशन में आवंटित करने के लिए दो ऑप्शन थे। इसमें दो ऑप्शन यह थे कि आईएसडी मैकेनिज्म या क्रॉस-चार्ज मेथड, लेकिन अब 1 अप्रैल 2025 से आईएसडी का इस्तेमाल न करने पर रेसिपिएंट लोकेशन के लिए आईटीसी नहीं दी जाएगी। अगर आईटीसी का गलत वितरण होता है तो टैक्स अथॉरिटी ब्याज सहित राशि वसूल करती है। इसके साथ ही अनियमित वितरण के लिए जुर्माना भी लगेगा, जो आईटीसी की राशि या 10 हजार रुपए से भी अधिक होगा।माना जा रहा है कि यह बदलाव जीएसटी सिस्टम को और अधिक व्यवस्थित करने की दिशी में एक और बड़ा कदम है। आईएसडी सिस्टम से न केवल राज्यों के बीच टैक्स रेवेन्यू वितरण होगा, बल्कि व्यवसायों को भी अपनी टैक्स देनदारियों को बेहतर तरीके से प्रबंधित करने में मदद मिलेगी।

टाटा पावर से मिला काम तो इस कंपनी के शेयर 15% उछल गए

मुंबई,21 मार्च (एजेंसियां)। हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कंपनी (एचसीसी) के शेयरों में शुक्रवार को भारी उछाल आया। बीएसई पर कंपनी के शेयर 15% तक बढ़ गए और 28.27 रुपये पर पहुंच गए। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि एचसीसी और टाटा प्रोजेक्ट्स के एक संयुक्त उद्यम को महाराष्ट्र में टाटा पावर से एक बड़ा प्रोजेक्ट मिला है।कंपनी ने बताया कि एचसीसी और टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड (टीपीएल) की 50:50 की साझेदारी को 2,470 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। यह ठेका भिवपुरी ऑफ-स्ट्रीम ओपन-लूप पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट (पीएसपी) के लिए है। इस प्रोजेक्ट की क्षमता 1,000 मेगावाट (2x333 मेगावाट + 2x167 मेगावाट) होगी। यह प्रोजेक्ट महाराष्ट्र के कर्जत में बनेगा। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में यह जानकारी दी है।

प्रोजेक्ट में क्या है काम

इस प्रोजेक्ट में कई तरह के काम शामिल हैं। जैसे कि कोफर बांध बनाना, ठोकरवाड़ी अपर जलाशय पर गेट और स्क्रीन के साथ इंटेक स्ट्रक्चर बनाना, हेड रेस टनल बनाना, पेनस्टॉक, सर्ज शाफ्ट, प्रेशर शाफ्ट, पावरहाउस, टेल रेस टनल और लोअर इंटेक स्ट्रक्चर बनाना। इसके अलावा, एक नया लोअर जलाशय भी बनेगा जिसमें जीएफआरडी बांध, एडिट, सड़कें, ड्रेन, और कई तरह के प्लांट फाउंडेशन और बिल्डिंग स्ट्रक्चर शामिल होंगे। यह संयुक्त उद्यम इलेक्ट्रो-मैकेनिकल कंपोनेंट्स की समीक्षा और इंटरफेस के साथ-साथ संबंधित इंफ्रास्ट्रक्चर का काम भी देखेगा।हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कंपनी का कहना है कि इस प्रोजेक्ट के मिलने से भारत में हाइड्रोपावर डेवलपमेंट में उसकी स्थिति और मजबूत होगी। कंपनी ने देश की कुल हाइड्रोपावर क्षमता में लगभग 26% का योगदान दिया है। वर्तमान में, कंपनी उत्तराखंड में 1,000 मेगावाट की टिहरी पंप स्टोरेज सिस्टम सहित पांच हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट पर काम कर रही है।पिछले एक साल के दौरान एचसीसी के शेयरों में 12% की गिरावट आई है। पिछले तीन महीनों में लगभग 37% की गिरावट आई है। हालांकि, पिछले एक हफ्ते में स्टॉक में 21.6% की बढ़ोतरी हुई है। टेक्निकल इंडिकेटर्स बताते हैं कि एचसीसी का स्टॉक अपने आठ प्रमुख सिंपल मूविंग एवरेज में से चार से ऊपर कारोबार कर रहा है। लेकिन यह अभी भी अपने 50-दिन, 100-दिन, 150-दिन और 200-दिन के एसएमए से नीचे है। 14-दिन का रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स (आरएसआई) 44.6 पर है, जो बताता है कि स्टॉक न तो ओवरबॉट है और न ही ओवरसोल्ड। आरएसआई एक इंडिकेटर है जो बताता है कि कोई स्टॉक ज्यादा खरीदा गया है या ज्यादा बेचा गया है।

बुल्फडाग की कीमत 50 करोड

इतनी कीमत में तो खरीद लेंगे 55 किलो सोना

नई दिल्ली,21 मार्च (एजेंसियां)। दुनियाभर में अलग-अलग नस्ल के डॉग पाए जाते हैं। वहीं कई ऐसी खास नस्ल भी होती हैं, जिन्हें लोग घर में रखना पसंद करते हैं। क्या आपको पता है कि दुनिया का सबसे महंगा डॉग कौन सा है? इसका नाम कैडाबॉम ओकामी है। यह वुल्फडॉग है। एक भारतीय डॉग ब्रीडर ने यह नाम रखा है। इसे एक भारतीय ने 4.4 मिलियन पाउंड (करीब 50 करोड़ रुपये) में खरीदा है। इतनी कीमत में 55 किलो सोना खरीदा जा सकता है। यह डॉग भेड़िया और काकेशियन शेफर्ड का मिश्रण है। यह पहले से ही एक सेलिब्रिटी बन गया है। यह कई बड़े कार्यक्रमों में दिखाई देता है। लोग इसे देखने के लिए उत्सुक रहते हैं। इसकी उम्र अभी सिर्फ आठ महीने की है और वजन 75 किलो का है। इसकी लंबाई 30 इंच है। यह डॉग हर दिन तीन किलोग्राम कच्चा चिकन खाता है। माना जाता है कि यह महंगा कुत्ता अपनी तरह का पहला है। यह एक असली भेड़िया और एक सफेद शेफर्ड का क्रॉस है। 51 साल के एस. सतीश इस डॉग के नए मालिक हैं। उन्होंने दुर्लभ नस्लों का संग्रह करके सुर्खियां बटोरी हैं। एस. सतीश बेंगलुरु के फेमस डॉग ब्रीडर हैं। उनके पास 150 से अधिक विभिन्न नस्लें हैं। ओकामी का जन्म में हुआ था। इसे फरवरी में एक भारतीय ब्रोकर के माध्यम से बेचा गया था। सतीश इंडियन डॉग ब्रीडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष हैं। उन्होंने कहा, 'यह डॉग की एक बहुत ही दुर्लभ नस्ल है और यह बिल्कुल एक भेड़िये की तरह दिखता है। इस नस्ल को पहले कभी बिक्री के लिए पेश नहीं किया गया है। यह डॉग असाधारण है और इसे संयुक्त राज्य अमेरिका में पाला गया था। मुझे डॉग पसंद हैं। मैं असामान्य डॉग्स का मालिक बनना और उन्हें भारत लाना चाहता हूं। इसलिए मैंने इस पर 50 करोड़ रुपये खर्च किए।'काकेशियन शेफर्ड मजबूत और रोएंदार होते हैं। वे जॉर्जिया, आर्मेनिया, अजरबैजान और रूस के कुछ हिस्सों जैसे ठंडे क्षेत्रों में पाए जाते हैं। ये अद्भुत गार्ड डॉग अक्सर भेड़ियों को पशुधन के झुंड से दूर रखने के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं। ये डॉग पहाड़ों पर भेड़ों और बकरियों की रक्षा करते हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य • उत्तरायणे • ऋतु • बसंत
महावीर निर्वाण संवत -2051, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
सूर्योदय - 06-22
सूर्यास्त - 18-23
कलियुग संवत -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885125

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मीन मे	मीन....	06-00 बजे
चंद्र-	धनु मे	मेष---	07-34 बजे
मंगल	मिथुन मे	वृष---	09-20 बजे
बुध-	मीन मे	मिथुन..	11-20 बजे
गुरु-	वृष मे	कर्क....	13-32 बजे
शुक्र-	मीन मे	सिंह---	15-44 बजे
शनि-	कुंभ मे	कन्या---	17-52 बजे
राहु-	मीन मे	तुला----	19-56 बजे
केतु-	कन्या मे	वृश्चिक..	22-06 बजे
		धनु......	00-19 बजे
		मकर....	02-26 बजे
		कुंभ....	04-16 बजे

दिशाशूल -- पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- अष्टमी 05-23 तक उपरान्त नवमीं
मास • चैत्र कृष्ण ,शनिवार 22 March
नक्षत्र • मूल 03-23 तक उपरान्त
योग • व्यतिपात 18-36 तक उप वरियान
करण- बालव 16-59 तक उप कौलव
विशेष:- शीतलाष्टमी
व्रत -त्योहार • वर्षीतप प्रा. जैन

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:21 से 10:52 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	06:22 - 07:51 अशुभ	लाभ.	18:23 - 19:55 शुभ
शुभ.	07:51 - 09:21 शुभ	उत्पात	19:55 - 21:24 अशुभ
रोग	09:21 - 10:52 अशुभ	शुभ.	21:24 - 22:54 शुभ
उत्पात	10:52 - 12:23 अशुभ	अमृत.	22:54 - 00:23 शुभ
चंचल.	12:23 - 13:54 शुभ	चंचल	00:23 - 01:52 शुभ
लाभ.	13:54 - 15:25 शुभ	रोग.	01:52 - 03:21 अशुभ
अमृत.	15:25 - 16:55 शुभ	काल.	03:21 - 04:50 अशुभ
काल.	16:55 - 18:23 अशुभ	लाभ.	04:50 - 06:22 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — आज आपमें कुछ करने और दूसरों को प्रभावित करने की इच्छा बनी रहेगी । आप मजबूत और पक्के फैसले ले पायेंगे और ऐसा करना का आपका समय बिलकुल ठीक होगा । आप अपने पुराने कर्ज और अहसानों से भी मुक्त हो पायेंगे । आप अपनी शीघ्र विचार की क्षमता के कारण किसी की जरुरत के समय मदद कर पायेंगे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — आज अपमनी दार्शनिकताओं तथा विचारों को किसी के साथ बाँट लेने का मौका देखें ,आपकी मुलाकात एक बेहतरीन व्यक्ति से हो सकती है । इससे एक ख़ूबसूरत दोस्ती या अच्छी साझेदारी भी जन्म ले सकती है । थोड़े से ध्यान से देखने से,आप अपने आसपास से बहुत सारी चीजें सीख पायेंगेऔर यह ज्ञान आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगा । आप किसी ऐसे व्यक्ति से भी मिल पायेंगे जिसके विचार आपसे मिलते हों ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — आज दुविधा और उलझन की स्थिति बनी रहेगी । लेकिन यह बस उपरी आवरण है ,जैसे ही स्थिति साफ़ होगी ,आप वास्तविकता को देख पाएंगे । शुरुआत में सब कुछ उलझा हुआ सा लगेगा ,लेकिन समय के साथ साथ सब ठीक होगा,अपना समय लें और चलते रहें । आपको सफलता मिलेगी । परिवर्तन तो जरुर होंगे लेकिन आपके भविष्य के लिए शुभ साबित होंगें ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — आज आपको अपनी मेहनत का फल मिलेगा । पहचान और इज्जत भी मिलेगी । वित्तीय स्थिति बेहतर होगी,ऑफिस में तारीफ़ मिलेगी । वेतन में बढ़ोतरी भी संभव है । सेल्स क्षेत्र वाले लोग भी लक्ष्य हासिल क्र पायेंगे । आज अपने परिधान में नीला रंग शामिल करें । इससे सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी ।. आज पानी से जुडी कोई दुर्घटना हो सकती है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आज अपने सिद्धांतों की व्याख्या और पुनर्मुल्यांकन का दिन है । आप पिछले फैसलों के लिए खुद से और अपने साथी से भी सवाल कर सकते हैं । फिर भी आप उसके प्रति बहुत अच्छे बने रहेंगे और उससे भी बदले में यही उम्मीद रखेंगे । जब पुराने विचारों से कोई काम बनता दिखाई न दे रहा हो तो नए विचारों को अपना लेने में कोई बुराई नही है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आप ऊर्जा से भरे हैं और बहुत अच्छे मूड में भी हैं । दोस्तों को पार्टी दे सकते हैं । अपनी ख़ुशी में खोकर आपका ध्यान भविष्य के खतरों से हट सकता है । घबराए नही,किसी आदमी से कोई नुक्सान होने की आशंका नही है ,केवल आपका पेट अपच वाला अधिक भोजन करने के कारण खराब हो सकता है,जिससे आपकी सेहत पर असर पड़ सकता है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आपके किसी करीबी के जीवन में कुछ समस्याएँ चल रही हैं और आज आपको उनकी बात सहानुभूति से सुननी पड़ेंगी । ऐसा हो सकता है की आप इस आदमी की बातों से निराश और बेचैन सा अनुभव करें ,लेकिन आपको बिना किसी आलोचना के इस आदमी की सहायता करनी चाहिए । इससे आपके जीवन की बहुत महत्वपूर्ण दोस्ती या साझेदारी भी प्रभावित होगी ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — आज के दिन की खासियत आपकी किसी प्रभावी व्यक्ति से मुलाकात रहेगी जिसका प्रभाव आपके जीवन पर पर काफी लम्बे समय तक रहेगा । आप किसी ऐसीस्थिति या व्यक्ति के संपर्क में भी आ सकते हैं जहाँ आपको विपरीत दृष्टिकोणों का सामना करना पड़ सकता है । आपको रचनात्मक आलोचना को सही तरीके से ही लें और बदतमीज हुए बिना ही अपनी बात को समझाने से कोशिश करें ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — आज आपके लिए अच्छा दिन है । आपका सुंदर व्यक्तित्व दूसरों को आकर्षित करेगा । आज आप कुछ भी करें,सफलता मिलेगी । आप काफी लोकप्रिय हैं । आप सृजनात्मक भी हैं और नम्र भी ,आपके इन्ही गुणों ने आपको इस मुकाम पर पहुंचाया है । चालाकी और अभिमान को आने दिये बिना इसी रास्ते पर चलते रहें ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आप एक आशावादी व्यक्ति हैं और आज यह बात सबको जान्ने देने और इससे लाभ उठाने का दिन है । इससे आपकी छवि एक प्रेरणात्मक वक्ता की बनेगी,जिसकी कोशिश आप लम्बे समय से करते आ रहे हो । समाज में आपके सम्बन्ध जिन लोगों के साथ बहुत अच्छे नही हैं ,उनके साथ भी आपके संबंधों में अब सुधार आना शुरू हो जाएगा ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — ऐसे अवसरों को पकड़ने की कोशिश करें जो आपको सोचने और उसे अपने तरीके से दुबारा पेश करने का मौका दें । आप इसे उत्साह के साथ कर भी पायेंगे और आपको आनंद भी आएगा । घर में कुछ बदलाव होने ही हैं ,शायद आप अधिक एकाग्रता और अधिक बेहतर अवसरों के लिए किसी नईं जगह जाना चाहते हैं ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — आज आपकी किसी से कोई महत्वपूर्ण बातचीत होने के आसार हैं । टकराव की स्थिति भी बन सकती है या साधारण बातचीत भी हो सकती है । लेकिन यह जो भी हो,इससे आपको सोचने के लिए काफी कुछ मिलेगा और आप पूरे दिन इसी में व्यस्त रहेंगे ।आप आज कोई विकर्षण सहन नही करेंगे फिर भी आपको यह महसूस होगा कि इस घटना पर अधिक सोचकर कुछ हासिल नही होगा ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

बारात रुकवाई-डीजे बंद करवाया, दूल्हे पर तानी बंदूक'

आगरा-बुलंदशहर में दलित दूल्हों को घोड़ी से उतारा, पीड़ित बोले- पुलिस ने नहीं दी सुरक्षा

आगरा, बुलंदशहर, 21 मार्च (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 'मेरे बेटे विशाल की बारात निकल रही थी। तभी कुछ लोग आ गए। उन्होंने बैंड-बाजे बंद करवा दिए। फिर वीडियोग्राफी बंद करवा दी। बेटे पर बंदूक तान दी। कहने लगे कि यहां से बारात नहीं निकलने देंगे।' आगरा के धनौली गांव में रहने वाले मुकेश के बेटे की शादी 6 मार्च को थी। गांव के एक रसूखदार परिवार ने बारात रुकवा दी। मुकेश कहते हैं, 'हम दलित हैं, इसीलिए हमारे साथ ऐसा हुआ। हमारे साथ मारपीट की।'

इसका आरोप गांव के ही विष्णु शर्मा पर है। उस दिन उनके बेटे की भी बारात निकल रही थी। 7 मार्च को मुकेश ने पुलिस से शिकायत की। आरोप है कि पुलिस ने केस दर्ज नहीं किया। तीन दिन बाद 10 मार्च को केस दर्ज किया गया।

जाति के नाम पर ये बर्ताव झेलने वाले मुकेश अकेले नहीं हैं। यूपी के ही बुलंदशहर में फरवरी में एक गांव से ऐसी दो घटनाएं सामने आईं। यहां भी दलित परिवार के लड़कों को बैंड-बाजे के साथ बारात नहीं निकालने दी गई।

पहले आगरा की घटना

धनौली गांव में मुकेश कुमार मिले। 6 मार्च को मुकेश के बेटे विशाल की शादी थी। गांव से 2 किलोमीटर दूर अजीजपुर के मैरिज हॉल में कार्यक्रम होना था। मैरिज हॉल पहुंचने से पहले ही बारातियों की गांव में रहने वाले कुछ लोगों से झड़प हो गई। बारात को रास्ता देने को लेकर विवाद शुरू हुआ और बात मारपीट तक पहुंच गई। मुकेश आरोप लगाते हैं, 'बारात में बाबा साहेब और गौतम बुद्ध की फोटो देखकर लोग भड़क गए। उन्होंने बैंड-बाजा, वीडियोग्राफी बंद करा दी। ये सभी अजीजपुर के ही रहने वाले हैं। उन्होंने बंदूक मंगवाई और मेरे बेटे पर तान दी। कहने लगे कि दलितों की बारात यहां से नहीं निकलेगी। उन्होंने बाबा साहेब की फोटो भी तोड़ दी।'

मुकेश धनौली में ही जूतों की मरम्मत का काम करते हैं। शादी में डॉ. आंबेडकर की फोटो ले जाने पर वे कहते हैं, 'बाबा साहेब हमारे लिए भगवान हैं। हमारे पास जो भी है, सब उन्हीं की वजह से है। ये लड़ाई हमारी जाति की वजह से हुई। आरोपियों से पुरानी जान-पहचान नहीं थी।'

मुकेश के बेटे विशाल भी यही मानते हैं। कहते हैं, 'रास्ते में मिट्टी पड़ी थी। हम निकलने की जगह बना रहे थे, लेकिन वे लोग मारपीट करने पहुंच गए। वे कह रहे थे कि यहां दलितों की बारात घोड़ी नहीं चढ़ेगी। इसे नीचे उतारो।'

इस मामले में अजीजपुर के रहने वाले विष्णु शर्मा मुख्य आरोपी हैं। उनकी पत्नी मधु शर्मा बताती हैं, 'उस दिन मेरे बेटे यश की बारात निकल रही थी। मैं गाड़ी में बैठी थी। ड्राइवर ने रास्ता मांगने के लिए काफी देर तक हॉर्न बजाया, लेकिन वे लोग रास्ता नहीं दे रहे थे। कार में मेरी बेटियां भी थीं। उनकी बारात में शामिल लड़कों ने हमारी गाड़ी में घूंसा मारने की कोशिश की। हमारे ड्राइवर को भी मारना चाहा।' मधु दावा करती हैं कि वहां कोई मारपीट नहीं हुई। हालांकि, कई वीडियो में दिख रहा है कि एक लड़का भीड़ में बंदूक लेकर घूम रहा है। मधु मानती हैं कि वीडियो में दिख रही बंदूक उनके परिवार की है।

वे कहती हैं, 'बारात को रास्ता न मिलने पर एक लड़के ने मेरे पति को फोन कर दिया। बेटे की शादी थी, तो सेफ्टी के लिहाज से वो मैरिज हॉल में राइफल लेकर गए थे। विवाद हुआ तो उन्होंने बेटे के हाथ में राइफल थमाई थी। बस यही बात है। बाकी जो भी आरोप लग रहे हैं, वे सभी झूठे हैं।'

मुकेश कहते हैं, 'हमने बहुत मुश्किल से केस दर्ज करवाया। केस दर्ज नहीं होने पर भीम आर्मी के लोग आए। हम 10 मार्च को 50-60 लोगों को लेकर थाने गए। तब जाकर पुलिस ने शाम को केस दर्ज किया। पुलिस को आरोपियों के हथियार जब्त करने चाहिए।'

एफआईआर में देरी पर पुलिस से जवाब मिला कि केस दर्ज करने में देरी नहीं हुई। आगरा के सैंया एरिया के एसीपी देवेश सिंह इस मामले में जांच अधिकारी हैं।

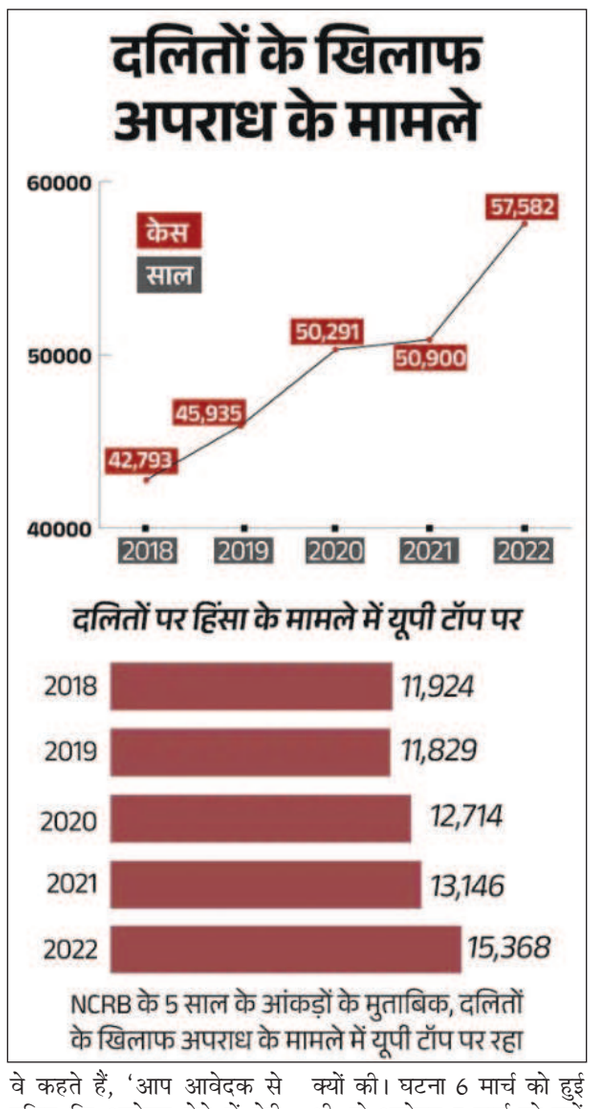

वे कहते हैं, 'आप आवेदक से पूछिए कि आवेदन देने में देरी क्यों की। घटना 6 मार्च को हुई थी, तो आवेदन 7 मार्च को क्यों दिया। एसीपी ने बताया कि अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। उन्होंने ये भी कहा कि किसी की बारात रोकी नहीं गई थी, ना ही किसी को घोड़ी चढ़ने से रोका गया।

अब बात बुलंदशहर की

आगरा के बाद हम बुलंदशहर पहुंचे। यहां के धमरावली गांव में फरवरी में दो ऐसी ही घटनाएं हुई थीं। गांव में घुसते ही सड़क पर एक बोर्ड लगा है। इस पर लिखा है- 'राजपूताना गढ़ धमरावली, जय राजपूताना, राजपूत एकता जिंदाबाद, जय मां भवानी, क्षत्रिय धर्म सर्वोपरि, क्षत्रिय धर्म युगे युगे।' आगे बढ़े तो इसी तरह का एक और बोर्ड गांव में लगा है, जिस पर लिखा है- राजपूताना क्षेत्र।

गांव में 16 और 20 फरवरी को दलित युवकों की बारात निकलने के दौरान विवाद हुआ। 16 फरवरी को जाटव कम्युनिटी से आने वाले भगवंत के बेटे छोटू की शादी थी। छोटू प्राइवेट कंपनी में जॉब करते हैं।

बारात में हुए विवाद को लेकर वे बताते हैं, 'ठाकुरों के मोहल्ले में मेरी बारात पहुंची, तो कुछ लोगों ने डीजे बंद करवा दिया।' 'वे कहने लगे कि दलित हमारे रास्ते से घोड़ी पर चढ़कर नहीं जाएगा। ये सब प्रधान कविता सोलंकी के घर के सामने हुआ। हम बिना डीजे के ही आगे गए। विरोध करने पर पुलिस पहुंची। पुलिसवालों ने भी कहा कि बिना डीजे के चले जाओ।'

इसी गांव में 20 फरवरी को सुरेंद्र के बेटे अरुण भारती की शादी थी। सुरेंद्र जाटव समुदाय से आते हैं। अरुण की बारात में खूब हंगामा हुआ। लाठी-डंडे चलने और मारपीट का वीडियो भी वायरल हुआ। मेरे बेटे की शादी से एक दिन पहले एक ठाकुर लड़का हमारे घर आया। बोला कि बारात में गाने मत बजाना, तो कोई लड़ाई नहीं होगी।

'20 फरवरी को हमारी बारात जैसे ही ठाकुरों के दरवाजे की तरफ पहुंची, तो उन्होंने हंगामा कर दिया। वे कहने लगे कि तुम्हारी बारात नहीं निकलने देंगे। हमारे मंदिर में भी ताला लगवा दिया। लाइट कटवा दी। हमने विरोध किया तो कई लोग प्रधान के घर से लाठी-डंडे लेकर निकल आए। वे चाहते हैं कि हम उनके इलाके से न निकलें। लड़के का सेहरा उतार दिया। मारपीट करने लगे।

सुरेंद्र आरोप लगाते हैं, 'प्रधान के घर से ही सब शुरू हुआ। उन्होंने पहले से लोगों को इकट्ठा कर रखा था। हम शिकायत करने थाने जा रहे थे, तब पुलिस ने गाड़ी का पीछा कर हमें रोकने की कोशिश की।'

इस झगड़े में धमरावली के रोहित कुमार घायल हुए थे। एक वीडियो में उनके सिर से खून बहता दिख रहा है। उनके सिर और शरीर के दूसरे हिस्सों पर अब भी चोट के निशान हैं। रोहित बताते हैं, 'आवेदन देने के बाद गांव में पुलिसवाले आए थे, लेकिन फिर बातचीत करके चले गए। जब बारात निकल रही थी, तब पुलिस वाले नहीं थे।'

बुलंदशहर सिटी एएसपी ऋजुल मामले की जांच कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मामले में 7 लोगों की गिरफ्तारी हुई थी। अब उन्हें जमानत मिल गई है। दोनों पक्षों के साथ शांति कमेटी की बैठक हुई। अब मामला शांत है। घटना के एक महीने बाद भी गांव में पुलिस तैनात है।

दलितों के खिलाफ भेदभाव और हिंसा पर काम करने वाले और जयपुर में 'दलित अधिकार केंद्र' के अध्यक्ष सतीश कुमार कहते हैं, 'इस तरह के मामलों में सजा जरूरी है, लेकिन उससे भी पहले जरूरी है कि ऐसे मामलों में निष्पक्ष जांच हो। दलितों के घोड़ी चढ़ने का विवाद राजस्थान से ही शुरू हुआ था। धीरे-धीरे यूपी, मध्य प्रदेश में ऐसे मामले आने लगे। इस पर सही तरीके से कार्रवाई नहीं हुई।'

सतीश कहते हैं, 'जब तक पुलिस बिना पक्षपात और दबाव के जांच नहीं करेगी, तब तक न्याय नहीं मिलेगा। कई मामलों में सही धाराएं ही नहीं लग रही हैं। जांच एजेंसियों को मजबूत करने की जरूरत है। सरकार अगर सोच ले तो ऐसी घटनाओं का ग्राफ काफी नीचे आ जाएगा। देखना होगा कि कानूनों का कितना इस्तेमाल हो रहा है।'

भारत की बेटी ने सुलझा दी गणित की 100 साल पुरानी गुत्थी

विदेशी धरती पर दिखाया कमाल

वाशिंगटन, 21 मार्च (एक्सक्लूसिव डेस्क)। अमेरिका की पेंसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाली दिव्या त्यागी नाम की एक भारतीय छात्रा ने कमाल कर दिखाया है। इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रही दिव्या ने एयरोडायनामिक्स की एक पुरानी गणित की गुत्थी को सुलझाकर और भी ज्यादा आसान बना दिया है। उनकी इस नई रिसर्च से पवन ऊर्जा से चलने वाली विंड टरबाइन को नए सिरे से डिजाइन करने में मदद मिल सकती है। पेंसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार दिव्या एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में मास्टर्स की पढ़ाई कर रही हैं।

दरअसल ब्रिटिश वैज्ञानिक हरमन ग्लाउर्ट ने पवन टरबाइन से मिलने वाली अधिकतम ऊर्जा पर रिसर्च की थी और दिव्या ने कथित तौर पर उन्हीं के काम को और बेहतर बनाया है। ग्लाउर्ट का मॉडल ऊर्जा को बढ़ाने पर केंद्रित था। लेकिन, उन्होंने टरबाइन पर लगने वाले बल या हवा के दबाव से ब्लेड के मुड़ जाने जैसी जरूरी बातों पर ध्यान नहीं दिया।

दिव्या ने ग्लाउर्ट के काम को आगे बढ़ाते हुए टरबाइन पर लगने वाले सभी बलों को ध्यान में रखकर विंड टरबाइन की कार्यप्रणाली पर गणितीय रिसर्च पेश की है। उन्होंने यह शोध का काम तब किया जब वह अंडरग्रेजुएट स्टूडेंट थीं। उनकी रिसर्च 'विंड एनर्जी साइंस' में प्रकाशित भी हुई है।

दिव्या के सलाहकार स्वेन शिमट्ज ने दिव्या के सॉल्यूशन की तारीफ करते हुए कहा कि उनका काम दुनिया भर में अगली पीढ़ी के पवन टरबाइन को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने पवन ऊर्जा के उत्पादन को बढ़ाने और लागत को कम करने के लिए दिव्या के रिसर्च को बहुत महत्वपूर्ण बताया। दिव्या को उनकी उपलब्धि के लिए एंथोनी ई. वोल्क अवार्ड मिला है। यह अवार्ड एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में सबसे अच्छे शोध के लिए दिया जाता है। दिव्या ने एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में बैचलर डिग्री हासिल करने के बाद कम्प्यूटेशनल फ्लूइड डायनामिक्स (सीएफडी) में रिसर्च कर रही हैं। वह हेलीकॉप्टर के उड़ान सिमुलेशन को बेहतर बनाने और विमानन सुरक्षा को बढ़ाने के प्रोजेक्ट पर अमेरिकी नौसेना के साथ काम कर रही हैं।

बंद घर से 14 लाख की चोरी

सोना-चांदी के गहने और नकदी ले उड़े चोर, गृहस्वामी परिजनों संग ससुराल गए थे

धनबाद, 21 मार्च (एजेंसियां)। धनबाद के गोसाईडीह बैंक कॉलोनी में चोरों ने एक बंद घर से 14 लाख रुपए की संपत्ति चुरा ली। चोरी पीएचईडी के संवेदक जीतेन्द्र कुमार चौरसिया के घर में हुई है। जीतेन्द्र ने बताया कि वे 20 मार्च को पूरे परिवार के साथ मिहिजाम चित्तरंजन स्थित ससुराल गए थे। लौटने पर उन्होंने घर का दूसरा दरवाजा टूटा पाया। घर के अंदर सारा सामान बिखरा हुआ था।

चोर आलमीरा से सोने का मंगलसूत्र, तीन चेन और बाली-नथिया ले गए। इसके अलावा डेढ़ किलो वजन की चांदी के आभूषण, सिक्के और बिस्किट भी चोरी हो गए।

चोरों ने 2 लाख 20 हजार रुपए नकद भी उड़ा लिए। जीतेन्द्र ने गोविंदपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि सास के देहांत के कारण पूरा परिवार ससुराल गया था। घर में रहने वाला किरायेदार भी अपने पैतृक गांव गया हुआ था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नक्सली ने ही बताया नक्सलियों का ठिकाना, तब 30 मरे

नक्सली दिनेश मोड़ियाम की निशानदेही पर किया गया था टीसीओसी महीने में ही नक्सलियों को बड़ा नुकसान

जगदलपुर, 21 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बस्तर में जवानों ने दो अलग-अलग मुठभेड़ों में कुल 30 नक्सलियों को मार गिराया। बीजापुर में 26 और कांकेर में 4 नक्सली मारे गए। नक्सलियों को उनके टीसीओसी (टैक्टिकल काउंटर ऑफेंसिव कैंपेन) माह में ही सबसे बड़ा नुकसान उठाना पड़ा। सूत्रों के अनुसार हमला एक हफ्ते पहले सरेंडर किए नक्सली दिनेश मोड़ियाम की निशानदेही पर किया गया था।

दिनेश मोड़ियाम डीवीसीएम (डिविजनल कमेटी मेंबर) कैडर और गंगालूर एरिया कमेटी में सक्रिय था। बीजापुर जिले में हुई नक्सल घटनाओं में अधिकांश का यही मास्टरमाइंड है। 100 से ज्यादा जवानों की हत्या में शामिल रहा। पुलिस की लिस्ट में मोस्ट वांटेड नक्सली था। सरकार ने इस पर 8 लाख रुपए का इनाम रखा था।

बस्तर में 1 मार्च से जून के पहले सप्ताह तक नक्सली टीसीओसी यानी टैक्टिकल काउंटर ऑफेंसिव कैंपेन चलाते हैं। नए लड़ाकों को जोड़ना और एंबुश में जवानों को फंसा कर बड़ी घटना करते हैं। साल 2024 से पहले तक नक्सली टीसीओसी

महीने में पुलिस फोर्स पर हावी थे। लेकिन, साल 2024 में फोर्स आक्रामक हुई। वहीं 2025 में भी फोर्स टीसीओसी के पहले महीने में नक्सलियों के ठिकाने में घुसी, 30 माओवादियों को मारकर उनके शव लेकर आई। मौके से एके-47, इंसास, एसएलआर जैसे हथियार और गोला बारूद बरामद हुए हैं। बस्तर में एक ही दिन में 4 जिलों में 3 अलग-अलग ऑपरेशन लॉन्च किए गए थे। इनमें बीजापुर, दंतेवाड़ा, नारायणपुर और कांकेर जिला शामिल है। नक्सलियों को उनके ठिकाने में घुसकर हर तरफ से घेरने की तैयारी थी। कुछ नक्सलियों के घायल होने की भी खबर है। गंगालूर एरिया के एंड्री इलाके में भारी संख्या में नक्सली मौजूद थे। इसकी सूचना पुलिस को पहले ही मिल गई थी।

अफसरों ने डीआरजी के सबसे स्ट्रांग फाइटर्स, एसटीएफ, कोबरा, सीआरपीएफ के जवानों की टीम को तैयार किया। फिर इन्हें सर्च ऑपरेशन पर निकाला था। 19 मार्च को टीम ने एंड्री के जंगल को घेर लिया। 20 मार्च की सुबह जवानों के साथ नक्सलियों की मुठभेड़ हो गई।

सुबह 11 बजे तक 2 नक्सलियों के मारे जाने की खबर थी। शाम तक 26 नक्सलियों के मारे जाने की पुष्टि हो गई। सभी के शव लेकर जवान जिला मुख्यालय आ गए।

बस्तर के आईजी सुंदरराज पी. के मुताबिक बीजापुर में जिस जगह मुठभेड़ हुई वहां नक्सलियों की पीएलजीए कंपनी नंबर 2, पश्चिम बस्तर डिवीजन और गंगालूर एरिया कमेटी के नक्सलियों का जमावड़ा था। नक्सलियों की इन्हीं टीम के साथ जवानों की मुठभेड़ हुई। मारे गए नक्सलियों की शिनाख्त की जा रही है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अगस्त 2024 और दिसंबर 2024 को छत्तीसगढ़ के रायपुर और जगदलपुर आए थे। वे यहां अलग-अलग कार्यक्रमों में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने अलग-अलग मंच से नक्सलियों को चेताते हुए कहा था कि हथियार डाल दें। हिंसा करोगे तो हमारे जवान निपटेंगे। वहीं उन्होंने एक डेडलाइन भी जारी की थी कि 31 मार्च 2026 तक पूरे देश से नक्सलवाद का खात्मा कर दिया जाएगा। शाह की इस डेडलाइन जारी करने के बाद से बस्तर में नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन काफी तेज हो गए हैं।

कुलदीप साहू की बैरक में मोबाइल-गांजा

पुलिसवाले के परिवार को काट-डाला था, उठी थी एनकाउंटर की मांग, कुख्यात अपराधी दीपक नेपाली भी इसी सेल में

सरगुजा, 21 मार्च (एजेंसियां)। अंबिकापुर सेंट्रल जेल में कुख्यात अपराधी कुलदीप साहू और दीपक नेपाली की बैरक में मोबाइल और गांजा मिला है। कुलदीप वही आरोपी है, जिसने सूरजपुर में हेड कॉन्स्टेबल की पत्नी और बेटी को तलवार से काट डाला था। पुलिसवालों पर गाड़ी चढ़ाई और खौलता तेल डालकर जला दिया था। वहीं दीपक नेपाली दुर्ग का कुख्यात अपराधी है। अब सेंट्रल जेल में अपराधियों के बैरक में अय्याशी का सामान मिलने के बाद 4 जेल प्रहरियों को सस्पेंड कर दिया गया है। शुक्रवार को सरगुजा कलेक्टर विलास भोस्कर और एसपी योगेश पटेल ने सेंट्रल जेल का निरीक्षण किया। जानकारी के अनुसार, अंबिकापुर सेंट्रल जेल के हाई सिक्योरिटी वार्ड में संदिग्ध गतिविधि की सूचना प्रहरियों को मिलने के बाद 17 मार्च को बैरक की जांच की गई। हाई प्रोफाइल बैरक में दोहरे हत्याकांड के आरोपी कुलदीप साहू और दुर्ग के कुख्यात अपराधी दीपक नेपाली को रखा गया है। बैरक की टॉयलेट सीट में मोबाइल और गांजा छिपाकर रखा गया था।

शुक्रवार को सरगुजा कलेक्टर विलास भोस्कर और एसपी योगेश पटेल पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ सेंट्रल जेल पहुंचे। सरगुजा एसपी योगेश पटेल ने कहा कि कलेक्टर और पुलिस अधिकारी जेल के सुरक्षा मानकों को देखने पहुंचे थे। जेल में मोबाइल और गांजा मिलने की जांच की जा रही है।

सेंट्रल जेल में उच्च सुरक्षा बैरक वह बैरक है, जहां कुख्यात अपराधियों को कड़ी निगरानी में रखा जाता है। इस बैरक तक मोबाइल और गांजा कैसे पहुंचा, इसकी जांच की जा रही है। जेल अधीक्षक योगेश सिंह ने कहा कि मोबाइल और गांजा मुलाकातियों के माध्यम से या जेल के किसी कर्मी के माध्यम से पहुंच सकता है। जेल अधीक्षक ने बताया कि मोबाइल और गांजा को जेल प्रबंधन ने ही पकड़ा है। मामले की जांच के दौरान लापरवाही के आरोप में 3 प्रहरियों को 20 मार्च को सस्पेंड किया है। जिन प्रहरियों को सस्पेंड किया गया है, उनमें भूपेंद्र सिंह अयाम, नरेंद्र वर्मा और अरूण कश्यप शामिल हैं।

कुख्यात आरोपी कुलदीप साहू सूरजपुर के हेड कॉन्स्टेबल की पत्नी और बेटी की नृशंस हत्या करने का आरोपी है। हत्याकांड के बाद आक्रोशित लोगों ने उसके घर में आग लगा दी थी और सूरजपुर में पूरे दिन प्रदर्शन हुआ था। मामले को लेकर पूरे प्रदेश में बवाल हुआ था। आरोपी की एनकाउंटर की मांग उठ रही थी।

आरोपी कुलदीप को झारखंड से अंबिकापुर आते हुए बलरामपुर में गिरफ्तार किया गया था। उसे सुरक्षा के मद्देनजर अंबिकापुर के सेंट्रल जेल में ट्रांसफर किया गया है। कुलदीप साहू को पहले भी जेल में सुविधा मिलने की बात सामने आई थी। हालांकि इसकी तस्दीक नहीं हो पाई थी। दुर्ग का कुख्यात बदमाश दीपक नेपाली को कोर्ट के आदेश पर अंबिकापुर के सेंट्रल जेल में शिफ्ट किया गया है।

आंधी-बारिश से ढही राइस मिल की दीवार, 2 की मौत

8 मजदूर चपेट में आए, 6 को गंभीर हालत में भर्ती कराया गया

कोरबा, 21 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में दीवार ढहने से 2 मजदूरों दब गए और मौके पर उनकी मौत हो गई। वहीं 6 और मजदूर गंभीर रूप से घायल हुए हैं। रेस्क्यू के बाद सभी घायलों को अस्पताल लाया गया है। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

घटना कटघोरा थाना इलाके के न्यू वैष्णवी राइस मिल की है। यहां कंस्ट्रक्शन का काम चल रहा था। शुक्रवार शाम करीब 4 बजे अचानक आई आंधी और बारिश आई। इस दौरान निर्माणाधीन दीवार गिर गई और इसकी चपेट में 8 मजदूर आ गए।

बताया जा रहा है कि, कटघोरा थाना इलाके के लखनपुर बरभांटा गांव में राइस मिल की दीवार बनाई जा रही थी। निर्माणाधीन दीवार करीब 15-17 फीट ऊंची थी। 8 मजदूर इस काम में लगे थे। इसी दौरान ये आंधी के चलते दीवार गिर गई। इसमें 1 महिला मजदूर की मौके पर मौत हो गई। वहीं एक पुरुष मजदूर ने अस्पताल ले जाने के दौरान दम तोड़ दिया।

कटघोरा पुलिस को सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची। हादसे में 6 और मजदूर घायल थे, जिन्हें डायल-112 की मदद से कटघोरा अस्पताल भेजा गया। कोरबा एसपी सिद्धार्थ तिवारी खुद मौके पर मौजूद थे। मिल के मालिक गोलू अग्रवाल हैं। इस राइस मिल में काफी संख्या में मजदूर काम करते हैं।

पुलिस ने कहा कि, घटना की जांच की जा रही है। यह पता लगाया जा रहा है कि हादसा किन परिस्थितियों में हुआ।

नक्सल मुक्त पंचायतों को सरकार देगी 1 करोड़

एनकाउंटर पर महंत बोले- उद्योगपतियों के लिए रेड कार्पेट, गृहमंत्री शर्मा ने कहा- भ्रम फैलाना पाप है

रायपुर, 21 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में नक्सलमुक्त होने वाली पंचायतों को सरकार 1 करोड़ देगी। इस राशि का उपयोग उन पंचायतों में आने वाले गांवों के विकास के लिए किया जाएगा। डिप्टी सीएम और गृहमंत्री विजय शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी घोषणा की। नक्सल एनकाउंटर पर सवाल उठाते हुए इसे नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने उद्योगपतियों के लिए रेड कार्पेट बताया था। जिस पर डिप्टी सीएम और गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि ऐसा भ्रम फैलाना पाप है। बस्तर में जवानों ने 2 अलग-अलग एनकाउंटर में कुल 30 नक्सलियों को मार गिराया। बीजापुर में 26 और कांकेर में 4 नक्सली मारे गए। इसे लेकर डिप्टी सीएम और गृहमंत्री विजय शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अहम जानकारियां साझा कीं। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के खात्मे की दिशा में यह एक बड़ी उपलब्धि है और सरकार इसे पूरी तरह समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पत्नी की हत्या के बाद पति ने किया सुसाइड

पलामू, 21 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के पलामू जिले में शुक्रवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई है। नावाबाजार थाना क्षेत्र के इटको गांव में एक शराबी पति ने पत्नी की हत्या करने के बाद खुदकुशी कर ली। घटना के समय घर में दंपती की दो साल की बेटी मौजूद थी। 35 वर्षीय उपेंद्र पासवान और 32 वर्षीय सूर्यमुखी देवी की शादी पांच साल पहले हुई थी। ग्रामीणों ने सुबह करीब 10 बजे सूर्यमुखी का शव घर के बाहर देखा। उसके सिर पर धारदार हथियार से वार किया गया था।

पुलिस को सूचना मिलने पर जब टीम ने पति की तलाश की, तो उसका शव घर से एक किलोमीटर दूर नदी किनारे पेड़ से बने फंदे से लटका मिला। उपेंद्र को शराब पीने की लत थी। माना जा रहा है कि शराब के नशे में पत्नी से विवाद के बाद उसने कुल्हाड़ी से वार कर पत्नी की हत्या की और फिर खुद भी आत्महत्या कर ली।

आकाशीय बिजली के गिरने से युवती घायल

धनबाद, 21 मार्च (एजेंसियां)। धनबाद में पिछले दो दिनों से जारी बारिश के बीच तोपचांची में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। 23 वर्षीय अनामिका कुमारी वज्रपात की चपेट में आ गई। घटना सुबह की है, जब अनामिका शौच के लिए बाहर गई थी। अचानक तेज आवाज के साथ आकाशीय बिजली गिरी। इस दौरान अनामिका के बाएं कंधे में तेज झटका लगा। छाती में तेज दर्द के कारण वह चिल्लाने लगी। परिजन तुरंत मौके पर पहुंचे और उसे पहले घर ले गए। फिर एसएनएमएमसीएच अस्पताल में भर्ती कराया, जहां वह इमरजेंसी वार्ड में भर्ती है। अनामिका के पिता मजदूरी करते हैं। छह महीने पहले ही उसकी मां का निधन हो चुका है। इधर, धनबाद में बेमौसम बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त है। तापमान में गिरावट आई है। लोग घरों में दुबके हुए हैं। कई इलाकों में जल जमाव की स्थिति है, जिससे राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ट्रम्प का शिक्षा विभाग को बंद करने का ऑर्डर

व्हाइट हाउस की रिपोर्ट– 8वीं क्लास के 70% स्टूडेंट ठीक से पढ़ नहीं पाते

वॉशिंगटन, 21 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को शिक्षा विभाग बंद करने से जुड़े आदेश (एग्जीक्यूटिव ऑर्डर) पर दस्तखत कर दिया। ट्रम्प ने दस्तखत करने के बाद कहा कि अमेरिका लंबे समय से छात्रों को अच्छी शिक्षा नहीं दे रहा है।

उन्होंने कहा कि अमेरिका किसी भी देश की तुलना में शिक्षा पर सबसे ज्यादा खर्च करता है, लेकिन सफलता की बात आती है तो देश लिस्ट में सबसे निचले स्थान पर है। शिक्षा विभाग सुधार में फेल रहा। अब यह हमेशा के लिए खत्म हो जाएगा।

व्हाइट हाउस के आंकड़ों के अनुसार डिपार्टमेंट पिछले 40 साल में भारी खर्च के बावजूद एजुकेशन में सुधार करने में असफल रहा है। 1979 से अमेरिकी शिक्षा विभाग ने 3 ट्रिलियन डॉलर (करीब 259 लाख करोड़ रुपए) से ज्यादा खर्च किए हैं। इसके बावजूद 13 साल के बच्चों की मैथ और रीडिंग का स्कोर सबसे निचले स्तर पर है। चौथी क्लास के 10 में से 6 और आठवीं कक्षा के करीब तीन-चौथाई स्टूडेंट ठीक तरह से मैथ्स नहीं कर पाते। चौथी और आठवीं क्लास के 10 में से 7 स्टूडेंट ठीक से पढ़ नहीं पाते, जबकि चौथी क्लास के 40% स्टूडेंट बेसिक रीडिंग का स्तर भी पूरा नहीं कर पाते हैं। साल 2024 में शिक्षा विभाग का बजट 238 बिलियन डॉलर (20.05 लाख करोड़ रुपए) का था। यह देश के कुल बजट का करीब 2% है। विभाग के पास लगभग 4,400 कर्मचारी हैं। यह बाकी सारे विभागों की तुलना में सबसे कम है। ट्रम्प ने कहा कि शिक्षा विभाग कोई बैंक नहीं है। ऐसे काम कोई और जिम्मेदार संस्था करेगी। अब से इस पर शिक्षा विभाग का अधिकार नहीं होगा, बल्कि राज्यों और स्थानीय समुदायों को इसकी जिम्मेदारी मिलेगी। हालांकि, आदेश में कहा गया कि दिव्यांग बच्चों के लिए ग्रांट और फंडिंग जैसे जरूरी प्रोग्राम जारी रहेंगे। ये प्रोग्राम अन्य एजेंसियों को सौंपे जाएंगे। ट्रम्प ने भाषण के दौरान अमेरिकी शिक्षकों की तारीफ की और कहा कि उनका ध्यान रखा जाएगा। ट्रम्प के आदेश पर साइन करने के बाद शिक्षा विभाग ने एक बयान जारी किया और इसे ऐतिहासिक बताया। विभाग ने कहा- हम कानून का पालन करेंगे। संसद और राज्यों के साथ मिलकर नौकरशाही को खत्म करेंगे। इस फैसले से अमेरिकी छात्रों की आने वाली पीढ़ियां मुक्त होंगी और वे बेहतर शिक्षा हासिल कर पाएंगे। वहीं, अमेरिकन काउंसिल ऑन एजुकेशन के अध्यक्ष टेड मिशेल ने ट्रम्प के इस कदम की निंदा की है। उन्होंने इसे एक 'राजनीतिक नाटक' करार दिया और कहा कि इस फैसले से फंडिंग में कमी आएगी जिससे विभाग में कर्मचारियों की संख्या में कटौती होगी। इससे देश में हायर एजुकेशन को नुकसान पहुंचेगा।

ट्रम्प का आरोप है कि अमेरिकी स्कूल बच्चों को रेडिकल और एंटी अमेरिकन बना रहे हैं। ट्रम्प स्कूल से जेंडर डिस्फोरिया को खत्म करना चाहते हैं। जेंडर डिस्फोरिया का मतलब है कि कोई व्यक्ति अपने जेंडर से अपनी पहचान नहीं कर पाता है।

अमेरिका-भारत संबंधों को मोदी-ट्रंप की दोस्ती से बल मिला

तुलसी गबार्ड की यात्रा के बाद ओडीएनआई का बयान

वाशिंगटन, 21 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड की भारत यात्रा पर ओडीएनआई (ऑफिस ऑफ द डायरेक्टर ऑफ नेशनल इंटेलिजेंस) ने बयान जारी किया है। इसमें कहा गया, भारत में, राष्ट्रीय खुफिया निदेशक ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ कई द्विपक्षीय बैठकें कीं। यह यात्रा दशकों से चले आ रहे अमेरिका-भारत संबंधों को उजागर करती है, जिसे प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व और दोस्ती से बल मिला है। ओडीएनआई के प्रवक्ता ने बताया कि भारत में राष्ट्रीय खुफिया निदेशक गबार्ड की बैठकों में खुफिया जानकारी साझा करने, रक्षा, आतंकवाद-निरोध और अंतरराष्ट्रीय खतरों पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसके अलावा, राष्ट्रीय खुफिया निदेशक गबार्ड रायसीना डायलॉग में शामिल हुईं, जहां उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप के शांतिपूर्ण, स्वतंत्र, सुरक्षित और समृद्ध समाज के लक्ष्यों की ओर बढ़ने के सामूहिक प्रयास पर मुख्य वक्तव्य दिया।

अमेरिका ग्रीन कार्ड और एच-1बी वीजा धारकों से संबंधित कानूनों का ठीक से नहीं कर रहा पालन

वॉशिंगटन, 21 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका ग्रीन कार्ड धारकों, अंतरराष्ट्रीय छात्रों और एच-1बी वीजा धारकों से संबंधित पहले से लागू राष्ट्रीय कानूनों का ठीक से पालन नहीं कर रहा है। न्यूजवीक ने अपनी रिपोर्ट में कई इमिग्रेशन वकीलों के हवाले से यह जानकारी दी है। न्यूयॉर्क सिटी के एक वकील नरेश गेही ने न्यूजवीक को बताया, प्रशासन देश की न्यायपालिका की घोर अवहेलना करते हुए कानून को अपने हाथ में ले रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि ग्रीन कार्ड वाले कई भारतीय पेशेवरों ने बताया है कि उनसे अक्सर पूछताछ की जाती है। इमिग्रेशन वकीलों का कहना है कि कानूनी तौर पर अमेरिका में रहने वाले लोगों को भी एयरपोर्ट पर ज्यादा जांच और दबाव का सामना करना पड़ रहा है। सरकार का कहना है कि वह राष्ट्रीय सुरक्षा और सीमा नियंत्रण के लिए इमिग्रेशन कानूनों का सख्ती से पालन करवा रही है।

डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी की असिस्टेंट सेक्रेटरी

इमिग्रेशन वकीलों का दावा

ट्रिशिया मैकलॉघलिन ने न्यूजवीक को बताया, ट्रम्प प्रशासन आव्रजन कानूनों को लागू कर रहा है, ऐसा कुछ जो पिछला प्रशासन करने में विफल रहा।" उन्होंने कहा, जो लोग इन कानूनों का उल्लंघन करते हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, उन्हें हिरासत में लिया जाएगा और आवश्यकतानुसार हटाया जाएगा। इससे पहले, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा था कि ग्रीन कार्ड धारक को अमेरिका में अनिश्चित काल तक रहने का अधिकार नहीं है। अमेरिकी हवाई अड्डों और सीमा चौकियों पर निरीक्षण बढ़ गया है। कुछ ग्रीन कार्ड धारकों ने बताया है कि उन्हें वापस आने पर हिरासत में लिया गया और उनसे पूछताछ की गई। कानूनी विशेषज्ञ स्थायी निवासियों को अमेरिका से बाहर 180 दिनों से ज्यादा समय बिताने से मना करते हैं, क्योंकि ऐसा करने से उनके वापस आने पर उनकी जांच की जा सकती है।

पिछले वर्ष एक मामला तब सुर्खियों में आया जब न्यू हैम्पशायर के ग्रीन कार्ड धारक फैबियन शिमट को लक्जमबर्ग से लौटने पर लोगान हवाई अड्डे पर मिले व्यवहार से दिक्कत हुई। बताया जाता बै कि उनसे आक्रामक पूछताछ की गई और उन पर अपना स्टेटस छोड़ने का दबाव बनाया गया। सीबीपी में पब्लिक अफेयर्स के असिस्टेंट कमिश्नर हिल्टन बेकहम ने न्यूजवीक से इन दावों का खंडन करते हुए कहा, सीबीपी के संबंध में (शिमट के बारे में) ये दावे स्पष्ट रूप से झूठे हैं। जब कोई व्यक्ति ड्रग से संबंधित आरोपों के साथ पाया जाता है और देश में फिर से प्रवेश करने की कोशिश करता है तो अधिकारी उचित कार्रवाई करेंगे। सिएटल के एक आव्रजन वकील कृपा उपाध्याय ने अमेरिकन वीकली न्यूज मैगजीन को बताया, अमेरिका में ग्रीन कार्ड रद्द करना और लोगों को उनकी वैध स्थिति साबित करने का मौका दिए बिना उन्हें गिरफ्तार करना और हिरासत में लेना उचित प्रक्रिया का उल्लंघन है।

भारत से ज्यादा खुश पाकिस्तान और नेपाल

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। दुनिया में सबसे खुशहाल देश फिनलैंड है। इस मामले में फिनलैंड ने लगातार आठवें साल नंबर-1 रैंकिंग बरकरार रखी है। वेलबीइंग रिसर्च सेंटर, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी ने 20 मार्च यानी वर्ल्ड हैप्पीनेस डे पर वर्ल्ड हैप्पीनेस इंडेक्स 2025 जारी किया। सबसे खुशहाल देश के रूप में फिनलैंड 7.7 पाइंट के साथ पहले पायदान पर है। फिनलैंड के अलावा, डेनमार्क, आइसलैंड और स्वीडन टॉप चार में बने हुए हैं। ये सभी नॉर्डिक देश भी कहे जाते हैं। 147 देशों की इस लिस्ट में भारत 4.3 पाइंट के साथ इस बार 118वें स्थान पर रहा है। पिछली बार भारत लिस्ट में 126वें स्थान पर रहा था। इस मामले में भारत, पाकिस्तान और नेपाल से भी पीछे है।

हैप्पीनेस इंडेक्स में भारत की स्थिति में सुधार

हैप्पीनेस इंडेक्स में भारत पिछले साल के मुकाबले आठ पायदान ऊपर आया है। हालांकि, पाकिस्तान भारत से ऊपर है। 2025 की हैप्पीनेस लिस्ट में पाकिस्तान को 109वां स्थान मिला है। वहीं नेपाल भी भारत से ऊपर रहा, उसे 92वां स्थान मिला है। जबकि श्रीलंका (133) और बांग्लादेश (134) भारत से पीछे हैं। इन देशों की रैंकिंग उन जवाबों पर आधारित थी जो लोगों ने अपने जीवन को रेट करने के लिए पूछे जाने पर दिया। यह स्टडी एनालिटिक्स फर्म गैलप और यूएन सस्टेनेबल डेवलपमेंट सॉल्यूशन नेटवर्क ने किया। इस लिस्ट में यूक्रेन, मोजाम्बिक, ईरान, इराक, पाकिस्तान, फिलिस्तीन, कांगो, युगांडा, गाम्बिया और वेनेजुएला जैसे देशों की रैंकिंग युद्ध, राजनीतिक और आर्थिक मुद्दे से घिरे होने के बाद भी भारत से अच्छी है। भारत हालिया वर्षों में 2022 ही में टॉप-100 में जगह बनाने में कामयाब हुआ था। हैप्पीनेस इंडेक्स में भारत का स्थान कम होने के कई कारण हैं। जिनमें असमानता, सामाजिक समर्थन की कमी, भ्रष्टाचार और उदारता की कमी शामिल हैं, जो भारत को खुशहाल देशों की सूची में पीछे धकेलते हैं। गैलप और यूनाइटेड नेशंस सस्टेनेबल डेवलपमेंट सॉल्यूशंस नेटवर्क के साथ पार्टनरशिप में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के वेलबीइंग रिसर्च सेंटर यह रिपोर्ट प्रकाशित की।

इसमें 147 देशों के लोगों से सर्वे में पूछा गया कि वे कितने खुश हैं? समाज में खुशी को मापने के लिए स्वास्थ्य, धन, स्वतंत्रता, उदारता और भ्रष्टाचार से मुक्ति सहित अलग-अलग फैक्टर पर सवाल किए गए और उनके जवाबों का मूल्यांकन किया गया है। गैलप के सीईओ जॉन क्लिफ्टन ने कहा, खुशी सिर्फ पैसे या विकास से जुड़ा नहीं है।

सूडान की सेना ने प्रेसिडेंशियल पैलेस पर दोबारा कब्जा किया

दो साल की जंग के बाद खार्तूम में पैरामिलिट्री फोर्सेस का आखिरी गढ़ भी जीता

खार्तूम, 21 मार्च (एजेंसियां)। सूडान की सेना ने शुक्रवार को बताया कि उसने खार्तूम में प्रेसिडेंशियल पैलेस को अपने कब्जे में ले लिया है। पैरामिलिट्री फोर्सेस के साथ चली आ रही जंग के करीब दो साल बाद सेना ने आखिरी गढ़ भी वापस जीत लिया है।

सूडानी सैनिकों ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वे बता रहे हैं कि रमजान के 21वें दिन उन्होंने नील नदी के किनारे बने राष्ट्रपति भवन को अपने कब्जे में ले लिया है। रमजान का 21वां दिन शुक्रवार है।

वीडियो में एक सैनिक चिल्लाते हुए कहा- 'हम अंदर हैं! हम रिपब्लिकन पैलेस में हैं!' इस दौरान कई सैनिक उसके आसपास जश्न मनाते दिखते हैं।

सूडान के सूचना मंत्री और सैन्य प्रवक्ता ने पुष्टि की है कि ये महल दो सदियों से सूडान में सत्ता का प्रतीक रहा है, अब फिर से सरकारी नियंत्रण में आ गया है। यहां आज सूडान का झंडा

फहराया गया है। जीत की यह यात्रा तब तक जारी रहेगी, जब तक पूरी तरह जीत नहीं मिल जाती है। रिपब्लिकन पैलेस को फिर से अपने कब्जे में लेना सूडानी सेना के लिए एक बड़ी प्रतीकात्मक जीत है। अप्रैल 2023 में युद्ध शुरू होने के बाद सेना ने खार्तूम का अधिकांश हिस्सा आर.एस.एफ. के हाथों खो दिया था, जिससे वे केवल कुछ सैन्य अड्डों तक सीमित रह गए थे।

यह जीत सूडानी सेना के उस अभियान को भी बल देती है, जिसके तहत वे खार्तूम से पूरी तरह अर्धसैनिक बलों को बाहर निकालने का प्रयास कर रहे हैं। छह महीने से जारी इस बड़े जवाबी हमले ने युद्ध का संतुलन सूडान के पूर्वी हिस्से में सेना के पक्ष में झुका दिया है।

सूडान में लगभग दो साल से सेना और अर्धसैनिक बल के बीच संघर्ष चल रहा है। यह संघर्ष अप्रैल 2023 में तब शुरू हुआ था, जब सेना और आरएसएफ के लीडर्स के बीच सत्ता संघर्ष की लड़ाई छिड़ गई। पिछले दो साल में अब तक 28 हजार से अधिक लोग सूडान में मारे जा चुके हैं, जबकि लाखों लोगों को पलायन करना पड़ा है।

तीन भारतीय नागरिकों को इंडोनेशिया में मिल सकती है मौत की सजा

ड्रग तस्करी का है आरोप

जकार्ता, 21 मार्च (एजेंसियां)। इंडोनेशिया में तीन भारतीयों को मौत की सजा सुनाई जा सकती है। दरअसल तीनों पर जुलाई 2024 में इंडोनेशिया में ड्रग की तस्करी करने का आरोप है। फिलहाल मामले में सुनवाई चल रही है, लेकिन इंडोनेशिया के कानून के मुताबिक तीनों को मौत की सजा सुनाई जा सकती है। आरोप है कि इन तीनों भारतीयों ने सिंगापुर का झंडा लगे जहाज से इंडोनेशिया में ड्रग पहुंचाई।

तीनों की पहचान राजू मुथुकुमारन (38 वर्षीय), सेल्वादुरई दिनाकरण (34 वर्षीय) और गोविंदसामी विमलकंधन (45 वर्षीय) के रूप में हुई है। तीनों आरोपी तमिलनाडु के निवासी हैं। तीनों सिंगापुर की शिपिंग इंडस्ट्री के लिए काम कर रहे थे। तीनों पर 106 किलो क्रिस्टल मेथ ड्रग अवैध रूप से इंडोनेशिया ले जाने का आरोप है। इंडोनेशिया के सुरक्षाबलों ने करीकुम जिले के पोंगकर इलाके में जहाज को पकड़ा। जहां से जहाज पकड़ा गया, वहां से सिंगापुर की दूरी महज एक घंटे की है। इस मामले में अब जहाज के कैप्टन की गवाही होनी है, लेकिन जहाज का कैप्टन कोर्ट में पेश नहीं हुआ। वह जूम कॉल के जरिए सुनवाई से जुड़ा और इसके चलते उसकी गवाही नहीं हो सकी। इस मामले में जहाज के कैप्टन की गवाही बेहद अहम है और उसी से ही तीनों भारतीयों की बेगुनाही साबित हो सकती है।

इंडोनेशिया के अभियोजकों ने तीनों भारतीयों के लिए मौत की सजा की मांग की है। एक भारतीय वकील ही तीनों भारतीयों का पक्ष रख रहा है। बचाव पक्ष का कहना है कि कैप्टन की मंजूरी के बिना इतनी बड़ी संख्या में ड्रग को जहाज में रखना संभव नहीं है। साथ ही जहाज से मिली सभी चीजों की जिम्मेदारी कैप्टन पर होती है। इस मामले में 15 अप्रैल को सजा का एलान हो सकता है।

आइसलैंड की 58 साल की मंत्री ने पद से रिजाइन किया

30 साल पहले टीनेजर के बच्चे की मां बनी थीं, अब खुलासा किया

रेक्याविक, 21 मार्च (एजेंसियां)। आइसलैंड में 58 साल की बच्चों की मंत्री ने अपने पद से रिजाइन दे दिया है। उन्होंने एक मीडिया इंटरव्यू में बताया कि 30 साल पहले वे एक टीनेजर के बच्चे की मां बनी थीं।

अस्थिलदुर लोआ थोर्सडोटिर ने कहा कि तब वे 22 साल की थीं और एक धार्मिक संस्था में काउंसिलर के तौर पर काम कर रही थीं, जब वे वहां आने वाले 15 साल के लड़के के साथ रिलेशनशिप में आईं। जब वे 23 साल की हुईं तो उन्होंने उसके बच्चे को जन्म दिया।

उन्होंने कहा कि तब से अब तक 36 साल हो गए हैं। इस दौरान कई चीजें बदल गई हैं। अगर आज ऐसा कुछ होता तो मैं उससे अलग तरह से डील करती।

भारतीय शोधकर्ता के निर्वासन पर जज ने लगाई रोक

हमास का समर्थन करने का है आरोप

वॉशिंगटन, 21 मार्च (एजेंसियां)। कथित तौर पर हमास का समर्थन करने के लिए जिन भारतीय शोधकर्ता पर निर्वासन की तलवार लटक रही थी, उन्हें अब अमेरिका के एक जज ने बड़ी राहत देते हुए उनके निर्वासन पर फिलहाल रोक लगा दी है। बद्र खान सूरी वॉशिंगटन डीसी की जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी में पोस्ट डॉक्टरल फेलो हैं। बद्र खान सूरी पर बीते दिनों अमेरिका में हमास के समर्थन में हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान आतंकी संगठन का समर्थन करने का आरोप लगा है।

फिलीपींस बोला- साउथ चाइना-सी में चीन को कंट्रोल करना जरूरी

भारत को स्क्वाड जॉइन करने का न्योता, क्वाड के 3 देश भी इसके मेंबर

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। फिलीपींस ने साउथ चाइना-सी में चीन की विस्तारवादी नीतियों से मुकाबला करने के लिए भारत और दक्षिण कोरिया को 'स्क्वाड ग्रुप' जॉइन करने का न्योता दिया है।

फिलीपींस सेना के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल रोमियो ब्रॉनर रायसीना डायलॉग में शामिल होने के लिए कल यानी बुधवार को दिल्ली पहुंचे थे। यहां उन्होंने साउथ चाइना-सी में चीन के अवैध कब्जे की रणनीति पर चर्चा की। जनरल ब्रॉन ने बताया कि चीन साउथ चाइना-सी में 3 आर्टिफिशयल आईलैंड्स का निर्माण कर रहा है। इसके साथ मिसचीफ रीफ पर एयर डिफेंस और मिसाइल सिस्टम के लिए 2.7 किमी का रनवे भी तैयार कर रहा है। जनरल ब्रॉनर ने कहा-

हमारा मानना है चीन को रोका नहीं गया तो वो पूरे दक्षिण चीन सागर पर कंट्रोल कर लेगा। चीन ताइवान स्ट्रेट पर भी दावेदारी करता है जो अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का उल्लंघन है। ब्रॉनर ने बाद में मीडिया से कहा कि भारत और हमारे बीच कई समानताएं हैं, क्योंकि हमारा दुश्मन एक है। मुझे यह कहने में कोई डर नहीं है कि चीन हमारा दुश्मन है। इसलिए, यह जरूरी है कि हम एक साथ मिलकर काम करें। हमारे देश की पहले से ही भारतीय सेना और रक्षा उद्योग के साथ साझेदारी है।

स्क्वाड ऑस्ट्रेलिया, जापान, फिलीपींस और अमेरिका का एक अनौपचारिक बहुपक्षीय ग्रुप है। इस ग्रुप ने साल 2023 में दक्षिण चीन सागर में फिलीपींस के स्पेशल इकोनॉमिक जोन में जॉइंट समुद्री एक्टिविटी की थी। फिलहाल इस ग्रुप का मुख्य फोकस सीक्रेट जानकारी शेयर करने और जॉइंट मिलिट्री एक्सरसाइज पर है।

गौरतलब है कि भारत पहले ही से ही 'क्वाड ग्रुप' का मेंबर है, जिसमें 'स्क्वाड' के तीन सदस्य ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और जापान शामिल हैं।

इसका फोकस हिंद-प्रशांत महासागर, यानी इंडो-पेसिफिक ओशन पर है, जहां चीन लगातार अपना दबदबा बढ़ा रहा है।

जेलेंस्की बोले- पुतिन फिजूल मांगें करना बंद करें

रूस जंग के नुकसान की भरपाई करे क्रीमिया को बताया यूक्रेन का अभिन्न अंग

ओस्लो, 21 मार्च (एजेंसियां)। यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लोदिमीर जेलेंस्की ने आज नॉर्वे से वीडियो कॉल के जरिए यूरोपीय यूनियन के नेताओं की एक समिट को संबोधित किया। जेलेंस्की ने रूसी राष्ट्रपति पुतिन पर तंज करते हुए कहा कि उन्हें ऐसी फिजूल मांगें बंद कर देनी चाहिए जिससे युद्ध लंबा खिंच रहा है। उन्होंने कहा कहा कि पुतिन पहले कुछ वादा करते हैं और फिर कुछ घंटे बाद ही उसका कोई मतलब नहीं रहता। दुनिया को उन पर दबाव बनाना चाहिए।

जेलेंस्की ने कहा- रूस के खिलाफ तब तक प्रतिबंध जारी रहने चाहिए जब तक वो यूक्रेन से कब्जाई जमीन से पीछे नहीं हटता और हमले से हुए नुकसान की भरपाई नहीं कर देता।

बता दें कि रूस ने 2014 में क्रीमिया पर हमला करके उसे अपने कंट्रोल में ले लिया था। हालांकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अभी तक रूसी कंट्रोल को मान्यता नहीं

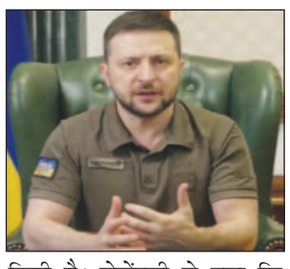

मिली है। जेलेंस्की से पूछा कि क्या जोपोरीज्जिया न्यूक्लियर प्लांट का कंट्रोल अमेरिका को देने के बारे में कोई बातचीत चल रही है। इस पर उन्होंने कहा कि सभी न्यूक्लियर एनर्जी प्लांट यूक्रेनी लोगों के हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ बातचीत में इस प्लांट के कंट्रोल के बारे में सीधे तौर पर कोई चर्चा नहीं हुई। कल यानी बुधवार को जेलेंस्की और ट्रम्प के बीच 1 घंटे फोन पर बात हुई थी।

बता दें पुतिन ने 2022 में जापोरिज्जिया को एक जनमत संग्रह के बाद रूस में शामिल कर लिया था, तब से यहां के न्यूक्लियर एनर्जी प्लांट की जिम्मेदारी रूस के पास है। जेलेंस्की ने कहा कि अगर जोपोरीज्जिया प्लांट यूक्रेन का नहीं है, तो यह किसी के लिए भी काम नहीं करेगा।

रूस के शहर पर यूक्रेन का ड्रोन अटैक

ट्रम्प के साथ शांति वार्ता के अगले दिन ही यूक्रेन ने रूस के एंगेल्स शहर में स्ट्रैटेजिक बॉम्बर बेस पर ड्रोन हमला किया। यहां पर रूस का टुपोलेव टीयू-160 न्यूक्लियर कैपेबल हैवी टेक्टिकल बमवर्षक विमान मौजूद हैं, जिन्हें व्हाइट स्वान नाम से जाना जाता है। एंगेल्स के एक अधिकारी ने न्यूज एजेंसी रॉयटर्स को बताया कि लोकल लेवल पर इमरजेंसी लगा दी गई है।

उत्तर कोरिया ने नई विमानभेदी मिसाइलों का किया परीक्षण

अमेरिका-दक्षिण कोरिया पर की ये टिप्पणी

सियोल, 21 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया ने शुक्रवार को नई विमान भेदी मिसाइलों का परीक्षण किया। उसकी सेना ने अमेरिका और दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यास को लेकर उनके खिलाफ गंभीर कदम उठाने की धमकी दी है। उत्तर कोरिया ने अपने परीक्षण को आक्रमण का पूर्वाभ्यास बताया है। आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने कहा कि उनके नेता किम जोंग उन ने गुरुवार को परीक्षणों की निगरानी की और कहा कि ये मिसाइलें उत्तर कोरिया के लिए एक और प्रमुख रक्षा हथियार प्रणाली हैं। मिसाइल प्रक्षेपण, इस वर्ष उत्तर कोरिया की छठी हथियार परीक्षण गतिविधि, उसी दिन हुई जिस दिन अमेरिका और दक्षिण कोरियाई सेनाओं ने अपना वार्षिक फ्रीडम शील्ड कमांड पोस्ट अभ्यास समाप्त किया। 11 दिवसीय प्रशिक्षण जनवरी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उद्घाटन के बाद से सहयोगियों का पहला प्रमुख संयुक्त सैन्य अभ्यास था। अमेरिका और दक्षिण कोरिया के अधिकारी अपने संयुक्त सैन्य अभ्यास को रक्षात्मक प्रकृति का बताते हैं, लेकिन उत्तर कोरिया इसे एक बड़ा सुरक्षा खतरा मानता है। 10 मार्च को इस साल के फ्रीडम शील्ड प्रशिक्षण के शुरू होने के कुछ ही घंटों बाद उत्तर कोरिया ने समुद्र में कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। शुक्रवार को उत्तर कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने आरोप लगाया कि हाल ही में अमेरिका-दक्षिण कोरिया के बीच हुए अभ्यास में उत्तर कोरिया के परमाणु हथियारों को हटाने के लिए भूमिगत सुरंगों को नष्ट करने की कोशिश की गई।

मंत्रालय के एक अज्ञात प्रवक्ता ने कहा कि अगर अमेरिका और दक्षिण कोरिया ने फिर से इसी तरह की भड़काऊ कार्रवाई की तो उन्हें इसके परिणाम भुगतने होंगे। केसीएनए में प्रकाशित एक बयान में प्रवक्ता ने कहा, अमेरिका और दक्षिण कोरिया के लापरवाह सैन्य कदम, इस दिवास्वप्न से ग्रसित हैं कि वे एक परमाणु हथियार संपन्न राज्य की संप्रभुता और सुरक्षा को खतरे में डाल सकते हैं, निस्संदेह सबसे गंभीर परिणाम ला सकते हैं, जो वे नहीं चाहते हैं।

आरओके कोरिया गणराज्य है, जो दक्षिण कोरिया का आधिकारिक नाम है। जब अमेरिका और दक्षिण कोरिया की सेनाएं बड़े अभ्यास करती हैं, तो उत्तर कोरिया अक्सर युद्ध जैसी बयानबाजी और हमलों की धमकियां देता है।

कनाडा में 23 मार्च को संसद भंग कर चुनाव की घोषणा करेंगे कार्नी?

28 अप्रैल या 4 मई को मतदान की संभावना

ओटावा, 21 मार्च (एजेंसियां)। कनाडा में मार्क कार्नी के प्रधानमंत्री बनने के बाद अब देश में आम चुनाव की तैयारियां कराई जा रही हैं। दावा किया जा रहा है कि प्रधानमंत्री कार्नी इस रविवार को संसद भंग करने और देश में आम चुनाव कराने के लिए गवर्नर जनरल मैरी साइमन से अनुरोध कर सकते हैं। बता दें कि बीते 14 मार्च को कार्नी ने पूर्व पीएम जस्टिन ट्रूडो की जगह प्रधानमंत्री पद संभाला था। पीएम बनने के बाद लिबरल पार्टी की कमान संभाल चुके कार्नी चुनाव की घोषणा कब करते हैं, इस पर सबकी नजरें हैं, क्योंकि पड़ोसी देश अमेरिका के साथ कनाडा के रिश्तों

में तनाव पर लगातार सुर्खियों में है। गौरतलब है कि कनाडा में समयपूर्व चुनाव होना तय है और अमेरिका के साथ तल्ख रिश्तों को देखते हुए कनाडा की सरकार मजबूत जनादेश की तलाश कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि अगर कार्नी रविवार को ऐसा करते हैं तो चुनाव 28 अप्रैल या 4 मई को हो सकता है। ऐसे में चुनाव अभियान 36 से 50 दिनों तक चल सकता है। जब मार्क कार्नी से आम चुनाव के समय के बारे में पूछा गया तो उन्होंने साफ किया कि इस बारे में वे सबसे पहले जनरल मैरी साइमन से बात करेंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जबकि कनाडा कई समस्याओं से जूझ रहा है ऐसे में सरकार को एक मजबूत और स्पष्ट जनादेश की आवश्यकता है। हम देश के लिए एक सकारात्मक दृष्टिकोण, कार्रवाई पेश कर रहे हैं। चुनाव के समय के बारे में पूछे जाने पर कार्नी ने संवाददाताओं से कहा कि गवर्नर जनरल मैरी साइमन सबसे पहले इस बारे में जानेंगी। सीबीसी के पोल ट्रैकर के अनुसार, आम चुनाव होने की दशा में वर्तमान पीएम मार्क कार्नी दोबारा सत्ता में लौट सकते हैं। उनके नेतृत्व वाली लिबरल पार्टी 37.7 प्रतिशत के साथ आगे चल रही है, जबकि कंजर्वेटिव 37.4 फीसदी समर्थन के साथ उनसे पीछे हैं। कार्नी ने 14 मार्च को कनाडा के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। उन्होंने तब देश की बागडोर संभाली जब कनाडा कई मोर्चों पर संकटों का सामना कर रहा था।

वसुंधरा खेमे के नेता बन सकते हैं मंत्री, बोर्ड चेयरमैन

सराफ-परनामी दावेदार; राठौड़ को भी मिल सकती है जिम्मेदारी, कांग्रेस से आए नेता भी दौड़ में

जयपुर, 21 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में जल्द ही राजनीतिक नियुक्तियां हो सकती हैं। इन नियुक्तियों में वसुंधरा राजे कैंप के विधायकों-पूर्व विधायकों को तवज्जो देने की चर्चा है। इसकी वजह बताई जा रही है कि पार्टी आलाकमान गुटबाजी और असंतोष को दूर कर संतुलन बनाना चाहता है।

मंत्री नहीं बनाए जाने से नाराज कई विधायक सरकार की मुश्किलें बढ़ाने वाले बयान देते रहे हैं। वहीं, पार्टी से जुड़े कार्यक्रमों में राजे की उपस्थिति भी कम रही है। राजनीतिक विश्लेषक इसे नाराजगी से जोड़कर देखते हैं। ऐसी में पार्टी आलाकमान गुटबाजी दूर करने के लिए जल्द ही राजे समर्थकों को सियासी नियुक्तियों का तोहफा दे सकता है।

वसुंधरा राजे गुट के दावेदार कौन-कौन

अशोक परनामी : हाउसिंग बोर्ड का चेयरमैन बनाया जा

सकता है। पूर्व बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष परनामी को पार्टी ने विधानसभा चुनाव 2023 में टिकट नहीं दिया था।

कालीचरण सराफ : पूर्व कैबिनेट मंत्री कालीचरण सराफ को जन अभाव अभियोग निराकरण समिति का अध्यक्ष बनाया जा सकता है। बीजेपी के वरिष्ठ विधायक सराफ को इस बार भजनलाल कैबिनेट में जगह नहीं मिल पाई थी। सराफ मालवीय नगर से कई बार चुनाव जीत चुके हैं। इसके अलावा सराफ को मंत्री बनाने की संभावनाओं की भी चर्चा है।

प्रभुलाल सैनी : पूर्व कृषि मंत्री प्रभुलाल सैनी को राज्य बीज निगम का अध्यक्ष बनाया जा सकता है।

श्रीचंद कृपलानी और प्रताप सिंह सिंघवी : इनमें से किसी को मंत्री बनाया जा सकता है। अगर मंत्री नहीं बन पाते तो राजनीतिक नियुक्ति दी जा सकती है।

प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, पार्टी उपाध्यक्ष नारायण पंचारिया और मुकेश दाधीच को सियासी नियुक्तियों का तोहफा मिल सकता है। श्रवण सिंह को वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप बोर्ड का चेयरमैन बनाया जा सकता है। वहीं, मुकेश दाधीच को विप्र कल्याण बोर्ड का अध्यक्ष बनाया जा सकता है। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत राजनीतिक नियुक्तियों में जोधपुर का प्रतिनिधित्व चाहते हैं। बताया जा रहा है कि शेखावत पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ और अलका गुर्जर के लिए पैरवी कर रहे हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए पूर्व कृषि मंत्री लालचंद कटारिया और राजेंद्र यादव भी राजनीतिक नियुक्तियों की दौड़ में हैं। ऐसी संभावना है कि किसी एक नेता को पिछड़ा वर्ग आयोग का चेयरमैन बनाया जा सकता है। वहीं ज्योति मिर्धा को वीर तेजाजी कल्याण बोर्ड का अध्यक्ष बनाया जा सकता है।

गहलोतराज के आखिरी 6-महीने में बने बोर्ड शुरू नहीं होंगे

मंत्री ने विधानसभा में दिए संकेत; कहा-हमने इन्हें न बजट दिया, न अध्यक्ष-मेंबर बनाए

जयपुर, 21 मार्च (एजेंसियां)। राज्य सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सरकार के आखिरी छह महीने में बनाए गए 26 बोर्ड सहित 34 बोर्ड को न तो कोई बजट दिया है और न ही इनमें अध्यक्ष व मेंबर की नियुक्ति की है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने विधानसभा में शुक्रवार को संकेत दिए हैं कि फिलहाल इन्हें चालू नहीं किया जाएगा।

कांग्रेस विधायक सीएल प्रेमी ने जब इन बोर्ड व आयोगों को चालू करने के बारे में पूछा तो मंत्री ने कहा कि मैं तो यही कहूंगा कि यह नीतिगत निर्णय है। पिछली सरकार ने जिस तरह चुनाव से ठीक छह महीने पहले बोर्ड-आयोग का गठन किया, उन पर फैसला सरकार के स्तर पर लंबित है। आने वाले समय में विचार

करेंगे, अभी इस संबंध में कोई निर्णय नहीं किया है।

अविनाश गहलोत ने विधानसभा में बताया कि पिछली कांग्रेस सरकार ने 36 नए बोर्ड, आयोग का गठन किया था। वर्तमान में देवनारायण बोर्ड और राज्य एससी और एसटी वित्त विकास निगम में ही अध्यक्ष नियुक्त किया है और बजट का आवंटन हुआ है। बाकी बोर्ड के चालू करने और अध्यक्ष सदस्य बनाने के सवाल पर अविनाश गहलोत ने कहा- कुल 43 बोर्ड हैं, इनमें 7 बोर्ड पहले चल रहे थे, पिछली कांग्रेस सरकार ने 36 बोर्ड व आयोग बनाए।

कांग्रेस विधायक रोहित बोहरा ने प्रश्नकाल के दौरान धौलपुर लिफ्ट परियोजना और कालीतीर परियोजना पर हुए खर्च से जुड़े सवाल के जवाब पर नाराजगी जताते हुए स्पीकर पर मंत्री को बचाने का आरोप लगा दिया।

रोहित बोहरा ने पूरक सवाल करते हुए जलसंसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत से बजट के प्रावधान और वास्तविक खर्च में अंतर बताते हुए कहा कि मंत्री सदन को गुमराह कर रहे हैं। ₹बजट में 950 करोड़ घोषणा की, वास्तविक बजट कितना दिया?₹ इस पर जलसंसाधन मंत्री ने कहा कि 950 करोड़ के बजट में से धौलपुर लिफ्ट पर 534 करोड़ और कालीतीर प्रोजेक्ट पर 442 करोड़ खर्च किए।

रोहित बोहरा ने कहा कि मंत्री गलत जवाब दे रहे हैं। पहले तो वन पर्यावरण की मंजूरी के बिना प्रोजेक्ट आगे बढ़ाना ही गलत था। स्पीकर ने बोहरा के 2सवाल पूरे होने का हवाला देते हुए अगला सवाल पुकार लिया।

ट्रक ने 2 टैंकरों को मारी टक्कर, जिंदा जला ड्राइवर

लाडपुरा पुलिया के पास भीषण हादसा, तीनों गाड़ियां जलकर खाक

भीलवाड़ा, 21 मार्च (एजेंसियां)। भीलवाड़ा जिले की लाडपुरा पुलिया के पास शुक्रवार सुबह एक में ट्रक ने 2 टैंकरों को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद तीनों ही गाड़ियों में भीषण आग लग गई। हादसे में एक ट्रक ड्राइवर जिंदा जल गया, दोनों टैंकर और ट्रक भी जलकर खाक हो गए। मामला मांडलगढ़ थाना क्षेत्र के लाडपुरा चौराहे का है। जहां शुक्रवार को सुबह करीब साढ़े 6 बजे चित्तौड़गढ़ की ओर से आ रहे एक ओवर स्पीड ट्रक (राख से भरे) ने सीमेंट टैंकर (ब्लकर) और डीजल के खाली 1 टैंकर को टक्कर मार दी। हादसे के बाद तीनों गाड़ियों में भीषण आग लग गई। टक्कर लगने के बाद ट्रक का फाटक नहीं खुल पाया और आग लगने से ट्रक ड्राइवर की ज़िंदा जलने से उसकी मौत हो गई।

हादसे के बाद हाईवे पर बड़ी संख्या में गाड़ियों का जाम लग गया। जिसे पुलिस ने पहुंच कर क्लियर करवाया। प्रोबेशनर आईपीएस और मांडलगढ़ थाना प्रभारी जतिन जैन ने बताया कि चित्तौड़ में एक एक्सीडेंट के बाद ट्रैफिक को डायवर्ट कर लाडपुरा की ओर से निकाला जा रहा था। इसके चलते थाना क्षेत्र के लाडपुरा चौराहे पर ट्रैफिक ज्यादा था। इसी ट्रैफिक रश के बीच आज सुबह एक स्पीड से आ रहा बेकाबू ट्रक 2 टैंकरों से टकरा गया। ओवर स्पीडिंग में तेज ब्रेक लगाने के बाद ट्रक के टायरों में आग लग गई। इस आग ने दोनों टैंकरों को भी अपनी चपेट में ले लिया, हादसे में तीनों गाड़ियों में भीषण आग लग गई।

रणथंभौर की नई रानी बनने के लिए हुई टेरिटोरियल फाइट

बाघिन रिद्धि पर हमलावर हुई ऐरोहेड की बेटी अन्वी

सवाई माधोपुर, 21 मार्च (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर के रणथंभौर टाइगर रिजर्व में 2 बाघिनों में फाइट हो गई। इस टेरिटोरियल फाइट का एक वीडियो भी सामने आया है।

यहां रणथंभौर की नई रानी बनने के लिए बाघिन टी-84 ऐरोहेड की बेटी कनकटी उर्फ अन्वी ने अपना दावा पेश कर दिया है। अन्वी ने जोन नंबर 2 में अपनी ही मौसी बाघिन टी-124 रिद्धी पर हमला बोल दिया। इस दौरान दोनों के बीच गुरुवार शाम की पारी में फाइट देखने को मिली।

नेचर गाइड विजय सिंह मीणा ने बताया कि रणथंभौर टाइगर रिजर्व के जोन नंबर 2 में गुरुवार शाम की पारी में टाइगर सफारी पर गए थे। इस दौरान उनके साथ गेस्ट कृष्णा पटेल व नीलेश पटेल भी मौजूद थे। इसी दौरान यहां पर कमलधार वन क्षेत्र के पर्णिया इलाके में बाघिन रिद्धि और अन्वी के बीच टेरिटोरियल फाइट देखने को मिली। इस दौरान यहां पर करीब 60 सेकेंड तक दोनों के बीच फाइट हुई। इस फाइट में बाघिन एरोहेड की

फीमेल शावक कनकटी उर्फ अन्वी ने अपनी मौसी टी-124 यानी रिद्धि से भिड़ गई। यहां रिद्धि आराम से एक पेड़ के नीचे बैठी हुई थी। इसी दौरान अचानक एरोहेड की बेटी अन्वी ने उस पर हमला बोल दिया। हालांकि 1 मिनट की इस जंग में अन्वी से अनुभवी रिद्धि जीत गई, लेकिन इस संघर्ष ने रणथंभौर में फिर से सत्ता परिवर्तन की सुगबुगाहट को बल दिया है। मछली, कृष्णा, एरोहेड, रिद्धि-सिद्धि और अब कनकटी उर्फ अन्वी रणथंभौर की रानी के सिंहासन पर बैठने की तैयारी में लग चुकी है। उल्लेखनीय है बाघिन एरोहेड के तीनों शावक जो अब करीब 2 साल के हो चुके है, अपनी टेरिटरी बनाने के लिए जुट गए है। इस फाइट को भी इसी से जोड़ कर देखा जा रहा हैं। संभावना जताई जा रही है कि आगामी समय में भी दोनों के बीच यहां टेरिटोरियल फाइट देखने को मिल सकती है।

रणथंभौर के आरओपीटी (रेंज ऑफ प्रोजेक्ट टाइगर) रेंजर अश्वनी प्रताप सिंह ने बताया कि गुरुवार को दोनों बाघिनों के बीच हल्की तकरार हुई, जिसमें कोई भी घायल नहीं हुआ है। इसके बाद शावक बाघिन रणथंभौर किले की तरफ चली गए। जबकि बाघिन रिद्धि ने जंगल में दूसरी रूख किया। फिलहाल बाघिनों की लगातार मॉनिटरिंग और ट्रेकिंग की जा रही है।

कोटा में लोको पायलट ने किया सुसाइड

सुसाइड नोट में पत्नी और ससुर को बताया जिम्मेदार

कोटा, 21 मार्च (एजेंसियां)। कोटा में लोको पायलट ने सुसाइड कर लिया। वह अपने घर के कमरे में पंखे से रस्सी का फंदा लगाकर लटका मिले। एक सुसाइड नोट भी मिला, जिसमें अपनी पत्नी और ससुर को दोषी ठहराया। मामला बोरखेड़ा थाना क्षेत्र के उज्ज्वल विहार इलाके का है। बोरखेड़ा थाने के एएसआई सुरेश गोचर ने बताया- बड़ोद गांव के रहने वाले लोको पायलट लोकेश मालव (35) पिछले 8 साल से रेलवे में नौकरी कर रहे थे। एमबीएस हॉस्पिटल में पोस्टमॉर्टम करवाया गया है। एक सुसाइड नोट भी मिला है। जिसमें लिखा है- 'उसकी पत्नी 2 साल से पीहर से नहीं आ रही है। उसके 4 साल का लड़का है। पत्नी भी सरकारी

नौकरी में है, जिसके चलते वह परेशान होकर सुसाइड कर रहा है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

लोको पायलट के बड़े भाई नरेंद्र मालव ने बताया- लोकेश के साथ एक दोस्त भी रह रहा था। उसके दोस्त के ड्यूटी जाने के बाद लोकेश ने सुसाइड किया। लोकेश को भी ड्यूटी पर जाना था। उसे पूरे दिन मैंने फोन किया लेकिन उसने फोन नही उठाया। शाम को जब उसके घर पर जाकर देखा तो सुसाइड का पता चला।

मोबाइल को लेकर प्रॉपर्टी डीलर की हत्या

पहले पार्टी की फिर चाकू घोंपकर भागे आरोपी भाई को खून से लथपथ मिला

जोधपुर, 21 मार्च (एजेंसियां)। जोधपुर में प्रॉपर्टी डीलर की देर रात हत्या कर दी गई। पुलिस की प्राथमिक जांच के अनुसार, वारदात से पहले प्रॉपर्टी डीलर ने आरोपियों के साथ बैठकर पार्टी की थी। पार्टी के बाद प्रॉपर्टी डीलर अपनी स्कॉर्पियो में सवार होकर घर चले गए। पार्टी में शामिल युवक का मोबाइल उनकी गाड़ी में रह गया। देर रात आरोपियों ने प्रॉपर्टी डीलर से मोबाइल मांगा, लेकिन उन्होंने सुबह देने की बात कही। इस पर आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। प्रॉपर्टी डीलर को घर से बाहर बुला लिया। फिर दूर ले जाकर चाकू से हमला कर दिया। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। जिसमें आरोपी हाथ में चाकू लिए भागते हुए नजर आ रहे हैं। घटना झालामंड के मोती मार्केट की है।

थाना अधिकारी हमीर सिंह ने बताया- प्रॉपर्टी डीलर चंदनसिंह राठौड़ मीरा नगर में रहता था। उसके 2 छोटे बच्चे हैं। पुलिस ने 2 आरोपियों को डिटेन किया है। घटना के विरोध में झालामंड क्षेत्र के लोग कुड़ी थाने पहुंचे और पुलिस से पूरे मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की।

जानकारी के अनुसार, प्रॉपर्टी डीलर चंदन सिंह के पास रात को फोन आया था। वह गाड़ी लेकर घर से कुछ दूरी पर निकला। देर रात उसे जाते देख उसका भाई भवानी भी पीछे-पीछे गाड़ी में गया। हमले के बाद भवानी को चंदन सिंह खून से लथपथ हालत में मिले। भवानी ने तुरंत घायल भाई को उठाकर अस्पताल पहुंचाया। पुलिस को सूचना दी। हत्या के बाद से आरोपी फरार हैं।

ट्रॉले ने कार को मारी टक्कर दोहिते-नानी समेत 3 की मौत

दिल्ली से खाटूश्यामजी जा रहे थे श्रद्धालु, 6 घायल

कोटपूतली, 21 मार्च (एजेंसियां)। कोटपूतली में एक ट्रॉले ने कार को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में दोहिते और नानी समेत 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। कार में सवार श्रद्धालु दिल्ली से खाटूश्यामजी की यात्रा पर जा रहे थे। यह हादसा शुक्रवार सुबह 6 बजे दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 48 पर मोरदा पुलिया के पास हुआ। हादसे के बाद आसपास के लोगों ने तुरंत पनियाला पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को एम्बुलेंस से राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां चार घायलों की गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें जयपुर रेफर कर दिया। डीएसपी राजेंद्र बुरड़क ने बताया कि हादसे के समय कार में कुल 7 लोग सवार थे। ट्रॉले में हेमराज गुर्जर (22) और दशरथ (35) सवार थे। हादसे में मृत तीनों लोग मेरठ के रहने वाले हैं। मृतकों में रेखा (पत्नी नरेंद्र सिंह जाट) निवासी अमरसिंहपुर मेरठ, पार्थ (8 वर्ष, पुत्र सुनील कुमार) निवासी मोदीपुरम मेरठ और कामेरा (पत्नी हरेंद्र) निवासी उमर खालिदपुर मेरठ शामिल हैं।

गंभीर हालत में जयपुर रेफर किए गए घायलों में ज्योति जाट (34) निवासी खाना खेड़ा जिला मेरठ, रश्मि जाट (35) और हिमांशु जाट (38) दोनों निवासी थाना पलवल हरियाणा, हेमराज गुर्जर (22) निवासी थाना पाटन जिला सीकर शामिल हैं।

राजस्थान में तेज हवा के साथ बारिश

जोधपुर, जैसलमेर, नागौर, जयपुर में छाए बादल आज से साफ रहेगा मौसम

जयपुर, 21 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से बीती रात कई जिलों में मौसम बदल गया। जयपुर, नागौर, बीकानेर, जैसलमेर, जोधपुर समेत कई शहरों में देर रात बादल छाए और कुछ जगहों पर हल्की बारिश हुई।

इससे पहले कल इन शहरों में दिन में मौसम साफ रहा और गर्मी रही। मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर ने आज से प्रदेश में मौसम साफ रहने और अगले एक सप्ताह तक तापमान में उतार-चढ़ाव होने की संभावना जताई है।

बीती रात जैसलमेर, बीकानेर, जोधपुर, नागौर, सीकर, जयपुर, अजमेर, जोधपुर के एरिया में बादल छाए। देर रात इन जिलों में से कुछ जगहों पर हल्की बूंदाबांदी हुई। वहीं पश्चिमी राजस्थान के जिलों में कहीं-कहीं तेज हवा भी चली। कल सबसे अधिक तापमान बाड़मेर, चित्तौड़गढ़ में 37 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

मौसम विभाग ने राजस्थान में अगले दो सप्ताह का पूर्वानुमान जारी किया है। इसमें मार्च के आखिरी तक राज्य में मौसम साफ रहने और तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी होने की संभावना जताई है। वहीं न्यूनतम और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहने की संभावना है।

त्रिनेत्र गणेशमंदिर मार्ग के सिंहद्वार पर पहुंचा बाघ

शेरोवाली माता के मंदिर में पहुंचा, प्रतिमा को निहारा और मुंडेर पर जा बैठा

सवाई माधोपुर, 21 मार्च (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर में नवरात्रि से पहले से एक अदभुत नजारा देखने को मिला। यहां मां शेरावाली के दरबार में उनका वाहन बैठा हुआ नजर आया। दरअसल, रणथंभौर त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग के सिंहद्वार पर बाघिन सुल्ताना का शावक आ गया। यह शावक यहां माता मंदिर की मुंडेर पर जा पहुंचा। इस दौरान शावक ने पहले मां शेरावाली की प्रतिमा को निहारा। इसके बाद मुंडेर पर बैठ गया। रेंजर रामखिलाड़ी मीणा की मानें तो 19 मार्च को रणथंभौर रोड स्थित सिंहद्वार के पास चबूतरे पर बने माता मंदिर की मुंडेर पर एक बाघ बैठा था।

हनुमान बेनीवाल के सवाल से लोकसभा में खुली टोल टैक्स की पोल

जयपुर,21 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और नागौर लोकसभा सीट से सांसद हनुमान बेनीवाल ने एक बार फिर टोल की पोल खोल दी है। बेनीवाल ने लोकसभा में सवाल उठाते हुए केंद्र सरकार से पूछा कि जब वाहन खरीदते समय रोड टैक्स ले लिया जाता है तो बाद में टोल के नाम पर वसूली क्यों? बेनीवाल ने जयपुर से दिल्ली जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 48 की लागत और वसूले गए टोल के बारे में जानकारी मांगी थी। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की ओर से जो जवाब दिया गया, वह हैरान करने वाला है। लागत से 3000 करोड़ ज्यादा वसूल लिए गए और अभी भी वसूली जारी है।

बेनीवाल ने कहा कि टोल वसूली किए जाने के बाद भी राष्ट्रीय राजमार्गों की स्थिति बेहद खराब है। खराब सड़क की वजह से आए दिन हादसे भी होते हैं जिनमें लोगों की जान जाती है।

सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा कि जब सुप्रीम कोर्ट यह कह चुका है कि सड़कें खराब है तो सफर करने वाले टोल क्यों दे और आम आदमी इसका खामियाजा क्यों भुगते लेकिन सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी का सरकार पर कोई असर नहीं हो रहा। बेनीवाल ने कहा कि सड़कें खस्ता हालात में होने के बावजूद जनता से टोल वसूला जा रहा है। अप्रत्यक्ष रूप से वसूले जा रहे टोल पर सरकार को पुनर्विचार करने की जरूरत है।

अफसरों पर जमकर बरसे 'बाबा'

पूछा - क्या भूमाफियाओं से तुम्हारी मिलीभगत है?

अलवर,21 मार्च (एजेंसियां) कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा इन दिनों अपने तीखे बयानों के कारण चर्चा में हैं। हाल ही में, अलवर में भूमि माफियाओं के खिलाफ उनका कड़ा रुख देखने को मिला। उन्होंने अतिक्रमण के मुद्दे पर यूआईटी सचिवालय के अधिकारियों को फटकार लगाते हुए सवाल उठाया कि सरकारी जमीनों पर भूमाफिया कब्जा कैसे कर रहे हैं? क्या प्रशासन किसी दबाव में कार्य कर रहा है? गौरतलब है कि इससे पहले भी किरोड़ी लाल मीणा भूमि माफियाओं को सख्त चेतावनी दे चुके हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अलवर में किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नेताओं को चेतावनी –

मिलीभगत मिली तो कार्रवाई होगी जिला प्रभारी मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा इन दिनों अलवर में लगातार सक्रिय नजर आ रहे हैं। भूमाफियाओं से जुड़ी शिकायतों को लेकर उनकी नाराजगी खुलकर सामने आ रही है। इसी क्रम में वे अलवर यूआईटी कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने अतिक्रमण को लेकर कड़ा रुख अपनाया। मंत्री ने दो टूक कहा कि अगर उनकी पार्टी का कोई नेता भूमाफियाओं से सांठगांठ करता पाया गया, तो उसे भी बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि अवैध गतिविधियों में लिप्त लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि मंदिर माफी की जमीनों पर कब्जे की भी कोशिशें हो रही हैं, जिन्हें कतई स्वीकार नहीं किया जाएगा।

आईपीएल मैच से पहले उप्पल स्टेडियम में सुरक्षा के कड़े इंतजाम

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित होने वाले 18वें टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैचों से पहले किए जा रहे सुरक्षा उपायों में कुल 2,800 पुलिसकर्मी, ऑक्टोपस जैसी विशिष्ट सशस्त्र टीमें, विशाल परिसर का एक इंच भी नहीं चूकने वाले निगरानी कैमरे और चारों ओर घूमते खोजी कुत्ते शामिल होंगे।

व्यवस्थाओं के बारे में मीडिया को जानकारी देते हुए राचकोंडा के पुलिस आयुक्त जी सुधीर बाबू ने शुक्रवार को कहा कि तैनात किए जाने वाले बल में विभिन्न सुरक्षा शाखाओं के कर्मी, यातायात कर्मी, कानून एवं व्यवस्था कर्मी, सशस्त्र बलों की छह प्लाटून, ऑक्टोपस और विशेष शाखा दल, एसएचई दल, सीसीएस दल और विशेष अभियान दल के अलावा आंसू गैस दल, घुड़सवार पुलिस और वज्र जल तोप वाहन चलाने वाले कर्मी शामिल हैं।

स्टेडियम के अंदर और बाहर चौकियों और पार्किंग क्षेत्रों सहित लगभग 450 निगरानी कैमरे लगाए जा रहे हैं। आयुक्त ने कहा कि निगरानी कैमरों की निगरानी के लिए एक संयुक्त कमान और नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि मैच खत्म होने तक तोड़फोड़ विरोधी टीमें मैदान पर मौजूद रहेंगी।

कार्मिकों को अति उच्च आवृत्ति सेट प्रदान करके एक प्रभावी संचार प्रणाली बनाए रखी जाएगी तथा विस्फोटकों और अन्य प्रतिबंधित सामग्री का आसानी से पता लगाने के लिए स्कैनर लगाए जाएंगे। सुधीर बाबू ने कहा कि तोड़फोड़ विरोधी जांच और तलाशी के लिए सभी प्रवेश बिंदुओं पर जांच चौकियां स्थापित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि दर्शकों के मोबाइल फोन की जांच के लिए प्रत्येक द्वार पर विशेष टीमें तैनात की जाएंगी।

तेलुगु की जगह केंद्र पर भेजा गया हिंदी प्रश्नपत्र

मंचेरियल, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को एसएससी परीक्षा के पहले दिन एक शर्मनाक गलती के तहत जिला परिषद हाई स्कूल (लड़कों) में तेलुगु के बजाय हिंदी भाषा के प्रश्नपत्र भेज दिए गए। परीक्षा केंद्र पर मौजूद अधिकारी तब हैरान रह गए जब स्कूल में प्रश्नपत्रों से भरा सीलबंद लिफाफा खोलने पर उन्हें तेलुगु की जगह हिंदी भाषा का प्रश्नपत्र मिला। उन्होंने प्रश्नपत्रों की अदला-बदली का हवाला देते हुए उसे वापस भेज दिया। घटना की जानकारी मिलने पर शिक्षा विभाग के अधिकारी केंद्र पर पहुंचे और पूछताछ की। परीक्षा दो घंटे देरी से शुरू हुई और सुबह 9.30 बजे की बजाय 11.30 बजे शुरू हुई, जिससे छात्रों को तनाव में रहना पड़ा।

अधिकारियों ने समय सीमा दो घंटे बढ़ा दी थी, जिससे छात्रों को दोपहर 1.30 बजे तक परीक्षा में बैठने की अनुमति मिल गई। बताया जा रहा है कि कलेक्टर कुमार दीपक ने इस घटना पर नाराजगी जताई है। उन्होंने डीईओ एस यादैया को मामले की जांच कर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए हैं। हालांकि, अभिभावकों ने परीक्षा के आयोजन में लापरवाही बरतने के लिए अधिकारियों की आलोचना की है। उन्होंने अधिकारियों से परीक्षा का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने की मांग की है। जिले में 49 केंद्रों पर कुल 9,189 छात्र परीक्षा दे रहे हैं।

अलग-अलग घटनाओं में दो लोगों की आत्महत्या से मौत

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के गोपालपुरम और गुंडलापोचंपल्ली में गुरुवार रात अलग-अलग घटनाओं में दो लोगों ने आत्महत्या कर ली। पहले मामले में, ओडिशा के मूल निवासी अमीर कुमार (35) अपनी पत्नी सुचिस्मिता दास के साथ गुंडलापोचंपल्ली में रह रहे थे। वह कथित तौर पर वित्तीय मुद्दों और पारिवारिक समस्याओं से परेशान थे। उन्होंने कथित तौर पर अज्ञात जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। दूसरे मामले में, रेजिमेंटल बाज़ार के रहने वाले और निज़ामाबाद जिले के मूल निवासी डी हेमंत (25) का अपने दोस्तों के साथ वित्तीय मामले को लेकर झगड़ा हुआ था। जिसके बाद उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। अलग-अलग मामले दर्ज कर जांच की गई।

आर्मी कॉलेज ऑफ डेंटल साइंस में 19वां स्नातक समारोह आयोजित

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आर्मी कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज (एसीडीएस) ने अपने बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी (बीडीएस) और मास्टर ऑफ डेंटल सर्जरी (एमडीएस) छात्रों के लिए 19वां स्नातक समारोह आयोजित किया। छात्रों ने मुख्य अतिथि, तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से अपनी डिग्री प्राप्त की और पेशेवर दंत चिकित्सा समुदाय में आधिकारिक रूप से उनका स्वागत किया गया। इस समारोह में संकाय, विशिष्ट अतिथि और स्नातकों के परिवार और मित्र शामिल हुए। मेजर जनरल अजय मिश्रा, जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) तेलंगाना और आंध्र सब एरिया (टीएमएसए) और अध्यक्ष एसीडीएस ने स्नातकों की शैक्षणिक उपलब्धियों और दंत चिकित्सा पेशे में सार्थक योगदान देने की उनकी तत्परता की सराहना की। एसीडीएस की प्रिंसिपल डॉ. ममता कौशिक ने कॉलेज की रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें कॉलेज की उत्कृष्टता की विरासत और दंत चिकित्सा के क्षेत्र में भविष्य के नेताओं को आकार देने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया। इस समारोह में अकादमिक और पाठ्येतर गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शीर्ष छात्रों को पुरस्कार और पदक प्रदान किए गए, जिसमें पेरियोडोंटिक्स विभाग की डॉ. सुरभि भदौरिया को सर्वश्रेष्ठ एमडीएस छात्र के लिए पैट्रन रोलिंग ट्रॉफी, दक्षिण भारत क्षेत्र प्रदान की गई। डॉ. टेरेसा ग्रेगरी को सर्वश्रेष्ठ ऑल-राउंड छात्र के लिए चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ रोलिंग ट्रॉफी और डॉ. सारा राहील को अकादमिक क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ बीडीएस छात्र के लिए जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ रोलिंग ट्रॉफी प्रदान की गई। एसीडीएस लंबे समय से दंत चिकित्सा शिक्षा में उत्कृष्टता का प्रतीक रहा है, और यह जुड़वां शहरों में एकमात्र कॉलेज है जो लगातार एनएएसी 'ए' ग्रेड मान्यता के साथ एनआईआरएफ रैंकिंग में शामिल है, जो देश के शीर्ष दंत चिकित्सा कॉलेजों में से एक है। सेवा के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ, एसीडीएस समुदाय के स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ाकर सार्थक प्रभाव डालना जारी रखता है।

तेज हवाओं के साथ बारिश का कहर

टूटे बिजली के खंभे, हवा में उड़े लोगों के घर के शेड

सिरपुर कागजनगर, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार शाम को तेज हवाओं ने सिरपुर कागजनगर मंडल के इजगांव, द्वारका नगर, फॉरेस्ट ऑफिस रोड पर तबाही मचा दी। होटलों, घरों और भोजनालयों की लोहे की चादरें तेज हवाओं के कारण उड़ गईं। बिजली के खंभे टूटकर सड़कों पर गिर गए। इससे संपत्ति को भारी क्षति हुई। तेज हवाओं और ओलों ने मचाई तबाही स्थानीय लोगों के अनुसार, शाम के समय अचानक काले बादल छा गए और कुछ ही देर में तेज हवाएं चलने लगीं। इसके बाद शुरू हुई ओलावृष्टि ने पूरे क्षेत्र को प्रभावित किया। कई जगहों पर ओले इतने बड़े थे कि उन्होंने फसलों के अलावा मकानों की छतों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि ऐसी ओलावृष्टि उन्होंने वर्षों में पहली बार देखी है। खेतों में खड़ी फसलों को भारी नुकसान हुआ है, जिससे किसान आर्थिक संकट में आ गए हैं। भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण द्वारका नगर में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है। मकानों की छतें तेज हवाओं से पूरी तरह उड़ गईं। ग्रामीणों ने अधिकारियों से अपील की कि वे सहायता प्रदान करें जिन्हें बेमौसम बारिश और तूफान के कारण नुकसान की भरपाई भी करें।

लोगों ने 'प्रजा मतपत्र' में प्यारानगर डंप यार्ड के खिलाफ दिया वोट

संगारेड्डी, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। गुम्माडिडाला मंडल के 13 गांवों में प्रस्तावित प्यारानगर डंप यार्ड के खिलाफ गठित संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) द्वारा आयोजित सार्वजनिक मतदान में सरकार के खिलाफ जनता का रोष सामने आया। यह मतदान ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के प्यारेनगर गांव में डंप यार्ड स्थापित करने के सरकार के फैसले पर जनता की राय जानने के लिए आयोजित किया गया था। परिणाम से पता चला कि जनता ने सरकार के कदम के बारे में क्या सोचा, 6431 वैध मतदाताओं में से 6,430 ने प्यारेनगर डंप यार्ड के खिलाफ मतदान किया। प्रेस को दिए गए बयान में जेएसी नेताओं ने कहा कि उनके द्वारा बनाए गए 10 मतदान केंद्रों पर 6,449 लोगों ने मतदान किया। 6,449 में से 18 वोट अवैध पाए गए, जबकि केवल एक व्यक्ति ने प्यारानगर डंप यार्ड के पक्ष में मतदान किया। जेएसी ने लोगों के मन की बात जानने के बाद सरकार से उनके इलाके में डंप यार्ड स्थापित करने के प्रस्ताव को वापस लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि वे आने वाले दिनों में इस प्रस्ताव के खिलाफ़ कड़ा संघर्ष करेंगे।

सोने के गहने चुराने के आरोप में पहुंचीं सलाखों के पीछे

यूट्यूब वीडियो देखकर घरेलू सहायिका और उसकी सहेली ने किया था कांड

आदिलाबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। यूट्यूब पर वीडियो देखकर लॉकर खोलने की प्रेरणा लेने वाली एक घरेलू सहायिका और उसकी सहेली को गुरुवार शाम को अपने नियोक्ता के घर से 50 ग्राम वजन के सोने के गहने और 45,000 रुपये लेकर भागने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। उनके पास से एक कंगन, दो सोने की चेन और नकदी बरामद की गई।

गिरफ्तारियों का ब्यौरा मीडियाकर्मियों को देते हुए आदिलाबाद के डीएसपी एल जीवन रेड्डी ने कहा कि आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले के ओगुरु गांव की कोटा ममता और रंगा रेड्डी जिले के घाटकेसर के वेल्डर मित्र इरफान को 10 मार्च को शहर के रिक्शा कॉलोनी में अपने नियोक्ता जबु तिरुपति जो कि उर्वरक व्यापारी है, के लॉकर को तोड़कर आभूषण और नकदी चोरी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

पूछताछ के दौरान ममता ने कबूल किया कि उसने इरफ़ान के कहने पर यूट्यूब वीडियो देखकर अपराध किया था। उसने 10 मार्च को कंगन, चेन और नकदी चुराने की बात कबूल की। उसने खुलासा किया कि वह पिछले दिनों हैदराबाद में दूसरे नियोक्ता के साथ काम करते समय इरफ़ान के संपर्क में आई थी।

17 मार्च को जब तिरुपति ने लॉकर खोला तो उन्हें पता चला कि उनका सामान चोरी हो गया है। उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। जीवन रेड्डी ने मामले को सुलझाने के लिए आदिलाबाद II शहर के इंस्पेक्टर करुणाकर राव, क्राइम पार्टी के कर्मचारी रमेश, बबीता और रुकमा रेड्डी की सराहना की।

सुनारों के लिए संकट का कारण बनीं सोने की बढ़ती कीमतें

आदिलाबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सोने की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोत्तरी के कारण तेलंगाना भर के स्वर्णकार पीली धातु की कीमत में अभूतपूर्व वृद्धि का खामियाजा भुगत रहे हैं। मंचेरियल जिला स्वर्णकार कल्याण संघ के अध्यक्ष रमेश मुत्तोजू ने बताया कि सोने की कीमतों में भारी वृद्धि के कारण हम सोने के विभिन्न आभूषणों को ढालने जैसे काम नहीं पा रहे हैं। लोग अब शादियों और अन्य सामाजिक समारोहों के लिए पहले की तुलना में कम मात्रा में सोना खरीद रहे हैं, जिससे हमारी आजीविका प्रभावित हो रही है।

सुनार आम तौर पर सोने, चांदी और प्लैटिनम जैसी धातुओं का उपयोग करके आभूषण और अन्य सजावटी वस्तुओं को डिजाइन करने, तैयार करने, मरम्मत करने और संशोधित करने जैसे काम

करते हैं। उनके काम के लिए जटिल तकनीकों और बारीकियों पर गहरी नज़र की आवश्यकता होती है।

वे ग्राहकों से काम करने के लिए शुल्क वसूलते हैं। सुनारों का तर्क है कि सोने की आसमान छूती कीमतों के कारण लोग उनके पास सोने के आभूषण बनाने के लिए नहीं आ रहे हैं। एक वरिष्ठ सुनार ने अफसोस जताते हुए कहा कि कीमतों में वृद्धि को देखते हुए लोग पहले की तुलना में कम सोना खरीद रहे हैं। नतीजतन, सुनारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। कई कारीगरों का जीवन अस्त-व्यस्त हो रहा है।

अकेले मनचेरियल जिले में 268 सुनार पारंपरिक व्यवसाय पर निर्भर होकर अपना जीवन यापन करते हैं। कहा जाता है कि पूर्ववर्ती आदिलाबाद जिले में करीब 2,000 सुनार काम कर रहे थे। तेलंगाना में वर्तमान में करीब 50,000 सुनार हैं, हालांकि आभूषण बनाने में आधुनिक तकनीक के आगमन के साथ यह व्यवसाय कम होता जा रहा है। संकटग्रस्त स्वर्णकारों ने राज्य सरकार से आग्रह किया कि उन्हें ऋण और प्रशिक्षण देकर नौकरी की सुरक्षा प्रदान की जाए।

बिहार दिवस पर स्नेह मिलन कार्यक्रम 23 को

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। प्रवासी सेल भारतीय जनता पार्टी तेलंगाना के तत्वावधान में बिहार दिवस-2025 के अवसर पर स्नेह मिलन व अतिथियों का सम्मान समारोह कार्यक्रम रविवार 23 मार्च सायं 5.30 बजे से 9 बजे तक जया लक्ष्मी गार्डन सिकंदराबाद में भव्यरूप से आयोजित किया जाएगा।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में प्रवासी सेल भाजपा प्रदेश संयोजक सुभाष अग्रवाल व कार्यकारिणी मेम्बर आर.पी.सिंह ने संयुक्त रूप से बताया कि बिहार दिवस-2025 के सफल आयोजन हेतु नामपल्ली स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में विशेष मीटिंग का आयोजन कर कार्यकर्ताओं को विभिन्न जिम्मेदारीयों से अवगत कराया गया।

स्नेह मिलन व सम्मान समारोह कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती वंदना, पुजा-अर्चना व बत्तौर मुख्यअतिथियों के करकमलों द्वारा दीप प्रज्वलितकर किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के रूप में केन्द्रीय मंत्री व सिकंदराबाद सांसद जी.किशन रेड्डी, मल्काजगिरी सांसद

इटेला राजेन्द्र, तेलंगाना भाजपा महासचिव चन्द्रशेखर, भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता सैय्यद शाहनवाज हुसैन, नर्मदा मल्लिकार्जुना, विकाससिंह उपस्थित रहेंगे। अवसर पर बिहार की समृद्ध कला और संगीतमय सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों द्वारा प्रेरणादायक भाषण, बिहारी विरासत और शिल्पकला कला प्रदर्शनी का आयोजन होगा।

कार्यक्रम में प्रदेश की बिहारी वेल्फेयर एसोशिएशन, बिहार अग्रवाल संघ, मिथिला संस्कृतिक परिषद, जन सेवा संघ, बिहार समाज सेवा संघ, बिहार एसोशिएशन, ब्रह्मऋषि समाज तेलंगाना, बीजेयूपी राजपूत सेवा संघ के पदाधिकारियों व गणमान्य समाज बन्धुओं को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। बिहार दिवस संयोजक मल्ला रेड्डी ने बताया कि कार्यक्रम के भव्य आयोजन की सभी तैयारीयां पूर्ण कर ली गयी है। विशेष मीटिंग में प्रवासी सेल भाजपा प्रदेश संयोजक सुभाष अग्रवाल, बिहार दिवस संयोजक मल्ला रेड्डी, सहसंयोजक सुभाषचन्द्र, आलोक झा, संजय सिंह, आर.पी. सिंह, अजय कुमार, स्वेता, संगीता, नवरतन, विनय जैन, सुशील सिंह, गोपाल, राजेश झा उपस्थित रहे। बीजेपी प्रवासी समाज बिहार प्रदेश, तेलंगाना द्वारा बिहार दिवस कार्यक्रम में समाज बन्धुओं से समय पर भाग लेने का आग्रह किया है।

प्रशिक्षित उम्मीदवारों को आगे बढ़ने में सक्षम होना चाहिए : कलेक्टर

आसिफाबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि उन्हें तेलंगाना कौशल एवं ज्ञान केंद्र अकादमी द्वारा दिए जाने वाले प्रशिक्षण का लाभ उठाना चाहिए और उच्च पदों पर पहुंचना चाहिए। शुक्रवार को जिला मुख्यालय जनकपुर स्थित पुराने कलेक्ट्रेट भवन में तेलंगाना कौशल एवं ज्ञान केंद्र अकादमी के तत्वावधान में 40 दिवसीय कंप्यूटर प्रशिक्षण लेने वाले अभ्यर्थियों को जिला ग्रामीण विकास अधिकारी दत्ता राव के साथ प्रमाण पत्र सौंपे गए। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान का उपयोग जीवन में आगे बढ़ने तथा आर्थिक विकास की दिशा में कार्य करने के लिए करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों को 40 दिनों का कंप्यूटर प्रशिक्षण और टाइपराइटिंग कौशल प्रदान किया गया है तथा उन्हें प्रशिक्षण में अर्जित कौशल का उपयोग रोजगार के अवसर तलाशने और जीवन में स्वयं को स्थापित करने के लिए करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विभिन्न कंपनियों में काम करने के अवसर हैं और उन्हें प्रशिक्षण में प्राप्त कौशल और ज्ञान के साथ उत्कृष्टता हासिल करनी चाहिए। कार्यक्रम में प्रशिक्षण केंद्र समन्वयक साईकुमार, प्रशिक्षक एवं अभ्यर्थियों ने भाग लिया।

वार्षिक परीक्षाएं सख्ती से आयोजित की जानी चाहिए : कलेक्टर

आसिफाबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि जिले में 10वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाएं सख्ती से आयोजित की जानी चाहिए। शुक्रवार को आसिफाबाद राजस्व मंडल अधिकारी लोकेश्वर राव के साथ जिला मुख्यालय के जनकपुर जिला परिषद हाई स्कूल में बनाए गए परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि 10वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाओं के लिए जिले में 36 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं तथा 6,779 विद्यार्थी परीक्षा देंगे। उन्होंने कहा कि परीक्षा केन्द्रों में विद्यार्थियों के लिए फर्नीचर, पंखे, प्रकाश, पेयजल एवं साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था की जाए। परीक्षा केंद्रों पर छात्रों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाना चाहिए तथा प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर आवश्यक दवाइयां एवं ओटीसी उत्पाद उपलब्ध कराने के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य कर्मियों की नियुक्ति की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पैकेट उपलब्ध कराये जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा समय के अनुसार बसें चलाई जा रही हैं तथा परीक्षा के दौरान निरन्तर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। विद्यार्थी परीक्षा समय से एक घंटा पहले परीक्षा केन्द्रों पर पहुंचें तथा परीक्षा केन्द्र के अन्दर मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति न हो। उन्होंने कहा कि वार्षिक परीक्षाएं 4 अप्रैल तक चलेंगी और किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए एहतियाती कदम उठाए जाने चाहिए। तत्पश्चात, जिला केन्द्र स्थित जिला परिषद बालिका उच्च विद्यालय में बनाये गये परीक्षा केन्द्र का उद्घाटन जिला अपर समाहर्ता (राजस्व) एम. डेविड के साथ समीक्षा की और अधिकारियों को कई सुझाव दिए। कार्यक्रम में कक्षा 10वीं परीक्षा के सहायक आयुक्त उदय बाबू, मुख्य पर्यवेक्षक एवं निरीक्षकों ने भाग लिया।

बीजेपी राजपूत सेवा संघ का वार्षिक समारोह कल

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीजेपी राजपूत सेवा संघ का वार्षिक समारोह 23 मार्च को सुबह 10:00 बजे, गीता ज्ञान भवन, आर.के. पुरम में आयोजित किया गया है।

समारोह में मलकाजगिरी के सांसद इटेला राजेंद्र मुख्य अतिथि होंगे।

कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आज कोर कमिटी की बैठक बीजेयूप राजपूत सेवा संघ, हैदराबाद अध्यक्ष ललन सिंह की अध्यक्षता में किया गया, जिसमें उपाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार सिंह, महासचिव धनंजय राज सिंह, ट्रेजर एम. बी.सिंह, मैरिज ब्यूरो इंचार्ज एस.के.सिंह, डिसीप्लिनरी कमिटी इंचार्ज डी.के सिंह एवं कमिटी मेंबर्स नवीन बिहारी सिंह, अजय सिंह, पप्पू सिंह, गणपत सिंह, रविंद्र सिंह, सचिन सिंह, के.के.सिंह एवं आनंद सिंह उपस्थित रहे थे। इस समारोह में महिलाएं एवं बच्चों के द्वारा उनके टैलेंट के लिए गेम, सांस्कृतिक कार्यक्रम रखे गए हैं जिसमें विजताओं को उपहार देकर उनका हौसल अफजाई किया जाएगा। संघ ने बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश के सभी स्वजातियों से इस कार्यक्रम में आने की अपील की है।

मनरेगा मजदूरों को नहीं दी गईं ग्रीष्मकालीन भत्ता और कार्यस्थल सुविधाएं

संगारेड्डी, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कार्यस्थल पर सुविधाओं की कमी और यहां तक कि ग्रीष्मकालीन भत्ते का अभाव मनरेगा श्रमिकों पर भारी पड़ रहा है। गर्मी की शुरूआत में ही रयाकल में बोइनी लछम्मा (52) की मौत ने कई लोगों को चौंका दिया है, क्योंकि अधिकारियों ने यहां कामगारों के लिए कोई छाया या टेंट नहीं लगाया था। अधिकारियों के अनुसार, जिले में अब 24 मंडलों में लगभग 34,236 श्रमिक विभिन्न कार्यों में लगे हुए हैं। श्रमिकों को कार्यस्थल पर छाया, प्राथमिक उपचार और गर्मियों का भत्ता प्रदान किया जाना चाहिए था। लेकिन, अधिकारी कार्यस्थल पर कोई टेंट नहीं लगा रहे थे। श्रमिकों को मार्च, अप्रैल और मई महीनों के लिए क्रमशः 20 प्रतिशत, 25 प्रतिशत और 30 प्रतिशत ग्रीष्मकालीन भत्ता दिया जाना था। हालांकि, श्रमिकों को कोई अतिरिक्त भुगतान नहीं किया जा रहा है। संपर्क करने पर डीआरडीए कार्यालय के अधिकारियों ने बताया कि जब राज्य सरकार के खजाने से भुगतान होता था, तब वे ग्रीष्मकालीन भत्ता देते थे। लेकिन पिछले दो सालों से केंद्र के राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के माध्यम से भुगतान किया जा रहा है। तब से श्रमिकों को ग्रीष्मकालीन भत्ता नहीं दिया जा रहा है। तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, लेकिन कार्यस्थल पर सुविधाओं की कमी श्रमिकों को गंभीर रूप से प्रभावित कर रही है। मजदूरों ने टेंट लगाने, प्राथमिक उपचार सामग्री रखने और ओआरएस पाउच व अन्य सामान रखने की मांग की। डीआरडीए अधिकारियों ने कहा कि केंद्र सरकार टेंट, प्राथमिक उपचार व अन्य सुविधाओं के लिए फंड जारी नहीं कर रही है।

जलसंकट की शिकायत पर पार्षद ने निरीक्षण किया

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं जामबाग पार्षद राकेश जायसवाल ने पोसल बस्ती, सिक गली, रामबक्त समाज, सुधा मेडिकल लाइन में पानी ने आने की शिकायत पर इलाके का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्हें इस इलाके में प्रदूषित पानी आने की भी शिकायत मिली। इसके निराकरण के लिए उन्होंने अधिकारियों से अपील की कि इस समस्या तो तत्काल निजात दिलाई जाए। उनके साथ एचएमडब्ल्यूएसएस रेडिल्स जीएम शरीफ, डीजीएम दिलीप, हिंदी नगर मानेगर कुला शेखर, मुरली एवं बीजेपी के वरिष्ठ नेता वी. गोपाल, अमरसिंह, मयूर, प्रवीण, महेंद्र, राहुल, शंकर रघु भाई, रामकृष्ण (कटप्पा), बालाजी, और स्थानीय लोगों भी मौजूद थे।

धम्माईगुडा मनीकोन्डा स्थित शीतला सप्तमी के पावन अवसर पर माँ शीतला की पुजा-अर्चना कार्यक्रम में उपस्थित सीरवी समाज तेलंगाना पारसीगुटा महिला मंडल अध्यक्षा सुशीला देवड़ा, सचिव निर्मला देवड़ा, सलाहकार गवरीदेवी परिहार, धार्मिक सेवा समिति की किरनकंवर, शालु सोलंकी, उगमादेवी, भंवरीदेवी, हीरीदेवी सोलंकी, प्यारीदेवी देवड़ा व प्रवासी महिलाए।

जिला एसपी ने कांस्य पदक जीतने वाले पुलिस कांस्टेबल को सम्मानित किया

कुमरमभीम आसिफाबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिला एसपी डीवी श्रीनिवास राव ने शुक्रवार को जिला पुलिस कार्यालय में हरियाणा के मधुबन में हाल ही में आयोजित 73वीं अखिल भारतीय पुलिस खेल प्रतियोगिता में तेलंगाना राज्य पुलिस टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए सेपक टकरा चैंपियनशिप वर्ग में कांस्य पदक जीतने वाले आसिफाबाद स्पेशल पार्टी के कांस्टेबल पोट्टा गोपिनी को बधाई दी। इस अवसर पर एसपी ने अखिल भारतीय पुलिस खेलों में भाग लेने वाले तथा उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन कर जिला पुलिस विभाग का नाम रोशन करने वाले कांस्टेबल गोपी को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। एसपी ने कहा कि जिला पुलिस विभाग में कार्यरत पुलिस कर्मियों की खेल गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाएगा।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आईपीएल 2025 आज से

नया सीजन नए रिकॉर्ड बनाने के लिए तैयार

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 का आगाज 22 मार्च को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में डिफेंडिंग चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मुकाबले के साथ होने जा रहा है। इस सीजन से पहले हुए मेगा ऑक्शन के बाद कई टीमों का संयोजन और कप्तान बदल चुके हैं और सभी टीमें एक बार फिर से दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित टी20 लीग की ट्रॉफी जीतने के लिए दमखम दिखाएंगी।

आईपीएल 2025 को भारत में स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर देखा जा सकता है। यह मुकाबले हिंदी और इंग्लिश के अलावा स्टार स्पोर्ट्स चैनल पर कई क्षेत्रीय भाषाओं में देखे जा सकते हैं। डिजिटल स्ट्रीमिंग की बात करें तो जियोहॉटस्टार पर इन मैचों की लाइव स्ट्रीमिंग देखी जा सकती है। आईपीएल 2025 के मैच भारतीय समयानुसार शाम 7 बजकर 30 मिनट पर शुरू हो जाएंगे। टॉस का समय शाम 7 बजे होगा। वहीं, डबल हेडर पर होने वाले मैचों में दिन के मुकाबलों का समय दोपहर 3 बजकर 30 मिनट और टॉस का समय दोपहर 3 बजे होगा। आईपीएल 2025 का आगाज 22 मार्च, 2023 को होगा और इसका समापन 25 मई, 2025 को होगा। सीजन में 10 टीमों के बीच भारत में 13 जगहों पर कुल 74 मैच खेले जाएंगे। खास बात यह है कि कोलकाता का ऐतिहासिक ईडन गार्डन्स आईपीएल 2025 के ओपनिंग मैच की मेजबानी करेगा और यहीं पर सीजन का अंतिम मैच यानी फाइनल भी खेला जाएगा। आईपीएल 2025 की ओपनिंग सेरेमनी ईडन गार्डन्स में 22 मार्च यानी शनिवार को शाम 6 बजे होगी, जिसमें श्रेया घोषाल, दिशा पाटनी जैसी मशहूर बॉलीवुड हस्तियां अपनी प्रस्तुति देंगी। ओपनिंग सेरेमनी का प्रसारण भी टीवी पर स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क और लाइव स्ट्रीमिंग के जरिए जियोहॉटस्टार पर देखा जा सकता है। आईपीएल में हर सीजन में कोई न कोई बड़ा रिकॉर्ड टूटता और नए कीर्तिमान बनते हैं। इस सीजन में भी बड़े रिकॉर्ड्स पर नजर रहेगी। अभी तक इस लीग के इतिहास के टॉप-5 सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर में क्रिस गेल द्वारा 2013 सीजन में खेली गई नाबाद 175 रनों की पारी अभी भी टॉप पर है। गेल ने यह पारी मात्र 66 गेंदों पर खेली थी। इससे पहले 2008 में बैंडन मैकुलम ने 73 गेंदों पर नाबाद 158 रन बनाए थे, जो अब लीग के इतिहास का दूसरा सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर है। भारतीय खिलाड़ियों की बात करें तो 2020 के सीजन में केएल राहुल ने 69 गेंदों पर 132 रनों की नाबाद पारी खेली थी, जो आईपीएल में किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर है।

गेंदबाजी की बात करें तो आईपीएल 2025 में तीन दिग्गजों की उपस्थिति देखने को मिलेगी जो 200 विकेटों के क्लब में शामिल हो सकते हैं। अब तक युजवेंद्र चहल ने आईपीएल में सर्वाधिक 205 विकेट लिए हैं। आईपीएल 2025 में भुवनेश्वर कुमार (181 विकेट), सुनील नरेन (180 विकेट) और रविचंद्रन अश्विन (180 विकेट) के पास 200 विकेटों के खास क्लब में शामिल होने का अच्छा मौका है।

वहीं, सर्वाधिक मैचों की बात करें तो भारत के तीन दिग्गजों के नाम यह रिकॉर्ड है। चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने 264 मैच खेले हैं। मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के नाम 257 आईपीएल मैच हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पूर्व कप्तान विराट कोहली के नाम 252 मैच हैं।

प्रणति नायक का एफआईजी विश्व कप में शानदार प्रदर्शन

> वॉल्ट फाइनल के लिए क्वालिफाई किया

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय जिमनास्ट प्रणति नायक ने तुर्की के अंताल्या में एफआईजी अप्लायन्सेज विश्व कप के क्वालिफिकेशन राउंड में तीसरा स्थान हासिल कर वॉल्ट फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। तोक्यो ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली 29 वर्षीय प्रणति ने क्वालिफिकेशन में 13.317 के कुल स्कोर के साथ फाइनल में जगह बनाई। वह जयला हैंग (13.783) और क्लेयर पीज (13.584) की अमेरिकी जोड़ी से पीछे रहीं। प्रणति के कोच अशोक कुमार मिश्रा ने कहा, 'प्रणति ने क्वालीफिकेशन में अच्छा प्रदर्शन किया और अगर वह फाइनल में इससे बेहतर प्रदर्शन करती है तो पदक जीत सकती है।' प्रणति ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक से पहले काहिरा में एफआईजी अप्लायन्सेज विश्वकप की महिला वॉल्ट स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। उन्होंने 2019 (उलानबटोर) और 2022 (दोहा) में एशियाई चैंपियनशिप में वॉल्ट में कांस्य पदक जीते थे।

'केवल विराट ही कड़ी मेहनत नहीं करते, हम भी करते हैं'

गौरव बिधूड़ी ने भारत में ओलंपिक खेलों को समान मान्यता देने का आह्वान किया

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता भारतीय मुक्केबाज गौरव बिधूड़ी ने भारत में ओलंपिक खेलों को अधिक मान्यता देने का आह्वान किया है, उन्होंने विभिन्न खेलों को दिए जाने वाले ध्यान में असमानता को उजागर किया है। 'आईएएनएस' से बात करते हुए, बिधूड़ी ने मुक्केबाजी, कुश्ती और एथलेटिक्स जैसे खेलों में एथलीटों के संघर्षों पर प्रकाश डाला, जिन्हें प्रायोजन, मीडिया कवरेज और भीड़ के समर्थन में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जबकि क्रिकेट को व्यापक लोकप्रियता और वित्तीय सहायता से लाभ होता है।

'ऐसा नहीं है कि केवल विराट कोहली ही कड़ी मेहनत करते हैं; हम भी बहुत मेहनत करते हैं। लोगों को ओलंपिक खेलों को भी उतना ही प्यार देना चाहिए। विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता ने आईएएनएस से कहा, पूरे सम्मान के साथ, प्रमुख खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करना क्रिकेट से कहीं अधिक कठिन है। उनकी यह टिप्पणी बीसीसीआई द्वारा आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में जीत के बाद खिलाड़ियों, कोचिंग और सहयोगी स्टाफ और चयन समिति के सदस्यों को सम्मानित करने के लिए टीम इंडिया के लिए 58 करोड़ रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा के एक दिन बाद आई है। बिधूड़ी ने पहले खुलासा किया था कि वह एक क्रिकेटर बनना चाहते थे, लेकिन उनके पिता धर्मेंद्र बिधूड़ी चाहते थे कि वह एक मुक्केबाज बनें। भारत में, क्रिकेट के अलावा अन्य खेलों को अक्सर तब तक कम ध्यान दिया जाता है जब तक कि कोई एथलीट पदक नहीं जीतता।

भारत का क्रिकेट के प्रति जुनून जगजाहिर है, जो अक्सर अन्य खेलों पर हावी हो जाता है। 2023 में, भारत के सर्वोच्च रैंक वाले पुरुष एकल टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने अपनी वित्तीय कठिनाइयों का खुलासा किया और खिलाड़ियों के लिए वित्तीय सहायता और उचित मार्गदर्शन दोनों की कमी पर खेद व्यक्त किया। पिछले साल, बिधूड़ी ने शतरंज की दिग्गज खिलाड़ी तानिया सचदेवा के साथ मिलकर एथलीटों के प्रति भेदभाव और उनकी उपलब्धियों को नजरअंदाज करने के लिए दिल्ली सरकार की आलोचना की थी। इसके अलावा, अनुभवी शटलर अश्विनी पोनप्पा ने खुलासा किया कि उन्होंने नवंबर 2023 तक सभी टूर्नामेंट खुद ही खेले और अपने निजी प्रशिक्षक का खर्च भी अपनी जेब से उठाया।

शंकर सुब्रमण्यम ने किया बड़ा उलटफेर

विश्व नंबर दो एंटोनसेन को हराकर किया बाहर

बासेल, 21 मार्च (एजेंसियां)। भारत के शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यन ने डेनमार्क के विश्व में नंबर दो खिलाड़ी एंडर्स एंटोनसेन को तीन गेम के रोमांचक मुकाबले में उलटफेर का शिकार बनाकर योनेक्स स्विस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। विश्व जूनियर चैंपियनशिप 2022 के रजत पदक विजेता और मौजूदा समय में दुनिया में 64वें नंबर के 21 वर्षीय खिलाड़ी सुब्रमण्यन ने अपने शानदार डिफेंस और प्रभावशाली स्मैश का कमाल दिखाते हुए तीन बार के विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता को 66 मिनट में 18-21 21-12 21-5 से हराया।

तमिलनाडु के रहने वाले सुब्रमण्यन के करियर की यह सबसे बड़ी जीत है। उनका अगला मुकाबला फ्रांस के विश्व में 31वें नंबर के खिलाड़ी क्रिस्टो पोपोव से होगा जिन्होंने इस सत्र में अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। सुब्रमण्यन टूर्नामेंट में बचे एकमात्र भारतीय एकल खिलाड़ी हैं, जबकि त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है। विश्व में नौवें नंबर की भारतीय जोड़ी में गुरुवार को खेले गए मैच में जर्मनी की एमिली लेहमैन और सेलिन हब्श को 21-12, 21-8 से हराया। अन्य भारतीय खिलाड़ियों में इशारानी बरुआ चीन की हान कियान शी से 63 मिनट में 19-21, 21-18, 18-21 से जबकि अनुपमा उपाध्याय महिला एकल के एक अन्य मैच में इंडोनेशिया की पुत्री कुसुमा वर्दानी से 17-21, 19-21 से हार गईं। सतीश करुणाकरन और आद्या वरियाथ की मिश्रित युगल जोड़ी को लियू कुआंग हेंग और झेंग यू चीह से 14-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा।

सुब्रमण्यन ने एंटोनसेन के खिलाफ सटीक खेल दिखाया जबकि डेनमार्क के खिलाड़ी का अपने शॉट पर नियंत्रण नहीं था। शुरुआती गेम में दोनों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ, जिसमें बढ़त बार-बार बदलती रही। ब्रेक के समय एंटोनसेन केवल एक अंक की बढ़त बना सके। बाएं हाथ से खेलने वाले सुब्रमण्यन ने स्कोर 16-14 कर दिया, लेकिन दबाव बरकरार नहीं रख सके और एंटोनसेन ने पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में स्थिति एकदम से बदल गई और सुब्रमण्यन ने डेनमार्क के खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया। एंटोनसेन ने निराशा में अपने रैकेट को लात भी मारी। सुब्रमण्यन ने पहले 8-4 और फिर ब्रेक तक 11-6 की बढ़त हासिल की। एंटोनसेन ने एक और शॉट बाहर मारा जिससे भारतीय खिलाड़ी ने दूसरा गेम जीतकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। तीसरे गेम के शुरू में स्कोर एक समय 3-3 से बराबर था लेकिन इसके बाद एंटोनसेन ने पूरी तरह से नियंत्रण खो दिया और कई अप्रत्याशित गलतियां कीं, जिससे भारतीय खिलाड़ी ने ब्रेक तक 11-3 की बढ़त बना ली। सुब्रमण्यन ने इसके बाद भी अच्छा प्रदर्शन जारी रखा और मैच अपनी झोली में डाल दिया।

4 अप्रैल से शुरू होगा अंतर जिला अंडर-16 क्रिकेट टूर्नामेंट

धर्मशाला, 21 मार्च (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से अंतर जिला अंडर-16 टूर्नामेंट चार अप्रैल से करवाया जाएगा। इसके लिए एचपीसीए की ओर से प्रदेश के 12 जिलों की टीमों के तीन पूल बनाए गए हैं। इसमें हर पूल में चार टीमों को रखा गया है। पूल-ए में हमीरपुर, कुल्लू, सिरमौर और चंबा को जगह दी गई। पूल-बी में कांगड़ा, सोलन, मंडी और लाहौल-स्पीति को रखा गया है। इसके अलावा पूल-सी में शिमला, बिलासपुर, ऊना और किन्नौर को रखा गया है। पूल-ए के लीग मुकाबले ऊना, पूल-बी के मुकाबले अमत्तर और पूल-सी के बिलासपुर मैदान में होंगे। ग्रुप में टॉप दो स्थानों पर रहने वाली टीमों को क्वार्टर फाइनल में जगह मिलेगी।

इसके अलावा बाकी छह टीमों में अधिक अंक लेने वाली दो टीम क्वार्टर फाइनल में जाएंगी। प्रतियोगिता में चार से 26 अप्रैल तक लीग मुकाबले खेल जाएंगे। इसके बाद 20 से 30 अप्रैल को क्वार्टर फाइनल मुकाबले और दो से 4 मई को सेमीफाइनल मुकाबले होंगे। 6 से 9 मई को प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। एचपीसीए के सचिव अवनीश परमार ने कहा कि चार अप्रैल से अंतर जिला अंडर-16 टूर्नामेंट होगा। तीन पूल बनाए गए हैं। प्रतियोगिता का सेमीफाइनल मैच 2 से 4 मई को होगा, जबकि फाइनल मुकाबला 6 से 8 मई को होगा। प्रदेश की जूनियर हैंडबाल पुरुष टीम की घोषणा कर दी गई है। यह टीम बिहार के जहानाबाद में 26 से 30 मार्च तक होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेगी। हिमाचल प्रदेश हैंडबाल संघ के अध्यक्ष भरत साहनी और महासचिव नंदकिशोर शर्मा ने बताया कि गोलकीपर आर्यन हंस को टीम की कप्तानी सौंपी गई है। ध्रुव को टीम का उप कप्तान बनाया गया है।

'2028 ओलंपिक से पहले आपके साथ काम करने को लेकर तत्पर'

> आईओसी की नई अध्यक्ष कोवेंट्री से बोले जय शाह

कोस्टा नवारिनो, 21 मार्च (एजेंसियां)। आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने किर्स्टी कोवेंट्री को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति का अध्यक्ष बनने पर बधाई दी और कहा कि वह 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक से पहले जिम्बाब्वे की पूर्व खेल मंत्री के साथ काम करने को लेकर उत्सुक हैं। क्रिकेट भी 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक का हिस्सा होगा। क्रिकेट 128 साल बाद ओलंपिक में वापसी करेगा। शाह आईओसी के वार्षिक सत्र में भाग लेने पहुंचे थे, जहां अध्यक्ष पद के लिए चुनाव हुए।

जय शाह ने एक्स पर लिखा, 'नव-निर्वाचित आईओसी अध्यक्ष किर्स्टी कोवेंट्री को बधाई और शुभकामनाएं। यह एक ऐसा सम्मान है जिसकी आप हकदार हैं। मैं आईसीसी में आपकी मेजबानी करने के बाद ग्रीस में आपको शुभकामना संदेश देने के लिए मौजूद होने के लिए आभारी हूं। मैं लॉस एंजिलिस ओलंपिक खेलों में क्रिकेट को शामिल करने के लिए और उसके बाद भी आपके और आपकी टीम के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।' कोवेंट्री को गुरुवार को आईओसी का 10वां अध्यक्ष चुना गया। वह ग्रीस के कोस्टा नवारिनो में 144वें आईओसी सत्र में संगठन के इतिहास में यह पद पाने वाली पहली महिला और पहली अफ्रीकी भी हैं। उन्होंने विश्व एथलेटिक्स के प्रमुख सेबेस्टियन को और स्पेनिश खेल प्रशासक जुआन एंटोनियो समरंच जैसे अन्य लोगों को पीछे छोड़ दिया। कोवेंट्री को दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी के खेल देखने के लिए आमंत्रित किया गया था और चार मार्च को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सेमीफाइनल मैच के दौरान वह मौजूद थीं।

जिम्बाब्वे की 41 वर्षीय खेल मंत्री कोवेंट्री 131 वर्षों में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति का नेतृत्व करने वाली पहली महिला और पहली अफ्रीकी हैं। उन्हें अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के निवर्तमान अध्यक्ष थॉमस बाक का पसंदीदा भी माना जाता है। सभी उम्मीदवार और उनके मतदाता आईओसी सदस्यों के अनन्य और आमंत्रित क्लब में हैं, जिनकी संख्या वर्तमान में 109 है। कोवेंट्री 23 जून को पदभार ग्रहण करेंगी।

राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए भारत ने लगाई बोली

2010 में आखिरी बार हुआ था देश में आयोजन

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। भारत ने 2030 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए बोली पेश की है। खेल मंत्रालय के एक सूत्र ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि खेलों की मेजबानी में दिलचस्पी दिखाने से संबंधित दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि 31 मार्च थी।

आईओए और गुजरात ने लगाई बोली

सूत्र ने बताया कि भारतीय ओलंपिक संघ ने मेजबानी के लिए जरूरी दस्तावेज कुछ दिन पहले भेजे हैं। सूत्र ने कहा- 'हां, यह सच है, भारत की बोली आईओए और गुजरात राज्य द्वारा प्रस्तुत की गई है।' बता दें कि, अगर भारत की बोली स्वीकार कर ली जाती है और देश को मेजबानी मिलती है तो इसका आयोजन गुजरात के अहमदाबाद में होगा। हाल ही में खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा था कि देश खेलों की मेजबानी करने में रुचि रखता है। भारत ने अंतिम बार 2010 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की थी और देश का लक्ष्य 2036 ओलंपिक की मेजबानी करने का भी है।

2028 ओलिंपिक से बॉक्सिंग नहीं हटेगा

आईओसी की बैठक में इसके पक्ष में 100% वोट डले; 2023 में हटाने की प्लानिंग हुई थी

कोस्टा नवारिनो, 21 मार्च (एजेंसियां)। मुक्केबाजी 2028 के लॉस एंजिलिस ओलिंपिक गेम्स से नहीं हटाया जाएगा। इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी (आईओसी) ने गुरुवार को इसे एलए गेम्स में शामिल कर लिया है। इस संबंध में आईओसी के मेंबर्स में वोटिंग हुई और मुक्केबाजी को ओलिंपिक गेम्स में रखने के पक्ष में 100 मतदान हुआ। आईओसी प्रेसिडेंट थॉमस बाक ने जब लॉस एंजिलिस गेम्स में मुक्केबाजी को शामिल करने के पक्ष में सभी से हाथ उठाने को कहा तो सभी सदस्यों ने सहमति दी। कोई भी मेंबर वोटिंग से गैरमौजूद नहीं रहा। किसी ने भी इसके विरोध में मतदान नहीं किया।

आईओसी ने 2023 में बॉक्सिंग को लॉस एंजिलिस ओलिंपिक गेम्स के स्पोर्ट्स प्रोग्राम में शामिल करने पर रोक लगा दी थी। इसी बैठक में क्रिस्टी कोवेंट्री को आईओसी का प्रेसिडेंट चुना गया। वे आईओसी की पहली महिला अध्यक्ष बनी हैं। मुक्केबाजी का एलए ओलिंपिक में बने रहना इसलिए भी अहम है, क्योंकि भारत को सबसे ज्यादा मेडल की उम्मीद मुक्केबाज और पहलवानों से रहती है। ओलिंपिक गेम्स में भारतीय मुक्केबाजों का रिकॉर्ड अच्छा रहा है। आईओसी ने पिछले महीने वर्ल्ड बॉक्सिंग को मान्यता दी थी। नई मुक्केबाजी संस्था के पास अब 80 से अधिक राष्ट्रीय संघों की सदस्यता है। 2023 अप्रैल में वर्ल्ड बॉक्सिंग का गठन किया गया। ताकि मुक्केबाजी ओलिंपिक में खेल बना रहे। फरवरी 2022 में बॉक्सिंग को ओलिंपिक 2028 के शुरुआती कार्यक्रम में शामिल नहीं किया था। टोक्यो और पेरिस ओलिंपिक गेम्स में मुक्केबाजी का टूर्नामेंट में आईओसी की स्पेशल टास्क फोर्स की निगरानी में किया गया था।

भारत पिछले साल वर्ल्ड बॉक्सिंग का सदस्य बना

पेरिस ओलिंपिक गेम्स से ठीक पहले भारत ने वर्ल्ड बॉक्सिंग की सदस्यता ली थी। तब इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी (आईओसी) ने चेतावनी दी थी। आईओसी ने कहा था कि अगर भारतीय महासंघ इंटरनेशनल बॉक्सिंग एसोसिएशन (आईबीए) से जुड़ा रहा, तो 2028 के लॉस एंजिलिस ओलिंपिक से इस खेल को हटाया जा सकता है।

अनसोल्ड रहे शार्दूल लखनऊ के साथ जुड़ेंगे

लखनऊ, 21 मार्च (एजेंसियां)। ऑक्शन में अनसोल्ड रहे मुंबई के ऑलराउंडर शार्दूल ठाकुर लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के साथ जुड़ेंगे। वह चोटिल खिलाड़ी मोहसिन खान की जगह लेंगे। हालांकि, एलएसजी ने आधिकारिक रूप से अभी इसका ऐलान नहीं किया है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, शार्दूल को इस फैसले के बारे में बता दिया गया है। वे 24 मार्च को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सीज़न के पहले मैच के लिए टीम के साथ विशाखापट्नम जाएंगे। शार्दूल टीम के साथ पिछले 10 दिनों से कैंप में हिस्सा ले रहे हैं। मोहसिन खान घुटने के लिगामेंट में चोट की वजह से पिछले तीन महीनों से किसी भी क्रिकेट मुकाबले में हिस्सा नहीं ले पाए हैं। जब उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के नेट्स पर गेंदबाजी शुरू की तो उनकी पिंडली में खिंचाव आ गया, जिससे उनकी वापसी और मुश्किल हो गई। लखनऊ के अन्य तेज गेंदबाज आकाश दीप, मयंक यादव और आवेश खान अभी टीम से नहीं जुड़े हैं। आकाश दीप और मयंक इस समय सेंटर ऑफ एक्सिलेंस में हैं। वह चोट से उभर रहे हैं। हालांकि, मयंक ने बेंगलुरु में नेट्स पर गेंदबाजी शुरू कर दी है, लेकिन उन्हें अभी भी मैच फिटनेस हासिल करने में समय लगेगा। आवेश घुटने की चोट से उबर रहे हैं और अभी तक टीम से नहीं जुड़े हैं।

नाबार्ड कम ब्याज दरों पर ऋण उपलब्ध कराए : सीएम

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने नाबार्ड के अध्यक्ष शाजी केवी से आरआईडीएफ के माध्यम से कम ब्याज दरों पर ऋण देने और सूक्ष्म सिंचाई परियोजनाओं के लिए आवश्यक धन स्वीकृत करने पर विचार करने का आग्रह किया है। शुक्रवार को विधानसभा में एक बैठक के दौरान, शाजी केवी ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की, जिन्होंने उनसे मौजूदा सहकारी समितियों के लिए समर्थन बढ़ाने और अतिरिक्त नई समितियां स्थापित करने का आग्रह किया। चर्चा में महिला स्वयं सहायता समूहों को मजबूत करने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें रेवंत रेड्डी ने इन समूहों को लक्षित एक विशेष कार्यक्रम शुरू करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने नाबार्ड से तेलंगाना राज्य में आईकेपी, गोदामों और चावल मिलों को जोड़कर मिलिंग क्षमता बढ़ाने में सहायता करने को कहा। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि चालू वित्त वर्ष के लिए आवंटित नाबार्ड फंड का उपयोग 31 मार्च तक किया जाए और आगामी वित्तीय वर्ष में सभी नाबार्ड प्रायोजित कार्यक्रमों का लाभ उठाया जाए।

रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे चालू वित्त वर्ष में स्वीकृत नाबार्ड फंड का 31 मार्च तक उपयोग करें और अगले वित्तीय वर्ष में नाबार्ड द्वारा प्रायोजित सभी योजनाओं का भी उपयोग करें।

मुख्यमंत्री ने महिला समूहों को स्वीकृत सौर ऊर्जा उत्पादन संयंत्रों को नाबार्ड से जोड़ने का सुझाव दिया और बैंक अध्यक्ष से नव निर्मित ग्राम पंचायतों में ग्रामीण संपर्क बढ़ाने की अपील की। इस अवसर पर, नाबार्ड अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को नए जिलों में डीसीसीबी के गठन का प्रस्ताव दिया। बैठक में तंडूर विधायक मनोहर रेड्डी और नाबार्ड के प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

बिजली शुल्क बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं : मुशर्रफ फारुकी

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना दक्षिणी विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (टीजीएसपीडीसीएल) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक मुशर्रफ फारुकी ने घोषणा की है कि इस वर्ष बिजली शुल्क बढ़ाने की कोई योजना नहीं है। ईआरसी अध्यक्ष की अध्यक्षता में विद्युत नियंत्रण भवन में आयोजित जांच कार्यक्रम के दौरान, सीएमडी और जेएमडी श्रीनिवास दोनों उपस्थित थे। फारुकी ने इस बात पर जोर दिया कि बिजली कंपनियों द्वारा इस साल मौजूदा बिजली दरों को बनाए रखने का फैसला आम जनता पर वित्तीय बोझ को कम करेगा। गर्मियों के आगमन के साथ ही तेलंगाना के विभिन्न जिलों में भीषण गर्मी पड़ रही है, ऐसे में एयर कंडीशनिंग और कूलिंग उपकरणों की मांग में काफी वृद्धि हुई है। हाल ही में आई रिपोर्टों के अनुसार बिजली कंपनियां बिजली की दरें बढ़ाने का इरादा रखती हैं और ये सिफारिशें जल्द ही मुख्यमंत्री को सौंपी जाएंगी, लेकिन सीएमडी मुशर्रफ फारुकी ने इन दावों पर ध्यान दिया है।

केंद्र संघीय व्यवस्था की भावना के विरूद्ध काम कर रहा है : जूपल्ली

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने चिंता व्यक्त की है कि केंद्र सरकार संघवाद के सिद्धांतों को कमजोर कर रही है और धन आवंटन के मामले में तेलंगाना को अपर्याप्त सहायता प्रदान कर रही है। शुक्रवार को विधानसभा में बजट पर बहस के दौरान उन्होंने मुसी पुनरुद्धार परियोजना के संबंध में भाजपा विधायक महेश्वर रेड्डी द्वारा उठाए गए बिंदुओं पर बात की। जूपल्ली कृष्ण राव ने इस बात पर प्रकाश डाला कि उत्तर प्रदेश, बिहार और गुजरात जैसे राज्यों को महत्वपूर्ण धनराशि दी जा रही है, जबकि तेलंगाना को कर राजस्व का केवल न्यूनतम हिस्सा ही मिल रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि केंद्र सरकार राज्य द्वारा संघ को दिए जाने वाले करों के अनुरूप धनराशि वितरित करने में विफल होकर पक्षपात प्रदर्शित कर रही है। जूपल्ली ने कहा, केंद्र सरकार को मूसी पुनरुद्धार पहल की राष्ट्रीय स्थिति के साथ-साथ कालेश्वरम और पलामुरु-रंगा रेड्डी परियोजनाओं और अन्य विकास गतिविधियों के बारे में जिम्मेदाराना कार्रवाई करने की आवश्यकता है। मंत्री ने मूसी नदी को बहाल करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया, जो अत्यधिक प्रदूषित हो गई है, और इसे अप्रिय गंध और इससे जुड़ी मच्छरों की समस्याओं से बचाने के लिए। उन्होंने कहा कि वे खुद इन परिस्थितियों से प्रभावित हुए हैं।

उन्होंने आगे बताया कि मूसी पुनरुद्धार परियोजना को नदी की स्थिति से प्रभावित लोगों के जीवन को बेहतर बनाने, निवेश आकर्षित करने, बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने, राज्य के राजस्व को बढ़ाने और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए किया जाएगा।

परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार से मुलाकात की। मंत्री ने राजनीतिक, शैक्षणिक और नौकरी के अवसरों में बीसी के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण बढ़ाकर विधान सभा में विधेयक को मंजूरी दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार को धन्यवाद दिया।

सभी राजधानियों में वेंकटेश्वर स्वामी का मंदिर बनाने का फैसला : चंद्रबाबू

मुख्यमंत्री ने तिरुमाला में पूजा-अर्चना की

तिरुमाला, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायुडू ने शुक्रवार को अपने परिवार के साथ तिरुमाला मंदिर में पूजा-अर्चना की। अपने पोते नारा देवांश के जन्मदिन के अवसर पर मुख्यमंत्री ने अपनी पत्नी भुवनेश्वरी, अपने बेटे और मंत्री नारा लोकेश, बहू नारा ब्राह्मणी और पोते नारा देवांश के साथ गर्भगृह में श्री वेंकटेश्वर स्वामी की पूजा-अर्चना की। इससे पहले वे अपने परिवार के साथ वैकुंठम क्यू कॉम्प्लेक्स से महाद्वारम पहुंचे। मंदिर के पुजारियों ने मुख्य प्रवेश द्वार पर उनका पारंपरिक इस्तिकापाल स्वागत किया, जबकि टीटीडी के चेयरमैन बीआर नायुडू ने ईओ श्यामला राव और अतिरिक्त ईओ चौधरी वेंकैया चौधरी के साथ राज्य के मुखिया और उनके परिवार का स्वागत किया। श्रीवरु के दर्शन के बाद, सीएम को स्वामी वरु के शेष वस्त्रम

की पेशकश की गई और बाद में रंगनायकुला मंडपम में वैदिक विद्वानों द्वारा वेदसर्वचनम की पेशकश की गई। सीएम और अन्य गणमान्यों को श्रीवारी तीर्थप्रसादम, श्रीवरु की लेमिनेशन फोटो, अगरबत्ती, पंचगव्य उत्पाद, श्रीवरु की सूखे फूल प्रौद्योगिकी फोटो और श्री विश्ववसु नाम पंचांगम की पेशकश की गई। तिरुमाला मंदिर के दर्शन के बाद, चंद्रबाबू नायुडू अपने परिवार के सदस्यों के साथ मातृश्री तारिगोंडा वेंगामम्बा अन्नप्रसादम परिसर गए और भक्तों को अन्नप्रसाद सेवा प्रदान की। अपने पोते के जन्मदिन के अवसर पर, उन्होंने तिरुमाला में एमटीवीएसी में भक्तों की एक दिवसीय अन्नप्रसादम आवश्यकताओं के लिए 44 लाख रुपये ऑनलाइन के माध्यम से दान किए। अन्नप्रसादम परोसते समय, उन्होंने भक्तों के साथ टीटीडी द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं और अन्नप्रसादम के स्वाद पर बातचीत की। बाद में, सीएम और उनके सभी परिवार के सदस्यों ने भक्तों के साथ अन्नप्रसादम खाया। सीएम ने कहा कि हम 3 होटलों को आवंटित भूमि को रद्द कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले पांच सालों में उन्होंने तिरुमाला की पवित्रता के लिए बहुत संघर्ष किया है। हमने कहा था कि सत्ता में आने के बाद हम वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर से शुद्धिकरण की शुरूआत करेंगे। पहाड़ी से सटे मुमताज, एमार और देवलोक होटलों को अनुमति दी गई और 35.32 एकड़ जमीन आवंटित की गई। हम इन आवंटनों को रद्द कर रहे हैं। कोई भी व्यक्ति सात पहाड़ियों पर व्यापार या अपवित्र नहीं कर सकता। उन्होंने कहा, हम टीटीडी में काम करने वाले सभी लोगों से अनुरोध करते हैं कि वे वेंकटेश्वर स्वामी की पवित्रता की रक्षा के लिए एक कदम आगे आएं, लेकिन व्यक्तिगत लाभ के लिए काम न करें।

उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने देश और दुनिया में वेंकटेश्वर स्वामी की संपत्तियों की रक्षा करने की प्रतिबद्धता जताई है। नायुडू ने स्पष्ट किया कि टीटीडी में काम करने वाले हिंदू होने चाहिए और उन्होंने कहा कि वे अन्य धर्मों के लोगों को सम्मान के तौर पर अन्य स्थानों पर अवसर देंगे। ईसाई और मुस्लिम प्रार्थना स्थल पर भी अन्य धर्मों के लोग नहीं होंगे।

सुचारू रूप से शुरू हुईं एसएससी पब्लिक परीक्षाएं

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एसएससी पब्लिक परीक्षा 2025 शुक्रवार को पूरे राज्य में सुचारू रूप से शुरू हुई। सुबह 9.30 बजे शुरू हुई पहली भाषा की परीक्षा दोपहर 12.30 बजे समाप्त होगी। परीक्षा शुरू होने से एक घंटा पहले ही छात्र केंद्रों पर पहुंचने लगे थे। उन्हें परीक्षा हॉल में प्रवेश के लिए पांच मिनट का समय दिया गया था। राज्य भर में स्थापित 2,650 केंद्रों पर आयोजित की जा रही परीक्षाओं के लिए कुल 5,09,403 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया है, जिनमें 2,58,895 लड़के और 2,50,508 लड़कियां शामिल हैं।

परीक्षा ड्यूटी के लिए 28,100 निरीक्षकों और 2,650 मुख्य अधीक्षकों और विभागीय अधिकारियों को तैनात किया गया है। सरकारी परीक्षा निदेशालय, जो 4 अप्रैल तक दसवीं कक्षा की परीक्षा आयोजित कर रहा है, ने फोन नंबर 040-23230942 के साथ चौबीसों घंटे काम करने वाला नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है।

सुबह छाई रहेगी धुंध आसमान में छाए रहेंगे आंशिक बादल

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मौसम विभाग के अनुसार हैदराबाद और उसके आस-पास के इलाकों में सुबह के समय धुंध छाई रहने की संभावना है। दिन भर आसमान में आंशिक बादल छाए रहेंगे। अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की उम्मीद है, जबकि न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। सतही हवाएं दक्षिणी दिशा से चलने की संभावना है, जिनकी गति 4-8 किमी प्रति घंटे के बीच होगी। निवासियों को सलाह दी जाती है कि वे सुबह के समय धुंध के कारण गर्म तापमान और कम दृश्यता के लिए तैयार रहें।

ग्रामीण और राज्य की सड़कों पर टोल लगाने की कोई योजना नहीं : कोमटि रेड्डी

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क और भवन मंत्री कोमटि रेड्डी वेंकट रेड्डी ने तेलंगाना राज्य के वाहन चालकों के लिए सकारात्मक खबर साझा की। शुक्रवार को विधानसभा में बजट पर चर्चा के दौरान उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सरकार का ग्रामीण और राज्य की सड़कों पर टोल लगाने का कोई इरादा नहीं है। राज्य सरकार उन ठेकेदारों को देय भुगतान का 40 प्रतिशत वहन करेगी जिन्होंने सड़क निर्माण परियोजनाओं के लिए बोली लगाई है और उन्हें शुरू कर रहे हैं। इसके अलावा, प्रत्येक गांव को जोड़ने वाली लिंक सड़कों को डबल लेन में अपग्रेड किया जाएगा, जिससे प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में मंडलों के बीच कनेक्शन बेहतर होगा। कोमटि रेड्डी ने पिछली बीआरएस सरकार पर तेलंगाना में सड़क विकास की उपेक्षा करने का आरोप लगाया, उन्होंने जोर देकर कहा कि सड़कें मुख्य रूप से केवल सिरिसिला, सिद्दीपेट और गजवेल विधानसभा क्षेत्रों में बनाई गई थीं। उन्होंने आगे चुनौती दी कि कोई भी बीआरएस प्रशासन के दौरान अन्य क्षेत्रों में सड़क निर्माण होने का सबूत पेश करे।

पौधों की देखभाल हमारी संस्कृति और परंपरा : कोंडा सुरेखा

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर केबीआर पार्क में आयोजित एक कार्यक्रम में मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि वन और पर्यावरण मंत्री के रूप में, मुझे वृक्ष संरक्षण में भाग लेने में बहुत खुशी हो रही है। पौधों की देखभाल हमारी संस्कृति और परंपरा में है। उन्होंने कहा कि यदि हम वृक्ष की रक्षा करेंगे तो वृक्ष हमारी रक्षा करेगा। यह एक सार्वभौमिक सत्य है। संयुक्त राष्ट्र ने वन संरक्षण के महत्व के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए 21 मार्च को विश्व वन दिवस के रूप में घोषित किया है। वन पर्यावरण संरक्षण एवं जीव-जंतुओं के अस्तित्व का आधार हैं। मेरी राय में, वन्य जीवन और वनों के बीच एक अविभाज्य संबंध है, लोग अपने फायदे के लिए जंगलों को नष्ट कर रहे हैं। वे उनके अस्तित्व पर ही सवाल उठा रहे हैं। यदि हमें इस सत्य का एहसास है कि केवल प्रकृति ही शाश्वत है, तो हम सभी को वनों की रक्षा के लिए आगे बढ़ना चाहिए जो मानव अस्तित्व का आधार हैं। उन्होंने कहा कि जीवन की सार्थकता प्रकृति के संरक्षण और प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर रहने में है। इस अवसर पर हम सभी को वनों के महत्व, वनों के साथ मनुष्य के जुड़ाव और वनों के संरक्षण के लिए अपनाए जाने वाले कार्यों की याद दिलानी चाहिए। वन दिवस के अवसर पर हम सभी को यह सोचना चाहिए कि यदि वनों को संरक्षित नहीं किया गया तो कितनी भयावह स्थितियां उत्पन्न होंगी। हम सभी को अपनी चिंता व्यक्त करने की आवश्यकता है कि शहरीकरण, उद्योगों की स्थापना, परियोजनाओं के निर्माण, कृषि और घरों के निर्माण के कारण जंगल गायब हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भूमि क्षेत्र के अनुरूप वनों का विस्तार न होने के कारण ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव से हमें गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। नेविगेशन में संतुलन की कमी है और हम आपदाओं से प्रभावित है। जैव विविधता तभी फलती-फूलती है जब जंगलों को वन्यजीवों के आवास के रूप में संरक्षित किया जाता है। यदि लोग भी सरकार द्वारा उठाए गए कदमों में योगदान देंगे तो ही वनों के क्षेत्र में वृद्धि होगी। वन मंत्री के तौर पर हम लोगों से इसके लिए एकजुट होने का आह्वान कर रहे हैं। हम एक ओर जहां वनों का संरक्षण कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर वन संपदा को बढ़ाने के लिए भी समर्पण और संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। तेलंगाना सरकार भी बड़े पैमाने पर वनमहोत्सवम कार्यक्रम चलाएगी। इसके लिए बड़ी मात्रा में धनराशि खर्च की जा रही है। मिस वर्ल्ड 2024 क्रिस्टीना पेस्कोवा, वन विभाग के कर्मचारियों, गैर सरकारी संगठनों, नागरिक समाज और इस कार्यक्रम में भागीदार लोगों को वन मंत्री ने विशेष धन्यवाद दिया।

केटीआर ने की भाजपा, कांग्रेस की आलोचना

आदिलाबाद सीसीआई फैक्ट्री उपकरणों की नीलामी का मामला

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने आदिलाबाद में सीमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) फैक्ट्री से स्क्रैप के रूप में उपकरणों की नीलामी के लिए निविदाएं आमंत्रित करने के लिए भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर हमला बोला। उन्होंने भाजपा और कांग्रेस दोनों पर तेलंगाना को विफल करने का आरोप लगाया।

शुक्रवार को एक्स पर केंद्र की आलोचना करते हुए रामा राव ने कहा कि भाजपा सरकार ने बय्यारम में स्टील प्लांट लगाने से इनकार कर दिया और अब आदिलाबाद में मौजूदा सीसीआई फैक्ट्री को बेच रही है। उन्होंने तेलंगाना के आठ भाजपा सांसदों

और आठ विधायकों की चुप्पी पर आलोचना की और सवाल किया कि कांग्रेस के 64 विधायक और आठ सांसद इस कदम का विरोध क्यों नहीं कर रहे हैं।

उन्होंने दोनों पार्टियों पर तेलंगाना की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि वे न तो नए उद्योगों की मांग करते हैं और न ही मौजूदा उद्योगों की रक्षा करते हैं। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार निजी संपत्तियों को ध्वस्त करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जबकि केंद्र की भाजपा सरकार सार्वजनिक संपत्तियों को बेचने में व्यस्त है। उन्होंने कहा कि इन पार्टियों को केवल वोटों और सीटों की चिंता है, तेलंगाना के हितों, विकास और आकांक्षाओं की नहीं।

CHANGE OF NAME

I, **TIRUPATHI LAXMI** (New name), W/o TIRUPATHI VENKATAIAH previously called **TIRUPATHI GANGAMMA** (Old name), Resident of D.No :290/54, Yerukula Basthi, Suraram Colony, Quthubullapur Mandal, Hyderabad, Telangana - 500055 , Now Changed my name from **TIRUPATHI GANGAMMA** (Old name) to **TIRUPATHI LAXMI** (New name). Hence forth I will be called as **TIRUPATHI LAXMI** (New name) for all purpose.

होटल में व्याप्त गंदगी सामने आई

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। खाद्य सुरक्षा आयुक्त की टीम ने कोंडापुर, गाच्चीबोवली रोड स्थित सुब्बय्या गारी होटल का निरीक्षण किया और खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत कई उल्लंघनों की रिपोर्ट की है। निरीक्षण दल ने रिपोर्ट दी कि रसोई क्षेत्र बहुत अस्वच्छ था, फर्श उखड़ी हुई और टूटी हुई थी तथा दीवारें गंदी थीं।

टीमों ने रिपोर्ट दी कि नालियां जाम और ओवरफ्लो पाई गईं और खाद्य अपशिष्ट को नियमित रूप से हटाया नहीं जा रहा था। खाद्य पदार्थों को संभालने वाले लोग बिना किसी सिर की टोपी, दस्ताने आदि के गंदे पाए गए और निकास से तेल टपकता पाया गया। चूल्हे और बर्तन बहुत गंदे थे।

निरीक्षण करने वाली टीमों ने यह भी रिपोर्ट दी कि सब्जियों को गलत तरीके से रखा गया था, जिससे वे सूख गई थीं और स्टोर रूम की हालत दयनीय थी और उसका रखरखाव भी ठीक से नहीं किया गया था। पानी की गुणवत्ता के विश्लेषण, कीट नियंत्रण, खाद्य संचालकों के मेडिकल फिटनेस प्रमाणपत्र उपलब्ध नहीं होने से संबंधित रिपोर्ट दी गई। प्रयुक्त तेल की टीपीसी गठन के लिए जांच नहीं की गई तथा एकत्रित नमूनों को प्रयोगशाला विश्लेषण के लिए एकत्र कर लिया गया है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.